गुरु गोबिंद सिंह
इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

गुरु गोबिंद सिंह
इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

वार्षिक रिर्पोट
2018-2019

सेक्टर- 16 सी, द्वारका, दिल्ली - 110078
वेबसाइट: www.ipu-ac-in

दृष्टि

शोध छात्र के दिल और मस्तिष्क दोनों को प्रेरित करना, उन्हें समाज के कल्याण में योगदान करने की क्षमता प्रदान करना; उन्हें आर्थिक आवश्यकताओं के परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए प्रशिक्षित करना और उन्हें सांस्कृतिक नेतृत्व के लिए शिक्षित करना ताकि सभी के लिए शांति, समरसता और समृद्धि सुनिश्चित हो।

उद्देश्य

छात्र समुदाय को एक बाजार के ओरिएंटेड पेशेवर शिक्षा प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करना, भारत के छात्र समुदाय को सामान्य रूप से और विशेषकर दिल्ली के छात्र समुदाय को उच्च शिक्षा के कारण सेवा प्रदान करने के दृष्टिकोण से, साथ ही भारतीय उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कॉलेज और अध्ययन के विद्यालय की स्थापना को बढ़ावा देना, शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में केंद्रों के रूप में। उदार शिक्षा के क्षेत्रों में पेशेवर शिक्षा के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, चिकित्सा, शिक्षा, फार्मेसी, नर्सिंग, कानून आदि के क्षेत्रों में एक्सेलेंस के केंद्र के रूप में कॉलेज और विद्यालय की स्थापना को बढ़ावा देना

विश्वविद्यालय प्रबंधन संरचना

आगंतुक

- श्री रामनाथ कोविंद
  महामहिम, भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति

- श्री अनिल बैजल
  दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के माननीय उपराज्यपाल

कुलपति

- प्रो. अनिल कुमार त्यागी

प्रति कुलपति

- प्रो. पुष्पलता त्रिपाठी

संस्थान अध्यक्ष

- प्रो. रजत रे, वास्तुशिल्प और योजना के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. श्रुति अग्रवाल, प्रस्तुत और अनुप्रयुक्त विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. के.के. अग्रवाल,जाव प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. उत्तम कुमार मंडल, रासायनिक प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. संगीता चौहान, शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. एन.सी.गुप्ता, पर्यावरण प्रबंधन के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. आशुतोष मोहन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. अरविंदर कौर, सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. कंवल डी.पी सिंह, कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. नीना सिन्हा, प्रबंधन अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. अनूप एस बेनीवाल, जनसंचार के विद्यालय विश्वविद्यालय
- प्रो. यतीश अग्रवाल, चिकित्सा और पारा चिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय

कुलसचिव

- श्री के. डी. डोगरा

वित्त नियंत्रक

- श्री एस. के. तंवर

परीक्षा नियंत्रक (संचालन)

- प्रो. प्रवीण चंद्रा

निदेशक (अकादमिक मामले)

- प्रो. पी. सी शर्मा

निदेशक (छात्र कल्याण)

- प्रो. सी. एस राय

निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय मामले)

- प्रो. अनुभा कौशिक

निदेशक (अनुसंधान और परामर्श)

- प्रो. पी.सी शर्मा
- प्रो. ए.के. सैनी (आईयूआईटी केंद्र)

निदेशक (समन्वय)

- प्रो. अविनाश शर्मा

निदेशक (आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र)

- प्रो. अमरजीत कौर

निदेशक (केंद्र के लिए उत्कृष्टता में फार्मास्युटिकल विज्ञान)

- प्रो. एके नरूला

निदेशक (मानवीय मूल्यों के लिए केंद्र और नीति)

- प्रो. कंवल डी. पी. सिंह

निदेशक (कानूनी सहायता केंद्र)

- प्रो. एम. अफजल वानी

विषय सूची

क्रम संख्या	शीर्षक	पृष्ठ सं.
1.	परिचय	8
2.	सत्र की मुख्य विशेषताएं (2018-19)	13
3.	छात्र कल्याण निदेशालय	19
4.	विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यालय	24
4.1	विश्वविद्यालय केंद्रीय वास्तुकला और नियोजन	24
4.2	विश्वविद्यालय केंद्रीय बेसिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान	25
4.3	विश्वविद्यालय केंद्रीय जैव प्रौद्योगिकी	32
4.4	विश्वविद्यालय केंद्रीय रासायनिक प्रौद्योगिकी	38
4.5	अविश्वविद्यालय केंद्रीय शिक्षा	43
4.6	विश्वविद्यालय केंद्रीय पर्यावरण प्रबंधन	47
4.7	विश्वविद्यालय केंद्रीय मानविकी और सामाजिक विज्ञान	58
4.8	विश्वविद्यालय केंद्रीय सूचना, संचार और तकनीक	60
4.9	विश्वविद्यालय केंद्रीय कानून और कानूनी अध्ययन	75
4.10	विश्वविद्यालय केंद्रीय प्रबंधन अध्ययन	86
4.11	विश्वविद्यालय केंद्रीय मासिक संचार	94
4.12	विश्वविद्यालय केंद्रीय चिकित्सा और पैरा मेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान	99
5.	विश्वविद्यालय केंद्र	101
5.1	आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र	101
5.2	फार्मास्युटिकल विज्ञान में उत्कृष्टता केंद्र	103
5.3	कानूनी सहायता केंद्र	105
6.	अंर्तराष्ट्रीय मामले	106
7.	विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र	107
8.	शैक्षणिक शाखा	110
9.	अनुसंधान एवं परामर्श	112
10.	शैक्षिक मामले	114
11.	विकास	116
12.	योजना शाखा	118
13.	विश्वविद्यालय कार्य प्रभाग	119
14.	संबद्धता शाखा	120
15.	परीक्षा शाखा	138
16.	विश्वविद्यालय में अन्य सुविधाएं	147
17.	वित्तीय स्वास्थ्य	148
18.	विश्वविद्यालय के लिए वैधानिक निकायों की संरचना	151

1. परिचय

1.1 गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय: उत्पत्ति

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की स्थापना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1998 के प्रावधानों के तहत की गई थी। एक संबद्ध सह शिक्षण विश्वविद्यालय के रूप में, इसका उद्देश्य इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, वास्तुकला, प्रबंधन, कानून, चिकित्सा, फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग, शिक्षा, पत्रकारिता और जन संचार आदि जैसे विषयों में व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ उच्च शिक्षा के उभरते क्षेत्रें में अध्ययन, अनुसंधान और विस्तार कार्य को सुविधाजनक बनाना और बढ़ावा देना है।

बीस वर्षों की अवधि में, विश्वविद्यालय ने न केवल भारत के भीतर बल्कि पूरे विश्व में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह वर्तमान में अपने विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यालय और संबद्ध संस्थानों (सरकारी और स्व-वित्तपोषण) में 151 से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, इस प्रकार लगभग 70,000 छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस विश्वविद्यालय के छात्रों को टीसीएस, ई एंड वाई, इंफोसिस, विप्रो, डीसीएम टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, क्वार्क, एसटी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक, रैनबैक्सी, पेप्सी, एचडीएफसी, एबीएन एमरो बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एयर-टेल, नेस्ले, एलजी, रिलायंस, ओरेकल, मैक्स हेल्थकेयर, व्हर्लपूल, सिंगापुर टेलीकॉम, सोनी इंडिया लिमिटेड, क्रिसिल, एनएसई, आदि जैसी सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में उत्कृष्ट प्लेसमेंट मिल रहा है।

1.2 क्षेत्रधिकार

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1998 (1998 का 9) के प्रावधानों के तहत, उस क्षेत्र की सीमाएँ जिसके भीतर विश्वविद्यालय अपनी शक्ति का प्रयोग करेगा, संबद्धता के प्रयोजन के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड अधिनियम, 1985 (1985 का 2) के अनुसार होंगे।

1.3 विश्वविद्यालय के उद्देश्य

अधिनियम में उल्लिखित इस विश्वविद्यालय के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. पोषण करना, बौद्धिक गतिविधियों और सामाजिक आवश्यकताओं के बीच सहजीवन प्राप्त करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए समग्र दृष्टिकोण का पोषण और प्रचार करना;
2. उच्च शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में निर्देश प्रदान करना और अनुसंधान और उन्नति के साथ-साथ ज्ञान और कौशल के प्रसार के लिए प्रावधान करना;
3. व्यावसायिक शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में स्व-वित्तपोषित कॉलेजों और संस्थानों को बढ़ावा देना और जिम्मेदारी सौंपने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के माध्यम से गुणवत्ता बनाए रखना;
4. शिक्षण, अनुसंधान के लिए भारत और विदेशों में उद्योग, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों, उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करना,प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संबद्ध गतिविधियाँ;
5. बाह्य अध्ययन और विस्तार सेवाओं को व्यवस्थित करना और शुरू करना;
6. प्रभावी शिक्षा और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमता का उपयोग करना;
7. नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को विकसित करना और छात्रों के बीच सामाजिक संवेदनाएँ।

1.4 मान्यताएं

29 जनवरी 1999 को धारा 2(एफ) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त।
मार्च 1, 2001 को धारा 12 (बी) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त।
2013-2018 के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा 'ए' ग्रेड के रूप में मान्यता प्राप्त।
2018 में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा समग्र रूप से 85वें स्थान पर रखा गया।

1.5 विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय

अधिनियम में निर्धारित उद्देश्यों के अनुसरण में, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित स्कूल स्थापित किए हैं अध्ययन, विभिन्न कार्यक्रमों की पेशकश:

1. विश्वविद्यालय केंद्रीय वास्तुकला और नियोजन

2. विश्वविद्यालय केंद्रीय बेसिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान
3. विश्वविद्यालय केंद्रीय जैव प्रौद्योगिकी
4. विश्वविद्यालय केंद्रीय रासायनिक प्रौद्योगिकी
5. विश्वविद्यालय केंद्रीय शिक्षा
6. विश्वविद्यालय केंद्रीय पर्यावरण प्रबंधन
7. विश्वविद्यालय केंद्रीय मानविकी और सामाजिक विज्ञान
8. विश्वविद्यालय केंद्रीय सूचना, संचार और तकनीक
9. विश्वविद्यालय केंद्रीय कानून और कानूनी अध्ययन
10. विश्वविद्यालय केंद्रीय प्रबंधन अध्ययन
11. विश्वविद्यालय केंद्रीय मासिक संचार
12. विश्वविद्यालय केंद्रीय चिकित्सा और पैरा मेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान

1.6 विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम

1. दोहरी डिग्री कार्यक्रम
2. एकीकृत कार्यक्रम
3. स्नातक कार्यक्रम
4. स्नातकोत्तर कार्यक्रम
5. स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
6. डॉक्टरेट कार्यक्रम

दोहरी डिग्री कार्यक्रम उन छात्रों के लिए हैं जिनके पास वरिष्ठ स्कूल प्रमाणपत्र योग्यता है परीक्षा या समकक्ष. बीटेक/एम. टेक डुअल डिग्री प्रोग्राम 6 साल की अवधि के होते हैं। ऐसे सभी कार्यक्रमों में, बी.टेक डिग्री (चार वर्ष की अवधि) प्राप्त करने के बाद पढ़ाई समाप्त करने का विकल्प होता है। जो छात्र 6 साल की अवधि तक अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं, वे एम.टेक डिग्री के पुरस्कार के लिए पात्र हो जाते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज में प्रवेश की पेशकश वाले विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

	(क) दोहरी डिग्री कार्यक्रम	**अवधि वर्ष**
(i)	सूचना प्रौद्योगिकी में बी.टेक/एम.टेक	4+2
(ii)	बी.तकनीक/कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में एम.टेक	4+2
(iii)	बीटेक/इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में एम.टेक	4+2
(iv)	बी.तकनीक/एम. टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	4+2
	(ख) एकीकृत कार्यक्रम	**अवधि वर्ष**
(i)	बी.ए. एलएलबी	5
(ii)	बीबीए एलएलबी	5
	(ग) स्नातक कार्यक्रम	**अवधि वर्ष**
(i)	बी. आर्क	5
(ii)	बी.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	4
(iii)	बी.टेक (केमिकल इंजीनियरिंग)	4
(iv)	बी.टेक (बायो-केमिकल इंजीनियरिंग)	4

(v)	बी. वोक (इंटीरियर डिजाइन)	3
(vi)	बी. वोक (एप्लाइड आर्ट)	3
(घ)	**स्नातकोत्तर कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)	2
(i)	एम.बी.ए (वित्तीय बाजार)	2
(iii)	एम.बी.ए (मार्केटिंग में कार्यात्मक विशेषज्ञता के साथ, वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन, आईटी और सिस्टम, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और बैंकिंग और बीमा में क्षेत्रीय विशेषज्ञता, रियल एस्टेट और कंसल्टेंसी) (सप्ताहांत)	2
(iv)	एल.एल.एम	1
(v)	एल.एल.एम (सप्ताहांत)	2
(vi)	एम.एस.सी पर्यावरण प्रबंधन	2
(vii)	एम.एस.सी जैव विविधता संरक्षण	2
(viii)	एम.एस.सी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	2
(ix)	एम.सी.ए (एसई)	3
(x)	एम.टेक (सूचना प्रौद्योगिकी)	2
(xi)	एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग)	2
(xii)	एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग)	2
(xiii)	एम.टेक (रोबोटिक्स ऑटोमेशन)	2
(xiv)	एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग) (सप्ताहांत)	3
(xv)	एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग) (सप्ताहांत)	3
(xvi)	एम. टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	2
(xvii)	एम.टेक (नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)	2
(xviii)	एम.टेक (इंजीनियरिंग भौतिकी)	2
(xix)	एम.टेक (केमिकल इंजीनियरिंग)	2
(xx)	मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.)	2
(xxi)	एम.ए मास कम्युनिकेशन	2
(xxii)	एम.बी.ए (आपदा प्रबंधन) (सप्ताहांत)	2
(xxiii)	एम.ए अंग्रेजी	2
(xxiv)	एम.ए. अर्थशास्त्र	2
(ड)	**स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	महिला सशक्तिकरण में पीजी डिप्लोमा (पीजीडीडब्ल्यूई)	1
(च)	**डॉक्टरेट/एम.फिल. कार्यक्रम**	**अवधि वर्ष**
(i)	एम. फिल. (अंग्रेजी)	1
(ii)	सभी विश्वविद्यालय अध्ययन स्कूल अनुसंधान के उभरते क्षेत्रों में डॉक्टरेट डिग्री कार्यक्रम प्रदान करते हैं।	

1.7 प्रवेश का तरीका

छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा के आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। हालाँकि, कुछ कार्यक्रमों में प्रवेश योग्यता परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर योग्यता सूची के आधार पर किया जाता है, साथ ही यदि लागू हो तो अनुभव और साक्षात्कार के लिए वेटेज भी दिया जाता है।

1.8 वैधानिक निकाय

1.8.1 कोर्ट

न्यायालय समय-समय पर विश्वविद्यालय की व्यापक नीतियों और कार्यक्रमों की समीक्षा करता है और विश्वविद्यालय के सुधार और विकास के लिए उपाय सुझाता है। यह विश्वविद्यालय के वार्षिक खातों और वार्षिक रिपोर्ट पर भी विचार करता है और प्रस्ताव पारित करता है।

1.8.2 प्रबंधन बोर्ड

यह विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। इसके पास विश्वविद्यालय के राजस्व और संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन और विश्वविद्यालय के सभी प्रशासनिक मामलों के संचालन की शक्ति है जैसा कि अधिनियम में प्रदान किया गया है।

1.8.3 अकादमिक परिषद

यह विश्वविद्यालय का प्रमुख शैक्षणिक निकाय है। यह के मानकों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार है विश्वविद्यालय के भीतर निर्देश, शिक्षा और परीक्षा और अन्य शक्तियों का प्रयोग और अधिनियम या कानून या अध्यादेशों में निर्धारित ऐसे अन्य कार्य करता है।

1.8.4 योजना बोर्ड

योजना बोर्ड विश्वविद्यालय के विकास और विस्तार के लिए उचित योजनाएं डिजाइन करने और तैयार करने के लिए जिम्मेदार है।

1.8.5 संबद्धता बोर्ड

यह विश्वविद्यालय के विशेषाधिकारों के तहत कॉलेजों या संस्थानों को प्रवेश देने और उनकी प्रगति और विकास की निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

1.8.6 वित्त समिति

यह खातों की जांच करता है और व्यय की जांच करता है, विश्वविद्यालय के वित्तीय अनुमानों को मंजूरी देता है और व्यय की समग्र सीमा तय करता है। यह ग्रेड के संशोधन, वेतनमान के उन्नयन आदि से संबंधित प्रस्तावों और अधिनियम, कानून या अध्यादेशों में प्रदान किए गए अन्य मामलों की भी जांच करता है।

1.8.7 विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय

प्रत्येक स्कूल उन कार्यक्रमों में शिक्षण और अनुसंधान कार्य के लिए जिम्मेदार है जो उसे विश्वविद्यालय द्वारा सौंपे गए हैं। संबंधित स्कूल का अध्ययन बोर्ड अकादमिक परिषद को अध्ययन के पाठ्यक्रमों और पाठ्यक्रमों, शिक्षण के मानकों की उन्नति के लिए योजनाओं पर विचार करने, उद्योग के साथ बातचीत, छात्रों की रोजगार क्षमता और प्लेसमेंट पर रिपोर्ट, राजस्व सृजन के प्रस्ताव की सिफारिश करता है।, अनुसंधान और परामर्श, संकाय विकास के लिए प्रस्ताव, आदि

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

1.9 विश्वविद्यालय की मानव पूंजी (शिक्षण संकाय)

1.9.1 शिक्षण संकाय

शिक्षण संकाय एक शैक्षिक संगठन के मूल का गठन करता है। भरे हुए शिक्षण पदों का विवरण (विद्यालयवार) तालिका में दिया गया है:

क्र.सं.	विद्यालय/केंद्र	प्रोफेसर	सह प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर	व्याख्याता (सीनियर स्केल)	कुल
1	जनसंचार के विद्यालय विश्वविद्यालय	1	0	6	0	7
2	शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय	3	0	3	0	6
3	पर्यावरण प्रबंधन के विद्यालय विश्वविद्यालय	6	1	7	0	14
4	वास्तुकला और योजना के विद्यालय विश्वविद्यालय	2	2	6	0	10
5	जैव प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	4	5	4	0	13
6	रासायनिक प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	2	5	7	1	15
7	मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय	4	0	9	0	13
8	बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय	7	1	13	0	21
9	कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय	4	4	12	0	20
10	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	11	8	22	0	41
11	प्रबंधन अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय	10	1	12	0	23
	कुल	**54**	**27**	**101**	**1**	**183**

2. सत्र 2018-19 की मुख्य बातें

1. अनुसंधान

1. संकाय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में 290 शोध लेख प्रकाशित किए हैं।
2. संकाय अपने अनुसंधान कार्य के लिए और अनुसंधान के लिए ढांचागत सुविधाएं स्थापित करने के लिए बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त किया।
3. 171 संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों और संगोष्ठियों में अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया और उनमें से कई ने सर्वश्रेष्ठ मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार जीते।
4. इस वर्ष के दौरान कुल 35 छात्रों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।
5. जैव प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय के छात्र सौरभ रस्तोगी संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट परीक्षा, 2018 के टॉपर थे, और उन्हें एसपीएम पुरस्कार, 2018 भी प्राप्त हुआ।
6. 49 छात्रों ने सीएसआईआर, यूजीसी नेट, गेट परीक्षा उत्तीर्ण की।

2. संकाय के पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

1. प्रोफेसर मीनू कपूर, यूएसबीटी को राष्ट्रीय अकादमी विज्ञान विभाग (एनएएसआई), इलाहाबाद, भारत का फेलो चुना गया ।
2. डॉ. राजेश कुमार, यूएसबीएएस को "रूला अवार्ड", "इदामास लर्निंग सेंटर, मलेशिया" द्वारा मान्यता प्राप्त वर्ष 2019 का रिसर्च रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया।
3. यूएसआईसीटी के डॉ. मनोज कुमार को यंग फैकल्टी रिसर्च फेलोशिप (वाईफआरएफ), डिजिटल इंडिया कंपनी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार से सम्मानित किया गया

3. सेमिनार/सम्मेलन/व्याख्यान आयोजित

1. जैव प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय ने 11 जनवरी, 2019 को 14वें वार्षिक, डॉ. वाई. सुब्बा रो मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया; 22.03.2019 को बाल चिकित्सा एचआईवी- I संक्रमण में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और एंटी-एचआईवी मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की पीढ़ी पर एक वार्ता आयोजित की गई थी।
2. शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय ने 22 से 24 जनवरी, 2019 तक "दुनिया भर में उच्च शिक्षा में अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमान और शिक्षक शिक्षा में इसकी प्रासंगिकता" पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया; 20 जुलाई 2018 को "नई तालीम" पर पाठ्यक्रमों विकास कार्यशाला; 11 से 18 दिसंबर, 2018 तक "अनुभवात्मक शिक्षा के लिए विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में नई तालीम का एकीकरण" पर संकाय विकास कार्यक्रमय 27 अक्टूबर, 2018 को राधाकृष्णन स्मृति व्याख्यानय 18 सितंबर, 2018 को "शिक्षा में मानसिकता विकसित करने का महत्व" विषय पर एक दिवसीय कार्यशालाय 08 मार्च 2019 को "महिलाओं की सुरक्षा चिंताओं को सुदृढ़ करने के लिए लिंग संवेदीकरण" पर व्याख्यान सह चर्चा।
3. मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय ने अगस्त-अक्टूबर, 2018 में विभिन्न फिल्मों और उपन्यासों पर एक सेमिनार का आयोजन किया; 20 नवंबर, 2018 को "कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था" पर विस्तार व्याख्यानय 14 नवंबर, 2018 को "राष्ट्रवाद, देशभक्ति और अंधराष्ट्रवाद" विषय पर संगोष्ठीय 12 फरवरी को "राहरो" पर दूसरा वार्षिक व्याख्यान, 2019; 5 से 6 मार्च 2019 तक "साहित्य, समाज और संस्कृति: सिद्धांत, अंत:क्रिया और हस्तक्षेप" पर राष्ट्रीय सम्मेलनय 15 मार्च, 2019 से 26 मार्च, 2019 तक "क्रिटिकल थ्योरी, अभ्यास और डिजाइन" पर कैंपस के बाहर कार्यशाला।
4. 30 जनवरी 2019 से 31 जनवरी, 2019 तक, सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय ने टेक यूपोरिया का आयोजन किया, आईईईई डब्ल्यूआईई आयोजन; 4 फरवरी, 2019 को एजाइल कंप्यूटिंग कार्यशाला, एसीएम चौप्टर यूएसआईसीटीय 28 फरवरी 2019 को प्रो. डोंबी गोजेफ, हंगरी द्वारा तकनीकी वार्ता.।
5. प्रबंधन अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय ने 25 अक्टूबर, 2018 को मैनेजमेंट कॉन्क्लेव का आयोजन कियायवित्त, विपणन, आईटी के क्षेत्र में उद्योग पैनल चर्चा; 13 सितम्बर, 2018 को क्रिप्टोकरेंसी पर सेमिनार आयोजित किया ।

4. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय (यूएसबीएएस) ने 28 फरवरी, 2019 को विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया। इस अवसर के मुख्य अतिथि श्री एचआर वैश, प्रबंध निदेशक-इंस्टापावर थे और इस अवसर के सम्मानित अतिथि श्री रविशंकर राय, सीईओ-सवित्री ग्रुप थे। विभिन्न विश्वविद्यालय विद्यालयों और अध्ययन के छात्रों ने अपने शोध कार्य को पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किया ।

5. एसीएम चौप्टर का उद्घाटन

विश्वविद्यालय के सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय ने 18 जनवरी, 2019 को छात्रों के लिए एसीएम (एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटिंग मशीनरी) के चैप्टर खोला। उद्घाटन समारोह में, प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता (दिल्ली विश्वविद्यालय) और प्रोफेसर विजय कुमार (जेएनयू) को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। प्रो नीलिमा गुप्ता ने 'इनपुट आकार और एल्गोरिदम की जटिलता' पर एक व्याख्यान दिया, और अपने भाषण के दौरान एसीएम के मुख्य अंश भी प्रस्तुत किए।

6. यूके रिसर्च एंड इनोवेशन इंडिया के प्रतिनिधि ने विश्वविद्यालय का दौरा किया

ब्रिटिश उच्चायोग की देखरेख में यूके रिसर्च एंड इनोवेशन इंडिया के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 27 जनवरी, 2019 को जैव प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं का दौरा किया। व इस संगठन के सीईओ, सर मार्क वालपोर्ट, सीईओ के पीएस, टिम व्हेलर जेस सियरल, इस संगठन के निदेशक- अंतर्राष्ट्रीय टिम व्हीलर, इस संगठन के कार्यवाहक निदेशक सुकन्या कुमार सिन्हा, इस संगठन के कार्यक्रम-प्रबंधक शिवानी गरकल और न्यूटन फंड, भारत की प्रमुख रीता शर्मा, प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। प्रतिनिधिमंडल ने भारत में ऐसी तीन प्रयोगशालाओं का दौरा किया। यह भारत में प्रतिनिधिमंडल का पहला ऐसा स्थल दौरा था। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया और इन प्रयोगशालाओं की स्थिति की प्रशंसा की। प्रोफेसर एन. रघुराम ने कहा कि यह वास्तव में विभाग के साथ-साथ विश्वविद्यालय के लिए एक यादगार अवसर था।

7. अनुसंधान पद्धति कार्यशाला

जनसंचार के विद्यालय विश्वविद्यालय (यूएसएमसी) ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सहयोग से विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर के 'संचार अध्ययन' में पीएच. डी. छात्र के लिए अनुसंधान पद्धति पर 18 फरवरी, 2019 से शुरू होने वाली पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए, यूएसएमसी के डीन प्रो. अनुप सिंह बेनीवाल ने कहा कि वैश्विक दुनिया में, एक शैक्षणिक संस्थान में अनुसंधान की भूमिका इसकी स्थिरता और विकास के लिए महत्वपूर्ण है, और नवाचार के आधार पर ज्ञान आधारित विकास होना अनिवार्य है। ज्ञान की खोज अनुसंधान के लिए पूर्व शर्त है। प्रोफेसर डेविड हिंद, एशिया पैसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट्स मैनेजमेंट, लंदन के अध्यक्ष ने जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन' पर बहुत ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। इस कार्यशाला के संयोजक के अनुसार, डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी, यूएसएमसी, कार्यशाला को सामाजिक विज्ञान और संचार अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में सांख्यिकीय पैकेजों में प्रशिक्षण के साथ-साथ गुणात्मक और मात्रात्मक तरीकों के संदर्भ में अनुसंधान पद्धति पर ज्ञान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था।

8. शिक्षक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय (यूएसई) ने अपने द्वारका परिसर में 'दुनिया भर में उच्च शिक्षा में अंतर अनुशासनात्मक अनुसंधान में बदलते प्रतिमान और शिक्षक शिक्षा में इसकी प्रासंगिकता' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन को एमएचआरडी द्वारा पीएमएमएनएमटीटी योजना के तहत प्रायोजित किया गया था। सम्मेलन में 17 समानांतर तकनीकी सत्रों में फैले परिप्रेक्ष्य पत्र, शोध पत्र, केस अध्ययन, नृवंशविज्ञान अध्ययन और पोस्टर प्रस्तुति शामिल थी।

9. ईवीएम के प्रति जागरूकता

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय ने छूटे हुए मतदाताओं के नामांकन के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया और 21 फरवरी, 2019 को वीवीपैट के साथ ईवीएम के बारे में जागरूकता अभियान भी शुरू किया. प्रो. सीएस राय, निदेशक, डीएसडब्ल्यू ने बताया कि यह विशेष शिविर विश्वविद्यालय परिसर के उन सभी छात्रों के नामांकन के लिए था, जो मतदाता पहचान पत्र के लिए पात्र हैं और अब तक नहीं बन पाये हैं।

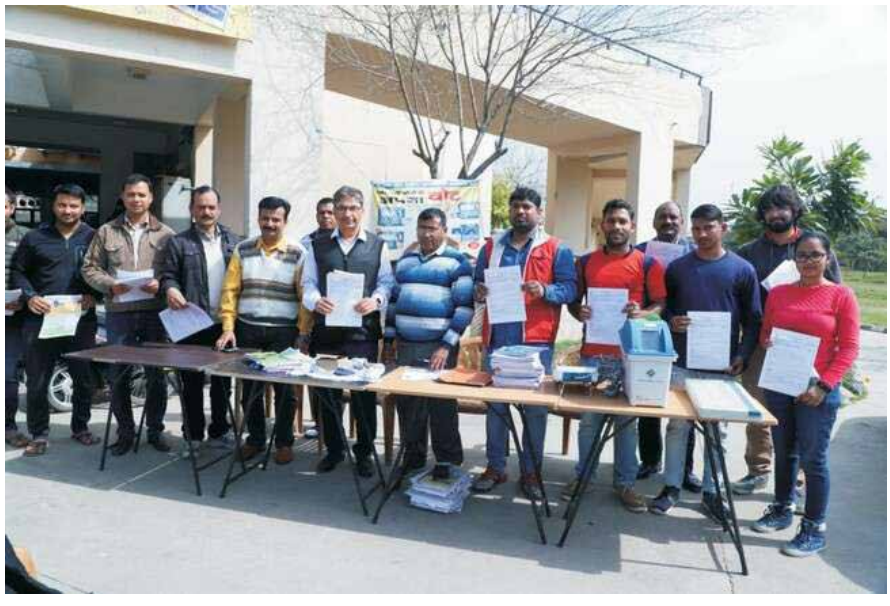

10. 15वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2018

विश्वविद्यालय का 15वां वार्षिक इंटर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता -2018 का आयोजन 11 से 13 अक्टूबर, 2018 को किया गया था मुख्य अतिथि पद्मश्री गुरुबचन सिंह रंधावा थे, देश के प्रसिद्ध एथलीट जिन्हें प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एक तकनीकी संस्थान होने के बावजूद खेल के क्षेत्र में एक लंबा सफर तय कर चुका है। उन्होंने आगे कहा, विश्वविद्यालय में खेल की यह संस्कृति जारी रहनी चाहिए। मार्च पास्ट कार्यक्रम में आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी को विजेता घोषित किया गया। अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय की टीम और सेंट स्टीफंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग को संयुक्त रूप से उपविजेता चुना गया। इस तीन दिवसीय स्पोर्ट्स मीट में विश्वविद्यालय परिसर के अलावा

86 संबद्ध कॉलेजों के लगभग पांच हजार छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विश्वविद्यालय के इस विशाल खेल-कूद आयोजन के तीनों दिनों में लगभग तीन दर्जन अलग-अलग खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

11. वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव अनुगूँज - 2019

विश्वविद्यालय का तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव, "अनुगूँज 2019" 07 फरवरी से 9 फरवरी, 2019 आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय(यूएसएस) के हार्दिक अरोड़ा और चौधरी ब्रह्मप्रकाश आयुर्वेदिक कॉलेज के डॉ. गुलशन को क्रमशः मिस्टर और मिस अनुगूँज-2019 चुना गया। इस अवसर पर प्रो. सीएस राय, विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण-निदेशक ने बताया कि इस तीन दिवसीय विशाल सांस्कृतिक महोत्सव में विश्वविद्यालय परिसर के अलावा विश्वविद्यालय के 120 संबद्ध कॉलेजों के हजारों छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। पक्षी बैंड, फिडल क्राफ्ट बैंड और प्रसिद्ध बॉलीवुड गायक कैलाश खेर ने अपने बैंड के साथ महोत्सव में लाइव प्रदर्शन किया। इन विशेष आकर्षणों के अलावा, उत्सव के तीनों दिनों में लगभग तीन दर्जन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

12. प्रबंधन महोत्सव 'बिज बज'

प्रबंधन अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय (यूएसएमएस) ने 26 फरवरी, 2019 से शुरू होने वाले दो दिवसीय प्रबंधन महोत्सव 'बिज बज' का आयोजन किया। केस डेवलपमेंट प्रतियोगिता, बिजनेस प्लान प्रतियोगिता, मॉक स्टॉक, सर्वश्रेष्ठ

वित्त प्रतिभा, सर्वश्रेष्ठ मार्केटिंग प्रतिभा, सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन प्रतिभा, स्टैंडअप कॉमेडी, ब्रश इट अप, खजाने की खोज, प्रबंधन विषय पर बहस, व्यापार रणनीति खेल, आउटडोर कार्यक्रम, जैसे विभिन्न कार्यक्रम डीजे नाइट और स्टार नाइट जैसे कॉमेडी शो आयोजित किए गए।

13. अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की बैठक

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय ने वर्ष 2018-19 के दौरान 12 अप्रैल, 2018 और 5 अक्टूबर, 2018 को एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र बैठक का आयोजन किया। तिब्बती संसद के उपाध्यक्ष आचार्य येशी फुंटसोक 12 अप्रैल, 2018 को बैठक के दौरान मुख्य अतिथि थे। भारत में घाना के उच्चायुक्त महामहिम श्री माइकल आरोन एनएन ओक्वे एस्क (जूनियर) 5 अक्टूबर, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय छात्र सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे। श्री. होम प्रसाद लुइटेलय सांस्कृतिक परामर्शदाता नेपाल दूतावास बैठक के दौरान सम्मानित अतिथि थे। दोनों बैठकों के दौरान, विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय में पढ़ने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र और संबद्ध कॉलेजों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शन किए, जिससे विश्वविद्यालय परिसर में वैश्विक संस्कृति की झलक दिखाई दी। अंतर्राष्ट्रीय मामलों की निदेशक प्रोफेसर अनुभा कौशिक ने दोनों बैठकों की अध्यक्षता की और दर्शकों को वैश्विक शिक्षा की आवश्यकता और मूल्य के बारे में संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक नागरिकता, समान अवसर और समान अवसर के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया

14. एआईयू/राष्ट्रीय टूर्नामेंट में पदक विजेता

विश्वविद्यालय के छात्रों ने 2018-19 में एआईयू टूर्नामेंट के दौरान कराटे और रस्साकशी एक युद्ध में स्वर्ण पदक जीता।

3. छात्र कल्याण निदेशालय

छात्र कल्याण निदेशालय ने 2018-2019 की अवधि के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं। वर्ष के दौरान आयोजित कार्यक्रमों/गतिविधियों का संक्षिप्त सारांश निम्नानुसार है:

3.1 शिक्षक दिवस समारोह

विश्वविद्यालय में 5 सितंबर, 2018 को शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया था। अनिल के. त्यागी, माननीय कुलपति ने समारोह की अध्यक्षता की। समारोह में विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया।

3.2 विद्यार्थी परिषद का गठन

कक्षा प्रतिनिधियों (सीआर), विद्यालय प्रतिनिधियों (एसआर-जनरल और एसआर शैक्षणिक) का चुनाव) 18.09.2018 को आयोजित किया गया था और शैक्षणिक सत्र 2018-19 के लिए छात्र परिषद के पदाधिकारियों का चुनाव 03.10.2018 को आयोजित किया गया था। श्री शिवम जांगड़ा, यूएसएलएलएस, अभिमन्यु आनंद सिंह, यूएसईएम और सुश्री. अपूर्व वशिष्ठ, यूएसबीटी को सभी एसआर द्वारा क्रमश: अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिव के रूप में चुना गया।

3.3 ईडब्ल्यूएस योजना के तहत वित्तीय सहायता

वित्तीय सहायता अनुदान के लिए छात्र कल्याण निदेशालय को विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय और संबद्ध संस्थानों के छात्रों से कुल 865 आवेदन प्राप्त हुए थे। विश्वविद्यालय के संकाय और अधिकारियों के पैनल की सिफारिश के आधार पर, जिन्होंने छात्रों और उनके माता-पिता/अभिभावकों के साथ बातचीत की, 564 छात्रों को 1,68,29,220/- रुपये (केवल एक करोड़ अड़सठ लाख उनतीस हजार और दो सौ बीस रुपये) की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

3.4 मेरिट-कम-मीन्स लिंक्ड वित्तीय सहायता योजना, एनसीटी दिल्ली सरकार

योजना का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले मेधावी और जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत दिल्ली हायर एजुकेशन ट्रस्ट उच्च शिक्षा निदेशालय (डीएचई), जीएनसीटीडी के माध्यम से छात्रों द्वारा भुगतान की गई ट्यूशन फीस की पूरी तरह या आंशिक रूप से प्रतिपूर्ति करेगा। छात्र कल्याण निदेशालय विश्वविद्यालय में योजना के क्रियान्वयन के लिए नोडल विभाग है। 1778 विद्यार्थियों को 9,62,31569/- रूपये स्वीकृत किये गये।

3.5 अनुगूंज-2019, जीजीएसआईपीयू का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव

"अनुगूंज-2019", 20वां गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 07 से 09 फरवरी, 2019 द्वारका में विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना डॉ. उमा शर्मा थीं। फेस्टिवल के तीन दिनों में विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय और संबद्ध संस्थानों के 50,000 से अधिक छात्र विश्वविद्यालय परिसर में एकत्र हुए और विभिन्न कार्यक्रमों में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। महोत्सव के दौरान तीन दिनों तक चलने वाले 30 से अधिक विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें से कुछ कार्यक्रमों में भारतीय गायन, लोक नृत्य, वाद-विवाद, रंगोली, मोनो एक्टिंग, शास्त्रीय नृत्य, नुक्कड़ नाटक, रचनात्मक लेखन, मिस्टर एंड मिस अनुगूँज शामिल थे। तीन दिवसीय सांस्कृतिक सम्मेलन का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध गायक श्री कैलाश खेर द्वारा लाइव स्टार नाइट प्रदर्शन और पक्षी बैंड द्वारा रॉकिंग प्रदर्शन था।

3.6 रचनात्मक अभिव्यक्तियों के लिए सृजन-इंद्रप्रस्थ सोसायटी

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सृजन के तहत निदेशक, छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा निम्नलिखित 12 क्लब स्थापित किए गए हैं:

फोटोग्राफी/फिल्म क्लब; साहित्यिक क्लब; ड्रामेटिक्स क्लब; संगीत और नृत्य क्लब; प्रकाशन/ब्लॉगिंग/पत्रिका क्लब; ललित कला क्लब; विज्ञान क्लब; नेचर क्लब; एडवेंचर क्लब; संवैधानिक क्लब; संगीत क्लब; सीएसआर क्लब इन क्लबों ने पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं।

3.7 स्पिक मैके के सहयोग से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया

1. 30.10.2018 को श्रीमती गौरी दिवाकर द्वारा कथक प्रस्तुति।
2. 28.03.2019 को विदुषी उमा शर्मा और उनके समूह द्वारा कथक प्रस्तुति।

3.8 यात्रा अनुदान

वर्ष 2018-19 में तेईस छात्रों ने 10,43,488/- रुपये की यात्रा अनुदान का लाभ उठाया।

3.9 सेमिनार अनुदान

वर्ष 2018-19 में तीन छात्रों ने 2,70,000/- रुपये की सेमिनार अनुदान राशि का लाभ उठाया।

3.10 शैक्षणिक भ्रमण

वर्ष 2018-19 में छह शैक्षिक दौरे आयोजित किए गए, जिसके लिए 17,20,064/- रुपये की राशि स्वीकृत और उपयोग की गई।

3.11 विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की भागीदारी

क्र.सं.	खेल आयोजन का नाम	कार्यक्रम-स्थल	टूर्नामेंट की तिथि	प्रतिभागियों की कुल संख्या
1	फुटबॉल (एम)	एसबीबीएस विश्वविद्यालय, जालंधर	23-10-2018 से 30-10-2018 तक	18
2	फुटबॉल (डब्ल्यू)	जीएनडी विश्वविद्यालय, अमृतसर	22-01-2019 से 28-01-2019 तक	18
3	वॉलीबॉल (डब्ल्यू)	चितकारा विश्वविद्यालय, हिमाचल विश्वविद्यालय	26-10-2018 से 30-10-2018 तक	12
4	बास्केटबॉल (एम)	जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	16-10-2018 से 21-10-2018 तक	12
5	बास्केटबॉल (डब्ल्यू)	एमिटी विश्वविद्यालय, गुडगाँव	31-10-2018 से 05-11-2018 तक	12
6	बैडमिंटन (एम)	एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक	21-10-2018 से 24-10-2018 तक	6
7	बैडमिंटन (डब्ल्यू)	एलपीयू, जालंधर	19-11-2018 से 24-11-2018 तक	4
8	टेनिस (एम)	डीसीआर,मुरथल	26-10-2018 से 30-10-2018 तक	5
9	क्रॉस कंट्री (एम)	गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कामताका	04-10-2018	6
10	एथलेटिक्स (एम)	मैंगलोर विश्वविद्यालय, मैंगलोर	24-11-2018 से 28-11-2018 तक	1
11	टेबल टेनिस (एम)	चितकारा विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश	16-11-2018 से 18-11-2018	5
12	कराटे (एम)	एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक	20-02-2019 से 25-02-2019 तक	2
13	योग (एम एंड डब्ल्यू)	मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई	04-02-2019 से 08-02-2019 तक	12
14	कबड्डी (एम)	एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक	15-10-2018 से 20-10-2018 तक	12

क्र.सं.	खेल आयोजन का नाम	कार्यक्रम-स्थल	टूर्नामेंट की तिथि	प्रतिभागियों की कुल संख्या
15	रस्साकशी (एम एंड डब्ल्यू)	केआईआईटी, भुवनेश्वर	26.12.2018 से 29.12.2018 तक	20
16	तायक्वोंडो (डब्ल्यू)	एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक	13.03.2019 से 17.03.2019 तक	2
17	एक्वेटिक्स (एम)	जैन विश्वविद्यालय, बैंगलोर	28.10.2018 से 31.10.2018 तक	2
18	तीरंदाजी (एम)	केआईआईटी, भुवनेश्वर	26.12.2018 से 29.12.2018 तक	1
19	पावर लिफ्टिंग (एम)	कालीकट विश्वविद्यालय, केरल	20.02.2019 से 23.02.2019 तक	4
20	बाड़ लगाना (डब्ल्यू)	जीएनडी विश्वविद्यालय, अमृतसर	08.01.2019 से 11.01.2019 तक	2
21	फ्लोर बॉल (एम)	आईटीएम, ग्वालियर	05.02.2019 से 07.02.2019 तक	12

3.12 एआईयू द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय टूर्नामेंट में छात्रों की भागीदारी

क्र.सं.	खेल का नाम	2018-19
1	फुटबॉल (एम)	18
2	फुटबॉल (डब्ल्यू)	18
3	वॉलीबॉल (डब्ल्यू)	12
4	बास्केटबॉल (एम)	12
5	बास्केटबॉल (डब्ल्यू)	12
6	बैडमिंटन (एम)	6
7	बैडमिंटन (डब्ल्यू)	4
8	टेनिस (एम)	5
9	क्रॉस कंट्री (एम)	6
10	एथलेटिक्स (एम)	1
11	टेबल टेनिस (एम)	5
12	कराटे (एम)	2
13	योग (एम एंड डब्ल्यू)	12
14	कबडडी (एम)	12
15	रस्साकशी (एम एंड डब्ल्यू)	20
16	तायक्वोंडो (डब्ल्यू)	2
17	एक्वेटिक्स (एम)	2
18	तीरंदाजी (एम)	1
19	पावर लिफ्टिंग (एम)	4
20	तलवार क्रीड़ा(डब्ल्यू)	2
21	"फ्लोर बॉल (एम)	12

3.13 एआईयू/राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के पदक विजेता

क्र.सं.	वर्ष	वर्ग	राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय	आयोजन का नाम	प्रतिभागी का नाम	प्रमाणपत्र संख्या
1	2018-19	स्वर्ण पदक (84 किग्रा)	अखिल भारतीय (एआईयू)	कराटे	अक्षय एम	017776
2	2018-19	स्वर्ण पदक (560 किग्रा मिश्रण)	अखिल भारतीय (एआईयू)	रस्साकशी	मेघा जोशी	014277
					अपूर्वा वशिष्ठ	014280
					योगिता चौधरी	014281
					तेजस भसीन	014282
					रोहित नागर	014276
					आकाश शेरावत	014275
					सनी	014278
					वाणी	014279
3	2018-19	स्वर्ण पदक (560 किग्रा पुरुष)	अखिल भारतीय (एआईयू)/ राष्ट्रीय	रस्साकशी	विकास राणा	014291
					रवि किरण	014290
					जितेन्द्र सिंह पुनिया	014289
					आकाश शेरावत	014288
					सनी	014287
					अंशु दहिया	014286
					शुभम वर्मा	014292
					प्रशांत कुमार	014283
					पीयूष बंसल	014285
					रोहित नागर	014284
4	2018-19	रजत पदक (मिश्रण)	अखिल भारतीय (एआईयू)	रस्साकशी	सचिन कुमार	014097
					दीपक	014098
					मेघा जोशी	014101
					नोयल गोदरा	014100
					अपूर्वा वशिष्ठ	014104
					योगिता चौधरी	014103
					मनदीप शेरावत	014105
					विकास राणा	014106
					वाणी	014102
					रचना राणा	014099

3.14 खेल प्रतियोगिताएं

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के कोचिंग शिविरों का उद्घाटन 29 अगस्त, 2018 को हुआ शैक्षणिक सत्र 2018-19 के दौरान निम्नलिखित खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं:

क्र.सं.	आयोजन	प्रतिभागियों की संख्या
1	क्रॉस कंट्री रेस (एम एंड डब्ल्यू)	250
2	फुटबॉल (एम एंड डब्ल्यू)	1512
3	वॉलीबॉल (एम एंड डब्ल्यू)	1344
4	बास्केटबॉल (एम एंड डब्ल्यू)	1536
5	बैडमिंटन (एम एंड डब्ल्यू)	324
6	टेनिस (एम एंड डब्ल्यू)	132
7	क्रिकेट (पुरुष)	1168
8	भारोत्तोलन	290
9	पावर लिफ्टिंग	
10	बॉडी बिल्डिंग	
11	कबड्डी (एम एंड डब्ल्यू)	1020
12	एथलेटिक्स (एम एंड डब्ल्यू)	600
13	रस्साकशी (एम एंड डब्ल्यू)	1190
14	योग (एम एंड डब्ल्यू)	50
	कुल	9416

4. विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यालय

4.1 वास्तुकला और योजना के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन	कुल संख्या (सेमेस्टर वार)
1.	बी.आर्क.	05 वर्ष	80	389

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

सुश्री रेखा भास्करन

1. पड़ोस के बाजारों का परिवर्तन सम्मेलन कार्यवाही पुस्तक के स्थान निर्धारण के लिए एक उत्प्रेरक है, आईएसबीएन- स्पेस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2019, सिटी प्लानिंग और शहरी डिजाइन पर, लंदन, यूके.

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

सुश्री रेखा भास्करन

1. 14 वास्तुकला सामग्री और निर्माण का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईसीएएमसी 2018' बार्सिलोना, स्पेन (दिसंबर)।,2018).
2. स्पेस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस -2019, सिटी प्लानिंग एंड अर्बन डिजाइन पर, लंदन, यूके (जुलाई 2019)।
3. दिल्ली की रफ़्तार' संगोष्ठी 26 दिसंबर, 2018.
4. राष्ट्रीय आवास सम्मेलन -2019, एसपीए,नई दिल्ली (31मई, 2019)।

4. अतिरिक्त स्कूलों/विभाग द्वारा आयोजित सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ जैसे/त्योहार/वार्षिक बैठक:

क्र.सं	आयोजन का नाम	अवधि	घटनाओं का विवरण
1.	पूर्व छात्रों की बैठक	01 दिन	वर्तमान छात्रों और उत्तीर्ण छात्रों के बीच बातचीत बढ़ाने के लिए विद्यालय द्वारा पहली पूर्व छात्र बैठक का आयोजन किया गया था। इसमें 50 पूर्व छात्रों और कई वर्तमान छात्रों ने भाग लिया।

5. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	वार्षिक औसत प्रस्तावित पैकेज (लाख में)
1.	एम/एस मोर्फोजेनेसिस	03	3 लाख

6. 10 के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे/शैक्षिक दौरे दिसंबर से 17 दिसंबर, 2018:

वर्तमान छात्रों और उत्तीर्ण छात्रों के बीच बातचीत के लिए विद्यालय द्वारा एक दिवसीय पूर्व छात्र बैठक का आयोजन किया गया था। इसमें 50 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

कक्षा	सहवर्ती संकाय	भ्रमण का स्थान
तृतीय वर्ष अनुभाग-ए	अर. अवतार सिंह सह- प्रोफेसर	अमृतसर
तृतीय वर्ष अनुभाग-बी	अर. अदिति कुंडू सहायक प्रोफेसर	अमृतसर
द्वितीय वर्ष अनुभाग-ए	अर. अकबिल दास सहायक प्रोफेसर	जयपुर
द्वितीय वर्ष अनुभाग-बी	अर. अनुराग गिरि सहायक प्रोफेसर	जयपुर

4.2 बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन	कुल शक्ति
1	एम.टेक (इंजीनियरिंग भौतिकी)	02 वर्ष	18	02
2	एम.टेक. (नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)	02 वर्ष	15	08

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

(क) अनुसंधान पत्रिकाओं में लेख

प्रो श्रुति अग्रवाल

1. पूजा सेठ, जी स्वाति, डी. हरनाथ, एसएमडी राव, श्रुति अग्रवाल, 2018, ईएफजी विकसित यूरोपियम डोप्ड लिथियम फ्लोराइड (एलआईएफ) क्रिस्टल का एक फोटोल्यूमिनसेंस, थर्मोल्यूमिनसेंस और इलेक्ट्रॉन पैरामैग्नेटिक अनुनाद अध्ययन, जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स,118, 53-61.

प्रो. अनो वेणुगोपालन

1. एस. मिश्रा, ए. बग्गा और ए. वेणुगोपालन, 2018, डबल-वेल में दो दृढ़ता से परस्पर क्रिया करने वाले कणों के लिए क्वांटम सुसंगतता के माध्यम से उलझाव की गतिशीलता की जांच", जर्नल ऑफ फिजिक्स ए: गणितीय और सैद्धांतिक, 51, 455303।
2. ए. वेणुगोपालन, एस. मिश्रा, और टी. कुरेशी, 2019, क्वांटम सुसंगतता के माप के माध्यम से मॉनिटरिंग डीकोहेरेंस, फिजिकाए: सांख्यिकीय यांत्रिकी और उसके अनुप्रयोग, 516, 308-316।

प्रो. अविनाश सी. शर्मा

1. "आईआर 4.0 के लिए उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की तैयारी: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य", केके. अग्रवाल और अविनाश सी. शर्मा, राष्ट्रीय सुरक्षा, खंड II (2) 2019.

प्रोफेसर अनिंद्य दत्ता

1. जमीलूर आर. अंसारी, नीलम सिंह, सत्यब्रत महापात्र, रजी अहमद, नयन रंजन साहा, दीपांकर चट्टोपाध्याय, मनबेंद्र मुखर्जी, अनिंद्य दत्ता, 2019, एन्हांस्ड नियर इंफ्रारेड ल्यूमिनसेंस इनएजी@Ag2S कोर-शेल नैनोकण, एप्लाइड सरफेस साइंस 463, 573-580.
2. नीलम सिंह, दीपक कोठारी, जमीलुर आर. अंसारी, मृणाल पाल, शंकर मंडल, संदीप धारा और अनिंद्य दत्ता, 2019, ए लाइट इंडयूस्ड टयूनेबल एन-डोपिंग ऑफ एजी एंबेडेड जीओ/पॉलिमर मैट्रिक्स में आरजीओ शीट्स, जे. फिज। रसायन. सी, जे. भौतिक.रसायन. सी 123, 10557"10563।
3. जमीलुर आर अंसारी, नीलम सिंह, रजी अहमद, दीपांकर चट्टोपाध्याय, अनिंद्य दत्ता, 2019, अल्ट्रा-छोटे सिल्वर नैनोकणों की स्व-संयोजन को नियंत्रित करना: रमन और फ्लोरोसेंट स्पेक्ट्रा की सतह वृद्धि, ऑप्टिकल सामग्री, 94, 138-147।

प्रो. वैशाली सिंह

1. एम. दत्त, के. सुहासिनी, ए. रतन, जे. शाह, आरके कोटनाला, वी. सिंह, 2018, मेसोपोरस सिलिका ने a-Fe2O3 झरझरा संरचनाओं का संश्लेषण और आर्द्रता सेंसर के रूप में उनका अनुप्रयोग, जे। मेटर. एससीआई.मेटर. इलेक्ट्रॉन. 29, 20506-20516।
2. एम. कौर, ए. रतन, एस. कुंचकारा, एम. दत्त, वी. सिंह, 2018, सीआरडोपेडएमसीएम-41 नैनोकम्पोजिट्स: एक कुशल मेसोपोरस उत्प्रेरक जो टोल्यूनि को बेंजाल्डिहाइड, एक औद्योगिक अग्रदूत, जे. पोरस मेटर में बदलने की सुविधा प्रदान करता है।
3. एस. कुंचकारा, एम. दत्त, ए. रतन, जे. शाह, वी. सिंह,आर.के. कोटनाला, 2018,उच्च क्रम वाले KCl का संश्लेषण और लक्षण वर्णन-इम्पेडिमेट्रिक आर्द्रता संवेदन के लिए एमसीएम-41 झरझरा नैनोकम्पोजिट, जे. पोरस मेटर।

डॉ. सत्यब्रत महापात्र

1. कविता साहू, जसपाल सिंह, और सत्यब्रत महापात्रा, 2019, फोटोकैटलिटिक और उत्प्रेरक निष्कासन CuO नैनोशीट्स का उपयोग करके पानी से विषाक्त प्रदूषक, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मेटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स 30, 6088-6099.
2. बंदिता महापात्र, दीपक कुमार, निमिषा शर्मा और सत्यब्रत महापात्र, 2019, जिंगिबर ऑफिसिनेल का उपयोग करके बढ़ी हुई जीवाणुरोधी गतिविधि के साथ स्थिर चांदी के नैनोकणों का तेजी से हरित संश्लेषणअर्क, जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स 126, 257-266।
3. जसपाल सिंह, कविता साहू, रणवीर सिंह, टी. सोम, आरके कोटनाला और सत्यब्रत महापात्र, 2019, थर्मल एनीलिंग ने Ag-TiO में मजबूत फोटोल्यूमिनेशन वृद्धि को प्रेरित किया। 2 प्लास्मोनिक नैनोकम्पोजिट पतली फिल्में, जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स 786, 750-757।
4. जसपाल सिंह, कविता साहू और सत्यब्रत महापात्र, 2019, Ag-TiO के रूपात्मक, संरचनात्मक, ऑप्टिकल और फोटोकैटलिटिक गुणों की आयन बीम इंजीनियरिंग2-पीवीए नैनोकम्पोजिट पतली फिल्म, सेरामिक्स इंटरनेशनल 45, 7976-7983।
5. जसपाल सिंह, कविता साहू और सत्यब्रत महापात्र, 2019, Ag-TiO के रूपात्मक, संरचनात्मक, ऑप्टिकल और फोटोकैटलिटिक गुणों के थर्मल एनीलिंग प्रेरित विकास 2 नैनोकम्पोजिट पतली फिल्में, जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स 129, 317-323।
6. कविता साहू, शिप्रा चौधरी, सैफ ए खान, अखिलेश पांडे और सत्यब्रत महापात्रा, 2019, रूपात्मक, संरचनात्मक का थर्मल विकास, CuO पतली फिल्मों के ऑप्टिकल और फोटोकैटलिटिक गुण, नैनो-संरचनाएं और नैनो-ऑब्जेक्ट्स 17, 92-102।
7. जेआर अंसारी, एन. सिंह, सत्यब्रत महापात्र, आर. अहमद, एन. आर.साहा, डी. चट्टोपाध्याय, एम. मुखर्जी, ए.दत्ता, 2019, एजी में इन्फ्रारेड ल्यूमिनसेंस के पास बढ़ाया गया@एजी2स्कोर-शेल नैनोकण, एप्लाइड सरफेस साइंस 463, 573-580.
8. जसपाल सिंह, निशांत त्रिपाठी और सत्यब्रत महापात्रा, 2019, Ag-TiO का संश्लेषण2 एक आसान गीली रासायनिक विधि द्वारा बढ़ी हुई फोटोकैटलिटिक गतिविधि के साथ हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर, नैनो संरचनाएं और नैनो-ऑब्जेक्ट्स 18, 100266।
9. कविता साहू, शिप्रा चौधरी, जसपाल सिंह, सिनी कुरियाकोस, राहुल सिंघल और सत्यब्रत महापात्रा, 2018, ZnO नैनोशीट्स का सुगम गीला रासायनिक संश्लेषण: रूपात्मक, संरचनात्मक, ऑप्टिकल और फोटोकैटलिटिक गुणों पर काउंटर आयनों का प्रभाव, सिरेमिक इंटरनेशनल 44, 23094- 23101।
10. कविता साहू, सिनी कुरियाकोस, जसपाल सिंह, बिस्वरूप सतपति और सत्यब्रत महापात्रा, 2018, कार्बनिक रंगों के अत्यधिक कुशल फोटोकैटलिटिक गिरावट के लिए जेएनओ नैनोप्लेट्स और नैनोकण समुच्चय का आसान संश्लेषण, जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स 121, 186-195।
11. जमीलुर आर. अंसारी, नीलम सिंह, सत्यब्रत महापात्रा, रजी अहमद, नयन रंजन साहा, दीपांकर चट्टोपाध्याय, मनबेंद्र मुखर्जी, अनिंद्य दत्ता, 2019, एन्हांस्ड नियर इंफ्रारेड ल्यूमिनसेंस इनएजी@Ag2S कोर-शेल नैनोकण, एप्लाइड सरफेस साइंस 463, 573-580।

डॉ. योगेश के. त्यागी

1. अश्वनी कुमार, राम सिंह और योगेश के. त्यागी, 2019, डेंड्रोन आधारित उपन्यास गैर-आयनिक एम्फीफाइल्स का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और स्व-संयोजन अध्ययन, न्यू जे. केम। 43, 1025.

डॉ गुलशन कुमार

1. शिवानी सिंह सुराह, मनोज विश्वकर्मा, रितेश कुमार, रत्याक्षी नैन, सिद्धार्थ सिरोही, गुलशन कुमार, 2019, TiO के इलेक्ट्रॉनिक बैंड संरेखण गुणों को ट्यूनिंग 2 बोरान डोपिंग द्वारा नैनोट्यूब, भौतिकी में परिणाम 12,1725-1731.

डॉ. अब्बा अग्रवाल

1. आभा अग्रवाल, अपर्णा मेहरा, सुरेश चंद्रा, इमरान खान, 2019, हर्विक्ज मानदंड, फजी सूचना और इंजीनियरिंग का उपयोग करके अटानासोव की आई-फजी रैखिक प्रोग्रामिंग समस्याओं को हल करना।
2. दीबा नकवी, आभा अग्रवाल, गीता सचदेव, इमरान खान, 2019, सॉल्विंग आई-फजी टू पर्सन जीरो-सम मैट्रिक्स गेम्स: तनाका और असाई दृष्टिकोण, प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

डॉ. राम शंकर गुप्ता

1. राम शंकर गुप्ता, दीपिका और ए. शर्फुद्दीन, 2018, स्यूडो यूक्लिडियन स्पेस ई1 में लोरेंत्ज हाइपरसर्फेस, प्रोक। नेटल. अकाद. विज्ञान, भारत, संप्रदाय। ए.पी.एच.आई.एस. विज्ञान., 1-11.

डॉ. कृति बत्रा

1. कृति बत्रा, विनोद प्रसाद, 2018, क्रेटजर कन्फाइनिंग पोटेंशियल में गोलाकार क्वांटम डॉट: रैखिक और गैर-रेखीय ऑप्टिकल अवशोषण गुणांक और अपवर्तक सूचकांक परिवर्तनों का अध्ययन, यूरोपीय भौतिक जर्नल बी, 91,298।

डॉ अंजना बग्गा

1. संदीप मिश्रा, अंजना बग्गा, अनु वेणुगोपालन, 2018, डबल-वेल में दो दृढ़ता से परस्पर क्रिया करने वाले कणों के लिए क्वांटम सुसंगतता के माध्यम से उलझाव की गतिशीलता की जांच, जर्नल ऑफ फिजिक्स। ए: गणितीय और सैद्धांतिक। 51, 455303.
2. एस. मिश्रा, ए. बग्गा और ए. वेणुगोपालन, 2018, डबल-वेल में दो दृढ़ता से परस्पर क्रिया करने वाले कणों के लिए क्वांटम सुसंगतता के माध्यम से उलझाव की गतिशीलता की जांच", जर्नल ऑफ फिजिक्स ए: गणितीय और सैद्धांतिक, 51, 455303।

डॉ. शिप्रा मितल गुप्ता

1. बबीता, एस. के. शर्मा, शिप्रा मितल गुप्ता, 2018, औद्योगिक गर्मी हस्तांतरण अनुप्रयोगों के लिए स्थिर सीएनटी नैनोफ्लुइड तैयार करने के लिए एसडीबीएस और जीए का सहक्रियात्मक प्रभाव, सामग्री अनुसंधान एक्सप्रेस, 5, 055511- 055522।
2. बबीता शर्मा, एसके शर्मा, शिप्रा मितल गुप्ता, 2018, दीर्घकालिक स्थिर सीएनटी नैनोफ्लुइड्स तैयार करने के लिए संशोधित दो-चरणीय विधि, विज्ञान और इंजीनियरिंग के लिए अरेबियन जर्नल, 43, 6155-6163।
3. अमित सिंघानिया और शिप्रा मितल गुप्ता, 2018, CeO2xNx ठोस समाधान: सीओ ऑक्सीकरण के लिए संश्लेषण, लक्षण वर्णन, इलेक्ट्रॉनिक संरचना और उत्प्रेरक अध्ययन, कैटलिसिस पत्र, 148, 2001-2007।
4. अमित सिंघानिया और शिप्रा मितल गुप्ता, 2018, अत्यधिक सक्रिय सीईओ 2 कम तापमान सीओ ऑक्सीकरण के लिए नैनोकैटलिस्ट, रूसी जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री ए, 92, 1900-1906।

डॉ आरिफ अली खान

1. आरिफ अली खान, फिलिप जंकर, ग्रेगोर श्नाकेनबर्ग, ए. एस्पिनोसा फेराओ और आर. स्ट्रेबेल (2019): "एलिल हैलाइड्स के साथ एक इलेक्ट्रोफिलिक टर्मिनल फॉस्फिनिडीन धातु (0) कॉम्प्लेक्स की प्रतिस्पर्धी या अनुक्रमिक प्रतिक्रिया? [2+1] - साइक्लोडडिशन बनाम सीएक्स बॉन्ड सम्मिलन," जे. केम। समाज. केम.कम्यून. 9987.

डॉ. राजेश कुमार

1. एस. बसु, एस. सुरेश, के. घटक, एसएफ बार्टोलुची, टी. गुप्ता, पी. हुंडेकर, राजेश कुमार, टीएम लू, डी. दत्ता, वाई. शि, एन. कोराटकर, 2018, लिथियम-आयन बैटरियों में सिलिकॉन फिल्म एनोड की इलेक्ट्रोकेमिकल स्थिरता को बढ़ाने के लिए वैन डेर वाल्स स्लिपरी इंटरफेस का उपयोग, एसीएस एप्लाइड सामग्री और इंटरफेस, 10, 13442-13451।
2. जेड. यू, टी. गुप्ता, एफ. वांग, सी. ली, राजेश कुमार, जेड. यांग, एन. कोराटकर, 2018, लिथियम-आयन बैटरियों में एनोड सामग्री के रूप में लाल फास्फोरस की आंतरिक सीमाओं को दूर करने के लिए ग्राफीन मैट्रिक्स का उपयोग, कार्बन, 127, 588-595।
3. विष्णु चौहान, टी. गुप्ता, एन. कोरटकर और राजेश कुमार, 2018, आरएफ स्पटरेड ZrO में एयू आयनों के एसएचआई द्वारा प्रेरित इलेक्ट्रॉनिक उत्तेजना संशोधनों का अध्ययन 2 पतली फिल्में, सेमीकंडक्टर प्रसंस्करण में सामग्री विज्ञान, 88, 262-272.
4. राजेश कुमार और वी. कुमार, 2019, टाइटेनियम डाइऑक्साइड और टिन ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों में उच्च ऊर्जा Ti9+ आयन बीम प्रेरित संशोधनों का प्रभाव और ऑप्टिकल, संरचनात्मक और रूपात्मक गुणों का विस्तृत विश्लेषण, ऑप्टिकल सामग्री, 88, 320-332।
5. कविता कुमारी, रेजकनाजीअलजॉफी, वाईएस कथरिया, सौरभ द्विवेदी, केएच चाए, राजेश कुमार, आदिल अलशोएबी पी.ए अल्वी, एस. दलेला, एस. कुमार, 2019, Fe: CeO के संरचनात्मक, इलेक्ट्रॉनिक संरचनात्मक, चुंबकीय और फोटो उत्प्रेरक गुणों पर सतह दोष नैनो कण, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी और संबंधित घटना, 235, 29-39।

6. विष्णु चौहान, राजेश कुमार, कम ऊर्जा Kr5+आयन किरण द्वारा उच्च-k ZrO2 नैनोक्रिस्टलाइन पतली फिल्मों में चरण परिवर्तन और संशोधन विकिरण, 2019, सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी, 240, 122127।
7. विष्णु चौहान और राजेश कुमार, 2019, नैनोक्रिस्टल लाइन जिरकोनियम ऑक्साइड पतली फिल्मों में घने इलेक्ट्रॉनिक उत्तेजना प्रेरित संशोधन: ऑप्टिकल और सतह स्थलाकृतिक, ऑप्टिकल सामग्री का विस्तृत विश्लेषण, 89, 576-590।
8. वी. चौहान, टी. गुप्ता, पी. सिंह, पीडी सहारे, एन. कोराटकर और राजेश कुमार, 2019, आरएफ स्पटरिंग द्वारा जमा की गई जिरकोनियम ऑक्साइड पतली फिल्मों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल और रूपात्मक गुणों पर 120Me V S9+ आयन विकिरण का प्रभाव, भौतिकी पत्र ए, 383 (9), 898-907।
9. जे. राम, आर. जी. सिंह, आर गुप्ता, वी. कुमार, एफ. सिंह, राजेश कुमार, 2019, एनीलिंग का प्रभावसह-वर्षा तकनीक द्वारा तैयार नॉनडायमेंशनल टंगस्टन ऑक्साइड की सतह आकृति विज्ञान, ऑप्टिकल और संरचनात्मक गुण, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री जर्नल, 148, 1174-1183।
10. वी. कुमार, राजेश कुमार, 2019, आरएफ स्पटरड TiO2 पतली फिल्मों के ऑप्टिकल, संरचनात्मक, सतह रूपात्मक और विद्युत गुणों में कम ऊर्जा Kr5+ आयन बीम इंजीनियरिंग, ऑप्टिकल सामग्री, 91,455-469।
11. राशि गुप्ता और राजेश कुमार, 2019, स्कैफोल्ड-आधारित इलेक्ट्रोडेपोजिशन, नैनो-स्ट्रक्चर और नैनो ऑब्जेक्ट्स का उपयोग करके संश्लेषित सीयू नैनोवायर पर कम ऊर्जा आयन बीम प्रत्यारोपण का प्रभाव, 18, 100318-100326.
12. जे. टक्कर मारना, आर. जी. सिंह, एफ. सिंह, वी. कुमार, वी. चौहान, राशि गुप्ता, यू. कुमार, बी. सी. यादव और राजेश कुमार, ऊर्जा और पर्यावरण अनुप्रयोग के लिए डब्ल्यूओ3-पेडोट: पीएसएस हाइब्रिड नैनोकम्पोजिट-आधारित उपकरण का विकास, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 30, 13593-13603।
13. वी. कुमार, राशि गुप्ता, वी. चौहान, जे. राम, पी. सिंह, एम. प्रसाद, आर. मेहरा और राजेश कुमार, 2019, उच्च ऊर्जा 120 MeV Au9+ आयन बीम प्रेरित संशोधन और SnO2 और TiO2 नैनोकम्पोजिट पतले की सतह आकृति विज्ञान में क्रेटर का मूल्यांकन, एप्लाइड नैनोसाइंस, 9, 1265-1280.
14. वी चौहान, राशि गुप्ता, वी. कुमार. जे. राम, एफ. सिंह, एम. प्रसाद, एस. कुमार, एस. ओझा, पीए अल्वी, आर. मेहरा, राजेश कुमार, 2019, उच्च ऊर्जा (150 MeV) Fe11+ आयन बीम ने उच्च-के ढांकता हुआ नैनोक्रिस्टलाइन जिरकोनियम ऑक्साइड पतली फिल्मों के भौतिक रासायनिक और फोटोल्यूमिनेशन गुणों के संशोधनों को प्रेरित किया, सेरामिक्स इंटरनेशनल, 45, 18887-18898।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

डॉ. राम शंकर गुप्ता

1. राम शंकर गुप्ता, एकपक्षीय आयाम के यूक्लिडियन अंतरिक्ष में हार्मोनिक माध्य वक्रता वेक्टर के साथ हाइपरसर्फेस, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही "डिफरेंशियल ज्योमेट्री, डायनामिकल सिस्टम" (डीजीडीएस) -2018, 33-51।

ग) पुस्तक अध्याय

डॉ. सत्यब्रत महापात्रा

1. तुआन अन्ह गुयेन, फुओंग गुयेन-ट्राई, 2018, नोबल मेटल-मेटल ऑक्साइड हाइब्रिड नैनोकण: माइक्रो और नैनो टेक्नोलॉजीज बुक्स के तहत बुनियादी सिद्धांत और अनुप्रयोग: उन्नत नैनोमटेरियल्स श्रृंखला, एल्सेवियर, 674 पेज, आईएसबीएन: 9780128141342।

घ) कोई अन्य प्रकाशन

1. वीआईएफ टास्क फोर्स की रिपोर्ट "अधिक प्रभावी उच्च शिक्षा की ओर: भारत में एसटीईएम शिक्षा का उद्भव", वीआईएफ पब, मार्च, 2019

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

प्रो श्रुति अग्रवाल

1. एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट ऑफ इंडिया (एएमपीआई) का 39वां वार्षिक सम्मेलन, चेन्नई ट्रेड सेंटर,चेन्नई 2 से 4 नवंबर, 2018.

2. नैनो विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुप्रयोग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईसीऑनसी -2018, नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र, विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, 4 से 6 अक्टूबर, 2018 के दौरान जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हैदराबाद.
3. क्रिस्टल ग्रोथ पर छठा यूरोपीय सम्मेलन (ईसीसीजी 6), बुल्गारिया, 16 से 20 सितंबर, 2018 (पोस्टर प्रस्तुति).

प्रो. वैशाली सिंह

1. 15 से 21जुलाई, 2018 पेरिस, फ्रांस में कंपोजिट/नैनो इंजीनियरिंग पर 26वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीई-26)।

डॉ. सत्यब्रत महापात्र

1. स्कैनिंग प्रोब माइक्रोस्कोपी (एसपीएम 2018) के विशेष तरीकों पर कार्यशाला सह प्रदर्शन (आईआईटी, दिल्ली,) 20 एवं 24 दिसंबर, 2018, दिल्ली, भारत)।

डॉ गुलशन कुमार

1. "बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर नैनोकम्पोजिट तैयार करने के लिए जूट फाइबर से नैनोसेल्यूलोसिक फाइबर का निष्कर्षण और लक्षण वर्णन" आईसीसीई-26 (नैनो इंजीनियरिंग के लिए समग्र) पर प्रस्तुत पेपर,पेरिस,फ्रांस, 15 से 21 जुलाई, 2018.

डॉ. राम शंकर गुप्ता

1. बीएसजी द्वारा आयोजित डीजीडीएस-2018 पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 30 अगस्त सितंबर, 2, 2018, रोमानिया।

डॉ. कृति बत्रा

1. भौतिकी विभाग, देशबंधु कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भौतिकी, समाज और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीएसटी)।-2019) आयोजित, 17 से 19 जनवरी 2019.
2. "प्रो. एम. एन. साहा और प्रो. एसएन बोस का जीवन और कार्य" विषय पर संगोष्ठी. "जेआईआईटी, नोएडा द्वारा आयोजित और एनएएसआई दिल्ली चौप्टर, 15 सितंबर, 2018.
3. सीएसआईआर प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला "कम्प्यूटेशनल भौतिकी में हालिया रुझान" पर भौतिकी और सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग जेपी इंस्टीटयूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सेक्टर 128,नोएडा 201304 - यूपी, द्वारा आयोजित की गई। 6 से 7 अप्रैल1 2018

डॉ. शिप्रा मितल गुप्ता

1. स्मार्ट इंडिया को आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी और पर्यावरण प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, एस. डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मुजफरनगर, भारत 21-22 अप्रैल, 2018।
2. अंतरराष्ट्रीय नैनो-संरचित सामग्री और उपकरणों पर सम्मेलन (आईसीएनएसएमडी -2018), दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत 17-20 दिसंबर, 2018 को।

डॉ आरिफ अली खान

मुख्य वक्ता और सत्र अध्यक्ष:

1. फॉस्फिनिडीन कॉम्प्लेक्स की रसायन - नवीन ऑर्गेनोफॉस्फोरस यौगिकों का संश्लेषण। कैटालिसिस और केमिकल इंजीनियरिंग प्रक्रिया में प्रगति पर वैश्विक कांग्रेस (कैटेलिसिस-2018), (5-6 दिसंबर, 2018), मैड्रिड (स्पेन)।

डॉ. राजेश कुमार

1. राशि गुप्ता और राजेश कुमार, टेम्प्लेट-आधारित इलेक्ट्रोडेपोजिशन का उपयोग करके संश्लेषित सीयू नैनोवायर पर कम ऊर्जा आयन बीम इम्प्लांटेशन प्रभाव, सॉफ्ट मटेरियल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसएम 2018), दिसंबर 9-14, 2018, एमएनआईटी जयपुर, भारत,

4. पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/संकाय द्वारा प्राप्त:

डॉ. राजेश कुमार

1. "इदामास लीमिंग सेंटर" मलेशिया द्वारा मान्यता प्राप्त वर्ष 2019 का अनुसंधान रत्न पुरस्कार "रूला पुरस्कार" से सम्मानित किया गया, ।

5. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (रुपये में लाख)
1	डॉ.सत्यब्रत महापात्र	पानी में जहरीले कार्बनिक प्रदूषकों के अत्यधिक कुशल फोटोकैटलिटिक क्षरण के लिए CeO2 आधारित हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर का विकास	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष (2018-19)	2.0
2	प्रोफेसर अनिंद्य दत्ता	फेराइट्स के चुंबकीय गुणों पर डोपिंग का प्रभाव	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष (2018-19)	1.9
3	मुकेश कुमार	नि:शुल्क इलेक्ट्रॉन लेजर	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष (2018-19)	1.5
4	डॉ.गुलशन कुमार	पॉलिमर नैनो कम्पोजिट तैयार करने के लिए प्राकृतिक फाइबर से सेल्यूलोज नैनोफाइबर का निष्कर्षण और लक्षण वर्णन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष (2018-19)	2.0
5	डॉ. रामशंकर गुप्ता	द्विसंरक्षी हाइपरसतहों की ज्यामिति पर	एफआरजीएस, मैंजीजीएसआईपीयू	1 वर्ष (2018-19)	1.4
6	डॉ. कृति बत्रा	इलेक्ट्रॉनिक, कंपन और अणुओं का घूर्णी स्पेक्ट्रा का अध्ययन और बाहरी क्षेत्रें की उपस्थिति में अणुओं की गतिशीलता और स्पेक्ट्रोस्कोपी गुण का पता लगाना	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष (2018-19)	2.0
7	डॉ अंजना बग्गा	बोल्ट्जमैन परिवहन सिद्धांत का का उपयोग करते हुए थोक नैनोसंरचित थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्रियों का आंकड़ा की योग्यता और थर्मल चालकता का अनुकरण	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष (2018-19)	2.0
8	डॉ. राजेश कुमार	विभिन्न संभावित अनुप्रयोगों के लिए सोल-जेल तकनीक द्वारा जिरकोनियम ऑक्साइड नैनोस्ट्रक्चर का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2019-2020	1.70
9	डॉ. राजेश कुमार	विभिन्न संभावित अनुप्रयोगों के लिए सह अवक्षेपण विधि द्वारा नैनो धातु ऑक्साइड सामग्री का संश्लेषण	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2018-2019	1.90
10	डॉ आरिफ अली खान	रसायन विज्ञान	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2018-19	2.0

6. विद्यालयों/विभाग द्वारा अतिरिक्त सह पाठयक्रम गतिविधियाँ जैसा/त्योहार/ वार्षिक बैठक का आयोजन किया:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1	विज्ञान दिवस	28 फरवरी 2019	छात्रों और शोधार्थियों ने अपने पोस्टर प्रस्तुत किए जिनमें उनके द्वारा किए गए शोध कार्य को दर्शाया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री थे. एचआर यश और श्री. विशिष्ट अतिथि रविशंकर राय थे। यह आयोजन छात्रों और शोधार्थियों को उद्योगों में नवीनतम अपडेट से अवगत कराने और अन्य स्कूलों के विद्वानों के साथ विचारों के आदान-प्रदान में सफल रहा।

7. शोधार्थियों का विवरण:-

क) पीएच.डी. की कुल संख्या पूर्ण/पुरस्कृत: 05

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	पंजीकरण की तारीख	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/चल रहा है
1	जसपाल सिंह	उत्तम धातु TiO2 प्लास्मोनिक नैनोकम्पोजिट्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	25/10/13	डॉ. एस. महापात्रा	पूर्ण
2	श्रुति पेशोरिया	पॉलीपाइरोले/पॉरफाइरिन सम्मिश्रण का संश्लेषण और लक्षण वर्णन और उनके अनुप्रयोगों का अध्ययन	19/09/14	प्रोफेसर. एके. नरूला	पूर्ण
3	अंकुर सूद	दवा वितरण और इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए आयरन ऑक्साइड-गोल्ड कोर-शेल नैनोकण	19/09/14	डॉ. तपन के. जैन	पूर्ण
4	वरुण अरोड़ा	दवा वितरण और इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए चुंबकीय नैनोकम्पोजिट	19/09/14	डॉ. तपन के. जैन	पूर्ण
5	सलमा खान	पॉली (3,4 - एथिलेंडेडियो ऑक्सीथियोफीन) के सम्मिश्रणों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन और उनके अनुप्रयोगों का अध्ययन	19/9/14	प्रोफेसर. एके. नरूला	पूर्ण

ख) रिसर्च स्कॉलर भर्ती: 09

ग) कुल संख्या चल रही पीएच.डी. पंजीकृत शोधार्थी: 47

8. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1	सुश्री मीनल गुप्ता	नेट
2	अंजलि पंवार	गेट
3	अदिति बिष्ट	गेट
4	मानसी त्यागी	गेट

4.3 जैव प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन	कुल संख्या (सेमेस्टर वार)
1	बी. टेक जैव प्रौद्योगिकी	चार वर्ष	46	43 (पहला और दूसरा सेमेस्टर), 41 (तीसरा और चौथा सेमेस्टर), 32 (पांचवां और छठा सेमेस्टर), 39 (सातवां और आठवां सेमेस्टर)
2	एम. टेक जैव प्रौद्योगिकी (एकीकृत के रूप में)	दो वर्ष	10	8 (पहला और दूसरा सेमेस्टर), 2 (तीसरा और चौथा सेमेस्टर)
3	एम. टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	दो वर्ष	10	2 (पहला और दूसरा सेमेस्टर)

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रो. एन. रघुराम

1. शर्मा, एन., कुची, एस., सिंह, वी. और रघुराम, एन. 2019 पौधों की पोषक तत्वों की आवश्यकताओं के निर्धारण के लिए पोषक तत्वों की कमी वाली मिट्टी तैयार करने की विधि, मृदा विज्ञान और पौधे विश्लेषण में संचार 50 (15) 1878।
2. चक्रवर्ती, एन., कन्युका, के., जयसवाल, डीके, कुमार, ए., अरोड़ा, वी., गुप्ता, एन., हुले, आर. और रघुराम, एन. 2019 जीसीआर1 और जीपीए1 युग्मन नाइट्रेट को नियंत्रित करता है।, एराबिडोप्सिस वैज्ञानिक रिपोर्ट 9 5838 में सेल दीवार, प्रतिरक्षा और प्रकाश प्रतिक्रियाएं
3. शर्मा, एन., सिन्हा, वी.बी., गुप्ता, एन., राजपाल, एस., कुची, एस., सीतारमम, वी., प्रसाद आर. और रघुराम, एन. 2018 नाइट्रोजन उपयोग दक्षता के लिए फेनोटाइपिंग (एनयूई): चावल के जीनोटाइप एन-उत्तरदायी अंकुरण में भिन्न होते हैं, ऑक्सीजन की खपत, बीज यूरिया क्रियाएँ, जड़ वृद्धि, फसल अवधि और कम एन पर उपज। फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस 9, 1452।

डॉ. निमिषा शर्मा

1. कुमार डी, वार्ष्णेय, एस, सेनगुप्ता, एस, शर्मा,एन 2019 विनियमित प्रोटीओम का एक तुलनात्मक अध्ययन विखंडन खमीर में आरएनए पोलीमरेज II के Rpb4 और Rpb7 सबयूनिट द्वारा। जे. प्रोटिओमिक्स 199:77-88.
2. कुमार डी, शर्मा एन 2019 आरएनए पोलीमरेज II के आरपीबी 7 सबयूनिट के परिवर्तित स्तरों पर जीनोम-वाइड ट्रांसक्रिप्शनल प्रतिक्रिया, शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे फेम्स यीस्ट रेस 19 में डीएनए क्षति प्रतिक्रिया में इसकी भूमिका की पहचान करती है: (1).
3. गोपालन एस, गिब्बन डीएम, बैंक्स कैस, झांग वाई, "लोरेंस एलए, वाशबर्न सांसद, डबास पी, शर्मा एन, सीडेल सीडब्ल्यू, कॉनवे आरसी, कॉनवे जेडब्ल्यू 2018 शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे पोल II प्रतिलेखन बढ़ाव कारक ईएलएल एक अल्पविकसित सुपर बढ़ाव कॉम्प्लेक्स न्यूक्लिक एसिड रेस 46 10095-10105 के हिस्से के रूप में कार्य करता है।

डॉ राम सिंह पूर्ति

1. प्रवीण कुमार, ईश्वर चंद, राम सिंह पूर्ति 2019 चयन माध्यम के रूप में फॉस्फीनोथ्रिसिन का उपयोग करके इंडिका चावल (ओरिजा सैटिवा एल.) के प्राथमिक और माध्यमिक कैलस का उपयोग करके एग्रोबैक्टीरियम मध्यस्थता परिवर्तन का तुलनात्मक विश्लेषण, फसल विज्ञान के ऑस्ट्रेलियाई जौमल 12(10) 1660.
2. तुषार भाटी, राहुल गुप्ता, निशा यादव, रूही सिंह, अंतरा फुलोरिया, आफरीन वजीरी, सयान चटर्जी, राम सिंह पूर्ति 2018 सेलुलोसिमाइक्रोबियम एसपी की बायोरेमेडिएशन क्षमता का आकलन। एकाधिक भारी धातुओं के उपचार के लिए माइक्रोबायोलॉजी और जैव प्रौद्योगिकी पत्र 47(2) 6 269-277।

डॉ. रीनू शर्मा

1. शर्मा पी और शर्मा आर 2018 एमआईआर-144 इन विट्रो में केवाईए एसई-410 मानव एसोफेजियल कार्सिनोमा सेल लाइन में एक आयआर के रूप में कार्य करता है और पुरा नियोप्लाज्म 2018 को लक्षित करता है; 65(4): 542

डॉ. सुरेश कुमार

1. सुमन चौधरी, सुरेश कुमार 2018 अल्जाइमर रोग में संभावित चिकित्सीय उपयोग के लिए एन-मिथाइल-डी-एस्पार्टेट (एनएमडीए) रिसेप्टर के साथ फाइटोकॉन्स्टिटयूएंट्स की बाइंडिंग इंटरैक्शन का सिलिको विश्लेषण। फार्माकोग्नॉसी पत्रिका, 14 (59) 638.
2. कुमारएस, कुमारएस, रामएच. खंड 13: 1-5.2019 इन विट्रो और मॉलिक्यूलर डॉकिंग स्टडीज द्वारा एलिसिन की एंटी-एग्रीगेशन प्रॉपर्टी। जे जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल न्यूरोसाइंस 13, 1.

डॉ गौरव पांडे

1. कविता सिंह, पौशाली मुखर्जी, अहमद रुश्दी शकरी, अंकिता सिंह, गौरव पांडे, मीनाक्षी बख्शी, गीतांजलि उप्पल, राजेंद्र जेना, अंकिता रावत, पुमिमा कुमार, रुक्रनीनी भारद्वाज, सैयद शम्स यजदानी, धीरज हंस, शांतनु मेहता, अजय श्रीनिवासन, के. अनिल, आरएल मधुसूदन, जया पटेल, अमित सिंह, राजेश्वर राव, संतोष गांगीरेड्डी, रुद्रप्पा पाटिल, स्वमेंदु कविराज, संजय सिंह, डैरिक कार्टर, स्टीव रीड, डेविड सी. कास्लो, एशले बिर्केट, विरेंडर एस. चौहान और चेतन ई. चिटनिस 2018 डफी-बाइंडिंग प्रोटीन पर आधारित मलेरिया वैक्सीन उम्मीदवार चरण I परीक्षण में कार्यात्मक एंटीबॉडी को पार करते हुए तनाव उत्पन्न करता है एनपीजे टीके 3, 48।

प्रोफेसर मीनू कपूर

1. परिहार वी, डंगवाल एम, आर्य डी, कपूर एस, कपूर एम (2019) डीएनए मिथाइलेशन 1 में कमी क्रोमोमेथाइलस के साथ इंटरैक्ट करती है और फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में हेटरोक्रोमैटिन प्रोटीन 1 की तरह होती है। एफईबीएस लेट. 593:2686-2697.
2. परिहार वी, आर्य डी, वालिया ए, त्यागी वी, डंगवाल एम, वर्मा वी, खुराना आर, बूरा एन, कपूर एस, कपूर एम (2019) मॉस फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में लाइक हेटरोक्रोमैटिन प्रोटीन 1 का कार्यात्मक लक्षण वर्णन: भूमि पौधों में इसकी संरक्षित प्रोटीन इंटरैक्शन,प्लांट जे. 97:221-239 (कवर पेज छवि)।
3. पॉलीकॉम्ब रिप्रेसिव कॉम्प्लेक्स 1 और फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में आरएनए प्रक्रियाओं से लिंक। अनुसंधान पर प्रकाश डाला गया। प्लांट 1. (2019) 97, 219-220।
4. सिरोही जी, खंडेलवाल ए और कपूर एम (2019) अरेबिडोप्सिस थालियाना में ब्रैसिनोस्टेरॉइड उपचार के जवाब में माइक्रोआरएनए का उच्च-थ्रुपुट अनुक्रमण और विभेदक अभिव्यक्ति विश्लेषण। कार्यात्मक और एकीकृत जीनोमिक्स जुलाई 2019, खंड 19, अंक 4, पीपी 597-615.

ख) पुस्तक अध्याय

प्रो. पीसी शर्मा

1. शर्मा पीसी और कलकल एम 2018 सीबकथॉम (हिप्पोफे एसपी) का न्यूट्रास्युटिकल और औषधीय महत्व, चिकित्सीय, प्रोबायोटिक और अपरंपरागत खाद्य पदार्थ एल्सेवियर 227।
2. शर्मा पीसी और वर्मा आर 2018 मानव रोग और विकार में एचएसपी 70 गैस्ट्रिक कैंसर के रोगजनन में एचएसपी 70 का निहितार्थ, हीट शॉक प्रोटीन 14 स्प्रिंगर प्रकृति 113।

डॉ. सुरेश कुमार

1. शिवानी कुमार, सुरेश कुमार 2019 आणविक डॉकिंग: औषधि पुनर्प्रयोजन के लिए एक संरचना-आधारित दृष्टिकोण। आईएसबीएन: 978-0-12-816125-8 सिलिको ड्रग डिजाइन एल्सेवियर में, 161.

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

प्रो. एन. रघुराम

1. रघुराम एन. 2019 रिएक्टिव एन प्रदूषण। वैश्विक स्रोत, प्रभाव, प्रवृत्तियों. आईएनएमएस उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण 29 अप्रैल, नैरोबी, केन्या।

2. रघुराम एन. 2019 भारतीय नाइट्रोजन मूल्यांकन और उससे आगे.एन स्थिति आभासी संगोष्ठी और बैठक, 28-29 मार्च, नोबल रिसर्च इंस्टीट्यूट, अर्डमोर, ओक्लाहोमा, यूएसए।
3. रघुराम एन. 2019 वैश्विक पोषक चुनौती। वैश्विक पोषक तत्व प्रबंधन टूलबॉक्स पर डब्ल्यूआरआई-जीपीएनएम वेबिनार में व्याख्यान, 07 मार्च, 2019, नैरोबी, केन्या।
4. चावल में रघुराम एन. 2019 एनयूई-फेनोटाइप से जीनोटाइप. समाचार इंडो-यूके वर्चुअल ज्वाइंट सेंटर की तीसरी बैठक में मौखिक प्रस्तुति। 28 फरवरी-01 मार्च, काठमांडू, नेपाल.
5. रघुराम एन. 2019 नाइट्रोजन प्रबंधन के लिए भारतीय नागरिक समाज का दृष्टिकोण। यूकेआरआई जीसीआरएफ साउथ एशियन नाइट्रोजन हब की आरंभिक बैठक में मौखिक प्रस्तुति। 25-27 फरवरी, काठमांडू, नेपाल।
6. रघुराम एन. 2019 नाइट्रोजन रिजॉल्यूशन पर ब्रीफिंग। ओई-सीपीआर चौथी संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा से पहले, 4-8 मार्च, नैरोबी, केन्या।
7. रघुराम एन. 2018 चावल में नाइट्रोजन उपयोग दक्षता के लिए उम्मीदवार जीन की फेनोटाइपिंग, स्क्रीनिंग और सत्यापन। जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 13-16 दिसंबर. 2018, असम कृषि। विश्वविद्यालय, जोरहाट।
8. रघुराम एन. 2018 पोषक तत्व प्रदूषण, कृषि और जैव विविधता। रियो पवेलियन, संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन और सीबीडीसीओपी14 में मौखिक प्रस्तुति, 25 नवंबर 2018, शर्म अल शेख, मिस्र।
9. रघुराम एन. 2018 रिएक्टिव नाइट्रोजन का सतत उपयोग और सहक्रियाएँ। आईएफए रणनीतिक फोरम, 13-14 नवंबर 2018, बीजिंग, चीन।
10. रघुराम एन. 2018 चावल और अरेबिडोप्सिस में तनाव प्रतिक्रियाओं में जी-प्रोटीन और जीपीसीआर की भूमिका. प्रकाश और तनाव के प्रति पौधों की प्रतिक्रिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-12 अक्टूबर 2018, आईसीजीईबी, नई दिल्ली।
11. रघुराम एन. 2018 संपूर्ण फसल प्रणालियों की नाइट्रोजन दक्षता। लांग लुक एंड रिव्यू मीटिंग ऑफ लैंडो-यूके वर्चुअल एन सेंटर्स पर मौखिक प्रस्तुति। आईसीआरआईएसएटी, 30-31 अगस्त, हैदराबाद।
12. रघुराम एन. 2019 पोषक तत्व प्रदूषण, प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन और स्थिरता, पृथ्वी दिवस व्याख्यान, 22 अप्रैल, श्री गुगु अंगद देव कॉलेज, खडूर साहिब, तरण तारण, पंजाब
13. रघुराम एन. 2019 रिएक्टिव एन, वाहन उत्सर्जन और प्रभाव। भाषण,वायु प्रदूषण का मुकाबला स्रोत पर-वाहनों की आवाजाही, 18 मार्च।, अमेरिकन सेंटर, नई दिल्ली।
14. रघुराम एन. 2019 अप्रयुक्त उर्वरकों से पराली जलाने और नाइट्रस ऑक्साइड (जीएचजी) के कारण नायर प्रदूषण। व्याख्यान, स्रोत पर वायु प्रदूषण का सामना करना-फसल चक्र और फसल अवशेष जलाना, 14 मार्च, अमेरिकन सेंटर, नई दिल्ली।
15. रघुराम एन. 2019 पोषक तत्व संरक्षण, प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन और स्थिरता। मुख्य व्याख्यान, शहरी पर्यावरण स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 7-8 फरवरी, एमजीआईसीसीसी और कालिंदी कॉलेज, नई दिल्ली.
16. रघुराम एन. 2018 क्या नाइट्रोजन नया कार्बन है और हमें इसकी परवाह क्यों करनी चाहिए? भाषण, द्वारका बात-चीत, 23 दिसंबर, नई दिल्ली।
17. रघुराम एन. कीटनाशकों और उर्वरकों के पर्यावरण और स्वास्थ्य प्रभावों पर 2018 पैनलिस्ट, यूएनईपी-एफएओ-डब्ल्यूएचओ सलाहकार बैठक। 12 अक्टूबर 2018, एफएओ, रोम इटली।
18. रघुराम एन. 2018 जैव प्रौद्योगिकी नवाचार: नैतिक और कानूनी चुनौतियाँ। भाषण, कानून, प्रौद्योगिकी और विकास पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम। 24 अगस्त, दिल्ली न्यायिक अकादमी, नेशनल लॉ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

डॉ. निमिषा शर्मा

1. दीपक कुमार, स्वाति वार्ष्णेय, शांतनु सेनगुप्ता और निमिषा शर्मा। 2019 विखंडन खमीर में आरएनए पोलीमरेज II के Rpb4 और Rpb7 सबयूनिट्स द्वारा विनियमित प्रोटीन का एक तुलनात्मक अध्ययन। बीटीएमओ सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पोस्टर- जैविक लेनदेन: अणुओं से जीवों तक, आईआईएससी, बैंगलोर, भारत, 2019।
2. प्रीति डबास, कुमारी श्वेता, निमिषा शर्मा 2019 शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में डीएनए मरम्मत में ईएलएल/ईएएफ कॉम्प्लेक्स की भूमिका। बीटीएमओ सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पोस्टर- जैविक लेनदेन: अणुओं से जीवों तक, आईआईएससी, बैंगलोर, भारत, 2019।

3. कुमारी श्वेता, प्रीति डबास, निमिषा शर्मा। शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में ईएलएल और ईएएफ द्वारा 2019 जीनोम-वाइड ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन बीटीएमओ सम्मेलन जैविक लेनदेन में प्रस्तुत किया गया पोस्टर: अणुओं से जीवों तक, आईआईएससी, बैंगलोर, भारत, 2019।

4. दीपक कुमार और निमिषा शर्मा। 2019 आरएनए पोलीमरेज II के आरपीबी 7 सबयूनिट के परिवर्तित स्तरों पर जीनोम-वाइड ट्रांसक्रिप्शनल प्रतिक्रिया शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में डीएनए क्षति प्रतिक्रिया में इसकी भूमिका की पहचान करती है। "ईएमबीएल सम्मेलन में प्रस्तुत पोस्टर: कार्यात्मक जीनोमिक्स से सिस्टम बायोलॉजी तक, ईएमबीएल, हीडलबर्ग, जर्मनी, 2018.

5. प्रीति डबास, कुमारी श्वेता, स्नेहा गोपालन, जॉन कॉनवे, रॉन कॉनवे, निमिषा शर्मा 2018 ट्रांसक्रिप्टोमिक विश्लेषण से सिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में सेल सेपरेशन जीन की अभिव्यक्ति में ईएलएल/ईएएफ ट्रांसक्रिप्शन कारकों की भूमिका का पता चलता है, ईएमबीएल बैठक में "फंक्शनल जीनोमिक्स से सिस्टम बायोलॉजी तक" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत किया गया। हीडलबर्ग, जर्मनी, 2018।

6. निमिषा शर्मा, युक्ति ढींगरा, ऋत्विक सिंघल प्रीति डबास*, कुमारी श्वेता, प्रसिद्धि त्यागी, दीपांशु सोता, सैकत भट्टाचार्जी 2018 अरेबिडोप्सिस थालियाना में विभिन्न गुणों के साथ दो नए ईएलएल एसोसिएटेड फैक्टर (ईएएफ) होमोलोग्स की पहचान और विशेषता। अमेरिकन सोसाइटी में पोस्टर प्रस्तुत किया गया। ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेशन पर जैव रसायन और आणविक जीव विज्ञान संगोष्ठी के लिए: आरएनए पोलीमरेज II और क्रोमैटिन, यूएसए।

7. कुमारी स्वेता, प्रीति डबास, निमिषा शर्मा 2018 ईएलएल और ईएएफ ट्रांस्क्रिप्शन इलोंगेशन फैक्टर होमोलॉग्स ऑफ ह्यूमन और शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे पोस्टर के बीच कार्यात्मक पूरकता का एक अध्ययन, यीस्ट जेनेटिक्स मीटिंग, कैलिफोर्निया, यूएसए में प्रस्तुत किया गया।

8. वैभव भारद्वाज और निमिषा शर्मा 2018 स्किजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में आरएनए पोलीमरेज II के आरपीबी 9 सबयूनिट का कार्यात्मक लक्षण वर्णन। एक्सएलआईआई ऑल इंडिया सेल बायोलॉजी कॉन्फ्रेंस, गोवा, भारत, 2018 में पोस्टर प्रस्तुत किया गया।

प्रोफेसर मीनू कपूर

1. विमला परिहार, आकांक्षा वालिया, विधि त्यागी, दीपशिखा आर्य, संजय कपूर और मीनू कपूर। "प्रारंभिक भूमि संयंत्र में क्रोमैटिन रीमॉडलिंग और क्रोमैटिन संशोधित प्रोटीन की संरक्षित भूमिकाओं में अंतर्दृष्टि, फिस्कोमिट्रेला पैटेंस" चौथी अंतर्राष्ट्रीय प्लांट फिजियोलॉजी कांग्रेस दिसंबर 2-5, 2018 सीएसआईआर-एनबीआरआई लखनऊ यूपी भारत। (आमंत्रित व्याख्यान)।

2. विमला परिहार और मीनू कपूर (2019) । फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में क्रोमैटिन रीमॉडलिंग और क्रोमैटिन संशोधित प्रोटीन की नियामक भूमिकाएँ। क्रोमैटिन और एपिजेनेटिक्स, ईएमबीओ कार्यशाला, 1 से 4 मई 2019. हीडलबर्ग, जर्मनी।

3. विमला परिहार, मीनू कपूर और संजय कपूर (2018) का कार्यात्मक लक्षण वर्णनमॉस में एराबिडोप्सिस डीडीएमएल होमोलोग, फिस्कोमिट्रेला पैटेंस। चौथी अंतर्राष्ट्रीय प्लांट फिजियोलॉजी कांग्रेस, 2018. 2-6 दिसंबर 2018.सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ, भारत।

4. मीनू कपूर, विमला परिहार, आकांक्षा वालिया, विधि त्यागी, दीपशिखा आर्य और संजय कपूर (2018) प्रारंभिक भूमि संयंत्र, फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में क्रोमैटिन रीमॉडलिंग और क्रोमैटिन संशोधित प्रोटीन की संरक्षित भूमिकाओं में अंतर्दृष्टि। चौथी अंतर्राष्ट्रीय प्लांट फिजियोलॉजी कांग्रेस, 2018. 2 से 6 दिसंबर 2018. सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ, भारत।

5. विधि त्यागी और मीनू कपूर. क्रोमैटिन और एपिजेनेटिक्स पर ईएमबीओ कार्यशाला में प्रस्तुति, 1 से 4 मई 2019, हीडलबर्ग, जर्मनी में.

6. विधि त्यागी और मीनू कपूर, चौथी अंतर्राष्ट्रीय प्लांट फिजियोलॉजी कांग्रेस में प्रस्तुति, 2 से 5 दिसंबर 2018 लखनऊ, भारत में.

डॉ राम सिंह पूर्ति

1. जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में "खाद्य और बायोप्रोसेस प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति" पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों 02/01/2018 से 22/01/2018.

4. विद्यालयों/विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

1. 22.03.2019 को "बाल चिकित्सा एचआईवी -1 संक्रमण में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और एंटी-एचआईवी मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की पीढ़ी" पर बातचीत

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

प्रोफेसर मीनू कपूर

1. चयनित राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई), इलाहाबाद, भारत के चयनित फेलो।

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1	प्रो. के.के अग्रवाल	उच्च पौधों से एक प्रभावी थ्रोम्बिन अवरोधक का निष्कर्षण और पृथक्करण, एक वैकल्पिक थक्का-रोधी के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए।	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2018-2019	1.8
2	प्रो. एन. आरएघूरम	दक्षिण एशियाई नाइट्रोजन हब	यूकेआरआई जीसीआरएफ (यूके)	2019-2024	230
3	प्रो. पी. सी. शर्मा	माइक्रोबियल प्रोटीज की पहचान और अलगाव के लिए टेनरी अपशिष्ट मेटाजेनोम की कार्यात्मक प्रोफाइलिंग और खनन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2018-2019	1.9
4	प्रो. पीसी शर्मा	असामान्य कोशिका प्रसार की प्रगति के दौरान हाइपोक्सिया से संबंधित जीन की विभेदक अभिव्यक्ति	डीआईपीएएस, डीआरडीओ	2016-2019	9.79
5	यूएसबीटी	डीएसटी-मुट्ठी	डीएसटी	2014-2019	160
6	डॉ. मोनिका गांधी	रुमेटीइड गठिया में साल्सा से जुड़े डीएमबीटी 1 जीन के हस्ताक्षर मिथाइलेशन की पहचान	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	2018-2019	2.0
7	डॉ. रीनू शर्मा	आरएनएआई और मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके मानव एसोफेजियल कैंसर में सी-मीर/मार्च VIII (ई3 यूबिकिटिन लिगेज) का कार्यात्मक विश्लेषण और लक्ष्य पहचान	डीबीटी	2015-2018	62.5
8	डॉ. रीनू शर्मा	केमोरेसिस्टेंस इनसोफेजियल कैंसर के माइक्रोआरएनए मध्यस्थता विनियमन को समझना	सीएसआईआर	2019-2022	20.79
9	डॉ. रीनू शर्मा	नियोएडजुवेंट थेरेपी के लिए एसोफेजियल कार्सिनोमस की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करने के लिए वैश्विक माइक्रोआरएनए अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग	आईसीएमआर	2019-2022	28.11
10	डॉ. रीनू शर्मा	सिर और गर्दन के कैंसर बायोमार्कर का पता लगाने के लिए नैनोमटेरियल आधारित प्वाइंट ऑफ केयर डिवाइस का डिजाइन और विकास	डीएसटी	2019-2020	11.484
11	डॉ गौरव पांडे	विनिर्माण में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी एमएबीएस के शुद्धिकरण के लिए स्वदेशी प्रोटीन ए रेजिन का विकास	बीरएसी	2019-2020	48.27
12	प्रोफेसर मीनू कपूर	स्किोमिट्रेला पैटेंस में तनाव के तहत पीपीडीएनएमटी2 के साथ परस्पर क्रिया करने वाले प्रोटीन की पहचान और सत्यापन	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (एसईआरबी)	2017-2020	41

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
13	प्रोफेसर मीनू कपूर	फिस्कोमिट्रेला प्रणाली का उपयोग करके नमक और आसमाटिक तनाव सहिष्णुता में इसकी भूमिका के लिए साइटोसिन डीएनए मिथाइलट्रांसफेरेज (डीएनएमटी2) का कार्यात्मक चित्रण	के विभागजैव प्रौद्योगिकी, सरकार. का भारत (डीबीटी)	2017-2020	68
14	प्रोफेसर मीनू कपूर	फिस्कोमिट्रेला पेटेंट में पीपीईआईएफ 4ए के सिंगल और डबल जीन नॉकआउट म्यूटेंट का ट्रांस्क्रिप्टोम विश्लेषण	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)	2019-2021	22

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यस्थल	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1	भूमिका मदान	2 महीने के लिए समाचार शिक्षावृत्ति, विश्वविद्यालय. एबरडीन, यूके	जुलाई-अगस्त 2018	जैव सूचना विज्ञान में प्रशिक्षण
2	दीपा कुमारी	सीएसआईआर	2019	सीएसआईआर शिक्षावृत्ति

8. अतिरिक्त जैसे पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ/त्यौहार/वार्षिक बैठकें/विद्यालयों/विभाग द्वारा आयोजित:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि
1	पूर्व छात्रों की बैठक	22.12.2018
2	येल्लाप्रगदा सुब्बा रो मेमोरियल वार्षिक व्याख्यान	11.01.2019
3	पॉइज (यूएसबीटी तकनीकी उत्सव)	5.04.2019 से 6.04.2019
4	दिवाली उत्सव	21.10.2019

9. अनुसंधान विद्वानों का विवरण:

क) शोधार्थियों की कुल संख्या पूरी हुई/पुरस्कृत पीएच.डी.: 02

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक.	पर्यवेक्षक का नाम
1	प्रियंका शर्मा	एसोफैगल कैंसर में माइक्रोआरएनए का अध्ययन: निदान के लिए नियमित रक्त-आधारित बायोमार्कर	डॉ. रीनू शर्मा
2	दीपक कुमार	शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे के आरएनए पॉलीमरेज II की सातवीं सबसे बड़ी सबयूनिट का एक अध्ययन	डॉ. निमिषा शर्मा

ख) रिसर्च स्कॉलर्स ने प्रवेश लिया: 09

10. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1	सुश्री निकिता वाधवा	सीएसआईआर-नेट एलएस (2018-22) और आईपीआरएफ
2	सुश्री दर्शिका सिंह	एआरएस-नेट-आईपीआरएफ
3	सुश्री ज्योतस्ना	सीएसआईआर-नेट-जेआरएफ, गेट
4	सुश्री अर्जुमंद बानो	सीएसआईआर-नेट-जेआरएफ

4.4 रासायनिक प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन	कुल संख्या (सेमेस्टर वार)
1	बी.टेक/एम.टेक दोहरी डिग्री	04+02	केमिकल इंजीनियरिंग 40 जैव-रासायनिक इंजी. 30	केमिकल इंजी. 44 (बैच-2018) जैव-केमिकल इंजी. 35 (बैच-2018)
2	एम.टेक (केमिकल इंजीनियरिंग)	02	30	01 बैच -2018)

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रो अरिंजय कुमार जैन

1. श्वेता गुप्ता; एसके शर्मा; अरिंजय कुमार जैन, 2019, संशोधित ए. बारबाडेंसिस मिलर लीव्स पाउडर, एल्सेवियर का उपयोग करके जलीय घोल से नी (II) आयनों का जैव-शोषण। जल विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, 12(1),27-36.
2. श्वेता गुप्ता; अरिंजय कुमार जैन, 2019, जैव अवशोषण द्वारा जलीय घोल से निकेल (II) को हटाना। बारबाडेन्सिस मिलर वेस्ट लीव्स पाउडर, स्प्रिंगर एप्लाइड वॉटर साइंस, 9:96।

डॉ विनीता खांडेगर

1. यादव, ए., खांडेगर, वी, 2018, सांख्यिकीय कमी पर डेटासेट RSM, 22, 1074-1080 का उपयोग करके अत्यधिक पानी में घुलनशील Cr (VI) को Cr (III) में बदलना.
2. यादव, ए., खांडेगर, वी, 2018, अनुक्रमण दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए यमुना नदी दिल्ली, भारत के मूल्यांकन पर संक्षिप्त डेटासेट में डेटा, 22, 1-10.

डॉ. दिनेश कुमार

1. उपलब्धि त्यागी, नीरू आनंद, दिनेश कुमार, 2018, माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज को 5-हाइड्रोक्सीमिथाइल फुरफुरल में बदलने में संशोधित सक्रिय कार्बन और आयनिक तरल का सहक्रियात्मक प्रभाव" बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, 267।

डॉ बिस्वजीत सरकार

1. सत्य पाल वर्मा, बिस्वजीत सरकार, 2018, रैम्नोलिपिड का उपयोग करके माइक्रेलर-एन्हांस्ड अल्ट्राफिल्ट्रेशन द्वारा अपशिष्ट जल से सीडी (II) और पी-क्रेसोल का एक साथ निष्कासन: फ्लक्स गिरावट, सोखना कैनेटीक्स और इजोटेर्म अध्ययन, पर्यावरण प्रबंधन के जौमल, 213, 217-235.
2. उपासना बालियान, विश्वजीत सरकार, 2018, अनुक्रमिक दूषण तंत्र का उपयोग करके फ्लक्स गिरावट का विश्लेषण साइजियमक्यूमिनी (एल.) पत्ती के अर्क की सांद्रता के दौरान, केमिकल इंजीनियरिंग अनुसंधान और डिजाइन, 130, 167-183.
3. उपासना बाएलयान, सत्यपाल वर्मा, बिस्वजीत सरकार, 2019, साइजियम क्यूमिनी (एल.) स्कील पत्तियों से फेनोलिक यौगिक: निष्कर्षण और झिल्ली शुद्धि, जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च ऑन मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स, 12, 43-58.
4. सत्यपाल वर्मा, बिस्वजीत सरकार, 2019, जलीय घोल से सीडी+2 और क्रिस्टल वायलेट को एक साथ हटाने के लिए माइक्रेलर-संवर्धित अल्ट्राफिल्ट्रेशन में रैम्नोलिपिड का उपयोग, एशिया-पैसिफिक जर्नल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग, डीओआई: 10.1002/एपीजे.2315.

डॉ. तपन सरकार

1. सरकार, टी.; अशरफ, पीएमय श्रीनिवेस, एस.; मूलचंदानी, ए., 2018, वाष्पशील एमाइन, सेंसर और एक्चुएटर्स बी: केमिकल, 268, 115-122 के संवेदनशील पता लगाने के लिए कैलिक्सरीन-फंक्शनल सिंगल वॉल्ड कार्बन नैनोटयूब।
2. सरकार, टी; श्रीनिवेस, एस., 2018, No2 के सब-पीपीएम डिटेक्शन के लिए एकल-दीवार वाले कार्बन नैनोटयूब-कैलिक्सरीन हाइब्रिड, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, 197, 28-32।

3. सरकार, टी.; श्रीनिवेस, एस.; रॉड्रिक्ज, ए.; मूलचंदानी, ए., 2018, वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के लिए एकल-दीवार वाले कार्बन नैनोटयूब कैलीक्सरीन आधारित केमिरेसिस्टर, इलेक्ट्रोएनालिसिस, 30, 2077-2084।

डॉ.आराधना श्रीवास्तव

1. रितु वर्मा, लव मेहन, राहुल कुमार, आराधना श्रीवास्तव, 2019, कम्प्यूटेशनल तरल गतिशील उत्तेजित बायोरिएक्टर में विभिन्न प्ररित करनेवाला संयोजनों द्वारा उत्पन्न हाइड्रोडायनामिक कतरनी तनाव का विश्लेषण, बायोकेमिकल इंजीनियरिंगजर्नल, 151 (107312), 1-10।

डॉ. एसके शर्मा

1. संगीता सोइभम, बबीता, एसके शर्मा, मोनिशा मृधा मंडल, 2019, कुंडलित टयूबों में बहने वाले नैनोफ्लुइड के हाइड्रोडायनामिक्स पर प्रायोगिक और संख्यात्मक जांच, एकीकृत फेरोइलेक्ट्रिक्स। अंशुमान डे, मोनिशा मृधा मंडल, 2019, कुंडलित प्रवाह इन्वर्टर में तेल-जल प्रवाह का हाइड्रोडायनामिक्स अध्ययन, उन्नत विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा, 11, 1-8।

डॉ. दीपक गर्ग

1. डॉ. दीपक गर्ग, 2019, सक्रिय कार्बन बनाने के लिए अपशिष्ट मूंगफली के छिलकों का अनुप्रयोग और सतत विकास के लिए अपशिष्ट जल, एल्सेवियर, भूजल से एसिड येलो 36 को हटाने के लिए इसका उपयोग,8, 512-519.

ख) सम्मेलनों में पूर्ण पेपर

डॉ. विश्वजीत सरकार

1. बिस्वजीत सरकार, 2018, नैनोफिल्ट्रेशन का उपयोग करके जलीय एस क्यूमिनी (एल) पत्तियों के अर्क की सांद्रता: पूर्व-उपचार का प्रभाव और फ्लक्स गिरावट का विश्लेषण, यूरो-झिल्ली 2018,

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

क्र.सं.	संकाय का नाम	आयोजन का नाम	संगठन का नाम	दिनांक (अवधि)	संचालन का स्थान
1.	डॉ मोनिशा मंडल	उभरती हुई ऊर्जासतत विकास के लिए प्रौद्योगिकी	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय	10 फरवरी 2018	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली
2	डॉ. दिनेश कुमार	अभिनव अनुप्रयुक्त ऊर्जा	एल्युमिना लोडेड FDU-12 का उपयोग करके बबूल अपशिष्ट से निकाले गए लिग्निन का सुगंधित हाइड्रोकार्बन में रूपांतरण	14-15 मार्च 2019	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय
3	डॉ. दिनेश कुमार	एसीईई -2019	तरलित-तल के मिश्रित भाग में व्युत्क्रम घटना का अध्ययन: व्यास और घनत्व का प्रभाव	मार्च 23-24, 2019	डॉ बी आर अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
4	विनय जी शाह	अपशिष्ट प्लास्टिक के लिए सतत पायरोलिसिस की प्रक्रिया उपकरण डिजाइन	प्रस्तावित रासायनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी "एसीएसटी-18"	27-28 अप्रैल, 2018	एनआईटी जालंधर
5	डॉ मोनिशा मंडल	प्रस्तावित रसायन विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर टीईक्यूआईपी-III प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर	अप्रैल 27-28, 2018	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर
6	डॉ मोनिशा मंडल	इंजीनियरिंग और तकनीकी पर अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी	इंजीनियरिंग और तकनीकी पर अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी	28-30 अगस्त, 2018	सिंगापुर

क्र.सं.	संकाय का नाम	घटना का नाम	संगठन का नाम	दिनांक (अवधि)	संचालन का स्थान
7	डॉ बिस्वजीत सरकार	आईडब्ल्यूए -क्षेत्रीय झिल्ली तकनीकी सम्मेलन, आईडब्ल्यूए -आरएमटीसी-2018	रमनोलिपिड बायोस तथ्यात्मक का उपयोग करके अपशिष्ट जल से कैडमियम आयन और जैविक डाई का समकालिक निष्कासन	10-12 दिसंबर, 2018	वडोदरा, गुजरात, भारत
8	डॉ मोनिशा मंडल	नैनो संरचित सामग्रियों और उपकरणों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजिकली एडवांस्ड मैटेरियल्स ऑफ इंडिया और दिल्ली विश्वविद्यालय	17-20 दिसंबर 2018	श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (उत्तरी परिसर)
9	प्रो. एके जैन	यूरेशिया अनुसंधान अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, केयू होम	ए बारबाडेन्सिस मिलर द्वारा नि(II) आयनों को हटाने से फिक्स्ड बेड कॉलम (सतत मोड) का उपयोग करके अवशेष छोड़ते हैं	21 -22 दिसंबर 2018	कासेट्सर्ट विश्वविद्यालय, चाटुचक, बैंकॉक, थाईलैंड

4. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	वर्ष	राशि
प्रो. यू के मंडल	डिजाइनिंग इंटरफेस इंजीनियर्ड हेटरोस्ट्रक्चर्ड उत्प्रेरक - नवीकरणीय ऊर्जा पीढ़ी/पर्यावरण उपचार के लिए एक कदम	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	1.9 लाख
प्रो ए के जैन	ए. बारबाडेन्सिस मिलर लीव्स पाउडर का उपयोग करके बैच ऑपरेशन और सतत अध्ययन द्वारा जलीय घोल से Cd(II) और Ni(II) आयनों का द्विआधारी सोखना	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	1.8 लाख
डॉ नीरू आनंद	फाइल में कोई प्रोजेक्ट शीर्षक नहीं	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	1.9 लाख
डॉ बी सरकार	बायोसर्फैक्टेंट के साथ माइक्रेलर संवर्धित अल्ट्राफिल्ट्रेशन का उपयोग करके मल्टीकंपोनेंट सिस्टम में पानी से डाई और भारी धातु आयनों को एक साथ हटाना	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	1.9 लाख
डॉ. एस. के. शर्मा	इसके ताप स्थानांतरण प्रदर्शन पर सीएनटी नैनोफ्लुइड स्थिरता का प्रभाव	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	2.0 लाख
डॉ. आराधना श्रीवास्तव	अनुकूलन सूक्ष्म शैवाल संस्कृति का उपयोग करके यमुना जल में भारी धातुओं का उपचार और मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	2.0 लाख
डॉ. तपन सरकार	ग्राफीन/धातु-ऑक्साइड संकर द्वारा अपशिष्ट जल से प्रदूषक फोटोकैमिकल निष्कासन	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	2.0 लाख
डॉ. तपन सरकार	रासायनिक युद्ध एजेंटों (सीडब्ल्यूए) के लिए पहनने योग्य सेंसर सरणी का विकास	सर्ब-डीएसटी	तीन वर्ष	2018-2019	52.05 लाख
श्रीमती सानिग्धा आचार्य	भूजल का इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन द्वारा विनाइट्रीकरण सह-अस्तित्व वाले आयनों का प्रभाव	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	2.0 लाख
श्री दीपक गर्ग	पानी से स्वदेशी रूप से विकसित सक्रिय कार्बन का उपयोग करके अपशिष्ट जल से रंगों को हटाना	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	2.0 लाख

संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	वर्ष	राशि
डॉ. मोनिशा मंडल	कुंडलित नली में तरल-तरल प्रवाह	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	1.9 लाख
डॉ. विनीता खांडेकर	यमुना नदी का लक्षण वर्णन और इलेक्ट्रोकोएग्युलेटिव उपचार: एक सांख्यिकीय दृष्टिकोण	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	2.0 लाख
श्री विनय शाह	बायोमास पायरोलिसिसएस और एनआरपी (गैर-पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक) से मूल्यवर्धित उत्पाद और ऊर्जा	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	एक वर्ष	2018-2019	2.0 लाख

5. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क) करण कुमार की उपलब्धि

1. सरगम (भारतीय समूह गीत), एसएफआईडॉल (एकल गायन प्रतियोगिता) और लेक साइड ड्रीमज (ध्वनिक बैंड प्रतियोगिता) में भागीदारी के लिए स्प्रिंग फेस्ट 2018, आईआईटी खड़गपुर द्वारा "भागीदारी प्रमाणपत्र" से सम्मानित किया गया।
2. जीजीएसआईपीयू, द्वारका, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अनुगूंज 2018 में "शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता" के विजेता के रूप में सम्मानित किया गया।

ख) सौरभ मलिक की उपलब्धि

1. यूएससीटी, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के वार्षिक टेक-फेस्ट के दौरान शुद्ध (जल उपचार) प्रतियोगिता में दूसरा स्थान।

ग) तन्मय भट्ट की उपलब्धि

1. आईआईसीएचई यूएससीटी स्टूडेंट चौप्टर द्वारा आयोजित ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार।

घ) कृष्ण की उपलब्धि

1. आईआईटी-बीएचयू द्वारा आयोजित केम-ए-बोट प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार।

6. विद्यालयों द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ जैसे /त्यौहार/वार्षिक बैठक/विभाग

क्र.सं.	शीर्षक	तारीख
1	पूर्व छात्रों की बैठक	19.01.2019

7. प्लेसमेंट रिपोर्ट:

क्र.सं.	नाम	उच्च अध्ययन
1	रोहन ओहरी	आईआईटी बॉम्बे-केमिकल इंजीनियरिंग
2	अमन मिश्रा	आईआईटी दिल्ली-वायुमंडलीय विज्ञान
3	अभिषेक कश्यप	आईआईटी दिल्ली-केमिकल इंजीनियरिंग
4	अनन्या मंडल	आईआईटी खड़गपुर-केमिकल इंजीनियरिंग
5	सौरव केसरी	आईआईटी खड़गपुर-केमिकल इंजीनियरिंग
6	ध्रुव	आईआईटी बॉम्बे-संक्षारण विज्ञान
7	प्रभसिमरन कौर	केमिकल इंजीनियरिंग-कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय बर्कले में एमएस
8	राहुला बालाकृष्णन	सामग्री विज्ञान-फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में एमएस

8. अनुसंधान शोध छात्र का विवरण:

क) सम्मानित पीएच.डी. की कुल संख्या अनुसंधान शोध छात्र: 06

क्र.सं.	शोध छात्र के नाम	शीर्षक	पंजीकरण की तिथि	स्थिति
1.	श्री दिनेश कुमार	जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए चुंबकीय नैनो सामग्री का विकास	2011 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार
2.	श्रीमती रुचिका तंवर	अपशिष्ट जल से उत्प्रेरक क्षरण और कार्बनिक अपशिष्ट को हटाना	2012 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार
3.	श्री. सुदीप अस्थाना	कम लागत वाला अवशोषक का उपयोग करके औद्योगिक अपशिष्ट जल से भारी धातु आयनों को हटाना	2012 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार
4.	सुश्री उपासना बालियान	पौधों के अर्क से पॉलीफेनोलिक यौगिकों के शुद्धिकरण और सांद्रण की एक झिल्ली आधारित एकीकृत प्रक्रिया	2013 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार
5.	सुश्री बबीता	हीट ट्रांसफर अनुप्रयोग के लिए नैनो - तरल पदार्थ पर अध्ययन	2013 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार
6.	सुश्री श्वेता गुप्ता	जैव-अवशोषक का उपयोग करके औद्योगिक अपशिष्ट जल से भारी धातुओं को हटाने पर अध्ययन	2014 (पूर्णकालिक)	पुरस्कार

ख) शोधार्थी ने प्रवेश किया: 02

ग) चल रहे पीएच.डी. शोध छात्र की कुल संख्या: 16

9. गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण

1. वर्ष 2018 में लव मेहन, आजाद अली, निकिता, सृष्टि प्रिया, नमन कुकरेजा, ईशा अत्रे, सारांश मोघा, प्रज्ञा मनराल, कृष्ण कुमार, चौतन्य बंसल, सौरभ मलिक, राघव खुराना, पीयूष मलिक.
2. निर्भय कुमार, विनायक अग्रवाल, रोहन कुमार, दीपाली शर्मा, अक्षय, मनिंदर, जयंत माथुर, प्रकाश शर्मा, अनन्या अग्रवाल, विलाक्षण भूटानी।

10. औद्योगिक दौर/शिक्षा दौरे/व्याख्यान:

औद्योगिक दौरे नाम/व्याख्यान	तारीख	स्थान
एनएफएल का दौरा, पानीपत	23 अक्टूबर 2018	पानीपत

4.5 शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन	कुल ताकत
1.	एम. एड.	दो वर्ष	58	वर्ष एक-39 वर्ष दो-47

2. पत्रिकाओं में संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रो. धनंजय जोशी

1. धनंजय जोशी, संयुक्त, 2018, दिल्ली के सरकारी विद्यालय में पाठड्डचर्या योजना में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की स्वायत्तता का एक अध्ययन।, एमईआरआई जर्नल ऑफ एजुकेशन, खंड XIII, 25-35ISSN- 09742058।
2. धनंजय जोशी, संयुक्त, 2019, दिल्ली में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन-आधारित सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के दौरान शामिल प्रक्रियाओं और चुनौतियों का एक अनुभवजन्य अध्ययन, अर्थशास्त्र, वाणिज्य और व्यवसाय प्रबंधन के केएएवी अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (रेफरी और ब्लाइंड समीक्षा जर्नल), वॉल्यूम-6, आईएसएसएन 2348-4969।

प्रोफेसर सरोज शर्मा

1. सरोज शर्मा, 2018, हरियाणा में लड़कियों की शिक्षा को प्रभावित करने वाली सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं: एक अध्ययन, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नई दिल्ली, 0566-2257.
2. सरोज शर्मा, 2018, दिल्ली का विद्यालयों में स्वास्थ्य और स्वच्छता कार्यक्रमों के प्रति सरकारी और निजी स्कूली शिक्षक के रवैये का एक अध्ययन, www.oiirj.org.

डॉ. अंजलि शौकीन

1. अंजलि शौकीन, 2018, बीएड छात्रों के बीच शिथिलता, तनाव और अकादमिक उपलब्धि, शैक्षिक खोज, खंड 9, संख्या 1, पीपी 125-129, अप्रैल 2018,0976-7258।

प्रो संगीता चौहान

1. संगीता चौहान, 2018, शिक्षाशास्त्र में सुधार: स्कैफोल्ड का उपयोग करके अंग्रेजी भाषा सीखने में सुधार पर अंग्रेजी में सुधार पर चिंतन, विश्वविद्यालय समाचार, वॉल्यूम। 56 नं. 44, पीपी-14-22.
2. संगीता चौहान, 2018, व्यापक खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रमों: भारत में अवसर और चुनौतियाँ, विश्वविद्यालय समाचार, वॉल्यूम। 56, संख्या 45, पीपी-8-13।
3. संगीता चौहान, 2019, एक भूमिका रोल करना: साहित्य सूचना और कंप्यूटर शिक्षा, महत्वपूर्ण सोच और संचार कौशल को बढ़ाना, वॉल्यूम। 10.
4. संगीता चौहान, 2019, शैक्षणिक मचान के प्रति अंग्रेजी भाषा शिक्षकों का रवैया, विश्वविद्यालय समाचार, खंड 57, संख्या 28, पृष्ठ-16-20।
5. संगीता चौहान, 2019, परामर्श के माध्यम से सेवा-पूर्व शिक्षक शिक्षा को बढ़ाना: आगे का रास्ता।, इन्फोनॉमिक्स सोसायटी, वॉल्यूम, पीपी-345-348।

डॉ. अमित आहूजा

1. अमित आहूजा, 2018, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में आत्म-प्रभावकारिता का अध्ययन, शैक्षणिक परिषद संवाद, 8, 1, 25-34.

ख) पुस्तकें अध्याय:

प्रो. धनंजय जोशी

1. धनंजय जोशी, 2018, दिल्ली के सरकारी विद्यालय, में पाठ्यचर्या योजना में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की स्वायत्तता का एक अध्ययन। विविधता और समावेशन में मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य: शोधकर्ता और चिकित्सकों के लिए एक संकलन, कनिस्का पब्लिशर्स नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन-9788184578416।

ग) कोई अन्य प्रकाशन:

डॉ. अमित आहूजा

1. भाटिया, एस. के. और आहूजा, ए. (2018). विद्यालय, संगठन और प्रबंधन पर एक पाठ्यपुस्तक। दिल्ली: बुक मैन पब्लिशर्स। (आईएसबीएन 978-93-83154-66-1)।

3. सेमिनार/कार्यशाला सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

संकाय का नाम	आयोजक/शीर्षक	अवधि	स्थान
धनंजय जोशी	अंत:विषय अनुसंधान सम्मेलन	30.03.2018 से 02.04.2019	आईसीएईबीएस सम्मेलन, बैंकाक
धनंजय जोशी	राष्ट्रीय सलाहकार बैठक	21.02.2019 से 22.02 2019	केंद्रीय शिक्षा संस्थान,दिल्ली विश्वविद्यालय
धनंजय जोशी	लोकतांत्रिक संस्थाओं के कामकाज में शिक्षा की भूमिका	15.03.2019 से 16.03.2019	केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय और नीति अनुसंधान और शासन केंद्र
धनंजय जोशी	अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	22.01.2019 से 24.01.2019	शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली
सरोज शर्मा	लंदन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एलआईसीई)-2018	(3 दिन)	कैम्ब्रिज यूके।
संगीता चौहान	अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	22.01.2019 से 24.01.2019	शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली
अमित आहूजा	अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	22.01.2019 से 24.01.2019	शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली
अमित आहूजा	सीआईसीई -2018 "शिक्षा और अनुसंधान में वैश्विक मुद्दे"	25.06.2018 से 28.06.2018	विश्वविद्यालयवीटोरंटो की नगर पालिका, मिसिसॉगा, कनाडा
अंजलि शौकीन	दृष्टिस्वयं, समाज और प्रकृति के लिए समसामयिक वैश्विक	16.11.2018 से 18.11.2018	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, शिक्षा संकाय, एएई बीएचयू
अंजलि शौकीन	गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पेशेवर और मानवीय शिक्षक विकसित करने की दिशा में	10.01.2019 से 12.01.2019	आईयूसीटीई, शिक्षा विभाग (केस और आईएएसई), बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय
अंजलि शौकीन	दुनिया भर में उच्च शिक्षा में अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमान और शिक्षक शिक्षा में इसकी प्रासंगिकता	22.01.2019 से 24.01.2019	पीएमएमएनएमटीटी योजना के तहत शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय

4. सेमिनार/विद्यालयों/विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	गतिविधि का शीर्षक	दिनांक (अवधि)	संगठन का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	स्थान
1.	दुनिया भर में उच्च शिक्षा में अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमान और शिक्षक शिक्षा में इसकी प्रासंगिकता	22 से 24 जनवरी, 2019	पीएमएमएनएमटीटी योजना के तहत शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	180	यूएसई, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
2	"नई तालीम" पर पाठ्यक्रमों विकास कार्यशाला	20 जुलाई 2018	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय एवं एमजीएनसीआरई, हैदराबाद	120	यूएसई, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
3.	प्रायोगिक ज्ञान के लिए विश्वविद्यालयों के पाठयक्रम में नई तालीम का एकीकरण: विषय पर एफडीपी	11 से 18 दिसंबर, 2018	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय एवं एमजीएनसीआरई, हैदराबाद	40	यूएसई, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
4.	ए राधाकृष्णन स्मृति व्याख्यान	27 अक्टूबर, 2018	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	80	यूएसई, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
5.	"शिक्षा में दिमागीपन विकसित करने का महत्व" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला	18 सितम्बर 2018	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय एवं अहिर्नसा	120	यूएसई, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
6.	औरत की सुरक्षा संबंधी चिंताएँ को सुदृढ़ करने के लिए लिंग संवेदीकरण पर व्याख्यान सह चर्चा	08 मार्च, 2019	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	90	यूएसई, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली

5. पुरस्कार/उपलब्धियाँ/ संकाय द्वारा प्राप्त छात्रवृत्ति:

प्रो.धनंजय जोशी

1. इंद्रप्रस्थ द्वारा संस्था दिल्ली द्वारा धनंजय जोशी, प्रोफेसर, यूएसई को डॉ. एपी जे अब्दुल कलाम नेशनल आइकन अवार्ड, 2018 से सम्मानित किया गया।, दिनांक 14.09.18.
2. अभिमंच साहित्य संस्था दिल्ली द्वारा यूएसई के प्रोफेसर धनंजय जोशी को अभिमंच साहित्य सम्मान, 2018 से सम्मानित किया गया।

6. अतिरिक्त पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ/त्योहार विद्यालय/विभाग/शाखा द्वारा आयोजित वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1.	ओरिएंटेशन कार्यक्रम	अगस्त, 2018	नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए
2.	शिक्षक दिवस समारोह	सितम्बर,2018	यूएसई में कार्यक्रम
3.	स्थापना दिवस व्याख्यान	अक्टूबर, 2018	यूएसई में कार्यक्रम
4.	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	नवंबर, 2018	यूएसई में कार्यक्रम
5.	अंतिम वर्ष छात्रों का बैच की विदाई	अप्रैल, 2018	यूएसई में कार्यक्रम

7. शोधार्थियों का विवरण:-

क) पीएच.डी. की कुल संख्या पूर्ण/पुरस्कृत: 06

ख) शोधार्थी भर्ती: 06

ग) चल रहे पीएच.डी. पंजीकृत शोधार्थी की कुल संख्या: 31

8. गेट-जेआरएफ/नेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:-

क्र.सं.	छात्रों की संख्या (नेट)	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	01	जेआरएफ-एसआरएफ/यूजीसी

9. रिपोर्ट अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे/शिक्षा दौरे:

छात्र 2018 में संकाय सदस्यों के साथ शैक्षिक दौरे के लिए लोहागढ़ गए थे।

4.6 पर्यावरण प्रबंधन के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन	कुल शक्ति
1.	एम. एससी. (पर्यावरण प्रबंधन) पीजी	02 वर्ष	25	43
2.	एमएससी (जैव विविधता एवं संरक्षण) पीजी	02 वर्ष	20	38
3.	एम.एससी. (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) -पीजी	02 वर्ष	25	32

2. सेमिनार का प्रकाशन (जर्नल्स/न्यूजलेटर्स आदि)

पर्यावरण प्रबंधन के विद्यालय विश्वविद्यालय, एलुमनी एसोसिएशन, वार्षिक समाचार पत्र, नेचर स्केपएन इंटरफेस फॉर ग्रीन इनोवेटर्स, खंड -2, अंक-1, 2019.

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रो. एनसी गुप्ता

1. प्रियंका कुमारी, एन. सी. गुप्ता, अमरजीत कौर, डी. के. चड्ढा (2018), दिल्ली, भारत में गाजीपुर लैंडफिल साइट के पास मौसमी बदलाव के साथ भूजल गुणवत्ता का आकलन, पर्यावरण विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल, 7(4),1-5.
2. प्रियंका कुमारी, अमरजीत कौर, एनसी गुप्ता (2018), भूजल प्रदूषण की सीमा के कारण दिल्ली के अनलाइन लैंडफिल साइट से सटे लीचेट माइग्रेशन, पर्यावरण दावा जर्नल, 31(2), 160-175।
3. उत्कर्षा पाठक, एन. सी गुप्ता, जेसी सूरी, चारु त्यागी (2018), उत्तर भारतीय ग्रामीण गांवों में वयस्क महिलाओं के बीच स्वयं-रिपोर्ट किए गए अस्थमा के प्रसार पर बायोमास ईंधन से उत्पन्न इनडोर वायु प्रदूषण का प्रभाव, जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 5(3),10-13.
4. उत्कर्षा पाठक, एनसी गुप्ता, जेसी सूरी, ए. सक्सेना (2018), उत्तर भारत के एक शहरी गाँव की वयस्क महिलाओं के श्वसन स्वास्थ्य पर इनडोर वायु प्रदूषण का प्रभाव, प्रदूषण अनुसंधान, 37(4), 1058-166.
5. आंचल गर्ग, एन. सी. गुप्ता (2018), पीएमएल 0, पीएम 2 का एपिसोडिक स्तर दिवाली के दौरान 5 और पीएमएल: एक अध्ययनदिल्ली, भारत के शहरी क्षेत्र में, पर्यावरण विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल, 7(3), 25-30।
6. प्रमोद कुमार, एनसी गुप्ता (2018), आतिशबाजी से प्रेरित कण और भारी धातु उत्सर्जन के दौरान दिल्ली, भारत में दिवाली महोत्सव, जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल हेल्थ, 81(4), ई1.
7. प्रमोद कुमार, मोहित मान, एन. सी. गुप्ता (2018),आगे चयन विधि, मौसम विज्ञान और वायुमंडलीय भौतिकी, 131, 1121-1131 का उपयोग करके दीर्घकालिक एमओडिएस डेटा के साथ एयरोसोल ऑप्टिकल गुणों का प्रतिगमन विश्लेषण।
8. आंचल गर्ग, एनसी गुप्ता, एसके त्यागी (2019), पूर्वी दिल्ली के यातायात-भीड़भाड़ वाले क्षेत्र के पास बेंजीन, टोल्यूनि, एथिलबेन्जीन और जाइलीन का स्तर, पर्यावरण दावा जर्नल, 31(1), 5-15.
9. आंचल गर्ग, एनसी गुप्ता, एसके त्यागी (2019), बेंजीन के बीच मौसमी और स्थानिक परिवर्तनशीलता का अध्ययन, दिल्ली, भारत की परिवेशी वायु में टोल्यूनि, और पी-जाइलीन (बीटीपी-एक्स), प्रदूषण, 5(1), 135-146।
10. उपासना भाटी, एसके दास, एनसी गुप्ता, प्रमोद कुमार, नीतू रानी, खेम सिंह (2018), बायोइंडिकेटर के रूप में मकड़ी के जाले का उपयोग करके दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की शहरी हवा में भारी धातुओं का आकलन, पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल, 11(1), 49-55, आईएसएसएन: 1994-7887।
11. चारु त्यागी, एनसी गुप्ता, के सरमा, यू पाठक (2018), ब्लैक कार्बन की मौसमी और दैनिक विविधता दिल्ली में एरोसोल और पीएम 2.5 और मौसम संबंधी मापदंडों के साथ उनका अंतर्संबंध, वैकल्पिक ऊर्जा, पर्यावरण और पारिस्थितिकी में उन्नत अनुसंधान जर्नल, वॉल्यूम. 5(4)29-32.
12. चारु त्यागी, एनसी गुप्ता, के सरमा (2018), दिल्ली में आवासीय उपनगर में दिवाली, 2016 और 2017 के दौरान पटाखों के कारण अल्पकालिक प्रदूषण का माप, प्रदूषण अनुसंधान, वॉल्यूम। 37(3) 763-770.

13. चारू त्यागी, एनसी गुप्ता, के सरमा (2018), दिल्ली, भारत के आवासीय उपनगर में पीएमएल0 एरोसोल का कार्बोनेसियस सामग्री विश्लेषण, पर्यावरण और हम: विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम। 13 (189-198).
14. प्रियंका कुमारी, एनसी गुप्ता, अमरजीत कौर, खेम सिंह (2019), नगरपालिका में और उसके आसपास भूजल संदूषण का आकलन करने के लिए प्रमुख घटक विश्लेषण और सहसंबंध का अनुप्रयोग गाजीपुर, दिल्ली का सॉलिड वेस्ट लैंडफिल, जर्नल ऑफ जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया।
15. उत्कर्षा पाठक, रोहित कुमार, तेजस एम सूरी, जेसी सूरी, एन. सी. गुप्ता, शर्मिष्ठा पाठक (2019), एक ग्रामीण भारतीय गांव की वयस्क महिलाओं में फेफड़ों के कार्यों पर पारंपरिक स्टोव से बायोमास ईंधन के संपर्क का प्रभाव, लंग इंडिया, 36(5), 376।
16. उत्कर्षा पाठक, एन. सी. गुप्ता, जेसी सूरी (2019), बायोमास खाना पकाने के ईंधन से इनडोर वायु प्रदूषण के कारण सीओपीडी का खतरा: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, पर्यावरणीय स्वास्थ्य अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1-14।
17. आंचल गर्ग, एनसी गुप्ता (2019), दिल्ली, भारत की परिवेशीय वायु में BTEX उत्सर्जन के अनुपात-अस्थायी वितरण, स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन और ओजोन निर्माण क्षमता पर एक व्यापक अध्ययन, कुल पर्यावरण का विज्ञान, 659, 1090-1099।
18. चारू त्यागी, एनसी गुप्ता, के सरमा, यू पाठक (2018), ब्लैक का मौसमी और दैनिक बदलाव दिल्ली में कार्बन एरोसोल और PM2.5 के साथ उनका अंतर्संबंध और मौसम संबंधी पैरामीटर, वैकल्पिक ऊर्जा, पर्यावरण और पारिस्थितिकी में उन्नत अनुसंधान जर्नल, वॉल्यूम। 5(4)29-32.
19. चारू त्यागी, एनसी गुप्ता, के सरमा (2018), दिल्ली में आवासीय उपनगर में दिवाली, 2016 और 2017 के दौरान पटाखों के कारण अल्पकालिक प्रदूषण का माप, प्रदूषण अनुसंधान, वॉल्यूम। 37(3) 763-770.
20. चारू त्यागी, एनसी गुप्ता, के सरमा (2018), दिल्ली, भारत के आवासीय उपनगर में पीएमएल एरोसोल का कार्बोनेसियस सामग्री विश्लेषण, पर्यावरण और हमरू विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 13, 189-19।

प्रो. अनुभा कौशिक

शोध पत्र

1. आराधना सिंह और ए.कौशिक, माइक्रोबियल ईंधन सेल में बढ़ी हुई बिजली उत्पादन और सीओडी हटाने के लिए 2019 एनोड संशोधन। एशियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल साइंस, 21 (1): 181-186।
2. प्रेरणा शर्मा और ए. कौशिक, 2018. पारिस्थितिकी तंत्र परिवर्तन के चालक: गंगा नदी का एक केस अध्ययन। एनवायरन वी इंटजे साइंस टेक। 13: 167-176.
3. निशा, आर., किरण, बी., कौशिक, ए. और कौशिक, सीपी. 2018. शारीरिक संरचना के संदर्भ में साइनोबैक्टीरिया का उपयोग करके नमक प्रभावित मिट्टी का बायोरेमेडिएशन, पोषक तत्व की स्थिति और माइक्रोबियल गतिविधि पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी स्प्रिंगर के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 15(3): 571-580.
4. प्रेरणा शर्मा और ए. कौशिक, 2018. गंगा नदी में जैविक प्रदूषण और कोलीफॉर्म बैक्टीरिया में बदलाव बिठूर-कानपुर घाट: एक सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम। कृषि, खाद्य विज्ञान, वानिकी में हालिया रुझानों में, बागवानी, जलकृषि, पशु विज्ञान, जैव विविधता, पारिस्थितिक विज्ञान और जलवायु परिवर्तन (ईडी. मिश्रा जी.सी) प्रकाशन कृषि संस्कृति प्रकाशन. पीपी.15-18 (आईएसबीएन: 978-93-85822-64-3)।

पुस्तक अध्याय

1. शर्मा मोना, वीरेंद्र कुमार, दीपक बंसल और ए कौशिक। 2018. सायनोबैक्टीरिया: औद्योगिक अपशिष्ट जल के उपचार के लिए पर्यावरण अनुकूल उपकरण, पर्यावरण सुरक्षा के लिए औद्योगिक अपशिष्ट का बायोरेमेडिएशन, खंड II: औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए जैविक एजेंट और तरीके (भार्गव, आर). एन. सक्सेना, जी. एड्स.) पीपी 389-413.स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर।
2. अपर्णा भारद्वाज, शर्मा मोना, सीपी कौशिक और अनुभा कौशिक 2019। सामग्री के पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण में निर्मित वेटलैंड प्रौद्योगिकी का उपयोग करके लैब स्केल पर उच्च शक्ति पोस्ट-मेथेनेटेड डिस्टिलरी अपशिष्ट जल का बायोरेमेडिएशन: नई प्रगति. रिवर पब्लिशर्स, नील्स जर्नेसवेज 10, 9220 अलबोर्ग, डेनमार्क।

प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य

1. सिंह, एस. भट्टाचार्य, पी., और गुप्ता, एनसी (2018), शहरी क्षेत्र के विभिन्न भूमि-उपयोग पैटर्न में थेवेटिया पेरुवियाना के लिए धूल कण लक्षण वर्णन और जन्मजात प्रतिरोध, पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।
2. चंद्रन, सी. और भट्टाचार्य, पी. (2019), पर्यावरण के लिए रणनीतिक चालकों के रूप में होटल की सर्वोत्तम प्रथाएँ सस्टेनेबिलिटीएंड ग्रीन मार्केटिंग, जर्नल ऑफ ग्लोबल स्कॉलर्स ऑफ मार्केटिंग साइंस।
3. भल्ला, पी. और भट्टाचार्य, पी. (2019), महत्व-प्रदर्शन विश्लेषण का उपयोग करके भारतीय हिमालय क्षेत्र के संरक्षित क्षेत्र में इकोटूरिज्म से आगंतुकों की संतुष्टि, जर्नल ऑफ ग्लोबल स्कॉलर्स ऑफ मार्केटिंग साइंस।

प्रोफेसर वरुण जोशी

1. मुकुला, एम., जादेब, एस., अंसारिया, मतीन, ए., जोशी, वी. (2018)। जियोडेटिक ग्लोबल से संरचनात्मक अंर्तदृष्टि दार्जिलिंग-सिक्किम हिमालय में पोजिशनिंग सिस्टम माप. जर्नल स्ट्रक्चरल जियोलॉजी.
2. कुमार, पी. और जोशी, वी. (2019)। मॉर्फोमेट्रिक मूल्यांकन ढांचे का उपयोग करके सुवर्णरेखा नदी के ऊपरी जलक्षेत्र के प्राथमिकता वाले क्षेत्र को अलग करने के लिए एक भू-स्थानिक-सांख्यिकीय दृष्टिकोण मलेशियाई जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज. खंड 3(1) (2019) 01-11।

डॉ किरणमय सरमा

1. त्यागी, एस. और सरमा, के. (2018), गाजियाबाद में विभिन्न भूमि उपयोगों में भूजल गुणवत्ता का आकलन उत्तर प्रदेश का जिला,भारत, पर्यावरण और हम: विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम. 13 (99-117).
2. गुप्ता, पी. और सरमा, के. (2018), भूजल गुणवत्ता, गहराई और पौधों की प्रजातियों का स्थानिक वितरण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली में विविधता, इंडिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंजर्वेशन साइंस, वॉल्यूम। 9(2)351-360.
3. त्यागी, सी; गुप्ता एन. सी. और सरमा, के (2018), दिल्ली, भारत के आवासीय उपनगर में पीएमएलओ एरोसोल का कार्बोनेसियस सामग्री विश्लेषण, पर्यावरण और हम: विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम। 13 (189-198).
4. कुमारी, एम. और सन्ना, के. (2018), प्रभाव के तहत परिवेशी वायु गुणवत्ता में मौसमी बदलावसासन अल्ट्रा. थर्मल पावर प्लांट, मध्य प्रदेश के आसपास कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट उत्सर्जन, इंडियन जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल प्रोटेक्शन, वॉल्यूम। 38(5)371-378.
5. त्यागी, सी.; गुप्ता, एन. सी. और सन्ना, के (2018), दिल्ली के आवासीय उपनगरों में दिवाली, 2016 और 2017 के दौरान पटाखों की घटना के कारण अल्पकालिक प्रदूषण का माप, प्रदूषण अनुसंधान, वॉल्यूम। 37(3) 763-770.
6. मंगल ग्रह के लिए; कौर, ए., सन्ना, के. और डांगी, एचके (2018), फायर रिस्क असेसमेंट एंड फायर हैजर्ड जोनेशन दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम डिवीजन में जीआईएस का उपयोग करके मानचित्रण, एप्लाइड साइंसेज में उन्नत अनुसंधान के लिए जर्नल, वॉल्यूम। 5 (3) 213-220.
7. त्यागी, सी.; गुप्ता एनसी सन्ना, के. और पाठक, (2018), ब्लैक कार्बन की मौसमी और दैनिक विविधता दिल्ली में एरोसोल और पीएम 2.5 और मौसम संबंधी मापदंडों के साथ उनका अंतर्संबंध, जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन अल्टरनेटिव एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड इकोलॉजी, वॉल्यूम। 5(4)29-32.
8. कुमारी, एम.; सन्ना, के. और शर्मा, आर. (2019), भूमि उपयोग के संबंध में भूमि की सतह के तापमान के स्थानिक पैटर्न का अध्ययन करने के लिए मोरन के I और जीआईएस का उपयोग करना/सिंगरौली जिले, मध्य प्रदेश, भारत में एक थर्मल पावर प्लांट के आसपास कवर, रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग: समाज और पर्यावरण। वॉल्यूम. 15 (100239) 1-6.
9. शिमराह, टी.; सन्ना, के.; वर्गा, ओजीय स्जीलार्ड, एस. (2019), भारत के मणिपुर के शिरुई हिल में पृथ्वी अवलोकन डेटासेट का उपयोग करके परिदृश्य परिवर्तन का मात्रत्मक मूल्यांकन, रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग: समाज और पर्यावरण, खंड 15(100237) 1-6।
10. जोशी, एम.; कौर, एम.; दास, एसके और सन्ना, के. (2019), भारत के राजस्थान के थार रेगिस्तान में वन्यजीवों के लिए खतरे का आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज, वॉल्यूम। 6(2)463-473.

डॉ. अंशू गुप्ता

1. अमरीक भट्टाचार्य, अंशू गुप्ता, ए. कौर और डी. मलिक (2019)। सूक्ष्मजीवों का उपयोग करके हेक्सावलेंट क्रोमियम का उन्मूलनरू रणनीतियों और जटिलताओं में अंतर्दृष्टि। जल विज्ञान. तकनीक. 79: 411–424.
2. अंजुम सिंघल, अंशू गुप्ता (2018) सिल्वर नैनोकणों के संश्लेषण में कम करने वाले एजेंट के रूप में वर्ष रहित बीज केक (डीओसी) का कुशल उपयोग: अपशिष्ट जल युक्त डाई के उपचार में अनुप्रयोग और लागत-प्रभावशीलता के लिए पुन: प्रयोज्य क्षमता का उपयोग करना। जे. मोल. लीक. 268: 691–699.
3. ऋचा भारद्वाज, अंशू गुप्ता, जे.के.गर्ग (2018) निरोधात्मक सांद्रता पर भारी धातुओं का प्रभाव एस्चेरिचिया कोलाई का-यमुना नदी प्रणाली, दिल्ली, भारत का एक केस अध्ययन। पर्यावरण. सोमवार। आकलन करें. 190: 674. (https://doi-org/10-1007/s10661 -018-7061-0).
4. अमरीक भट्टाचार्य, अंशू गुप्ता, ए. कौर और डी. मलिक (2018) सूक्ष्मजीवों का उपयोग करके फिनोल का उपचार: रासायनिक प्रदूषण के खतरे से निपटने का स्थायी तरीका। करे. संगठन रसायन. 22: 370–385.
5. ऋचा भारद्वाज, अंशू गुप्ता, जेके गर्ग (2018) की भौतिक-रासायनिक विशेषताओं का विश्लेषणसाइट-विशिष्ट जल गुणवत्ता सूचकांक के आकलन के साथ यमुना नदी, दिल्ली विस्तार। प्रदूषण अनुसंधान. 37: 446–459.

डॉ. दीक्षा कत्याल

1. बंसल, एस., कत्याल, डी., सलूजा, आर., चक्रवर्ती, एम., और गर्ग, जे.के. (2018), भारतीय उष्णकटिबंधीय/उपोष्ण कटिबधीय आर्द्रभूमियों में मीथेन उत्सर्जन की परिवर्तनशीलता का आकलन करने के लिए दूर से संवेदित मोडिस आर्द्रभूमि घटक,एप्लाइड अर्थ ऑब्जर्वेशन और जियोइंफॉर्मेशन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।
2. बंसल, एस., गर्ग, जेके, शर्मा, सीएस, और कात्याल, डी.(2018), भू-स्थानिक उपकरणों का उपयोग करके आर्द्रभूमि से स्थानिक मीथेन उत्सर्जन मॉडलिंग, रिमोट सेंसिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल.
3. नांगिया, एस., वारकर, एस., और कात्याल, डी (2018), चिटोसन बायोपॉलीमेरिक हाइड्रोजेल-आधारित कंपोजिट के पर्यावरणीय अनुप्रयोगों पर एक समीक्षा, जर्नल ऑफ मैक्रोमोलेक्यूलर साइंस, भाग ए.

डॉ. संजय के. दास

1. शर्मा, सी., दास, ए., मोहंती, एस., और श्यामसुंदर, यू. (2018), भारतीय स्पाइनी-टेल्ड छिपकली सारा हार्डविकी का डीएनए अनुक्रम मोनोमोर्फिज्म तत्काल संरक्षण का सुझाव देता है, जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी और जूलॉजी अध्ययन।
2. उपासना भाटी, एसके दास, एनसी गुप्ता, प्रमोद कुमार, नीतू रानी, खेम सिंह (2018), हेवी मेटल्सबायोइंडिकेटर के रूप में मकड़ी के जाले का उपयोग करके दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की शहरी हवा में मूल्यांकन, पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल, 11(1), 49–55, आईएसएसएन: 1994–7887.
3. दीक्षा, आर. ए. खान, ए सुल्ताना और एस. के. दास (2018)। भारत से जीनस थॉमिसस वाल्केनेर, 1805 (अरानेई: थॉमिसिडे) का एक नया मकड़ी रिकॉर्ड। सेरकेट 16(2): 96–99.
4. मलिक, एस., एसआर चौधरी, एसके दास और एमसिलिवाल. (2018)। टैक्सोनोमिक विविधताओं पर टिप्पणियों के साथ भारत से कंघी-पैर वाली मकड़ी पैरास्टीटोडा कोम्पिरेंसिस (बोसेनबर्ग और स्ट्रैंड, 1906) (अरानेई: थेरिडिडे) की पहली रिपोर्ट। सेरकेट 16(1): 41–44.
5. सैनी, के.सी., एम. जोशी और एस.के.दास (2018)। लक्ष्मणगढ़, सीकर में बचाए गए पक्षियों पर नोट्स, राजस्थान से पैलिड स्कोप्स उल्लू ओटस ब्रुसी के एक और रिकॉर्ड के साथ। भारतीय पक्षी 14(5): 160–161.
6. शर्मा, सी., ए. दास, एस. मोहंती, यूएस सिंह और एसके दास (2018)। भारतीय स्पाइनी-टेल्ड छिपकली सारा हार्डविकी का डीएनए अनुक्रम मोनोमोर्फिज्म तत्काल संरक्षण का सुझाव देता है. जर्नल ऑफ एंटोमोलॉजी एंड जूलॉजी स्टडीज 6 (1): 1547–1551.
7. भाटी, यू., एसके दास, पी. कुमार, एनसी गुप्ता, एन. रानी और के. सिंह (2018). बायोइंडिकेटर के रूप में मकड़ी के जालों का उपयोग करके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की शहरी हवा में भारी धातुओं का आकलन। जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइंसएंड टेक्नोलॉजी 11 (1): 49–55.
8. चौधरी, एस. आर., सिलीवाल, एम., और दास, एसके (2019), स्पाइडर्स ऑफ ओडिशा: एक प्रारंभिक चेकलिस्ट, जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा।

9. कौर,एक, एस घोष, एसके दास (2019)। उपग्रह छवि-आधारित भूमि उपयोग/ओडिशा, भारत में भूमि आवरण गतिशीलता और वन आवरण परिवर्तन विश्लेषण (1996-2016)। एशियन जर्नल ऑफ वॉटर, एनवायरनमेंट एंड पॉल्यूशन 16(1), 25-39.

डॉ. सुमित डूकिया

1. डूकिया, एस. और मिश्रा, आर. (2018)। एशियाटिक लेसर येलो हाउस बैट का पहला रिकॉर्ड, स्कोटोफिलस कुहली लीच, 1821 (मामालिया: चिरोप्टेरा: वेस्परटिलियोनिडे) दिल्ली, भारत से। नई जैविक रिपोर्ट पर जर्नल। 7(1)28-33.
2. भारद्वाज, जीएसय डूकिया, एस. और दत्ता, एस. (2018)। वन्यजीवों की मानवजनित मृत्यु दर: थार रेगिस्तान में एकमात्र शिकारी के रूप में उभर रहे स्वतंत्र कुत्तों को दर्शाने वाला एक मामला अध्ययन. भारतीय वनपाल, 144 (10): 947-957.
3. विल्सन, वी. और डूकिया, एस. (2018)। थार रेगिस्तान में डेजर्ट फॉक्स (वुल्प्स वल्प्स पुसिला) का वितरण राजस्थान, भारत के. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च चंद एनालिटिकल रिव्यूज 5(4): 744-749।
4. उमादी, आर., डुकिया, एस. और रिडेल, जे. (2019)। पुरातत्व स्थलों से चमगादड़ों को बाहर निकालने की बड़ी गलती-नई दिल्ली से एक प्रतिबिंब. विरासत, 2,553-567; डीओआई: 10.3390/हेरिटेज 2010036.
5. सिंह, जी. और डूकिया, एस. (2019)। भारत के राजस्थान के थार रेगिस्तान में फुलवस राउंडलीफ बैट हिप्पोसिडेरोस फुलवस ग्रे1838 की रोस्टिंग इकोलॉजी और वितरण। परिवेश विज्ञान, 06(1): 11-15. डीओआई:10-21276/ambi-2019-06-1-raOl-

डॉ. तुइसेम शिमराह

1. शिमराह, टी., सरमा, के., वर्गा, ओजी., स्जीलार्ड, एस. और सिंह, एसके (2019)। भारत के मणिपुर की शिरुई पहाड़ी में पृथ्वी अवलोकन डेटासेट का उपयोग करके परिदृश्य परिवर्तन का मात्रात्मक मूल्यांकन, रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग: समाज और पर्यावरण, 15,1-9.
2. वराह, एफ.,पामरेइशांग, सी. और शिमराह, टी. (2019) । राष्ट्रीय वन नीति और उत्तर पूर्व भारत का शासन, भारतीय वनपाल, 145 (5): 413-420.
3. कुमार, रेत शिमराह,टी।(2018)। ताजे पानी के अंतर्देशीय वेटलैंड में पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और खतरों का आकलन: ओखला पक्षी अभयारण्य, पर्यावरण और हम का एक केस अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 13:137-147.

डॉ. नीतू रानी

1. उपासना भाटी, एसके दास, एनसी गुप्ता, प्रमोद कुमार, नीतू रानी, खेम सिंह (2018), बायोइंडिकेटर के रूप में स्पाइडर वेब का उपयोग करके दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की शहरी हवा में भारी धातुओं का आकलन, पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी जर्नल, 11(1), 49-55, आईएसएसएन: 1994-7887।

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

प्रो. एनसी गुप्ता

1. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस पर पूर्ण सत्र में प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। 5 पर भारत जून, 2018, विज्ञान भवन, नई दिल्ली।
2. विश्वविद्यालयों में शिक्षा शास्त्र और अनुसंधान पद्धतियों पर संकाय विकास कार्यक्रम में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया 8 जून 2019 को एमिटी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश में
3. इंडियन एसोसिएशन ऑफ एयर पॉल्यूशन कंट्रोल, दिल्ली और ले-मेरिडियन 3 नवंबर, 2018 द्वारा स्मारकों और संरक्षण पर वायु प्रदूषण के प्रभाव पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
4. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला कॉलेज में खाद्य प्रौद्योगिकी, कृषि, पर्यावरण और संबद्ध विज्ञान के उभरते क्षेत्रों के साथ स्वास्थ्य और पोषण को एकीकृत करने में समसामयिक मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 6 अप्रैल, 2019, नई दिल्ली।
5. गवर्निंग सोलर रेडिएशन मैनेजमेंट पर चर्चा बैठक में आमंत्रित संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। विकासशील जलवायु इंजीनियरिंग की भूमिका, ऊर्जा, पर्यावरण और जल मूल्यांकन परिषद, ए-10, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली 10 अप्रैल, 2019.

6. 10 जून 2019 को इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी एनएचक्यू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित नित्यानंद गुप्ता मेमोरियल व्याख्यान में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया.

प्रोफेसर अनुभा कौशिक

1. 3 अगस्त, 2018 को नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन, एनटीपीसी में "भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सतत दृष्टिकोण" पर एनटीपीसी के अधिकारियों के लिए "खतरनाक अपशिष्ट और अन्य अपशिष्ट: प्रबंधन और अनुपालन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित व्याख्यान।
2. गीता रतन इंटरनेशनल बिजनेस विद्यालय, जीजीएसआईपीयू में "जलवायु परिवर्तन और प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे" और "सतत विकास" विषयों पर एक दिवसीय कार्यशाला में "पर्यावरणीय मुद्दे और चुनौतियां" पर आमंत्रित वार्ता, 14 सितंबर, 2018.
3. मुख्य नोट व्याख्यान में जी. जे. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार "जलवायु परिवर्तन और लिंग मुद्दे" पर "स्वास्थ्य और कृषि स्थिरता की दिशा में जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन", फरवरी 18-20, 2019।
4. नेशनल लॉ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "शैक्षिक संस्थानों में लैंगिक समानता:" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान 28 फरवरी, 2019 को "लिंग समानता" पर एक दिवसीय कार्यशाला में एक सक्रिय दृष्टिकोण।
5. "सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन: अभ्यास, नियम और चुनौतियां" पर इको-क्लब कार्यशाला में बनारसी दास चंडीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, जीजीएसआईपीयू में मुख्य व्याख्यान, 3 मार्च, 2019.
6. डीटीयू, दिल्ली में "पर्यावरण प्रबंधन के लिए सतत प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "पर्यावरण प्रबंधन में फाइको-तकनीकी अनुप्रयोगों" पर मुख्य व्याख्यान, मार्च 25-26, 2019।

प्रोफेसर वरुण जोशी

1. विश्व पर्यावरण दिवस में भाग लिया: 1 जून, 2018 को पर्यावरण और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विषयगत सत्र हिमालयी इको-सिस्टम, स्थान: विज्ञान भवन, हॉल नंबर 2.
2. पर्यावरण अध्ययन में पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति (28/05/2018 से 17/06/2018) गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा आयोजित। 07.06.2018 को व्याख्यान दिया गया।
3. डीएसटी वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "ऋषिकेश-देवप्रयाग राष्ट्रीय राजमार्ग, उत्तराखंड के साथ संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों का बड़े पैमाने पर भूवैज्ञानिक-भू-तकनीकी मानचित्रण" केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रूड़की, उत्तराखंड में 22-23 जून 2018 को उत्तराखंड नेटवर्किंग परियोजना की प्रगति समीक्षा बैठक।
4. एनएमएचएस निगरानी, मूल्यांकन और मूल्यांकन (एमएलई) मिशन की स्थापना के लिए गठित व्यापक विषयगत समूह (जल संसाधन प्रबंधनय आजीविका विकल्प और रोजगार सृजन) के तहत विशेषज्ञों के पैनल में विशेषज्ञ सदस्य। राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन (एनएमएचएस), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एवं सीसी,भारत सरकार), नोडल संस्थान जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण और सतत विकास संस्थान (जीबीपीएनआईएचईएसडी)। परियोजना मूल्यांकन की बैठक (जीबी पीएन आईएचईएसडी - एमओईएफ एवं सीसी), भारत सरकार, नई दिल्ली), 10-11 जुलाई, 2018।
5. उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 17 जुलाई, 2018 से 6 अगस्त, 2018 तक लाइफ साइंसेज में पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति ने 25.07.2018 को व्याख्यान दिया गया।
6. डीएसटी वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है "ऋषिकेश-देवप्रयाग राष्ट्रीय राजमार्ग, उत्तराखंड के साथ संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों का बड़े पैमाने पर भूवैज्ञानिक-भू-तकनीकी मानचित्रण" काशी विद्या पीठ, विश्वविद्यालय, बनारस, यूपी में 22-23 जुलाई 2018 को उत्तराखंड नेटवर्किंग परियोजना की प्रगति समीक्षा बैठक।
7. डीएसटी द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना का शीर्षक है "ऋषिकेश-देवप्रयाग राष्ट्रीय राजमार्ग, उत्तराखंड के साथ संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों का बड़े पैमाने पर भूवैज्ञानिक-भू-तकनीकी मानचित्रण" केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान और आईआईटी रूड़की, रूड़की, उत्तराखंड में उत्तराखंड नेटवर्किंग परियोजना की प्रगति समीक्षा बैठक। 27 अक्टूबर 2018.
8. भूविज्ञान विभाग, एचएनबीजीयू परिसर बादशाही थौल, टिहरी गढ़वाल (उत्तराखंड) द्वारा आयोजित 'जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। 26 से 28 अक्टूबर, 2018 (28 अक्टूबर, 2018 को उपस्थित हों)।

डॉ.अंशु गुप्ता

1. अंजुम सिंघल, अंशू गुप्ता। चांदी के नैनोकण:हरित संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उनके रोगाणुरोधी और रंग विरंजन गुण। इन: विश्लेषणात्मक विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन", सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून, भारत, मार्च 15-17, 2018।
2. संकाय विकास कार्यक्रम (व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व और पर लघु अवधि पाठ्यक्रमों) एथिक्स) डीयू, दिल्ली में (23 अक्टूबर-29 अक्टूबर, 2018)।
3. संकाय विकास कार्यक्रम (डीयू, दिल्ली में कार्यशाला एमओओसी, ई-सामग्री विकास और मुक्त शैक्षिक संसाधन (12-18 जुलाई, 2019)।

डॉ. पंपोश

1. इसमें भाग लिया और मौखिक रूप से "जीवाणु विविधता और सामुदायिक प्रोफाइल का आकलन" पर एक पेपर प्रस्तुत किया 26 अप्रैल, 2019 को यूएसईएम, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय द्वारा जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और शहरी पर्यावरण: शहरी और पेरी-शहरी जैव विविधता के संरक्षण में रुझान और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में अगली पीढ़ी के अनुक्रमण (संध्या भट्ट और पंपोश) का उपयोग करके नजफगढ़ झील के तलछट का मूल्यांकन।
2. "नजफगढ़ झील और आसपास के पौधों की प्रजातियों की एक सूची" विषय पर भाग लिया और पोस्टर प्रस्तुति दीनहर, दिल्ली (आकांक्षा कसानिया, प्रियंका वर्मा और पंपोश)" 26 अप्रैल, 2019 को यूएसईएम, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय द्वारा जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और शहरी पर्यावरण: शहरी और पेरी-शहरी जैव विविधता के संरक्षण में रुझान और चुनौतियां पर राष्ट्रीय सेमिनार में।

डॉ. संजय के.दास

1. 10 से 15 फरवरी 2019 तक इंटरनेशनल सोसायटी आर्कनोलॉजी द्वारा आयोजित कैंटरबरी, न्यूजीलैंड में आर्कनोलॉजी पर 21वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया।

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

डॉ. सुमित डूकिया

1. 1 मार्च, 2019 को टाइगर वॉच (एनजीओ), सवाई माधोपुर, राजस्थान द्वारा 8 वें फतेह सिंह राठौड़ वन्यजीव संरक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	प्रोफेसर. अनुभा कौशिक	माइक्रोबियल ईंधन सेल का उपयोग करके अपशिष्ट जल से भारी धातु हटाना और ऊर्जा उत्पादन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष (अप्रैल 2018 - मार्च 2019)	2.00
2.	प्रोफेसर वरुण जोशी	सिक्किम राज्य में भूस्खलन और पर्यावरण पर उनके महत्व का अध्ययन	जीबी पंत हिमालय पर्यावरण एवं विकास संस्थान, कोसी, अल्मोडा (एमओईएफ, भारत सरकार)	3 वर्ष	13.96
3.	डॉ किरणमय सरमा	उत्तर-पूर्वी भारत में खेती स्थानांतरण और कोयला खनन प्रौद्योगिकी विकास, प्रबंधन, और दीर्घकालिक निगरानी	पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एवं सीसी, भारत सरकार) और जीबी पंत राष्ट्रीय हिमाल यपर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान (जीबीपीएनआईएचईएसडी), कोसी-अल्मोड़ा	3 वर्ष (5 वर्ष तक विस्तार योग्य)	20

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
4.	डॉ. तुईसेम शिमरह	पूर्वी हिमालय में कार्बन पृथक्करण और आजीविका सुधार पर विशेष जोर के साथ स्थायी पारंपरिक प्रबंधन प्रथाएँ का आकलन, दस्तावेजीकरण और सत्यापन	जीबीपीएनआईएचईएडी और एमओईएफसीसी	3 वर्ष	64,40,640
		राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में शहरी वनों के प्रभावी प्रबंधन के लिए दिल्ली की मूल वृक्ष प्रजातियों की पौधा समुदाय संरचना और पुनर्जनन क्षमता	सर्ब	3 वर्ष	24,58,000
5.	डॉ. संजय के. दास	"कुलधिया वन्यजीव अभयारण्य, ओडिशा में मकड़ी विविधता"	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष (अप्रैल)	2.00

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्र का नाम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1.	श्री.कुश कुमार	पीएच. डी शोध छात्र	श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित, राष्ट्रीय सम्मेलन में कमजोर भूस्खलन उत्तराखंड वर्गों के मानचित्रण में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार
2.	सुश्री संगीता सिंह	पीएच. डी शोध छात्र	श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में बंजर भूमि की सतही मिट्टी की विशेषताओं के मानचित्रण में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार

8. विद्यालय द्वारा आयोजित पाठ्येतर गतिविधियाँ/त्योहार/वार्षिक बैठकें/विभाग:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1.	"महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण" (प्रतियोगिता सह कार्यशाला)	29 मई 2018	पोस्टर मेकिंग एवं कविता प्रतियोगिता।
2.	"तितली विविधता और संरक्षण"	6 सितम्बर 2018	श्री इश्तियाक अहमद (शिक्षा अधिकारी) एवं श्री ओमवीर (सहायक शिक्षा अधिकारी), बीएनएचएस, नई दिल्ली द्वारा व्याख्यान
3.	"पृथ्वी शांति: रोशनी के त्योहार का पर्यावरण अनुकूल उत्सव" (प्रतियोगिता सह कार्यशाला)	5 नवंबर, 2018	रंगोली बनाना (थीम-हरित और स्वच्छ दिवाली), भीख मांगो, उधार लो, चोरी करो प्रतियोगिता और संस्कृति और परंपरा प्रश्नोत्तरी।

9. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या
1.	अप्लिंकासॉल्यूशंस एवं टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड	एम.एस सी.(पर्यावरण प्रबंधन), जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
2.	पीएचएफआई, गुड़गांव	
3.	पर्यावरण क्षेत्र उपकरण एवं उपकरण	
4.	दून विश्वविद्यालय देहरादून	
5.	विंडफोर्स सर्विसेज मैनेजमेंट प्रा. लिमिटेड गुड़गांव	
6.	टेरी विश्वविद्यालय, गुड़गांव	
7.	नेट-एलएस/जेआरएफ	

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या
8.	एज्रो इंफ्राटेक, गुड़गांव	एम.एससी. (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली
9.	एचईआरई टेक., गुड़गांव	
10.	एनसीसीएफ, नोडिया	
11।	डब्ल्यूडब्ल्यूएफ	
12.	भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून	
13.	नेट-एलएस/जेआरएफ	

10. शोधार्थियों का विवरण

क) कुल संख्या पीएच.डी. की. पूण/पुरस्कृतः 17

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	शीर्षक	पंजीकरण की तारीख	पर्यवेक्षक का नाम	पुरस्कार की प्रभावी तिथि/पूर्ण
1.	सुश्री ऋचा भारद्वाज	दिल्ली में यमुना नदी प्रणाली में मल सूचक बैक्टीरिया के भारी धातु प्रतिरोध का एक मात्रत्मक मूल्यांकन	12.11.2013	प्रो. जेके गर्ग, पर्यवेक्षक डॉ. अंशू गुप्ता, सह पर्यवेक्षक	14.08.2018
2.	श्री प्रमोद कुमार	मोडिस डेटा का उपयोग करके दिल्ली में एयरोसोल ऑप्टिकल गुणों और फाइन मोड फैक्शन विविधताओं का अध्ययन	15.02.2012	प्रो. एनसी गुप्ता, पर्यवेक्षक	26.09.2018
3.	सुश्री प्रिया भल्ला	बिनसर वन्यजीव अभयारण्य, उत्तराखंड, भारत पर इकोटूरिज्म प्रभाव आकलन	12.11.2013	प्रो प्रोद्युत भट्टाचार्य, पर्यवेक्षक	27.12.2018
4.	सुश्री निदा रिजवी	अलग-अलग पानी गुणवत्ता सूचकांक और जीआईएस तकनीक का उपयोग करके हिंडन नदी की जल गुणवत्ता का लक्षण वर्णन	12.11.2013	प्रोफेसर वरुण जोशी, पर्यवेक्षक डॉ. दीक्षा कत्याल, सह पर्यवेक्षक	18.02.2019
5.	सुश्री तपस्या तोमर	दिल्ली क्षेत्र में जीआईएस तकनीक. का उपयोग करके (डब्ल्यूक्यूआई) के साथ एकीकरण में भूजल प्रदूषण भेद्यता आकलन करने के लिए एक पूर्वानुमानित मॉडलिंग दृष्टिकोण	12.11.2013	प्रोफेसर वरुण जोशी, पर्यवेक्षक डॉ. दीक्षा कत्याल, सह पर्यवेक्षक	18.02.2019
6.	सुश्री रिधि सलूजा	इन-सीटू हाइपरस्पेक्ट्रल और ऑर्बिटल मल्टीस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग डेटा का उपयोग करके वेटलैंड स्थिति का आकलन।	12.11.2013	प्रो. जेके गर्ग, पर्यवेक्षक	18.02.2019
7.	श्री. संजय कुमार तोमर	दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम डिवीजन में अग्नि जोखिम मूल्यांकन और शमन	29.09.2015	प्रो. अमरजीत कौर, पर्यवेक्षक डॉ. एच.के. डांगी, सह पर्यवेक्षक	18.02.2019
8.	श्री वी. एम. नटराज	अहमदनगर जिले के प्रवरा कमांड में उर्वरक संदूषण भूजल का अनुमान।	26-11-2008	डॉ. दीक्षा कत्याल, पर्यवेक्षक डॉ. सुनील गोम्तिवार, सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुत

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	शीर्षक	पंजीकरण की तारीख	पर्यवेक्षक का नाम	पुरस्कार की प्रभावी तिथि/पूर्ण
9.	श्री प्रभात कुमार	भारत-गंगा क्षेत्र की चावल-गेहूं फसल प्रणाली से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन क्षमता का अध्ययन	15.02.2012	प्रो. एनसी गुप्ता, पर्यवेक्षक	प्रस्तुत
10.	श्री कुलदीप श्रीवास्तव	पश्चिमी हिमालय में जलवायु परिवर्तन के प्राकृतिक संकेतक के रूप में लाइकेन पर अध्ययन।	14.09.2012	प्रो प्रोद्युत भट्टाचार्य, पर्यवेक्षक	प्रस्तुत
11.	श्री पिपास कुमार	बायोडीजल-खाद्य तेल, वनस्पति तेल और इसकी गुणवत्ता विशेषता का उपयोग करके बायोडीजल उत्पादन में हालिया रुझान/इसके कणों और उत्सर्जन को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने के लिए उत्पादन के प्रत्येक चरण पर नियंत्रण,	14.09.2012	प्रो. वरुण जोशी, पर्यवेक्षक	प्रस्तुत
12.	श्री प्रबीर कुमार दास	भिन्न भारतीय जलवायु में अलग फोटो-वोल्टाइक मॉड्यूल से ऊर्जा उत्पादन का अनुमान और तुलनात्मक विश्लेषण	12.11.2013	प्रो. एनसी गुप्ता, पर्यवेक्षक	प्रस्तुत
13.	एमएस. सिम्पी सिंह	चयनित पौधों की प्रजातियों की एयरोसोल एबेटमेंट क्षमता का आकलन, शहरी हरित स्थान, दिल्ली	12.11.2013	प्रो. एनसी गुप्ता, पर्यवेक्षक प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य, सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुत
14.	सुश्री सीमा देवी	मध्य भारत के शुष्क पर्णपाती वनों में चयनित एनटीएफपी के प्राकृतिक पुनर्जनन को प्रभावित करने वाले कारकों पर अध्ययन	12.11.2013	प्रो प्रोद्युत भट्टाचार्य, पर्यवेक्षक	प्रस्तुत
15.	सुश्री लिवलीन कौर काहलों	उत्तरी ओडिशा, भारत के ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में पारंपरिक नृवंशविज्ञान ज्ञान का अंतर पीढ़ीगत मूल्यांकन	29.09.2015	डॉ रीता सिंह, पर्यवेक्षक	प्रस्तुत
16.	सुश्री माया कुमारी	पर्यावरण पर कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों के प्रभाव का आकलनय सिंगरौली जिले, मप्र का एक अध्ययन	12.11.2013	डॉ. किरणमय सरमा, पर्यवेक्षक	प्रस्तुत
17	सुश्री मोनालिसा पॉल	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के शहरी परिदृश्य में तितलियों और पतंगों की जैविक अंत:क्रिया पर अध्ययन	28.07.2015	डॉ. संजय के. दास, पर्यवेक्षक प्रो रीता सिंह, सह पर्यवेक्षक	प्रस्तुत

ख. शोधार्थी ने प्रवेश लिया: 06

ग. कुल संख्या चल रही पीएच.डी.पंजीकृत शोधार्थी: 57

11. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	प्रतिभा आनंद-एमएससी (ईएम)	नेट-एलएस
2.	काव्या सिंह यादव - एम.एससी. (ईएम)	नेट-एलएस
3.	कृतिका आनंद	नेट-एलएस
4.	तान्या चौहान	जेआरएफ
5.	अनुज राज सिंह	नेट-एलएस
6.	जागृति सुनइजा	नेट-एलएस
7.	यश जैन	नेट-एलएस
8.	आकांशा राय	नेट-जेआरएफ
9.	महिमा उत्तरेजा	नेट-एलएस
10.	पारिजात भराली -एम.एससी. (एनआरएम)	जेआरएफ-नेट
11.	भाविनी-एम.एससी.(एनआरएम)	जेआरएफ-नेट

12. रिपोर्ट अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे/शिक्षा दौरे:

1. एम. एससी (जैव विविधता एवं संरक्षण) विद्यार्थियों का शैक्षिक दौरा 23 सितम्बर, 2018 से 28 सितम्बर, 2018- मुक्तेश्वर, उत्तराखंड के बीच आयोजित की गई
2. एम. एससी. (जैव विविधता और संरक्षण) विद्यार्थियों का शैक्षिक दौरा 12 जनवरी, 2019 से 17 जनवरी, 2019-जम्मू, जम्मू और कश्मीर के बीच आयोजित की गई थी।
3. एम. एससी. (पर्यावरण प्रबंधन) और एम. एससी. (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) विद्यार्थियों का शैक्षिक दौरा पंचमढ़ी, जबलपुर, भोपाल के बीच आयोजित किया गया।

4.7 मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम यूजी/पीजी/एम.फिल/पीएचडी/डिप/सर्टिफिकेट।	अवधि	स्वीकृत	कुल संख्या (सभी सेमेस्टर का)
1.	विद्यालय यूएसएस को विभिन्न आवश्यकता-आधारित पाठ्यक्रमों (संचार कौशल, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में) प्रदान करता है	सेमेस्टर लंबाई पाठ्यक्रमों	जैसा कि विभिन्न यूएसएस के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत है	
2.	एमए (अंग्रेजी) (पीजी)	2 वर्ष	60	110
3.	एमए (अर्थशास्त्र) (पीजी)	2 वर्ष	40	80
4.	एम. फिल (अंग्रेजी)	1 वर्ष	17	17

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

डॉ. मनप्रीत कौर कांग

1. डॉ. मनप्रीत कौर कांग, "थियोलॉजिकल रिकॉन्सेप्टुअलाइजेशन एंड इकोलॉजी: अमिताव घोष की द हंग्री टाइड और जेन स्माइली की ए थाउजेंड एकर्स का एक अध्ययन।" द क्वेस्ट: ए पीयर-रिव्यूड लिटरेरी जर्नल वॉल्यूम 32, नंबर 1, जून 2018: 127-37, प्रिंट। डैगर, अंशू और मनप्रीत कौर कांग।

डॉ. समी अहमद खान

1. डॉ. समी अहमद खान, "द एनिहिलेशन ऑफ क्लोनिंग: कास्ट एंड क्लोनिंग इन जेनरेशन 14"। शोध पत्र, न्यूज इंडिया मई-जून 2018, फिक्शन: साउथ एशियन साइंस फिक्शन की गॉलन्ज बुक में "15004"। हैचेट, 2019।

डॉ. शुभांकु कोचर

1. डॉ. शुभांकु कोचर, शोध पत्र: "नीग्रो आर्टिस्ट एंड द रेसियल माउंटेन: ए रीडिंग ऑफ लैंगस्टन ह्यूजेस सेलेक्ट पोएट्री"। भारत में भाषा. जून, 2018.

सुश्री प्रार्थना गोयल

1 गोयल, पीए और बंसल, आर. (2018), "वित्तीय समावेशन पर प्रेषण का प्रभाव: एक पैनल डेटा विश्लेषण", जीनियस, खंड-VI, अंक 1.

ख) पुस्तक अध्याय

डॉ. विवेक सचदेवा

1. डॉ. विवेक सचदेवा, पुस्तक (पुस्तकें) दक्षिण एशिया में संपादित पहचान: संघर्ष और अभिकथन। और विवेक सचदेवा, क्वीनी प्रधान, अनु वेणुगोपालन। रूटलेज, 2019।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

डॉ. नरेश के. वत्स

1. डॉ. नरेश के. वत्स, द 'पोस्ट' फेटिश: नेमिंग अवर प्रेजेंट इन टर्म्स ऑफ अवर "यूचर, एआईसीएसएसएच एआईसीएमएसई 2018 अगस्त, (ऑक्सफोर्ड) सम्मेलन कार्यवाही, 16 -18 अगस्त 2018, आईएसबीएन: 978-1- 911185-75- 8(ऑनलाइन) पृष्ठ 25-31।

डॉ समी अहमद खान

1. डॉ. समी अहमद खान, "200 इयर्स ऑफ इमेजिनेटेड ह्यूमन्स: इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एंड वर्कशॉप ऑन साइंस" में आमंत्रित पैनलिस्ट "जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल । नवंबर, 2018 "चीन-पाक मुनाफाखोर: चुनिंदा भारतीय विज्ञान कथा उपन्यासों में साम्यवाद, इस्लामवाद और पूंजीवाद"। पत्र .अमेरिकी तुलनात्मक साहित्य संघ का वार्षिक सम्मेलन, जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय। वाशिंगटन डीसी, यूएसए। मार्च, 2019.

सुश्री प्रार्थना गोयल

1. सुश्री प्रार्थना गोयल, "भारत में बाल पोषण की स्थिति पर महिला साक्षरता और कार्यबल की भागीदारी का प्रभाव: पैनल डेटा अनुमान" ओआईडीए इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, कनाडा, इंस्टीटयूट फॉर सस्टेनेबिलिटी और क्वींस कॉलेज ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, 14-15" अगस्त, 2018।

सुश्री पूजा राठौड़

1. सुश्री पूजा राठौड़, सतत विकास, 2018, अगस्त, 14-15, ऑक्सफोर्ड; यूके।

4. विद्यालय/विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

1. मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित फिल्म "राजी" पर संगोष्ठी 29 अगस्त, 2018।
2. सुजॉय घोष द्वारा लघु फिल्म- 'अहिल्या' पर संगोष्ठी, 7 सितंबर, 2018।
3. 'अगले जनम मोहे बिटिया ना कीजो' पर संगोष्ठी 27 सितंबर, 2018 को।
4. स्वैलोज ऑफ काबुल उपन्यास पर संगोष्ठी, 10 अक्टूबर, 2018।
5. "कृषि प्रधान भारतीय अर्थव्यवस्था" पर विस्तार व्याख्यान 20 नवंबर, 2018।
6. राष्ट्रवाद, देशभक्ति और अंधराष्ट्रवाद विषय पर सेमिनार 14 नवंबर, 2018 को।
7. "राहरो" पर दूसरा वार्षिक भाषण 12 फरवरी, 2019.
8. राष्ट्रीय सम्मेलन 'साहित्य, समाज और संस्कृति: सिद्धांत, अंत:क्रियाएँ, और हस्तक्षेप' मार्च, 5-6, 2019.
9. यूएसएचएसएस के छात्रों के लिए क्रिटिकल थ्योरी, प्रैक्टिस और डिजाइन पर ऑफ-कैंपस कार्यशाला, 15 मार्च से, 2019 से 26 तक मार्च, 2019, नागदा एकलिंगजी, राजस्थान।

5. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

उनमें से अधिकांश कार्यरत हैं/उच्च अध्ययन कर रहे हैं।

6. अनुसंधान शोध छात्र का विवरण:

क) प्रस्तुत पीएच.डी. थीसिस की कुल संख्या: 05

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	शोध का शीर्षक	पंजीकरण की तारीख	नामांकन संख्या	पर्यवेक्षक का नाम
1.	श्वेता सिंह	भारत में टेलीविजन समाचार चौनल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों का कवरेज: एक अध्ययन	16.09.2011	90083100110	डॉ. आशुतोष मोहन
2.	प्रियदर्शनी यादव	काल्पनिक और गैर-काल्पनिक ग्रंथों में दिल्ली का प्रतिनिधित्व: एक अध्ययन	29.09.2013	90050100212	डॉ विवेक सचदेवा
3.	बमाली साहा	विभाजन की लघु कथाएँ और हिंसा की सामाजिक-सांकेतिक लक्षण: एक अध्ययन	04.01.2016	90060100114	प्रो.अनूप एस बेनीवाल
4.	श्रुति शर्मा	चुनिंदा भारतीय लेखन में कर्ण का साहित्यिक प्रतिनिधित्व: एक महत्वपूर्ण अध्ययन	20.02.2017	90099101215	डॉ. राजीव आर.द्विवेदी
5.	अंजलि सिंह	दलित महिला कविता के बदलते स्वरूप: एक महत्वपूर्ण अध्ययन"	20.02.2017	90094101215	डॉ. राजीव आर.द्विवेदी

ख) शोधार्थियों ने स्वीकार किया: 11

ग) चल रहे पीएच.डी. की कुल संख्या। पंजीकृत अनुसंधान शोध छात्र: 44

7. प्रकाशित कोई भी आधिकारिक जर्नल/पत्रिका:

"इंद्रप्रस्थ-संस्कृति और संचार अध्ययन का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल" शीर्षक से वार्षिक शोध पत्रिका प्रकाशित .

8. रिपोर्ट अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे/शिक्षा दौरे:

यूएसएचएसएस के छात्रों के लिए क्रिटिकल थ्योरी, अभ्यास और डिजाइन पर ऑफ-कैंपस कार्यशाला, 15 मार्च, 2019 से 26 मार्च, 2019 तक, नागदा एकलिंगजी, राजस्थान.

4.8 सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन	कुल संख्या (सेमेस्टर/वर्ष-वार)
1.	बी.टेक (सीएसई)(यूएसएस)	4	60	57
2.	बी.टेक (ईसीई)(यूएसएस)	4	60	57
3.	बी.टेक (आईटी)(यूएसएस)	4	60	63
4.	एमसीए (एसई)	3	60	57
5.	एम.टेक (सीएसई)	2	18	17
6.	एम.टेक (सीएसई)(डब्ल्यू)	3	60	42
7.	एम.टेक (ईसीई)	2	18	14
8.	एम.टेक (ईसीई)(डब्ल्यू)	3	60	13
9.	एम.टेक (आईटीआर) (आईटी)	2	25	17
10.	एम.टेक (आरए)	2	18	10

2. विद्यालयों/केंद्र/विभाग में प्रयोगशालाओं/संगोष्ठी आदि के संबंध में नए सेटअप के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
1	विद्यालय में एक नई रोबोटिक्स और ऑटोमेशन लैब चालू की गई	रोबोटिक और ऑटोमेशन लैब-ईटीएल 602

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रो सीएस राय

1. प्रियदर्शी, प्रखर, और सीएस राय, (2019), क्यूएएम सिग्नल के लिए आरप्रॉप और बेहतर आरप्रॉप आधारित निरंतर मापांक प्रकार (आरसीएमटी) ब्लाइंड चैनल इक्वलाइजेशन एल्गोरिदम, जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, 40, संख्या। 2, 351-366.
2. भाटी, बीएस और राय, सीएस, 2019, सपोर्ट वेक्टर मशीन-आधारित घुसपैठ का पता लगाने वाली तकनीकों का विश्लेषण, अरेबियन जर्नल फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग, -, 1-13।
3. प्रियदर्शी, प्रखर और सीएस राय, 2018, क्यूएएम सिग्नल के लिए आरप्रॉप आधारित नोबल ब्लाइंड चौनल इक्वलाइजेशन एल्गोरिदम, जर्नल ऑफ मैकेनिक्स ऑफ कॉन्टिनुआ एंड मैथमैटिकल साइंसेज, 13, संख्या। 3, 13, संख्या। 3.
4. सिंह, जसप्रीत, और चंद्र शेखर राय, 2018, तदर्थ नेटवर्क के लिए एक कुशल लोड संतुलन विधि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स, 31, संख्या। 5, ई3503.

प्रो. प्रवीण चंद्रा

1. निहार रंजन रॉय, प्रवीण चंद्रा, 2018, लीच प्रोटोकॉल में इष्टतम क्लस्टर अनुमान पर एक नोट, आईईईई एक्सेस, 6, 65690-65696।
2. दीपक शर्मा, प्रवीण चंद्रा, 2019, सॉफ्टवेयर दोष पूर्वानुमान मॉडल विकास में सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीकें का तुलनात्मक विश्लेषण, स्प्रिंगर सिंगापुर, 11(1),37-46.

प्रो. अरविंदर कौर

1. रघु रामकृष्णन, अरविंदर कौर, 2019, लोड परीक्षण के लिए लिटिल का कानून आधारित सत्यापन ढांचा. अरविंदर कौर और रघु आर., सूचना और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी, खंड 108, 88-98.

2. अरविंदर कौर और दीप्ति चोपड़ा, दिसंबर 2018, सॉफ्टवेयर सिस्टम में गलती भविष्यवाणी के लिए एन्ट्रॉपी चुन मेट्रिक्स, एन्ट्रॉपी, 2018, 2-17।
3. विग, विधि, और अरविंदर कौर, 2018, मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करके पारंपरिक और तेजी से रिलीज मॉडल का परीक्षण प्रयास अनुमान और भविष्यवाणी, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम, वॉल्यूम। 35, संख्या।. 2, 1657-1669.
4. कौर, अरविंदर, और विधि विग., 2018, सहयोग आरेख के माध्यम से स्वचालित परीक्षण केस पीढ़ी: एक केस अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 9, संख्या। 2, 362-376.
5. कौर, अरविंदर, सैबल के. पाल, और अमृत पाल सिंह, 2018, न्यू अराजक फूल परागण एल्गोरिदम अप्रतिबंधित गैर-रेखीय अनुकूलन कार्यों के लिए, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 9, संख्या। 4, 853-865.
6. कौर, अरविंदर, सैबल के. पाल, और अमृत पाल सिंह, 2018, घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली के लिए के-मीन्स और फायरफ्लाई एल्गोरिदम का संकरण।, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस, इंजीनियरिंग और प्रबंधन, 9, संख्या।. 4, 901-910.

प्रो. नवीन राजपाल

1. एहता, राजेश, नवीन राजपाल, और वीरेंद्र पी. विश्वकर्मा, 2018, मजबूत छवि वॉटरमार्किंग जीए-एलएसवीआर संकरण का उपयोग करके वेवलेट डोमेन को उठाने की योजना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मशीन लर्निंग एंड साइबरनेटिक्स, 9, संख्या। 1, 145-16.
2. यादव, ज्योत्सना, नवीन राजपाल, और राजेश मेहता, 2018, चेहरे की पहचान के लिए एक बेहतर हाइब्रिड रोशनी सामान्यीकरण और फीचर निष्कर्षण मॉडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड पैटर्न रिकॉग्निशन, 5, संख्या। 2, 149-170.
3. यादव, ज्योत्सना, नवीन राजपाल, और राजेश मेहता, 2018, चेहरे की पहचान के लिए डीडब्ल्यूटी डोमेन में होमोमोर्फिक फिल्टरिंग और रिफ्लेक्शन अनुपात के माध्यम से एक नया रोशनी सामान्यीकरण ढांचा, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम्स, 1-13।
4. यादव, जे., राजपाल, एन. और मेहता, आर., 2018, यादव, जे., राजपाल, एन. और मेहता, आर., 2018. चेहरे की पहचान के लिए एक बेहतर हाइब्रिड रोशनी सामान्यीकरण और फीचर निष्कर्षण मॉडल।, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड पैटर्न रिकॉग्निशन, 5(2), 149-170

सुश्री ज्योत्स्ना

1. यादव, ज्योत्सना, और राजेश मेहता, 2019, अलग-अलग रोशनी के तहत चेहरे की पहचान के लिए एक बेहतर रोशनी सामान्यीकरण और मजबूत फीचर निष्कर्षण तकनीक, विज्ञान और इंजीनियरिंग के लिए अरेबियन जर्नल: 1-20। प्रकाशक का नाम स्प्रिंगर बर्लिन हीडलबर्ग, 44, संख्या।. 11, 9067-9086.

डॉ. रीना गुप्ता

1. गुप्ता, रीना, राशि वर्मा, दिव्यभाबा प्रधान, अरुण कुमार जैन, अमिनेनी उमा महेश्वरी, और चंद्र शेखर राय, 2019, लेप्टोस्पाइरा की रोगजनक प्रजातियों में नवीन दवा लक्ष्यों की पहचान के लिए एक इन सिलिको दृष्टिकोण, पीएलओएस वन, 14 (8), ई0221446।

प्रो उदयन घोष

1. गुप्ता, वेदिका, विवेक कुमार सिंह,उदयन घोष, और पंकज मुखीजा, मार्च 2019,बड़े डेटा अनुसंधान का एक मात्रात्मक और पाठ-आधारित लक्षण वर्णन, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम्स, 1-17।
2. गुप्ता, वेदिका, विवेक कुमार सिंह, पंकज मुखीजा, और उदयन घोष, मार्च 2019, मोबाइल समीक्षाओं का पहलू आधारित भावना विश्लेषण, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम्स, एससीआईई, 1-10।

प्रो अमित प्रकाश सिंह

1. नीतू नरवाल, संजय कुमार शर्मा, अमित प्रकाश सिंह, अक्टूबर 2018, मोबाइल वेब पेज अनुकूलन के लिए आनुवंशिक एल्गोरिदम का उपयोग करके फजी नियम-आधार अनुकूलन, सूचना और निर्णय विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 10, अंक 4,, 345-364।

2. नमिता आर्य, अमित प्रकाश सिंह, 2018, टेस्ट सेट जेनरेशन मेथड का उपयोग करके कॉम्बिनेशन सर्किट में फॉल्ट डिटेक्शन संभाव्यता मूल्यांकन दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम 7, अंक IoT, 175-192।
3. पी कुमार, एसके साहू, एपी सिंह, 2019, कैप्सूल नेटवर्क का उपयोग करके छवि विवरण तैयार करना, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, खंड 40, अंक 2, 479-492।
4. रितु रानी, अमित प्रकाश सिंह, रविंदर कुमार, 2019, ऑब्जेक्ट डिटेक्शन और वर्गीकरण पर डिस्क्रिप्टर आकार में कमी का प्रभाव, मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन, वॉल्यूम 78, अंक 7, 8965- 8979।
5. अमित प्रकाश, 2019, शीर्षक: बिग डेटा में संतुलित वर्गीकरण की समस्या के लिए मैप रिडयूस आधारित हाइब्रिड दृष्टिकोण का अनुभवजन्य मूल्यांकन, लेखक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्रिड एंड हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (आईजेजीएचपीसी), वॉल्यूम: 11, अंक: 3, 23-45।

प्रो. पुष्पेंद्र एस. भारती

1. पायल, हिमांशु, सचिन माहेश्वरी, और पुष्पेंद्र एस भारती।, 2019, पैरामीट्रिक अनुकूलन जीआरए और पीसीए दृष्टिकोण का उपयोग करके इनकोनेल 825 के लिए ईडीएम प्रक्रिया, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, वॉल्यूम। 40, संख्या।. 2, 291-307.
2. अग्रवाल, दिव्या, और पुष्पेंद्र एस भारती।, 2019, कारण और प्रभाव संबंध की गणना उद्योगों के लिए स्वायत्त मोबाइल रोबोट की स्वीकृति के लिए, जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजेंट सिस्टम्स, वॉल्यूम। 22, संख्या।. 2, 237-256.
3. पुष्पेंद्र एस. भारती, 2019, बैक प्रोपेगेशन और रेडियल बेसिस फंक्शन न्यूरला नेटवर्क द्वारा इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज मशीनिंग की प्रक्रिया मॉडलिंग, जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंस, वॉल्यूम। 40, संख्या।. 2, 263-278.

डॉ.मनोज कुमार

1. सिंह, विक्रम, संदीप कुमार आर्य, और मनोज कुमार, 2019, "ए 3-14 गीगाहर्ट्ज, 90 एनएम सीएमओएस में वायरलेस अनुप्रयोगों के लिए सेल्फ-बॉडी बायस्ड कॉमन-गेट यूडब्ल्यूबी एलएनए", जर्नल ऑफ सर्किट्स, सिस्टम्स एंड कंप्यूटर्स, 28, संख्या। 04, 1950056।
2. कुमार, नितिन, और मनोज कुमार., 2019, "सीएमओएस-आधारित लो-पावर हाई-फरीक्वेंसी डिफरेंशियल रिंग वीसीओ का डिजाइन।", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स लेटर्स, वॉल्यूम 7, संख्या। 2, 143-153.
3. कुमार, मनोज, और विवेक जांगड़ा, 2019, व्यापक ट्यूनिंग रेंज के लिए आईएमओएस वैक्टर के साथ विलंब सेल के लिए समग्र लोड का उपयोग करते हुए एक कम पावर वीसीओ डिजाइन।", जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, 40, संख्या। 2, 567-585।
4. चुग, निशा, मनोज कुमार, मोनिका भट्टाचार्य, और आर. एस. गुप्ता।, जनवरी 2019, शीट वाहक एकाग्रता और अल 0.15 गा 0.85 एन/गाएन/अल 0.15 गा 0.85 एन डबल हेटरोस्ट्रक्चर हेमट का वर्तमान-वोल्टेज विश्लेषण जाल के प्रभाव को शामिल करता है। माइक्रोसिस्टम टेक्नोलॉजीज, 1-10
5. खटक, अनिल, मनोज कुमार, और संजीव ढुल, 2018, "विभिन्न पावर रिडक्शन तकनीकों के साथ 90 एनएम प्रौद्योगिकी में सीएमओएस तुलनाचित्र का विश्लेषण।", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग, 8, संख्या.6, 4922.
6. कुमार, नितिन, और मनोज कुमार, 2018, "कम पावर, 4 गीगाहर्ट्ज के लिए प्री-चार्ज और प्री डिस्चार्ज सर्किट के साथ रिंग वीसीओ-0.18 - आरएन सीएमओएस में 6.1 गीगाहर्ट्ज अनुप्रयोग", जर्नल ऑफ सर्किट, सिस्टम और कंप्यूटर, 1950182.
7. सिंह, विक्रम, संदीप कुमार आर्य, और मनोज कुमार।, 2018, फ्जी 3.1 के लिए आरएन-बूस्टेड करंट-रीयूज इंडक्टिव-पीकिंग कॉमन सोर्स एलएनए-32 एनएम सीएमओएस में 10.6 गीगाहर्ट्ज यूडब्ल्यूबी वायरलेस एप्लिकेशन, एनालॉग इंटीग्रेटेड सर्किट और सिग्नल प्रोसेसिंग, 97, संख्या। 2, 351-363।
8. चुघ, निशा, मोनिका भट्टाचार्य, मनोज कुमार, एसएस देसवाल, और आरएस गुप्ता।, 2018, "अलगाएन/गाएन/अलगाएन डबल हेटरोस्ट्रक्चर एचईएमटी के माइक्रोवेव प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए ध्रुवीकरण निर्भर चार्ज नियंत्रण मॉडल", जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स, 17, संख्या 3,1229-1240.

डॉ. संजय कुमार मलिक

1. मलिक, एस. और रेड्डुलापल्ली, आरके, (2019), हिस्टोग्राम और एन्ट्रापी आधारित डिजिटल इमेज वॉटरमार्किंग स्कीम।, इंटरनेशनल जर्नलो फ्लनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, स्प्रिंगर, 11, संख्या.2, 373-379.

2. मलिक, सुनेश, और आर. राम किशोर, (2019), फैक्शनल फूरियर ट्रांसफॉर्म एंड पोजिशन शफलिंग बेस्ड डिजिटल इमेज वॉटरमार्किंग स्कीम एंड इट्स परफॉर्मेंस एनालिसिस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, 4, संख्या। 1.
3. आक्ति अहमद खान, संजय कुमार मलिक, जून-अगस्त 2018, ट्रांजिशन इन वेब सर्च टू ए सिमेंटिक पर्सपेक्टिव, अमेरिकन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन साइंस, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एआईजेआरएसटीईएम), वॉल्यूम। 23, संख्या। 1,31-38.
4. निकिता मलिक, संजय कुमार मलिक, अक्टूबर 2018, सिमेंटिक वेब टेक्नोलॉजीज टुवर्ड्स एन इंटेलिजेंट वेब, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग साइंसेज पैराडाइम्स एंड रिसर्च (आईजेईएसपीआर), वॉल्यूम। 47, अंक 04, 1-11.
5. विवेक कुमार वशिष्ठ, संजय कुमार मलिक, सितंबर 2018, सिमेंटिक वेब की ओर गार्नेस में प्रक्रियात्मक सामग्री निर्माण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग (आईजेसीएसई), वॉल्यूम 6, अंक 9, 803-812।
6. निकिता मलिक, संजय कुमार मलिक, अक्टूबर 2018, सिमेंटिक वेब टेक्नोलॉजीज टुवर्ड्स एन इंटेलिजेंट वेब, जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), वॉल्यूम। 47, अंक 04, 1-11.
7. आशिर्णा सक्सैना, संजय कुमार मलिक, दिसंबर 2018, प्राकृतिक भाषा को साकार करने के लिए ओपन एनएलपी का उपयोग करनासिमेंटिक वेब की दिशा में एक इंटरफेस के रूप में प्रीप्रोसेसिंग पाइपलाइन, जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर).
8. शोर्या जैन, संजय कुमार मलिक, दिसंबर 2018, वाडर और लॉजिस्टिक रिग्रेशन का उपयोग करके भावनाओं को वर्गीकृत करना।, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस एंड इनोवेटिव रिसर्च, खंड 5, अंक 4 (बारहवीं), 138-143.
9. गौरव जगलान, संजय कुमार मलिक, आशीष खन्ना, मार्च 2019, स्वचालित उपयोगकर्ता प्रोफाइलिंग के लिए एक ओन्टोलॉजिकल मॉडल।, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टोमोग्राफी एंड सिमुलेशन, वॉल्यूम। 32, अंक 2, 23.
10. हिमांशी भाटिया, संजय कुमार मलिक, अक्टूबर 2018, वेब उपयोग खनन का उपयोग करके ओन्टोलॉजी सुधार, जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च (जेईटीआईआर), खंड 5, अंक 19,409.

डॉ. आर. राम किशोर

1. आर. राम किशोर, सुनेश, 2019., स्थानिक डोमेन और ट्रांसफॉर्म डोमेन में रंगीन छवि स्क्रैम्बलिंग का प्रायोगिक विश्लेषण, उन्नत कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोगों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खंड 10 अंक 6।

डॉ अंजू साहा

1. अंजू साहा, कल्पना सागर, मार्च, 2019, "शैक्षणिक वेबसाइटों की उपयोगिता पर उपयोगकर्ता चर का प्रभाव: एक अनुभवजन्य अध्ययन", जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट सिस्टम्स, 22: 2, 161-186।
2. अंजू साहा, रश्मी शर्मा, नवंबर, 2018, "मोथ" लेम ऑप्टिमाइजेशन एल्गोरिदम का उपयोग करके राज्य आधारित परीक्षण में इष्टतम परीक्षण अनुक्रम पीढ़ी", जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम्स, 35: 5, 5203-5215।
3. अंजू साहा, रश्मी शर्मा, 08 मार्च, 2019, राज्य आधारित वस्तु उन्मुख परीक्षण के लिए एंट लायन ऑप्टिमाइजर, जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, 40: 2,219-232।

डॉ. रवीन्द्र कुमार पुरवार

1. पनवार, कीर्ति, रवींद्र कुमार पुरवार, और आंचल जैन, 2019, क्रिप्टोनालिसिस और सुधार डीएनए अनुक्रमों और एकाधिक एलडी अराजक मानचित्रों पर आधारित एक रंगीन छवि एन्क्रिप्शन योजना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बाइफर्केशन एंड कैओस।
2. श्रीवास्तव, वी. और पुरवार, आर.क।,2019, बाहरी आकार-आधारित सुविधाओं के साथ डीप कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके फेफड़ों की सीटी स्कैन छवियों का वर्गीकरण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजिटल इमेजिंग, 1-10।
3. श्रीवास्तव, वरुण, रवींद्र के. पुरवार, और आंचल जैन, (2019), बायोमेडिकल इमेज पुनर्प्राप्ति के लिए एक गतिशील थ्रेशोल्ड आधारित स्थानीय जाल टर्नरी पैटर्न तकनीक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमेजिंग सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी, 29, नहीं.2, 168-179.
4. पनवार, कीर्ति, रवींद्र कुमार पुरवार, और आंचल जैन।, 2018, एक आयामी अराजक मानचित्रों के संयोजन का उपयोग करके एक छवि एन्क्रिप्शन योजना का क्रिप्टोनालिसिस और सुधार, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक इमेजिंग, 27, संख्या। 5, 053037.

5. यादव, एम. और पुरवार, आरके, 2018, ओरिएंटेड ग्रेडिएंट्स का उपयोग करके हिंदी हस्तलिखित चरित्र पहचान और हू ज्यामितीय क्षण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक इमेजिंग, 27(5).पी.051216।

डॉ. वीपी विश्वकर्मा

1. विश्वकर्मा, वीरेंद्र पी., और तृप्ति गोयल, 28 नवंबर, 2018, चेहरे की पहचान के लिए डीसीटी डोमेन आधारित रोशनी सामान्यीकरण में एक कुशल हाइब्रिड डीडब्ल्यूटी-फजी फिल्टर, मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन, 78, संख्या। 11, 15213-15233.
2. मिश्रा, गार्गी, वीरेंद्र पी. विश्वकर्मा, और अपूर्व अग्रवाल, 8 मार्च, 2019, मल्टीमॉडल फीचर "यूजन के साथ रैखिक विरल सन्निकटन का उपयोग करके चेहरा पहचानना, जर्नल ऑफ डिस्क्रीट मैथमैटिकल साइंसेज एंड क्रिप्टोग्राफी, 22, संख्या। 2, 161-175.
3. यादव, सुदेश, और वीरेंद्र पी. विश्वकर्मा।, 13 सितंबर, 2018, चेहरे की पहचान के लिए विस्तारित अंतराल प्रकार- II और कर्नेल आधारित विरल प्रतिनिधित्व विधि, अनुप्रयोगों के साथ विशेषज्ञ प्रणाली, 116, 265-274।
4. आहूजा, बी. और विश्वकर्मा, 18 दिसंबर, 2018, चेहरे की पहचान के लिए अनुकूलित मल्टीकर्नेल आधारित एक्सट्रीम लर्निंग मशीन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड पैटर्न रिकॉग्निशन, 5(4), 330-340.
5. यादव, सुदेश, और वीरेंद्रपी। विश्वकर्मा।, 14 सितंबर, 2018, नया अंतराल टाइप2 फजी आधारित पिक्सेल चेहरे की पहचान के लिए बुद्धिमान सूचना निष्कर्षण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड पैटर्न रिकॉग्निशन, 5, संख्या.3, 171-190.

डॉ. वंदना नाथ

1. मुनीश कुमार और वंदना नाथ, अगस्त, 2018, मल्टीबैंड अनुप्रयोगों के लिए समान परजीवी पैच के साथ माइक्रोस्ट्रिप-लाइन-फेड अण्डाकार वाइड-स्लॉट एंटीना, आईईटी माइक्रोवेव, एंटेना और प्रसार, वॉल्यूम 12, अंक -14, 2172-2178.

डॉ. गोयल, रिंकज

1. कुमार, राकेश और गोयल, रिंकज, मार्च 2019, क्लाउड में डेटा सुरक्षा और गोपनीयता का आश्वासन: एथ्री-डायमेंशनल पर्सपेक्टिव, सॉफ्टवेयर क्वालिटी प्रोफेशनल, 21(2), 7-26।
2. यादव, जे. और सेहरा, के, जनवरी, 2018, डिजिटल इमेज वॉटरमार्किंग के लिए पीसीए और एसवीडी सबस्पेस में बड़े पैमाने पर डुअल ट्री कॉम्प्लेक्स वेवलेट ट्रांसफॉर्म आधारित मजबूत विशेषताएं।, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 132, 863-872।

डॉ. आरएल उज्जवल

1. करिश्मा वार्ष्णेय और आरएल उज्जवल, 08 मार्च 2019, एलएसएसक्यूएलआईडीपी: एसक्यूएल इंजेक्शन का पता लगाने और रोकथाम तकनीकों पर साहित्य सर्वेक्षण, जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट सिस्टम्स,टेलर और फ्रांसिस, खंड 22, 257-269।

डॉ. एम. बाला कृष्णा

1. एम. बी. कृष्णा और पी. लोरेंज, जून 2019, कॉग्निटिव रेडियो इनेबल्ड कैश मैप-एंड-रूट यूजिंग कॉन्टेक्स्ट मैपिंग एंड डिसीजन मेकिंग अप्रोच इन सॉफ्टवेयर डिफाइंड नेटवर्क्स, आईईईई टीवीटी, वॉल्यूम। 68,नं.6,5849-5858.

श्री राहुल जौहरी

1. ख्याति अहलावत, अनुराधा चुग, कुमार, संदीप और जौहरी, राहुल और सिंह, लौकेंद्र, अप्रैल, 2018, सीएलसीटी तकनीक के साथ क्रिप्टोग्राफी सिफर तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटिंग एंड एप्लीकेशन, 13, 323-328।
2. 25 वर्षीय राहुल जौहरी और कल्पना गुप्ता/03/018, रेड: डीटीएन संपर्कों के शोषण द्वारा दूरस्थ दुर्गम इलाकों में संसाधन प्रबंधन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फ्यूचर कंप्यूटर एंड कम्युनिकेशन, खंड 7 (4), 86-90।

श्री चक्रेश कुमार

1. महेश सिंह और चक्रेश कुमार, 2018-06-02, एटेन्यूएटर का उपयोग करके 80 चौनल डब्ल्यूडीएम सिस्टम के लिए विभिन्न ऑप्टिकल एम्पलीफायरों के प्रदर्शन का अध्ययन करें, जर्नल ऑफ ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस, डीग्रुइटर, 2018, जर्नल ऑफ ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस, डीओआई: https://doi-org/10-1515/joc-2018-0064

2. सूरज जैन और चक्रेश कुमार, अगस्त, 2018, विभिन्न ऑप्टिकल एम्पलीफायरों का उपयोग करके एफबीजी डब्लूडीएम प्रणाली का प्रदर्शन विश्लेषण, जर्नल ऑफ ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस, डीग्रुइटर, 2018, जर्नल ऑफ ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस,, डीओआई: https://doi-org/10-1515/joc-2018-0113.
3. शुभमखेरलिया और चक्रेश कुमार, 2018, 32 चौनल डब्ल्यूडीएम सिस्टम के लिए विभिन्न ऑप्टिकल एम्पलीफायरों का तुलनात्मक अध्ययन, जर्नल ऑफ ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस, डीग्रुइटर, 2018, जर्नल ऑफ ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस, डीओआई: https://doi-org /10-1515/joc-2018-0066.
4. शुभम खेरलिया, चक्रेश कुमार, घनेंद्र कुमार और शिव राम मीना, 2018, 64 x 10 जीबीपीएस डब्ल्यूडीएम सिस्टम के लिए पारंपरिक ऑप्टिकल एम्पलीफायरों का प्रभाव, जर्नल ऑफ ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस, डीग्रुइटर, 2018।, जर्नल ऑफ ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस, डीओआई= [10.1515/जॉक- 2018-0150] ।
5. चक्रेश कुमार और राकेश गोयल, 2018, "25 गीगाहर्ट्ज चौनल स्पेसिंग के साथ सुपर डेंस वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग सिस्टम के लिए हाइब्रिड ऑप्टिकल एम्पलीफायरों का प्रदर्शन मूल्यांकन", जर्नल ऑफ नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स एंड ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, वॉल्यूम 13, 275-280।
6. चक्रेश कुमार और राकेश गोयल, 2018, "हाइब्रिड ऑप्टिकल एम्पलीफायरों का प्रदर्शन विश्लेषणकम चौनल स्पेसिंग के परिदृश्य में सुपर डेंस वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग सिस्टम", एमएपीएएन, खंड 33, मुद्दा 2, 159-164.
7. चक्रेश कुमार और राकेश गोयल, 2018, "सुपर डेंस वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग सिस्टम के लिए एक नोवेल "लैटेंड गेन सी-बैंड कैस्केड हाइब्रिड ऑप्टिकल एम्पलीफायर रमन और थ्यूलियम डोप्ड "लोराइड फाइबर एम्पलीफायर", ऑप्टिकाएप्लिकाटा, वॉल्यूम 48, संख्या। 2, 173-177।
8. चक्रेश कुमार और राकेश गोयल, 2018, "सुपर डेंस वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग सिस्टम के लिए अर्बियम डोप्ड "लोराइड फाइबर एम्पलीफायर हाइब्रिड ऑप्टिकल एम्पलीफायर के साथ एल-बैंड "लैट-गेन रमन", जर्नल ऑफ रशियन लेजर रिसर्च, वॉल्यूम 39, 263-266।

प्रो. बीवीआर रेड्डी

1. एस अग्रवाल, ए पायल, बीवीआर रेड्डी, 2017, रियल वायरलेस सेंसर नेटवर्क टेस्टबेड पर मीडियम एक्सेस कंट्रोल आधारित रूटिंग का डिजाइन और कार्यान्वयन, वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल., 11, अंक 6.1, 671-679 , देबासिस मुखर्जी।
2. बीवी रमना रेड्डी, 2018, एमओएसएफईटी में लीकेज करंट को कम करने के लिए एक उपन्यास विधि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कन्वर्जेंस कंप्यूटिंग इंडर्सासाइंस पब्लिशर्स (आईईएल), 3, 48-61।
3. दीपिका कुकरेजा, संजय कुमार धुरंधर, बीवीआर रेड्डी, प्रकाशन दिनांक, 2018/8/1, पैकेट फॉरवर्डिंग दुर्व्यवहार हमले के विरुद्ध MANETs को सुरक्षित करने के लिए पावर अवेयर दुर्भावनापूर्ण नोड्स का पता लगाना, जर्नल, जर्नल ऑफ एम्बिएंट इंटेलिजेंस एंड ह्यूमनाइज्ड कंप्यूटिंग, प्रकाशक, स्प्रिंगर बर्लिन हीडलबर्ग, 9 अंक 5, 941-956।
4. इ बिंदू, बीवीआर रेड्डी, प्रकाशन तिथि, 2019, चयनात्मक डिकोड और फॉरवर्ड सहकारी संचार में अनुकूलित पावर आवंटन, इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों के अनुप्रयोग, प्रकाशक, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 269, 209-221।

प्रोफेसर अंजना गोसाईं

1. प्रभजोत कौर, अंजना गोसाईं, 2018, शोर भरे वातावरण के साथ वर्गीकरण के वर्ग असंतुलन की समस्या को कम करने के लिए अंतर्ज्ञानवादी फजी सेट पर आधारित एक बुद्धिमान अंडरसैंपलिंग तकनीक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग इंफॉर्मेटिक्स, वॉल्यूम 6, (5), 417-433।
2. प्रभजोत कौर, अंजना गोसाईं, 2018, वर्गीकरण में वर्ग असंतुलन समस्या के मुद्दे और चुनौतियाँ, सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 2018, 1-7।
3. अंजना गोसाईं, रीना मदान, 2018, डेटा क्यूब्स को प्राथमिकता देकर डेटा वेयर हाउस में भौतिकीकरण देखने के लिए कुशल दृष्टिकोण, आईईटी सॉफ्टवेयर, वॉल्यूम 12, (6), 498-506।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

प्रो. प्रवीण चंद्रा

1. प्रोफेसर प्रवीण चंद्रा, 2018, खोजपूर्ण और कारण तकनीकों का उपयोग करके कुशल दोष भविष्यवाणी, 2018 सिस्टम, सुरक्षा और स्थिरता में स्मार्ट रुझानों पर दूसरा विश्व सम्मेलन (वर्ल्डएस4), आईईईई, 193-197।

प्रो. बीवीआर रेड्डी

1. ई बिंदु, बीवीआर रेड्डी, प्रकाशन तिथि, 2018/5/12, एमआईएमओ नोड्स के साथ चयनात्मक डिकोड और फॉरवर्ड सहकारी वायरलेस रिले संचार में अनुकूलित पावर आवंटन, सम्मेलन, सूचना, संचार और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पब्लिशर स्प्रिंगर, सिंगापुर, 93-106।

प्रो उदयन घोष

1. प्रो.उदयन घोष, 22 अक्टूबर-24 2018, मल्टीलेयर परसेप्ट्रॉन और एक्सट्रीम लर्निंग मशीन का उपयोग करने वाली वेबसाइटों की लोकप्रियता की भविष्यवाणी, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटेलिजेंट कंट्रोल और एनर्जी सिस्टम पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई- आईसीपीईआईसीईए-2018), दिल्ली टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय, दिल्ली, आईईईई

प्रोफेसर भारती सूरी

1. प्रो भारती सूरी, 7/1/2019, कम्प्यूटेशनल विज्ञान और इसके अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, चाम।, टेस्ट सूट जेनरेशन के लिए उत्परिवर्तन परीक्षण का उपयोग करके सामाजिक समूह अनुकूलन एल्गोरिदम को अपनाना: एसजीओ-एमटी, स्प्रिंगर, 520-528।

प्रो अमित प्रकाश सिंह

1. प्रो. अमित प्रकाश सिंह, 2019, संचार, कंप्यूटिंग और नेटवर्किंग, अवधारणाओं को समझना, भविष्य के रुझान और बिग डेटा टेक्नोलॉजीज के केस स्टडीज पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, 979-988।
2. 9/19/2018, टमाटर के पौधों की बीमारियों की पहचान और निदान के लिए भविष्यवाणी मॉडल, 2018 कंप्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीसीआई), प्रकाशक: आईईईई, 1557-1563।
3. अक्टूबर-18, अंगूर के पौधे के लिए डीप लीमिंग आधारित पादप रोग निदान, एएफआईटीए/डब्ल्यूसीसीए 2018 प्रिसिजन एग्रीकल्चर में रिसर्च फ्रंटियर्स, 398-401.

डॉ.मनोज कुमार

1. डॉ. मनोज कुमार, 2018, डोनर-लेयर डोपिंग और मोटाई, गेट-लंबाई और तापमान पर प्रभाव अलगाएन में क्षमता और इलेक्ट्रॉन सांद्रता/गाएन डबल-हेटरोस्ट्रक्चर और सिंगल हेटरोस्ट्रक्चर एचईएमटी 2018 में 5वां आईईईई उत्तर प्रदेश सेक्शन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग (यूपीसीओएन) 2018।, आईईईई, 1-5।
2. 2018, फ्लैश-एडीसी का पावर विश्लेषण 90 एनएम सीएमओएस टेक्नोलॉजी में, 2018 में सतत ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटिंग सिस्टम (एसईईएमएस) 2018, आईईईई पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1-6.
3. 2018, ईसीआरएल और स्लीपी कीपर तकनीक के साथ सीएमओएस फुल एडर सर्किट का डिजाइन और कार्यान्वयन, 2018। कंप्यूटिंग, संचार नियंत्रण और नेटवर्किंग में प्रगति पर 2018 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीसीएन),आईईईई, 733-738.
4. 2018, का डिजाइन ट्रांसमिशन गेट टयूनिंग विधि के साथ रिंग ऑसिलेटर।, 2018 में कंप्यूटिंग, पावर और संचार प्रौद्योगिकी (गुकोन) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई, 585-589।
5. 2018, इंटेलिजेंट डेटा कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज और इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संशोधित तुलनित्र के साथ 4-बिट फ्लैश एडीसी आर्किटेक्चर का डिजाइन और विश्लेषण, स्प्रिंगर, 1156-1165.

डॉ अंजू साहा

1. डॉ. अंजू साहा, 24 फरवरी., 2019, एल्मडी और केईएलएम आधारित फीचर चयन मॉडल का उपयोग करके सॉफ्टवेयर दोष भविष्यवाणी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में सतत कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सुस्कॉम-2019), एल्सेवियर-एसएसआरएनडिजिटल लाइब्रेरी, 8।
2. 10-12 अक्टूबर, 2018, मशीन लीमिंग तकनीकों का उपयोग करके लागत संवेदनशील सॉफ्टवेयर दोष भविष्यवाणी,अक्टूबर, 2018, समकालीन कंप्यूटिंग और सूचना विज्ञान पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई।
3. 28-29 सितंबर, 2018, सॉफ्टवेयर टेस्टेबिलिटी मापन तकनीकों की एक व्यवस्थित समीक्षा। कंप्यूटिंग, पावर और संचार प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (जीयूसीओएन), आईईईई, 299-303।
4. 20 नवंबर, 2018, वर्ल्ड वाइड वेब और टैक्सोनॉमी की एक विकसित सूचना खाद्य श्रृंखला की ओर ऑफ सिमेंटिक वेब माइनिंग, इनोवेटिव कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्प्रिंगर, खंड 2, 443-451।

डॉ. रविंदर कुमार पुरवार

1. डॉ. आरके पुरवार, 7-8 मार्च, 2019, सिग्नल प्रोसेसिंग और आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रोकएकीकृत नेटवर्क, वीडियो निगरानी के लिए हफ सर्कल ट्रांसफॉर्म का उपयोग करके भीड़ घनत्व का अनुमान, आईईईई।
2. 14-15 दिसंबर, 2018, प्रो. कंप्यूटिंग संचार और स्वचालन पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीए, अपाचे स्पार्क का उपयोग करके भारत में भूकंपीय गतिविधि पैटर्न प्राप्त करने के लिए जीआईएस डेटा का विश्लेषण, आईईईई)।

डॉ. वीपी विश्वकर्मा

1. डॉ. वीपी विश्वकर्मा, केईएलएम के साथ प्रकाश भिन्नता प्रभावों के मुआवजे के लिए एक नवीन दृष्टिकोण कुशल चेहरा पहचान के लिए वर्गीकरण, 29 नवंबर-1 दिसंबर, 2018., वीएलएसआई, संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वीसीएएस 2018), (वीसीएएस 2018)।
2. चेहरे की पहचान के लिए फजी लॉजिक और नियतात्मक लीमिंग मशीन का संकरण, 29 नवंबर-1 दिसंबर, 2018, वीएलएसआई, संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वीसीएएस 2018), (वीसीएएस 2018)।
3. अलग-अलग रोशनी के तहत मजबूत चेहरे की पहचान के लिए डब्ल्यूटी-डीसीटी का उपयोग करके कुशल फीचर निष्कर्षण, 22-24 अक्टूबर, 2018।, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटेलिजेंट कंट्रोल और एनर्जी सिस्टम (आईसीपीईआईसीईएस-2018), आईईईई पर दूसरा आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
4. कर्नेल एक्सट्रीम लीमिंग मशीन का उपयोग करके ईसीजी वर्गीकरण, 22-24 अक्टूबर, 2018., पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटेलिजेंट कंट्रोल और एनर्जी सिस्टम पर दूसरा आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीईआईसीईएस- 2018), आईईईई।
5. मल्टीलेयर परसेप्ट्रॉन और एक्सट्रीम लर्निंग मशीन का उपयोग करके वेबसाइटों की लोकप्रियता की भविष्यवाणी करना, 22-24 अक्टूबर, 2018, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटेलिजेंट कंट्रोल और एनर्जी सिस्टम (आईसीपीईआईसीईएस-2018), आईईईई पर दूसरा आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
6. चेहरे की पहचान के लिए फजी क्वाटरनियन-आधारित पिक्सेल वाइज सूचना निष्कर्षण, 22-24 अक्टूबर, 2018। पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटेलिजेंट कंट्रोल और एनर्जी सिस्टम (आईसीपीईआईसीईएस-2018), आईईईई पर दूसरा आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
7. मजबूत चेहरे की पहचान के लिए प्रकाश भिन्नता के प्रभाव की भरपाई के लिए फैक्शनल डिस्क्रीट कोसाइन ट्रांसफ्रॉर्म आधारित दृष्टिकोण, 02-04 अगस्त, 2018, समकालीन कंप्यूटिंग पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी3).
8. डीसीटी डोमेन में डीई-केईएलएम पर आधारित ग्रे-स्केल इमेज वॉटरमार्किंग, 7-8 अप्रैल, 2018, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, साइंस डायरेक्ट, 1012-1020.

डॉ. वंदना नाथ

1. डॉ. वन्दना नाथ, 5/4/2018, ट्रिपल बैंड नॉन-लीनियर मैनिपुलेटेडउल्टे एल-आकार की पट्टी के साथ सिएरपिंस्की-नॉप फैक्टल वाइड स्लॉट माइक्रोस्ट्रिप एंटीना, 2018 इलेक्ट्रॉनिक्स, सामग्री इंजीनियरिंग और नैनो-प्रौद्योगिकी (आईईमेंटेक), आईईईई, 1-7 पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
2. 10/15/2018, नॉनलाइनियर मैनिपुलेशन के साथ डुअल-बैंड डुअल-पोलराइज्ड स्टैक्ड ऑक्टागोनल फैक्टल पैच एंटीना, 2018 आईईईई रेडियो और हिंद महासागर के एंटीना डेज (रेडियो), आईईईई, 1-4।
3. 9-15 मार्च 2019, मल्टीपल एसिमेट्रिक एलिप्टिकल वाइड-स्लॉट्स 2019 यूआरएसआई के साथ ओपन एंडेड माइक्रोस्ट्रिप-लाइन-फेड कॉम्पैक्ट वाइडबैंड एमआईएमओ डायवर्सिटी एंटीना एशिया प्रशांत रेडियो विज्ञान सम्मेलन (एपी-आरएएससी), आईईईई।

डॉ.अनुराधा चुग

1. डॉ. अनुराधा चुग, 9/19/2018, 2018 कंप्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान (आईसीएसीसीआई) में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, टमाटर के पौधों के रोगों की पहचान और निदान के लिए भविष्यवाणी मॉडल, प्रकाशक: आईईईई, 1557-1563.
2. नवंबर-18, अफिता/डब्ल्यूसीसीए 2018 परिशुद्धता कृषि में अनुसंधान फ्रंटियर्स, अंगूर के पौधे के लिए डीप लीमिंग आधारित पादप रोग निदान, एएफआई टीए/डब्ल्यूसीसीए 2018, 398-401।

श्री राहुल जौहरी

1. श्री राहुल जौहरी, 26-27 अक्टूबर 2018, मोंगोडीबी का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स: भारतीय ट्रैफिक डेटा सेट पर एक केस स्टडी, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स पर सीएसआई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2019, सुरक्षित क्लाउड वातावरण में सेवा आधारित अनुप्रयोगों के रूप में सॉफ्टवेयर के लिए अनुकूलित शेडयूलिंग एल्गोरिदम का डिजाइन और विकास, सिग्नल प्रोसेसिंग और इंटीग्रेटेड नेटवर्क (एसपीआईएन) पर आईईईई छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई, 329-334.

ग) पुस्तक अध्याय

प्रोफेसर भारती सूरी

1. प्रोफेसर. भारती सूरी, 2019, वारशाल के एल्गोरिदम से प्रेरित उत्परिवर्तन परीक्षण-आधारित टेस्ट सूट रिडक्शन, पुस्तक: सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर, सिंगापुर. 357-364.
2. प्रो. भारती सूरी, 2019, खोज-आधारित उत्परिवर्तन परीक्षण के आधार पर समयबद्ध स्वचालित परीक्षण डेटा जनरेशन दृष्टिकोण को लागू करना, पुस्तक: उन्नत कंप्यूटिंग और इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग में प्रगति, स्पिंगर, सिंगापुर, 113-122.

प्रो अमित प्रकाश सिंह

1. प्रो. एपी सिंह, फरवरी-19, पादप रोग निदान के लिए डीप लीमिंग-आधारित मोबाइल एप्लिकेशन: टमाटर के पौधे पर एक केस स्टडी के साथ अवधारणा का प्रमाण, पुस्तक का नाम: कृषि में इमेज प्रोसेसिंग और सॉफ्ट कंप्यूटिंग सिस्टम के अनुप्रयोग लेखक: श्रद्धा वर्मा, अमित प्रकाश सिंह, अनुराधा चुग, पुरंजय राजवंशी, शुभम शर्मा पृष्ठ: 242-271 प्रकाशक: आईओआई ग्लोबल,: आईओआई ग्लोबल, 242-271।
2. 18-जुलाई-19, सटीक कृषि में आईओटी अनुप्रयोगों के लिए मल्टीमीडिया बिग डेटा कंप्यूटिंग में हालिया प्रगति: अवसर, मुद्दे और चुनौतियां, पुस्तक का नाम: आईओटी अनुप्रयोगों के लिए मल्टीमीडिया बिग डेटा कंप्यूटिंग लेखक: श्रद्धा वर्मा, अंशुल भाटिया, अनुराधा चुग, अमित प्रकाश सिंह पृष्ठ: 391-416 प्रकाशक: स्प्रिंगर, सिंगापुर, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 391-416।
3. 24-फरवरी-19, IoT सक्षम एयर मॉनिटरिंग सिस्टम, पुस्तक का नाम: इंटेलिजेंट सिस्टम्स, टेक्नोलॉजीज और एप्लिकेशन लेखक: सी श्रीवास्तव, एस सिंह, एपी सिंह इंटेलिजेंट सिस्टम टेक्नोलॉजीज और एप्लिकेशन पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसटीए'18), स्प्रिंगर, 173-180।
4. 19-सितंबर-18, वर्गीकरण स्थानीय विशेषताओं और तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करते हुए पास्कल डेटासेट का, पुस्तक का नाम: इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकों के अनुप्रयोग लेखक: रितु रानी, अमित प्रकाश सिंह, रविंदर कुमार। स्प्रिंगर, सिंगापुर, स्प्रिंगर, सिंगापुर, खंड 697, 389-400

डॉ. अनुराधा चुग

1. डॉ. अनुराधा चुग, 2019, पादप रोग निदान के लिए गहन शिक्षण-आधारित मोबाइल एप्लिकेशन: टमाटर के पौधे पर एक केस स्टडी के साथ अवधारणा का प्रमाण, पुस्तक का नाम: कृषि में इमेज प्रोसेसिंग और सॉफ्ट कंप्यूटिंग सिस्टम के अनुप्रयोग लेखक का नाम: श्रद्धा वर्मा, अमित प्रकाश सिंह, अनुराधा चुग, पुरंजय राजवंशी, शुभम शर्मा पृष्ठ: 242-271 प्रकाशक: आईजीआई ग्लोबल, आईजीआई ग्लोबल, 242-271।
2. 18-जुलाई-19, सटीक कृषि में IoT अनुप्रयोगों के लिए मल्टीमीडिया बिग डेटा कंप्यूटिंग में हालिया प्रगति: अवसर, मुद्दे और चुनौतियाँ, पुस्तक का नाम: IoT अनुप्रयोगों के लिए मल्टीमीडिया बिग डेटा कंप्यूटिंग लेखक का नाम: अंशुल भाटिया, श्रद्धा वर्मा, अनुराधा चुग, अमित प्रकाश सिंह पृष्ठ: 391-416 प्रकाशक: स्प्रिंगर, सिंगापुर, 391-416.

प्रोफेसर अंजना गोसाईं

1. प्रोफेसर अंजना गोसाईं, 14 अप्रैल 2018, विभिन्न फजी क्लस्टरिंग एल्गोरिदम की तुलना: एक प्रतिकृति केस स्टडी, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति पुस्तक श्रृंखला (एआईएससी, वॉल्यूम 701), स्प्रिंगर, 267-275।
2. 2018, फारेस्टेस्ट एसएमओटीई: एक संशोधित एसएमओटीई दृष्टिकोण, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति पुस्तक श्रृंखला (एआईएससी, खंड 711), स्प्रिंगर, पीपी 309-320।
3. 2018, डीकेएफसीएम: केमेलाइज्ड अप्रोच टू डेंसिटी-ओरिएंटेड क्लस्टरिंग, एडवांसेज इन इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड कंप्यूटिंग बुक सीरीज (एआईएससी, वॉल्यूम 711), स्प्रिंगर, पीपी 321-331।

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

क्र.सं.	संकाय का नाम	कार्यशाला का विवरण	व्यवस्थापक	अवधि	स्थान
1.	प्रो. अरविंदर कौर	जैव-प्रेरित कंप्यूटिंग और अनुप्रयोग पर नवाचार	एमआईआर लैब्स यूएसए	17-19 दिसम्बर, 2018	कोच्चि
2.	डॉ. ए. पी सिंह	एफ्आईटीए/डब्ल्यूसीसीए 2018 24-26 अक्टूबर, 2018 के दौरान परिशुद्ध कृषि में अनुसंधान प्रिंटियर्स पेपर शीर्षक: अंगूर के पौधे के लिए गहन शिक्षण आधारित पादप रोग निदान	स्थान: आईआईटी बॉम्बे	24 -26 अक्टूबर, 2018	आईआईटी बॉम्बे
		19-22 सितंबर 2018 के दौरान कंप्यूटिंग, संचार और सूचना विज्ञान(आईसीएसीसीआई) प्रस्तावित 2018 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पेपर का शीर्षक: पूर्वानुमान मॉडल पहचान और टमाटर के पौधे के रोगों का निदान	पीईएस प्रौद्योगिकी संस्थान	19-22 सितंबर, 2018	पीईएस प्रौद्योगिकी संस्थान -बेंगलुरु
		कंप्यूटिंग, संचार नियंत्रण और और नेटवर्किंग में प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-आईसीएसीसीएन(आईसीएसी3एन'18) 12-13 अक्टूबर, 2018 के दौरान गलगोटियास इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय. ग्रेटर नोएडा, भारत, में आयोजित किया गया, पेपर: प्रीप्रोसेसिंग तकनीकों पर केएनएन एल्गोरिथम आधारित वेरिएंट का विश्लेषण	गलगोटियास इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय	12-13 अक्टूबर, 2018	ग्रेटर नोएडा, भारत, गलगोटियास इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय यूपी.
		एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग और संचार नेटवर्क (एसीएन) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीईएस प्रौद्योगिकी संस्थान, 19 - 22 सितंबर, 2018। कागजरू आईओटी सक्षम वायु निगरानी प्रणाली	पीईएस प्रौद्योगिकी संस्थान	19-22 सितंबर, 2018	पीईएस प्रौद्योगिकी संस्थान
		कंप्यूटिंग, पावर और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज 2018 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (गुकोन), गलगोटियास विश्वविद्यालय, भारत द्वारा 28-29 सितंबर, 2018 को आयोजित किया गया। पेपर: मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके दिल्ली में वायु प्रदूषण का अनुमान	गलगोटियास विश्वविद्यालय, भारत,	28-29 सितंबर, 2018	ग्रेटर नोएडा यूपी.
3.	डॉ. पुष्पेंद्र एस भारती	डेटा विज्ञान, सुरक्षा और अनुप्रयोग, 2019 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	भारती विद्यापीठ कॉलेज अभियांत्रिकी, नई दिल्ली	7-8 मार्च, 2019	दिल्ली
4.	डॉ. मनोज कुमार	कंप्यूटिंग संचार और स्वचालन (आईसीसीसीए) पर 2018 चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 14-15 दिसंबर 2018	गलगोटिया विश्वविद्यालय	14 - 15 दिसंबर, 2018	ग्रेटर नोएडा, भारत, भारत

5. विद्यालयों/विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	संकाय का नाम	गतिविधि का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	अन्य विवरण
1.	डॉ. कामदीप कौर	टेकयूपोरिया	30-1-2019 से 31-1-2019	129	आईईईई डब्ल्यूआईई आयोजन
2.	श्री शिव राम मीना एवं श्री पंकज कुमार सिंह	सड़क सुरक्षा कार्यशाला	16 मार्च, 2018	50 (लगभग)	-
3.	श्री राहुल जौहरी	फुर्तीली कंप्यूटिंग कार्यशाला	4 फरवरी, 2019	50 (लगभग)	एसीएम चौप्टर यूएसआईसीटी
4.	श्री राहुल जौहरी	प्रोफेसर डोंबी गोजेफ, हंगरी द्वारा तकनीकी वार्ता	28 फरवरी 2019	100 (लगभग)	एसीएम चौप्टर यूएसआईसीटी

6. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	डॉ. मनोज कुमार	यंग फैकल्टी रिसर्च फेलोशिप (वाईएफआरएफ)	डिजिटल इंडिया कंपनी, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, एमईआईटीवाई, भारत सरकार।	दिसम्बर-18	740000/- प्रति वर्ष
2.	श्री राहुल जौहरी	वर्ष के लिए अल्बर्ट नेल्सन मार्क्विस उपलब्धि पुरस्कार	मार्क्विस 'व्होस' हू, यूएसए	जनवरी-19	

7. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	प्रो अमित प्रकाश सिंह एवं डॉ. अनुराधा चुग	कृषि क्षेत्र में बीमारी जांच के लिए आईओटी का अनुप्रयोग	डीएसटी	2017-20	60.00 लाख
2.	डॉ. मनोज कुमार	उच्च आवृत्ति, कम पावर सीएमओएस आधारित ऑसिलेटर सर्किट का जांच और डिजाइन	डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत की सरकार.	फरवरी 2019-फरवरी 2024	740000/- (2018-19) 37.00 लाख (कुल 5 वर्षों के लिए)
3.	डॉ. रिंकज गोयल	जटिल नेटवर्क विश्लेषण तकनीकों का उपयोग करके सामाजिक और ग्रंथ सूची डेटा का दृश्य और पूर्वानुमानित विश्लेषण	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	1,25,000/-

8. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1.	ऋग्वेद अलंकार	बी.टेक (सीएसई)	8 वाँ सेम	बीएमएल मुंनेट उत्सव में दूसरा सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, 9 फरवरी, 2019
2.	ऋग्वेद अलंकार	बी.टेक (सीएसई)	8 वाँ सेम	मार्च, 2019 में आईआईटी दिल्ली के टेकफेस्ट में आयोजित क्विज में तीसरा स्थान
3.	गोकुल जोशी	बी.टेक (सीएसई)	8 वाँ सेम	वॉलीबॉल कांस्य 2018
4.	गोकुल जोशी	बी.टेक (सीएसई)	8 वाँ सेम	फुटबॉल रजत 2018
5.	शुभम गुप्ता	बी.टेक (आईटी)	8 वाँ सेम	एसीएम आईसीपीसी 2018
6.	शुभम गुप्ता	बी.टेक (आईटी)	8 वाँ सेम	विट्रीहैक्स प्रथम रनर अप 18 से 20 जनवरी, 2019 तक
7.	शुभम गुप्ता	बी.टेक (आईटी)	8 वाँ सेम	वीआईटी-हैक सेकेंड रनर अप 20 से 22 सितंबर, 2019 तक
8.	मानवी वार्ष्णेय	बी.टेक (आईटी)	8 वाँ सेम	जीजीएसआईपीयू के वार्षिक उत्सव अनुगूंज में संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान
9.	यामिनी	एमसीए	4 वाँ सेम	स्क्वॉयलाइज्ड,, टेकमैराथन' 18 में प्रथम,
10.	उमंग जैन	बी.टेक (सीएसई)	8 वाँ सेम	स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2019 के राष्ट्रीय विजेता - 3 मार्च, 2019
11	निकिता गंधर्व	बी.टेक (ईसीई)	6 वाँ सेम	स्मार्ट इंडिया हैकथॉन फरवरी, 2019 में विजेता
12.	साहिल बंसल	एमसीए	4 वाँ सेम	13 जनवरी 2019 को गूगल टॉप मार्केटर प्रतियोगिता जीती

9. विद्यालयों/विभाग द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ जैसे/त्यौहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1	टेकस्पेस ओरिएंटेशन	1 दिन	विद्यार्थियों विशेषकर नवागंतुकों का स्वागत किया गया और उन्हें तकनीकी जानकारी दी गयी। उन्हें हमारे कॉलेज की नई शुरुआत और पिछली उपलब्धियों से परिचित कराया गया।
2	कार्यकारी समिति का चयन	1 दिन	टेकस्पेस कार्यकारिणी समिति सहित विभिन्न क्लब व सोसायटी प्रमुखों का निर्णय लिया गया। विभिन्न पदनामों के लिए संकाय सलाहकार श्री शिव राम मीना एवं श्री चक्रेश कुमार द्वारा छात्रों का साक्षात्कार लिया गया।
3	कोडिंग प्रतियोगिता	1 दिन	कोडिंग प्रतियोगिता कोडिंगनिंजस पर आयोजित की गई थी। लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पूरे भारत से यूएसआईसीएंडटी से 90 से अधिक छात्र और अन्य कॉलेजों से 60 से अधिक छात्र।
4	वार्षिक आम बैठक - टेकस्पेस	1 दिन	सभी क्लबों के सचिवों द्वारा वर्ष 2018- 2019 की योजना बनायी गयी। चर्चा यूएसआईसीएंडटी में तकनीकी ज्ञान में सुधार के इर्द-गिर्द घूमती रही
5	व्हिजक्विज	1 दिन	छात्रों को तकनीकी ज्ञान और व्यवसाय/वित्तीय कुशाग्रता के बीच स्वस्थ संतुलन के लिए प्रेरित करने के लिए ईसेल द्वारा सेमिनार हॉल में उद्यमिता और व्यवसाय पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई
6	वाद विवाद 2.0	1 दिन	एक्सेल द्वारा प्रोजेक्ट एक्सीलरेट (व्यक्तित्व विकास) के तहत "भारत में एक साथ चुनाव" विषय पर एक मॉक संसदीय बहस आयोजित की गई। इसमें यूएसएस और अन्य लॉ कॉलेजों के 60 छात्रों ने भाग लिया।

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
7	वार्षिक टेकफेस्ट इन्फोएक्सप्रेशन 2018	3 दिन	यूएसआईसीएंडटी का वार्षिक टेकफेस्ट इंफोएक्सप्रेशन 26-28 अक्टूबर, 2018 को आयोजित किया गया था। इसमें पूरे भारत से 3500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इसके बैनर तले तकनीकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, उद्यमिता और मनोरंजक कार्यक्रमों सहित 26 से अधिक कार्यक्रम थे।
8	कैरियर कार्यशाला	1 दिन	गेट में इंजीनियरों की भविष्य की संभावनाओं के लिए ऐस इंजीनियरिंग अकादमी के सहयोग से यूएसआईसीएंडटी के छात्रों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।
9	जीथब के साथ एंड्रॉइड वर्कशॉप	1 दिन	एंड्रॉइड की बुनियादी बातों पर गुथुब विशेषज्ञ निकित भंडारी द्वारा एंड्रॉइड कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में दिल्ली एनसीआर से 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया।
10	जीआईटी कार्यशाला	1 दिन	गिट कार्यशाला का आयोजन टेकस्पेस द्वारा किया गया था। वक्ता को मोजिला से आमंत्रित किया गया था। इसमें 150 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।
11	एंडगेम	1 दिन	कोडिंग निन्जा के सहयोग से डीटीयू, एनएसआईटी, आईजीडीटीयूडब्ल्यू और यूएसआईसीएंडटी के बीच कोडिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। यूएसआईसीएंडटी इस आयोजन में प्रथम हुआ. इस कार्यक्रम में 800 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया.
12	द बिजथॉन	28 मार्च 2018	यूएसआईसी एंड टी
13	एरिजोना राज्य विश्वविद्यालय छात्रों और संकाय के साथ बातचीत	6 अप्रैल 2018	यूएसआईसी एंड टी
14	समस्या को सुलझाना (सी++का उपयोग करके)	16 अप्रैल 2018	कोडिंग ब्लॉक्स कंपनी के सहयोग से
15	डेटा संरचना और एल्गोरिदम (जावा का उपयोग करके)	17 अप्रैल, 2018	कोडिंग ब्लॉक्स कंपनी के सहयोग से
16	प्री-प्लेसमेंट वार्ता	16 जुलाई 2018	एम/एस टीसीएस के सहयोग से
17	प्लेसमेंट के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम	16 अगस्त 2018	यूएसआईसीएंडटी
18	प्रेरक तकनीकी सत्र	3 अक्टूबर, 2018	आईईईई के सहयोग से प्रेरक तकनीकी सत्र
19	शतरंज प्रतियोगिता	4 अक्टूबर, 2018	यूएसआईसीएंडटी
20	एमएसआई आयोजन (गेमिंग)	18 अक्टूबर, 2018	यूएसआईसीएंडटी
21	एसीएम चौप्टर का उद्घाटन	18 जनवरी 2019	यूएसआईसीएंडटी
22	बिजथॉन 2.0 उद्यमिता	15 फरवरी 2019	यूएसआईसीएंडटी के टेकस्पेस द्वारा आयोजित
23	इंटर कॉलेज बी.टेक मेजर प्रोजेक्ट प्रतियोगिता 2018	8 मार्च, 2019	यूएसआईसीएंडटी, अध्यक्ष द्वारा आयोजित

10. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	रखे गए छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज प्रस्तावित (लाख में)
1.	अमेजन	2	28.25
2.	इनमोबी	1	23
3.	आयन ट्रेडिंग	2	12.00
4.	पॉजिस्ट	2	8.50
5.	स्क्री एनालिटिक्स	2	7
6.	टीसीएस (डी)	5	7.00
7.	नागरो (गाड़ी की डिक्की कैम्प 2019 बैच)	2	6.00
8.	आईवीपी	1	7.40
9.	टीसीएस	51	3.50
10.	स्टेलर	3	3.5
11.	टीटीएन(2019 बैच)	4	3.75
12.	नागारो (बूट कैंप 2019 बैटसीज	6	4.00
13.	टीटीएन (2019 बैच)	4	3.75
14.	कॉम्प्रो (टैलेंट ग्रिड)	2	5.30
15.	लिबसिस	2	6.00
16.	नागरो	2	4.00
17.	ब्लैकस्टोन	1	5.50
18.	इन्फोएज	1	5.50
19.	एजकॉम	6	6.5
20.	नाइनलीप्स	2	4.5
21.	इंडियामार्ट	1	10
22.	इंडियामार्ट	1	6
23.	जेनपैक्ट	4	इंटर्नशिप के दौरान 15 हजार प्रति माह
24.	पेटीएम (2018 बैच के लिए)	1	5
25.	यामाहा मोटर्स	2	5
26.	इंफोसिस	7	3.25-3.5
27.	विप्रो	1	3.5
28.	ब्रावुरा सॉल्यूशंस	1	4.5
29.	पोलस्टार	1	3.47
30.	कॉग्निजेंट	4	3.5
31.	ऊडल्स टेक्नोलॉजीज	5	6
32.	कोनी	4	5.5
33.	एस एंड एस	2	5
34.	ऑरेंज (ईसीई)	2	3.9

11. अनुसंधान शोध छात्र का विवरण:

क) पीएच.डी. की कुल संख्या.पूर्ण/पुरस्कृत: 03

क्र.सं.	शोध छात्र का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/चल रहा है
1.	जसप्रीति सिंह	डेटा वेयरहाउसिंग में गुणवत्ता के मुद्दे	07-10-13	प्रोफेसर अंजना गोसाईं	पूर्ण
2.	अमृतपाल सिंह	झुंड आधारित एल्गोरिदम और उनके अनुप्रयोग	29-09-14	प्रो. अरविंदर कौर	पूर्ण
3.	सोनम रेवाडी	गेट ऑल अराउंड (जीएए) मॉसेट्स की मॉडलिंग और सिमुलेशन	16-09-15	डॉ. वन्दना नाथ	पूर्ण

ख) शोधार्थी ने प्रवेश किया: 18

ग) कुल संख्या चल रही पीएच.डी. पंजीकृत शोधार्थी: 97

12. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1	यामिनी	यूजीसी-नेट
2	मनु नरूला	गेट
3	दिव्या अरोड़ा	गेट
4	विकास सोनी	गेट
5	आकाश कुमार	गेट
6	प्रणव मलिक	जीआरई
7	शिवम वत्स	जीआरई
8	शिवम शर्मा	जीआरई
9	शिवांगी चौहान	कैट
10	मेहुल कनोत्र	जीआरई
11	अनुभव सिंह	गेट
12	ध्रुव ओबेरॉय	यूजीसी-नेट
13	रोहित सहजपाल	यूजीसी-नेट
14	सावन कालरा	गेट
15	मेघा गुप्ता	गेट
16	सोनाली चावला	यूजीसी-नेट

4.9 कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कुल संख्या (सेमेस्टर वार)
1.	बीए. एल.एल.बी	60
2.	बीबीए. एल.एल.बी	40
3.	एलएलएम (आर)	38
4.	एलएलएम (डब्ल्यू)	40

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रोफेसर डॉ. कंवल डीपी सिंह

1. प्रोफेसर डॉ. कंवल डीपी सिंह, भारत में महिलाएं सशक्तिकरण के लिए करों और कर्तव्यों पर पुनर्विचार
2. प्रोफेसर. डॉ. कंवल डीपी सिंह, ओबीओआर पहल की ताकत और चुनौतियां: भारतीय परिप्रेक्ष्य, जर्नल ऑफ नेशनल लॉ विश्वविद्यालय, दिल्ली 1-13 2019, आईएसएसएन: 2277-4017
3. प्रोफेसर. डॉ. कंवल डीपी सिंह, दिवालियापन धोखाधड़ी और पीड़ित निवारण प्रणाली: बदलाव का समय, जर्नल ऑफ विक्टिमोलॉजी एंड विक्टिम जस्टिस।
4. डॉ. एपी सिंह, भारत में विज्ञान आधारित खाद्य सुरक्षा प्रशासन का निर्माण: कानूनी विश्लेषण

डॉ. शिवानी गोस्वामी

1. डॉ. शिवानी गोस्वामी, मानसिक रूप से परेशान पतियों और भारत में प्रतिशोधी पत्नियों द्वारा आपराधिक कार्यवाही का दुरुपयोग: दिल्ली के विशिष्ट संदर्भ के साथ एस्टडी, आईएसएसएन 2278-6996(2019)
2. डॉ. शिवानी गोस्वामी, भारत में महिलाओं को धार्मिक स्थानों में प्रवेश करने से रोकना: 21वीं सदी में अंधराष्ट्रवाद और परंपरावाद, विवेकानन्द जर्नल ऑफ रिसर्च, आईएसएसएन: 2319-8702(2018)
3. डॉ. शिवानी गोस्वामी, भारत में मीडिया के माध्यम से महिलाएं: भयावह और सकारात्मक पहलू, इंग्लिश स्टडीज इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, आईएसएसएन 2347-3479(2018)

डॉ. अनुज कुमार वक्षा

1. डॉ. अनुज वक्षा, गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में कंपनी अधिनियम के तहत अधिग्रहण प्रावधान: एक विश्लेषण, (सह-लेखक-छात्र)।

डॉ. रविंदर कुमार

1. डॉ. रविंदर कुमार, न्यायाधीनता का सिद्धांत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नकार नहीं सकता, 23495138
2. डॉ. रविंदर कुमार, ट्रिपल तलाक सागा-एजुडिशियलएप्रोच, 97893874243

डॉ. लिसा पी लुकोज

1. लिसा पी लुकोस और शिल्पिका पारनंडेय, "सेलिब्रिटी अधिकारों का संरक्षण: अमेरिका, ब्रिटेन और भारत में प्रासंगिक आईपीआर कानूनों का एक तुलनात्मक विश्लेषण", आईएसएनएन: 1975-5945)
2. डॉ. उपमा गौतम, "चिकित्सीय अनुप्रयोगनशीली दवाओं के दुरुपयोग के उपचार में न्यायशास्त्र: सिक्किम एंटी-ड्रग्स एक्ट पर फिर से विचार करने का समय", ई-आईएसएसएन 2348-1269,पी-आईएसएसएन 2349-5138

डॉ. नीलू मेहरा

1. नीलू मेहरा (2018) "भारत में जेल कैदियों के कल्याण और पुनर्वास के लिए जेल की सर्वोत्तम प्रथाएं", आईएसएसएन 2320-6942

डॉ अनुराधा झा

1. डॉ. अनुराधा झा, बायो-इकोनॉमिक्स: ए शिफ्ट इन द थिंकिंग कंसर्निंग ग्रोथ एंड इट्स पॉसिबल इम्पैक्ट ऑन बायो-एथिक्स इन 21 सेंचुरी' ज्वाइंट 14वां डब्ल्यूसीबी और 7वां एनबीसी इंडिया।
2. डॉ. वंदना सिंह, "अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता में कानून का विकल्प", वैकल्पिक विवाद समाधान जर्नल, निरमा विश्वविद्यालय, अंक III, मार्च-2018, आईएसएसएन 2454-9932.
3. डॉ. कविता सोलंकी ने आर्ट्स एंड एजुकेशन इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल में "भारत में एसिड अटैक: एक बढ़ता हुआ मुद्दा" शीर्षक से एक पेपर प्रकाशित किया, पृष्ठ 209-213, आईएसएसएन 2349-1353

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

डॉ. कंवल डीपी सिंह

1. डॉ. कंवल डीपी सिंह, "ओबीओआर पहल की ताकत और चुनौतियां - बेल्ट एंड रोड पहल और वैश्विक प्रशासन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारतीय परिप्रेक्ष्य" 31 अगस्त, 2018 को ब्रुसेल्स, बेल्जियम में ल्यूवेन सेंटर फॉर ग्लोबल गवर्नेंस में, 2018-19
2. डॉ. कंवल डीपी सिंह, "भारत में मानवाधिकार शिक्षा के लिए चुनौतियां: राष्ट्रीय राजधानी का केस स्टडी" 9वीं अंतर्राष्ट्रीय में। मानवाधिकार शिक्षा पर सम्मेलन: सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में नागरिक समाज की पूरी क्षमता को उजागर करना 26-29 नवंबर, 2018, 2018-19

डॉ. क्वीनी प्रधान

1. डॉ. क्वीनी प्रधान, दक्षिण एशिया सम्मेलन, विस्कॉन्सिन मैडिसन विश्वविद्यालय, 2018-19 में प्रस्तुत किया गया पेपर
2. डॉ. दीपशिखा अग्रवाल, आईयूएईएस 2019 इंटर कांग्रेस" वर्ल्ड सॉलिडेरिटीज'; मई 2019 पॉज्नान, पोलैंड में, 2018-19

डॉ. दीपशिखा अग्रवाल

1. डॉ. दीपशिखा अग्रवाल, "बियरिंग द ब्रंट ऑफ इलंटेशनल क्रिमिनलाइजेशन: एन अनएंडिंग स्टोरी ऑफ स्टिग्मा एंड दुविधा ऑफ डीएनटी इन इंडिया", इंटरडिसिप्लिनरी लीगल स्टडीज (एआईसीआईएलएस 2018 ऑक्सफोर्ड) पर 9वें अकादमिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 13 अगस्त-15, 2018, ऑक्सफोर्ड, यूनाइटेड किंगडम, 2018-19।
2. डॉ. दीपशिखा अग्रवाल, ऑक्स्फोर्ड विश्वविद्यालय में अंत:विषय कानूनी अध्ययन पर 9वां अकादमिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अगस्त 2018, 2018-19।

डॉ. शिवानी गोस्वामी

1. डॉ. शिवानी, सिडनी में भारत और एशियाई देशों में बढ़ते एसिड हमलों के बावजूद: सोचने का समय" ऑस्ट्रेलिया, नवंबर, 2018, 2018-19।

डॉ. लिसा लुकोज

1. डॉ. लिसा लुकोस ने 5 को लुसाका, जाम्बिया में सीएलईए- कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन और जाम्बिया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज द्वारा आयोजित सीएलईए सम्मेलन में "संविधान, शिक्षा और भ्रष्टाचार" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।वां अप्रैल, 2019, 2018-19।
2. डॉ. लिसा लुकोस, "सतत विकास और बौद्धिक संपदा अधिकार"। जे, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएनएसडीजी - 2018) पर बहुविषयक दृष्टिकोण का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बैंकॉक में आयोजित किया गया, नाखोन पाथोम राजभट विश्वविद्यालय द्वारा थाईलैंड; रॉयल हाइनेस राजकुमारी महा चक्री सिरिंधोर्न और उच्च शिक्षा आयोग के कार्यालय के शाही संरक्षण के तहत थाईलैंड की रॉयल सोसाइटी का अंत:विषय नेटवर्क। (आरएस: 87,683-), 2018-2019 के लिए विश्वविद्यालय से सम्मेलन अनुमोदन।
3. डॉ. लिसा लुकोस, मोडी विश्वविद्यालय में सीएलईए द्वारा आयोजित "तुलनात्मक संवैधानिक कानून: विकास और इसकी शिक्षण तकनीक" पर सीएलईए सम्मेलन में "भारत में मानव अधिकार की न्यायिक व्याख्या", 21-23 सितंबर, 2018), 2018-2019।

डॉ. गुरुजीत सिंह

1. डॉ. गुरुजीत सिंह, "सोशल मीडिया एंड सोशल रिसर्चट" शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2019 एमएचआरडी द्वारा प्रायोजित पीएमएमएनएमटीटी योजना के तहत प्रायोजित - दुनिया भर में उच्च शिक्षा में अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमान और शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय, जीजीएसआईपीयू में शिक्षक शिक्षा में इसकी प्रासंगिकता 22-24" जनवरी 2019, 2018-19।
2. डॉ. लिसा लुकोस, "सतत विकास और बौद्धिक संपदा अधिकार"। जे,संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (यूएनएसडीजी - 2018) पर बहु-विषयक दृष्टिकोण का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2018-19 में नाखोनपाथोम राजाभाट विश्वविद्यालय द्वारा बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित किया गया।

डॉ कविता सोलंकी

1. डॉ. कविता सोलंकी, ई-व्यवसाय, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन में गुणवत्ता विकास पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (क्यूईएसएम- दिसंबर 2018) 22-23 दिसंबर तक आयोजित हुई, 2018 लंदन हाइड पार्क, यूके में रिसर्च फोरम फॉर सोशल साइंस इनोवेशन (आरएसएसआई) द्वारा 2018-19 का आयोजन किया गया।

डॉ. वंदना सिंह

1. डॉ. वंदना सिंह, विकासशील देशों में सांस्कृतिक अधिकारों का संरक्षण: बौद्धिक संपदा की भूमिका" कानून और सामाजिक परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, यूके, 09-02-2019,2018-19.

डॉ. नीलू मेहरा

1. डॉ. नीलू मेहरा, न्याय और कानूनी सेवाओं तक वर्तमान और भविष्य की पहुंच, न्याय तक पहुंच पर दूसरा यूसीएल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बेंथम हाउस, विश्वविद्यालयकॉलेज ऑफ लंदन, लंदन 11-13 जून, 2018-19।

डॉ. एम शक्तिवेल

1. डॉ शक्तिवेल, ब्रिस्टल विश्वविद्यालय (27-29 मार्च 2018), 2018-19 में आयोजित 2018 सामाजिक-कानूनी अध्ययन संघ सम्मेलन में प्रस्तुत "कॉपीराइट और खेल सामग्री: विवाह के लिए अजीब युगल"।
2. डॉ.शक्तिवेल, "भारत में सतत रेत खनन नीति: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण" त्साग्काडजोर, आर्मेनिया में आयोजित जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण पारिस्थितिक मुद्दों पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया (5-7 अक्टूबर 2018), 2018-19.

डॉ कविता सोलंकी

1. डॉ. कविता सोलंकी, "ऑनलाइन गेम के विशेष संदर्भ में साइबर स्पेस में बच्चों के मानवाधिकार" विद्यालय ऑफ लॉ, अंसल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा 27 अप्रैल, 2019, 2018-19 को आयोजित बाल अधिकार: अनसुनी आवाजें पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में.

डॉ. वंदना सिंह

1. डॉ. वंदना सिंह, "विकासशील देशों में सांस्कृतिक अधिकारों का संरक्षण: बौद्धिक संपदा की भूमिका", कानून और सामाजिक परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, लैंकेस्टर विश्वविद्यालय, यूके, 09-02-2019।
2. डॉ. वंदना सिंह, "संवैधानिक भारत में सामाजिक-कानूनी अनुसंधान की नैतिकता और भविष्य", उच्चतर अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शिक्षा दुनिया भर में और शिक्षक शिक्षा में इसकी प्रासंगिकता, यूएसई, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, 22-24 जनवरी 2019। औद्योगिक डिजाइन कानून का अंतर्राष्ट्रीय सामंजस्य", कानूनी शिक्षा और समसामयिक मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: कानूनों का अंतर्राष्ट्रीय अभिसरण, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित, 21-22 अप्रैल 2018.
3. डॉ. वंदना सिंह, "द्विपक्षीय निवेश संधियाँ और अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता", 200 अंतर्राष्ट्रीय कानून पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कानून विभाग, ईस्ट वेस्ट विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित, 29 से 31 मार्च 2018.

डॉ कविता सोलंकी

1. डॉ. कविता सोलंकी ने 22-23 दिसंबर तक आयोजित ई-व्यवसाय, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन में गुणवत्ता विकास पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (क्यूईएसएम- दिसंबर 2018) में "भारत में जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता और जागरूकता: मिथक या

वास्तविकता" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। 2018 लंदन हाइड पार्क, यूके में रिसर्च फोरम फॉर सोशल साइंस इनोवेशन (आरएसएसआई) द्वारा 2018-19 का आयोजन किया गया।

2. डॉ. कविता सोलंकी ने टीकाराम गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत में 29 फरवरी, 2018, 2018-19 को "वैश्वीकरण के युग में महिला सशक्तिकरण: मिथक या वास्तविकता" विषय पर महिला अधिकार जागरूकता: उभरते रुझान" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

ग) पुस्तक अध्याय

प्रो. एम. अफजल वानी

1. डॉ. एम. अफजल वानी, कश्मीर में शांति, विकास और कारीगरी: पारंपरिक और संवैधानिक परिप्रेक्ष्य, ईमानदार अध्ययन गृह, 2019, आईएसबीएन 978-93-5361-316-7।

डॉ. लिसा पी लुकोज

1. डॉ. लिसा पी लुकोज, "सार्क देशों में आपदा प्रबंधन कानून", कॉमनवेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर जस्टिस एजुकेशन और मोहन लॉ बुक हाउस, 2019, आईएसबीएन: 9789387264069।
2. डॉ. लिसा प्लूकोस, मैग्ना कार्टा और ह्यूमन राइट्स: द लिगेसी ऑफ 800+ इयर्स, यूरोपियन कॉलेज ऑफ लॉ एंड कॉमनवेल्थ लीगल एजुकेशन एसोसिएशन (एशिया-इंडिया), 2018, आईएसबीएन: 9788192986890.
3. डॉ. लिसा पी लुकोस, सार्क में स्वदेशी लोगों के अधिकार (सं.) 2018, मोहन लॉ बुक हाउस, 2018, आईएसबीएन: 9789387264021।
4. डॉ. लिसा प्लुकोज, लिसा पी लुकोज और अलंकृता माथुर, ह्यूमन में "ह्यूमन राइट एंड सोशल मीडिया" राइट एंड डिजिटल एज (ए 2018) पीपी 31-39य मिजन्नूर रहमान, रहमत उल्लाह, रुमाना इस्लाम द्वारा संपादित (प्रकाशक: आम लोगों के कानून के माध्यम से सशक्तिकरण, ईएलसीओपी, बांग्लादेश), मानव अधिकारों पर ईएलसीओपी वार्षिकी, 2018।

प्रो एपी सिंह

1. डॉ. एपी सिंह, ओपन मार्केट्स एंड डायवर्सिटी ऑफ इंडियाज पोलिटिको-लीगल ऑर्डरिंग, स्प्रिंगर, 2019, 978-981-13-7425-8।

प्रो. क्वीनी प्रधान

1. डॉ. क्वीनी प्रधान, दक्षिण एशिया में पहचान: दावे और संघर्ष, रूटलेज, 2019, 978- 0815361992।

श्री जुबैर अहमद खान

1. जुबैर खान, जुबैर अहमद खान और प्रो. एपी सिंह (2019), प्रो. को एक श्रद्धांजलि. उपेन्द्र बक्सी, संपादित पुस्तक ह्यूमन राइट्स कंटेम्परेरी इश्यूज का अध्याय, 597-614(2019), कंपनी। आईएसबीएन 9789399-822299, ईबीसी प्रकाशन, 2019, 597-614।
2. जुबैर खान, जुबैर अहमद खान (2019), भारत में मुस्लिम वैवाहिक विवादों को सुलझाने में मध्यस्थता का दायरा, संपादित पुस्तक डिस्पेलिंग रेटोरिक्स में अध्याय: इस्लाम में तलाक और लिंग असमानता का कानून, 2019, आईएलआई प्रकाशन, 2019, आईएसबीएन: 978-81 -927926-7-5.

डॉ. उपमा गौतम

1. डॉ. उपमा गौतम, "भारत में प्री-ट्रायल डिटेंशन में "मैग्ना कार्टा" की अनिवार्यता को बहाल करना: मैग्ना कार्टा और मानवाधिकार में "निष्पक्षता" और "न्याय" के लिए एक समागम - 800+ वर्षों की विरासत 2018 संस्करण। प्रशांता बी . बार्ना लिसा पी. लुकोस, एस. शिवकुमार, (2018), मोहन लॉ हाउस, 2018।
2. डॉ. उपमा गौतम, हाशिये पर झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्वास: गरीबों का बढ़ता अभाव और शहरों को लचीला बनाने में शहर के लचीलेपन में बाधा, विश्व राज शर्मा और चंद्रकांता (2019) द्वारा प्रकाशित, स्प्रिंगर प्रकाशन, 2019, आईएसबीएन 2365-757X।

डॉ. शिवानी गोस्वामी

1. डॉ. शिवानी गोस्वामी, "फैमिली लॉ I", सेंट्रल लॉ प्रकाशन,आईएसबीएन 978-93-86456-62-5 (2018)

2. डॉ. शिवानी गोस्वामी, भारत में महिलाओं पर एसिड हमले: एक बढ़ता खतरा, लिंग में प्रगतिप्रवासी, सांस्कृतिक पहचान, शिक्षा, इस्लामिक स्टडीज, (2019), 2019, आईएसबीएन 978-93-86435-84-2

डॉ. एम. शक्तिवेल

1. डॉ. एम. शक्तिवेल, "कॉपीराइट कानून के तहत जनता के लिए संचार और सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का प्रभाव-एनानालिसिस" अंतर्राष्ट्रीय कानून में समकालीन मुद्दे पुस्तक में प्रकाशित। 2018 पृष्ठ संख्या 325-330, स्प्रिंगर नेचर, 2018, आईएसबीएन: 978-981- 10-6276-6.
2. डॉ. एम. सक्थिवेल, एक्सेस टू कॉपीराइट वर्क्स इन द डिजिटल एनवायरनमेंट: एन एनालिसिस ऑफ इंडियन कॉपीराइट एक्ट" आईपीआर एंड ह्यूमन राइट्स नामक पुस्तक में प्रकाशित, 2018 पृष्ठ संख्या 141-156, 2019, भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली, 2019, आईएसबीएन 978-81-927926-4-4।

डॉ. नीलू मेहरा

1. डॉ. नीलू मेहरा, नीलू मेहरा और अदिति सिंह (जुलाई, 2019) भारत में अपनी गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए महिलाओं की प्रजनन स्वायत्तता: एक पौराणिक वास्तविकता। लिंग, प्रवासी, सांस्कृतिक पहचान में प्रगति, शिक्षा, इस्लामी अध्ययन, द्वारा संकलित और प्रकाशित., आईएमआरएफ इंस्टीटयूट ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, 2019, आईएसबीएन 978-93-86435-84-2

डॉ. गुरुजीत सिंह

1. डॉ. गुरुजीत सिंह, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन स्ट्रैटेजीज एंड ट्रेंड्स इन ई-लर्निंग: प्राइवेसी नामक पुस्तक में साइबरस्पेस में कॉपीराइट मुद्दों पर अध्याय प्रकाशित किया गया है।, संरक्षण और नीति. , खंड पुस्तकें, आईएसबीएन नं. 9789381513149.

डॉ. अनुज वक्षा

1. डॉ. अनुज वक्षा, क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर: एयर ट्रैफिक कंट्रोल (कंपनी) के संबंध में कानून और इसका कार्यान्वयन-लेखक), शीर्षक वाली पुस्तक में अध्याय' ई में डिजिटल परिवर्तन रणनीतियाँ और रुझान-सीखना: गोपनीयता, संरक्षण और नीति'। संपादक: डॉ. प्रिया राय और डॉ. आकाश सिंह, आईएसबीएन: 978-93-81513-14-9.

डॉ. अनुराधा झा

1. डॉ. अनुराधा झा, सार्क राष्ट्रों में निजीकरण की रणनीति, प्रथम संस्करण., 2018,, अर्थ विजन पब्लिकेशन, 2018, आईएसबीएन-13: 978-9384922757 आईएसबीएन: 9384922757।

ग) कोई अन्य प्रकाशन:

पेपर का शीर्षक	लेखक का नाम	जर्नल का शीर्षक	प्रकाशन का वर्ष
प्रोफेसर. कंवल डीपी सिंह	भारत में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए करों और कर्तव्यों पर पुनर्विचार	टैक्समैन	2018
प्रो कंवल डीपी सिंह	ओबीओआर पहल की ताकत और चुनौतियाँ: भारतीय परिप्रेक्ष्य, जर्नल ऑफ नेशनल लॉ विश्वविद्यालय, दिल्ली 1-13 2019	कृषि प्रकाशन	2019
प्रो कंवल डीपी सिंह	दिवालियापन धोखाधड़ी और पीड़ित निवारण प्रणाली: बदलाव का समय, जर्नल ऑफ विक्टिमोलॉजी और पीड़ित न्याय.	कृषि प्रकाशन	2019

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया

संकाय का नाम	कार्यशाला का विवरण
प्रो ,पी सिंह	"कानून और सामाजिक नियंत्रण-कानून की प्रभावशीलता की सीमाएं-सामाजिक विधान के सिद्धांत" 28 अगस्त, 2018 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के पीएच.डी छात्रों को एक व्याख्यान दिया गया।
प्रो ,पी सिंह	"कानून का दर्शन और कानूनी अनुसंधान के उभरते क्षेत्र", 8 सितंबर, 2018 को जयपुर नेशनल विश्वविद्यालय, विद्यालय ऑफ लॉ के पीएच. डी छात्रों को एक व्याख्यान दिया गया।

संकाय का नाम	कार्यशाला का विवरण
प्रो ,पी सिंह	"न्यायपालिका की स्वतत्रता और कार्यकारी हस्तक्षेप", 15 सितंबर, 2018 को महाराजा अग्रसेन इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रोहिणी, नई दिल्ली के विद्यालय ऑफ लॉ में आम तौर पर कानून के छात्रों के लिए एक विशेष व्याख्यान दिया गया।
प्रो ,पी सिंह	"सामाजिक परिवर्तन को प्रतिबिंबित करने वाले कानून की भूमिका: कानून और जनता की राय के बीच संबंध" 2 अक्टूबर, 2018 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के पीएच.डी छात्रों को एक व्याख्यान दिया गया।
प्रो एपी सिंह	"दर्शनसंविधान और सुशासन के बारे में", 27 अक्टूबर, 2018 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा) में कानून के छात्रों (एलएलबी और एलएलएम) को एक विस्तार व्याख्यान दिया गया
प्रो एपी सिंह	"भारतीय संविधान: आधारशिला" 17 नवंबर, 2018 को जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (यूपी) के विद्यालय ऑफ लॉ के कानून छात्रों को एक व्याख्यान दिया गया
प्रो एपी सिंह	"चौखटाभारत में पर्यावरण कानून और पर्यावरण न्याय", 20 नवंबर, 2018 को एमओईएफ और सीसी, भारत सरकार, द्वारा प्रायोजित "पर्यावरण कानून" पर नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग (मेघालय) में ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (जीएसडीपी) सर्टिफिकेट कोर्स में एक व्याख्यान दिया गया।
प्रो एपी सिंह	"(कानूनी) अनुसंधान विधियों का परिचय", 5 दिसंबर, 2018 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय में 27 नवंबर, 2018 से 24 दिसंबर 2018। तक सभी धाराओं (मानविकी, वाणिज्य और विज्ञान, आदि) के विश्वविद्यालय और कॉलेज के शिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम (ओआर-95) में व्याख्यान दिया गया
प्रो एपी सिंह	"तकनीकी परिवर्तन और कानून, शिक्षा और प्रबंधन में वर्तमान विकास के बीच अंतर-संबंध" 19 दिसंबर, 2018 को दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान में 17-23 दिसंबर, 2018, के दौरान शिक्षा, कानून और प्रबंधन में डिजिटलीकरण के प्रभाव पर संकाय विकास कार्यक्रम में एक व्याख्यान दिया गया ।
प्रो एपी सिंह	"कानूनी अनुसंधान: उपकरण और तकनीक", लॉयड लॉ कॉलेज, ग्रेटर नोएडा द्वारा 02-05 जनवरी, 2019 के दौरान आयोजित एक संकाय विकास कार्यक्रम में 2 जनवरी, 2019 को एक व्याख्यान दिया गया
प्रो एपी सिंह	"पर्यावरण, विकास और मानवाधिकार: एक नई व्यवस्था की अनिवार्यताएं", भूगोल विभाग, किरोरीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा 4-5 जनवरी 2019 के दौरान आयोजित 4 जनवरी, 2019 को "आदिवासी समुदायों के भूगोल और उभरते सांस्कृतिक मुद्दे" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया गया
प्रो एपी सिंह	"निबंध लेखन कौशल निर्माण", 5 जनवरी, 2019 को जेईएमटीईसी लॉ विद्यालय, ग्रेटर नोएडा के कानून के छात्रों को एक व्याख्यान। दिया गया
प्रो एपी सिंह	"संवैधानिक प्रावधानों, पर्यावरण और विकास के बीच इंटरफेस।" 13 जनवरी, 2019 को इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, नई दिल्ली में स्पेक्ट्रम द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा सम्मेलन 2019 में मुख्य भाषण दिया गया।
प्रो एपी सिंह	"संसद, कार्यपालिका और न्यायपालिका: भारतीय अनुभव", 28 जनवरी, 2019 को संसदीय अध्ययन और प्रशिक्षण ब्यूरो, लोकसभा सचिवालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विधायी प्रारूपण पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में दी गई एक प्रस्तुति,
प्रो एपी सिंह	"पर्यावरण प्रबंधन: एक नए प्रतिमान की खोज करें", 16 मार्च, 2019 को "पर्यावरण संरक्षण: सामाजिक कानूनी मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर सम्मेलन में समापन भाषण दिया गया।
प्रो एपी सिंह	"भारत में सुरक्षात्मक भेदभाव कार्यक्रम के बदलते आयाम" 18 जुलाई, 2019 को महाराजा अग्रसेन संस्थान, लॉ विद्यालय, रोहिणी में संकाय विकास कार्यक्रम में एक व्याख्यान दिया गया
प्रो एपी सिंह	"कानून और सामाजिक परिवर्तन", 20 जुलाई 2019 को सेंटर फॉर उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, और दिल्ली विश्वविद्यालय। में कानून और सामाजिक परिवर्तन पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में एक व्याख्यान दिया गया
प्रो क्वीनी सिंह	'पहाड़ियों में शाही प्रवचन पर सवाल उठाना: 19वीं और 20वीं शताब्दी' विषय पर 13 जून.2019 को इतिहास विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय सिक्किम, गंगटोक में व्याख्यान दिया

संकाय का नाम	कार्यशाला का विवरण
प्रो क्वीनी सिंह	'उन्नीसवीं और बीसवीं सदी में माउंटेन एयर, स्वास्थ्य और भारतीय पहाड़ियाँ' शीर्षक से सेंटर फॉर साउथ एशिया, विस्कॉन्सिन-मैडिसन, यूएसए द्वारा दक्षिण एशिया पर आयोजित वार्षिक सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया।
प्रो क्वीनी सिंह	एसोसिएशन ऑफ अमेरिकन स्टडीज के सहयोग से अशोक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, एशिया में एएएस, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक विशेष गोलमेज सम्मेलन में 1 जुलाई 2018 को 'फील्डवर्क और इतिहासकार' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
प्रो क्वीनी सिंह	28 मार्च 2018 को, यूएसएलएलएस, जीजीएसआईपीयू. द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में हालिया रुझान पर आईसीएसएसआर कार्यशाला में ऐतिहासिक पद्धति और इतिहास लेखन पर दो व्याख्यान प्रस्तुत किए।
प्रो क्वीनी सिंह	22 जून 2018 को वियना विश्वविद्यालय में 'हिल स्टेशनों का आविष्कार: उपनिवेशवाद और परिदृश्यों का प्रतिनिधित्व करने की राजनीति' विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया।
डॉ. दीपशिखा अग्रवाल	आईयूएईएस 2019 इंटर कांग्रेस "वर्ल्ड सॉलिडेरिटीज"; मई 2019 पॉज्नान, पोलैंड में
डॉ. दीपशिखा अग्रवाल	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अंत: विषय कानूनी अध्ययन पर 9वां अकादमिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अगस्त 2018
डॉ. अनुज वक्षा	पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा स्थापित एनविस रिसोर्स पार्टनर सेंटर, एनईएचयू द्वारा आयोजित पर्यावरण कानूनों पर हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी) प्रमाणपत्र के लिए आमंत्रित वक्ता,
डॉ. गुरुजीत सिंह	17 -18 जनवरी 2019 तक अनुसंधान डेटा प्रबंधन उपकरण और तकनीकों पर कार्यशाला में नीति और कॉपीराइट मुद्दे. डेटा सुरक्षा और साझाकरण विषय के लिए टीईआरआई में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया
डॉ. गुरुजीत सिंह	30 जनवरी, 2019 को नई दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली में महिला सुरक्षा और अपराध पर सेमिनार में महिला सुरक्षा और साइबर अपराध के मुद्दे पर संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
डॉ. लिसा पी लुकोस	15 दिसंबर, 2018 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में, "बौद्धिक संपदा अधिकार: सुरक्षा, स्वामित्व एवं नवप्रवर्तन" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला एक दिन में मुख्य वक्ता"
डॉ. लिसा पी लुकोस	10 मई, 2018 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के औषधि विज्ञान विभाग रोहतक, भारत। द्वारा आयोजित "बौद्धिक संपदा अधिकारों का संरक्षण-समय की आवश्यकता", पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता
डॉ. लिसा पी लुकोस	21 अप्रैल, 2018 को भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली में 'बौद्धिक संपदा: प्रक्रिया और अभ्यास' विषय पर पेटेंट उल्लंघन और प्रवर्तन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता।
डॉ. लिसा पी लुकोज	31 अगस्त, 2019 को सूचना युग में बौद्धिक संपदा अधिकार: वैश्विक प्रतिक्रिया पर प्रथम वीआईपीएस आईपीआर राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति,
डॉ. लिसा पी लुकोज	25 मई 2019 को जीआईबीएस में रिसोर्स पर्सन - उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: बौद्धिक संपदा अधिकारों पर ध्यान और पेटेंट अधिकारों पर बात की गई
डॉ. लिसा पी लुकोस	31 अगस्त, 2019 को सूचना युग में बौद्धिक संपदा अधिकार: वैश्विक प्रतिक्रिया पर प्रथम वीआईपीएस आईपीआर पर तकनीकी सत्र में अध्यक्ष
डॉ. लिसा पी लुकोस	21-23 सितंबर, 2018 को मोडी विश्वविद्यालय में सीएलईए द्वारा आयोजित "तुलनात्मक संवैधानिक कानून: विकास और इसकी शिक्षण तकनीक" पर एक तकनीकी सत्र की सह-अध्यक्षता की
डॉ. शक्तिवेल	प्रोफेसर डेविड निम्मर की अध्यक्षता वाले सत्र में पैनलिस्ट में से एक - (कॉपीराइट पर निम्मर) - कॉपीराइट पर एक दिवसीय विचार-मंथन सत्र, आईयूसीआईपीआरएस, सीयूएसएटी, कोचीन (27 फरवरी 2019) द्वारा आयोजित
डॉ. शक्तिवेल	एनडीआईएम, नई दिल्ली (24 जनवरी, 2019) द्वारा आयोजित "व्यवसाय और आर्थिक विकास पर आईपीआर का प्रभाव" विषय पर सेमिनार के दौरान एक व्याख्यान दिया।

संकाय का नाम	कार्यशाला का विवरण
डॉ. शक्तिवेल	एनआईसीएफएस, रोहिणी, नई दिल्ली - (21-23 जनवरी, 2019) (23-25, जुलाई), 2018) और (15-17, फरवरी, 2018) में उच्च न्यायिक अधिकारियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के उल्लंघन पर सेमिनार में "आईपीआर से संबंधित कानूनी और प्रशासनिक दिशानिर्देश" पर एक व्याख्यान दिया
डॉ शक्तिवेल	आईआईएमटी और स्कूल ऑफ लॉ, नई दिल्ली(19 जनवरी 2019) में "बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण: चुनौतियां और समाधान" पर राकेश अग्रवाल मेमोरियल नेशनल कॉन्फ्रेंस 2019 के लिए रिसोर्स पर्सन
डॉ शक्तिवेल	20-21 अप्रैल, 2018 को आईएलआई, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बौद्धिक संपदा: प्रक्रिया और अभ्यास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "पेटेंट लाइसेंसिंग" पर एक व्याख्यान दिया।
डॉ शक्तिवेल	जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर चेयर ऑन ह्यूमन राइट्स, स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज, सीयूएसएटी (06 से 08 जनवरी 2018) द्वारा "साइबर स्पेस और गोपनीयता" पर निजता के अधिकार पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में) एक व्याख्यान दिया
डॉ कविता सोलंकी	29-1 दिसंबर, 2018 को नेशनल लॉ विश्वविद्यालय दिल्ली में एनएलयू दिल्ली द्वारा डिजिटल परिवर्तन: संरक्षण, नीति और गोपनीयता पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
डॉ. कविता सोलंकी	माउंट आबू में स्वयं को सशक्त बनाने के लिए मूल्यों और आध्यात्मिकता पर शिक्षा विंग द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के सम्मेलन में भाग लिया, 18-22 मई, 2018

4. अध्ययन विद्यालयों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

गतिविधि का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
कानूनी सहायता का अधिकार पर कार्यशाला: यूएसएलएलएस द्वारा समावेशिता को पुन: परिभाषित किया गया	23 नवंबर 2018	लगभग 50
ककरोला गांव में कानूनी जागरूकता एवं आधार शिविर का आयोजन 80 आवेदकों ने अपनी आधार प्रक्रिया पूरी की)।	18-19 मार्च 2018	80
गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर बाल भारती पब्लिक विद्यालय में मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, मतदाता अधिकार, किशोर न्याय प्रणाली पर इंटरैक्टिव सत्र।	25 जनवरी 2018	लगभग 70
राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर यूएसएलएलएस छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्र। श्री जगमोहन सिंह, सचिव दक्षिण-पश्चिम डीएलएसए ने व्याख्यान दिया।	11 जनवरी, 2018	40

5. पुरस्कार/उपलब्धियाँ/संकाय द्वारा प्राप्त छात्रवृत्ति:

शिक्षक का नाम	पुरस्कार का नाम	पुरस्कार देने वाली एजेंसी
प्रो कंवल डीपी सिंह	उपाध्यक्ष, एशियन एसोसिएशन ऑफ लॉ प्रोफेसर्स, 2019	एशियन एसोसिएशन ऑफ लॉ
डॉ. लिसा पी लुकोज	सचिव, कॉमनवेल्थ लीगल एसोसिएशनएवं सदस्य सचिव, राष्ट्रमंडल कानून सुधार समिति, 2018 से आगे	राष्ट्रमंडल कानूनसुधार समिति
डॉ. उपमा गौतम	महासचिव, एशियन एसोसिएशन ऑफ लॉ प्रोफेसर्स, 2019	एशियन एसोसिएशन ऑफ लॉ

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

प्रधान अन्वेषक का नाम एवं सह-अन्वेषक	पदनाम एवं विभाग	अनुसंधान परियोजना का नाम	फंडिंग एजेंसी का नाम
प्रो कंवल डीपी सिंह	अध्यक्ष, यूएसएलएलएस	भारत में मानव अधिकार शिक्षा के समक्ष चुनौतियाँ	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू
डॉ. शिवानी गोस्वामी	सह - प्रोफेसर	धारा का दुरुपयोग 498-ए आईपीसी और मानसिक रूप से परेशान पति	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू

प्रधान अन्वेषक का नाम एवं सह-अन्वेषक	पदनाम एवं विभाग	अनुसंधान परियोजना का नाम	फंडिंग एजेंसी का नाम
डॉ. उपमा गौतम	सहायक प्रोफेसर	शहरी कार्यस्थलों में लिंग मानचित्रण: दिल्ली में महिला पेट्रोल पंप संचालकों का एक तुलनात्मक अध्ययन।	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू
डॉ. रविंदर कुमार	सहायक प्रोफेसर	दिल्ली में अनधिकृत कॉलोनियों में बुनियादी जरूरतों का उल्लंघन: एक अध्ययन।	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू
डॉ. गुरुजीत सिंह	सहायक प्रोफेसर	सामाजिक ताने-बाने पर सोशल मीडिया का प्रभाव: एक सामाजिक-कानूनी अध्ययन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू
डॉ अनुराधा झा	सहायक प्रोफेसर	ग्रामीण विकास के लिए गेम थ्योरी का उपयोग करते हुए हरियाणा में पलवल क्षेत्र के पंचायती राज संस्थान की रणनीति: एक ब्लॉक स्तरीय विश्लेषण।	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू
डॉ शक्तिवेल	सहायक प्रोफेसर	खेल आयोजनों की कॉपीराइट क्षमता: मुद्दे और चुनौतियाँ - एक तुलनात्मक अध्ययन।	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू
डॉ. राकेश बांदा	सहायक प्रोफेसर	संगठित कॉर्पोरेट अपराध (एस): असर और कॉर्पोरेट प्रशासन पर प्रभाव	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू
डॉ. लिसा पी लुकोज	सह - प्रोफेसर	भारत में उपयोगिता पेटेंट संरक्षण की आवश्यकता: एक समीक्षा	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू
डॉ. दीपशिखा अग्रवाल	सह - प्रोफेसर	पेरना जाति के जीवन की एक नृवंशविज्ञान जांच: धर्मपुरा, नजफगढ़ का एक मूल अध्ययन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू
डॉ कविता सोलंकी	सहायक प्रोफेसर	स्वास्थ्य देखभाल की सामर्थ्य: दिल्ली में जेनेरिक दवाओं की पहुंच	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू
डॉ. वन्दना सिंह	सहायक प्रोफेसर	कृत्रिम बुद्धि और बौद्धिक संपदा मुद्दे: भारत में इसके संरक्षण का विश्लेषण।	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू

7. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	औसत वार्षिक पैकेज नियोजित स्नातकों का औसत वेतन (राशि रुपये में)
2018-19	कानून एक पेशेवर पाठ्यक्रम है, कई छात्रों ने कानून फर्मों में मुकदमेबाजी या मानक अभ्यास का विकल्प चुना। इसलिए हमारे पास 100: ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट है। इंटर्नशिप सेल कठोर प्रशिक्षण भी प्रदान करता है http://www-ipu-ac-in/uslls/lwbrochure-pdf	लगभग 4 लाख प्रति वर्ष

8. अनुसंधान शोध छात्र का विवरण:

क) पीएच. डी. पुरा होना/पुरस्कृत की कुल संख्या: 02

क्र.सं.	पीएच. डी शोध छात्र का नाम	विभाग का नाम एवं पुरस्कृत किया गया	मार्ग दर्शकों का नाम	थीसिस का शीर्षक	शोध छात्र का पंजीकरण का वर्ष
1.	डॉ. रीना गुप्ता	यूएसएलएलएस (2019)	प्रो. एम. अफजल वानी	भारत में घरेलू हिंसा पर कानूनों की कार्यप्रणाली और प्रभावशीलता: दिल्ली में स्थिति के विशेष संदर्भ में एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन।	2015

क्र.सं.	पीएच.डी शोध छात्र का नाम	विभाग का नाम एवं पुरस्कृत किया गया	मार्ग दर्शकों का नाम	थीसिस का शीर्षक	शोध छात्र का पंजीकरण का वर्ष
2.	डॉ. शिल्पिका पांडे	यूएसएलएलएस (2019)	डॉ. लिसा पी.लुकोस	भारत में सेलिब्रिटी अधिकारों का संरक्षण: कानूनी मूल अधिनियम आवश्यकता	2015

ख) शोधार्थी ने प्रवेश किया: 14

ग) कुल संख्या चल रही पीएच.डी. पंजीकृत शोधार्थी: 5

9. औद्योगिक दौरे/रिपोर्ट अवधि के दौरान किए गए शैक्षिक दौरे:

13-18 नवंबर, 2019 को पैरा लीगल वालंटियर ट्रेनिंग के लिए डीएसएलएसए का दौरा। 10 छात्रों ने इसमें भाग लिया।

10. इस दौरान कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

लिंग जागरूकता, पर्यावरण और स्थिरता, मानवीय मूल्य और पेशेवर नैतिकता, उद्यमिता सहित विभिन्न कार्यक्रमों में पाठ्यक्रमों। ऐसे पाठ्यक्रमों और छात्र नामांकन का विवरण नीचे दिया गया है:

पाठ्यक्रमों कोड	कोर्स का नाम	विद्यार्थियों का नामांकन हुआ
409सी	महिला एवं कानून	लगभग 30 (बीए+बीबीए) ऐच्छिक पेपर
301	पर्यावरण अध्ययन एवं पर्यावरण कानून	लगभग 100 (बीए+बीबीए)
501	कानूनी नैतिकता और न्यायालय शिल्प	लगभग 100 (बीए+बीबीए)
213	व्यापारिक वातावरण एवं नैतिक अभ्यास	41

लिंक है: http://www-ipu-ac-in/uslls/syllbuslawmain-php

11. संकाय द्वारा विकसित ई सामग्री (ई-पीजी पाठशाला/स्वयं/एमओओसीएस/एनपीटीईएल/विद्यालय एलएमएस/कोई अन्य):

शिक्षक का नाम	मॉडयूल का नाम	वह प्लेटफॉर्म जिस पर मॉडयूल विकसित किया गया है	ई-कंटेंट लॉन्च करने की तिथि	
श्री जुबैर अहमद खान	विश्व के पर्यावरण संविधान में मानव अधिकार, पर्यावरण कानून का परिचय (ऑनलाइन पाठ्यक्रम)	स्वयं नि:शुल्क ऑनलाइन शिक्षा	अगस्त-दिसंबर, 2018	https://pi-swayam-gov-in/tutorial/179784-
श्री. जुबैर अहमद खान	पर्यावरणीय क्षति का दायित्व और जिम्मेदारी, पर्यावरण कानून का परिचय (ऑनलाइन पाठ्यक्रम)	स्वयं नि:शुल्क ऑनलाइन शिक्षा	अगस्त-दिसंबर, 2018	https://pi-swayam-gov-in/tutorial/237581-
डॉ. गुरुजीत सिंह	इंटरनेट शासन के मुद्दे पर एमओओसी स्वयं परियोजना के लिए ई-मॉडयूल लिखा	एमओओसी स्वयं	2018-19	
डॉ. गुरुजीत सिंह	ई-गवर्नेंस का मुद्दे पर एमओओसी स्वयं परियोजना के लिए ई-मॉड्यूल लिखा	एमओओसी स्वयं	2018-19	

विस्तार गतिविधियाँ

गतिविधि का नाम	योजना का नाम	गतिविधि की अवधि	भाग लेने वाले छात्रों/शिक्षकों की संख्या
स्वच्छ भारत इंटर्नशिप	एनएसएस गतिविधि	15 दिन	करीब 10

क्षमता संवर्धन योजनाएँ:

क्षमता संवर्धन योजना का नाम	कार्यान्वयन का वर्ष	नामांकित छात्रों की संख्या	संपर्क विवरण सहित शामिल एजेंसियों के नाम
राष्ट्रीय इंट्रा-मूट कोर्ट प्रतियोगिता	2018-2019	350	जीजीएसआईपीयू
इंट्रा-मूट कोर्ट प्रतियोगिता		300	जीजीएसआईपीयू
इंद्रप्रएसथा राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता		300	जीजीएसआईपीयू

4.10 प्रबंधन अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन	कुल संख्या (सेमेस्टर वार)
1.	एमबीए	2 वर्ष	100+15% विदेशी छात्र	पहला और दूसरा सेमेस्टर = 112 (बैच 2019) तीसरा और चौथा सेमेस्टर = 96 (बैच 2018)
2.	एमबीए (वित्तीय बाजार)	2 वर्ष	100+15% विदेशी छात्र	तीसरा और चौथा सेमेस्टर = 54 (बैच 2018)
3.	एमबीए (सप्ताहांत)	2 वर्ष	1120	

2. प्रयोगशालाओं/संगोष्ठी आदि के संबंध में विद्यालयों/केंद्रों/विभाग में नया सेटअप के बारे में विवरण ।

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
1.	प्रबंध परिवर्तन पर फोकस के साथ ओडी प्रयोगशालाए	अच्छी तरह से सुसज्जित लैब स्थापित किया गया

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रोफेसर अनु सिंह लाठर

1. लाथेर, एएस, जैन, एस. और बजाज, बी. (2018)। मेटाकॉग्निशन जागरूकता सूची: भारतीय के लिए अनुकूलन कामकाजी पेशेवर. जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, खंड 44, संख्या 2 (स्कोपस अनुक्रमित)

प्रो नीना सिन्हा

1. सिन्हा, एन., और सिंह, एन. (2019)। भारत में मोबाइल वॉलेट सेवाओं के साथ प्रौद्योगिकी की तैयारी और उपयोगकर्ता की कथित संतुष्टि को समझना। एनएमआईएमएस प्रबंधन समीक्षा, 37(3), 10-33।
2. सिन्हा, एन., और मथा:, एम. (2019)। लीन प्रबंधन में एक व्यापक अंतर्दृष्टि: साहित्य समीक्षा और रुझान। जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल अभियांत्रिकी और प्रबंधन, 12(2), 302-317.
3. मथा:, एम., और सिन्हा, एन. (2019)। भारतीय विनिर्माण एमएसएमईएस में लीन कार्यान्वयन: एक एसएपी एलएपी विश्लेषण। प्रबंधन और उत्पादन इंजीनियरिंग समीक्षा, 10.
4. सिन्हा, एन., और गुप्ता, एम.(2019). पहनने योग्य उपकरणों का वर्गीकरण: साहित्य की एक व्यवस्थित समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी डिफ्यूजन (आईजेटीडी), 10(2), 1-17।
5. सिन्हा, एन.और मथा:, एम. (2018)। भारतीय एमएसएमई में लीन प्रबंधन के माध्यम से परिचालन प्रदर्शन में सुधार: संगठनात्मक संस्कृति की भूमिका. कंसल्टेंसी अहेड, जर्नल ऑफ कंसल्टेंसी डेवलपमेंट सेंटर, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
6. वर्मा, पी., और सिन्हा, एन. (2018)। ग्राहक संपत्ति बनाने में अनुमानित आर्थिक कल्याण और विशिष्ट उपभोग की भूमिका। व्यापार और वैश्वीकरण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल
7. सिन्हा, एन., और ढल, एन. (2018)। के बीच संबंधों पर टीक्यूएम का मध्यस्थता प्रभावसंगठनात्मक संस्कृति और प्रदर्शन: भारतीय एसएमई से साक्ष्य। कुल गुणवत्ता प्रबंधन एवं व्यवसाय उत्कृष्टता, 1-25।
8. वर्मा, पी., और सिन्हा, एन. (2018)। घालमेल प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल के लिए कथित आर्थिक भलाई: मोबाइल आधारित कृषि विस्तार सेवा का मामला. तकनीकी पूर्वानुमान और सामाजिक परिवर्तन, 126, 207-216.
9. सिन्हा, एन., सचदेवा, टी., और यादव, एमपी (2018)। संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग का उपयोग करके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और वित्तीय प्रदर्शन के बीच संबंधों की जांच करना। प्रबंधन और श्रम अध्ययन, 0258042X18759866

प्रो. उदिता तनेजा

1. भाटिया, आर. और तनेजा, यू. (2019)। ई-हेल्थ सेवाओं का उपयोग करने के भारतीय उपभोक्ताओं के इरादे को प्रभावित करने वाले कारक, जर्नल ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट, 21(2):258-278। डीओआई: 10.1177/0972063419835119।

2. भाटिया, आर. और तनेजा, यू. (2018)। ई हेल्थ इन इंडिया: ए मॉडल फॉर हेल्थकेयर एक्सेसिबिलिटी एट द बॉटम ऑफ द पिरामिड', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक हेल्थकेयर, 10(1)/2):6-23.डीओआई: 10.1504/ आईजेईएच.2018.092178

डॉ दिव्या वर्मा

1. गखर, दिव्या वी. (2018)। एक्सबीआरएल रिपोर्टिंग पर कंपनियों की धारणा: एक कारक विश्लेषणात्मक अध्ययन", आईआईएमएस जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंस, खंड 9, संख्या.1, पृ-61-68. 0976-173X
2. गखर डीवी, कुंडलिया, एस. (2018)। आर्थिक विकास पर वित्तीय विकास का प्रभाव: अनुभव जन्यएनालिसिस ऑफ इंडिया", द जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट एंड स्ट्रैटेजी जिम्स 8एम, वॉल्यूम 23, अंक 3, पीपी-4-12।
3. गखर, दिव्या वी. (2019)। भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी): सतत आर्थिक विकास की ओर", आईयूपी जर्नल ऑफ अकाउंटिंग रिसर्च एंड ऑडिट प्रैक्टिसेज, खंड 18 अंक 1, पृष्ठ 7-14।

प्रो. शालिनी गर्ग

1. गर्ग, एस. एवं अग्रवाल, पी.(2018)। कार्य जीवन संघर्ष और संगठनात्मक प्रदर्शन पर परिवार के अनुकूल प्रथाओं के प्रभाव पर एक अध्ययन, सीपीजे ग्लोबल रिव्यू, वॉल्यूम। 10, 1-8.
2. गर्ग, एस. एवं सहगल, ए (2018)। विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के रोजगार पर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव, एफुलजेंस, खंड 16, 159-164

डॉ. शिल्पा जैन

1. जैन, एस., और खुराना, एन. (2018)। मार्गदर्शन और सतत क्षमता विकास के माध्यम से कर्मचारी जुड़ाव बढ़ाना: भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में काम करने वाले एसोसिएट्स का अध्ययन। जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन डायनामिकल एंड कंट्रोल सिस्टम्स, विशेष अंक 04,2095-2102। (स्कोपस अनुक्रमित)
2. जैन, एस., खुराना, एन. एवं गुप्ता, डी.(2019)। वित्तीय और सामान्य पर चुनिंदा संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों का प्रभाव निर्णय लेना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट रिसर्च, 11(5), 3743-3746
3. लाठर, एएस, जैन, एस.-बजाज, बी. (2018)। मेटाकॉग्निशन जागरूकता सूची: भारतीय कामकाजी पेशेवरों के लिए अनुकूलन। जर्नल ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, खंड 44, संख्या 2 (स्कोपस अनुक्रमित)

प्रोफेसर पूजा खत्री

1. खत्री, पी. और रैना, के. (2019) लीमिंग एनालिटिक्स के माध्यम से दक्षताओं के मानचित्रण की ओर: इंटरैक्टिव सिमुलेशन के माध्यम से कैरियर दिशा के लिए वास्तविक समय योग्यता मूल्यांकन. उच्च शिक्षा में मूल्यांकन एवं मूल्यांकन। (समीक्षा के अंतर्गत)
2. खत्री, पी. और रैना, के (2019). शिक्षा की स्थिति और मनोविज्ञान: एनसीआर, भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रबंधन के लिए राज्य की पहल के बारे में प्रशिक्षण हस्तक्षेप के बारे में छात्रों की पूर्व और बाद की धारणाओं का अध्ययन. प्रबंधन: इंडियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट।
3. खत्री, पी., और रहेजा, एन. (2019)। भारतीय उच्च शिक्षा के संदर्भ में पूर्व छात्रों की संतुष्टि का पैमाना विकास और सत्यापन। डीआईएएस प्रौद्योगिकी समीक्षा. (अक्टूबर 2019 में प्रकाशन हेतु स्वीकृत)
4. खत्री, पी., और गुप्ता, पी.(2019)। कर्मचारी कल्याण पैमाने का विकास एवं सत्यापन: एक रचनात्मक मापन मॉडल. कार्यस्थल स्वास्थ्य प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।
5. खत्री, पी., और गुप्ता, पी. (2019) भारतीय संदर्भ में कार्यस्थल आध्यात्मिकता की मान्यता। विजन: दव्यवसाय का जर्नल.
6. खत्री, पी., और दत्ता, एस. (2018). मनोवैज्ञानिक स्वामित्व: एक आशाजनक भविष्य की ओर अतीत की यात्रा, रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी, 3 (8), पीपी 286-96।
7. खत्री, पी., और दत्ता, एस. (2018)। सेवक नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक स्वामित्व: परिवर्तन के प्रतिरोध को कम करना। आईओएसआर जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, 15(1), 5-12, डीओआई: 10.9790/487X- 2003120512.

(ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

प्रो. नीना सिन्हा

1. सिन्हा एन., सिंह, पी. और गुप्ता एम. (2019) ऑनलाइन जुड़ाव पर फेसबुक ब्रांड-पेज पोस्ट का प्रभाव: भारत में चयनित आतिथ्य ब्रांडों का एक अध्ययन। 26-28 जुलाई 2019 IIMI-NASMEI ग्रीष्मकालीन मार्केटिंग-आईएस सम्मेलन, आईआईएम इंदौर।
2. सिन्हा, एन., और मथा:, एम. (2018)। लीन मैन्युफैक्चरिंग में भारतीय एमएसएमई: एक एसएपी-एलएपी विश्लेषण। 20 - 22 दिसंबर, 2018 सोसाइटी ऑफ ऑपरेशंस मैनेजमेंट, आईआईएम कोझिकोड का XXII अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
3. सिन्हा एन. और सिंह पी. (2018) 'सोशल नेटवर्किंग साइट विज्ञापन मूल्यांकन' की प्रक्रिया और परिणाम पर लिंग ग्रहणशीलता की खोज। 30-2 दिसंबर 2018 पैन आईआईटी प्रबंधन सम्मेलन, आईआईटी रूड़की
4. सिन्हा एन. और गुप्ता एम. (2018) स्मार्टवॉच या फिटनेस ट्रैकर्स: भारत में पहनने योग्य उपकरणों की प्राथमिकताओं और अपनाने में लिंग अंतर का एक अध्ययन. 30 - 2 दिसंबर 2018 पैन आईआईटी प्रबंधन सम्मेलन, आईआईटी रूड़की
5. सिन्हा एन. और गुप्ता एम.(2018) 12-13 अक्टूबर 2018 चेक तकनीकी विश्वविद्यालय प्राग, चेक गणराज्य को बेहतर ढंग से अपनाने के लिए जीवनशैली में पहनने योग्य उपकरणों की विशेषताओं की खोज
6. सिन्हा एन. और सिंह पी.(2018) सोशल नेटवर्किंग साइट विज्ञापन की प्रभावशीलता को उजागर करनागोपनीयता संबंधी चिंताओं के आलोक में चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पाटलिपुत्र, बिहार
7. सिन्हा एन. और गुप्ता एम.(2018) पहनने योग्य उपकरणों को अपनाना: एक सैद्धांतिक समीक्षा चंद्रगुप्तप्रबंधन संस्थान, पाटलिपुत्र, बिहार

प्रो. शालिनी गर्ग

1. गर्ग, एस. एवं शर्मा, एस (2018)। ई-प्रशिक्षण के प्रति कर्मचारियों का रवैया, आईटी, मीडिया और प्रबंधन के सतत विकास और योगदान में श्लोग, ग्रह और लाभ' (ट्रिपल 'पी') पर 8वें राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, ई- आईएसबीएन : 978-93-86789-41 -9, पृ.1-5.

(ग) पुस्तक अध्याय

प्रो. शालिनी गर्ग

1. गर्ग, एस (2018). कंप्यूटर दक्षता, प्रेरणा और उपयोगकर्ता संतुष्टि का प्रभाव ई-प्रशिक्षण प्रणालियों की निरंतरता का इरादा: नवाचार, प्रौद्योगिकी और बाजार पारिस्थितिकी तंत्र, 978-3-030- 23009-8, 4711607_1_En,(19), स्प्रिंगर नेचर (प्रकाशन प्रक्रिया में है)।

प्रोफेसर पूजा खत्री

1. खत्री पी. और रैना, के. (2019)। उच्च शिक्षा में संकाय का बदलता चेहरा: लैंगिक भूमिकाएँ और असमानताएँ। सिंह एटल में। (ईडी.), एचईएएलएम 2019, pp49-53.
2. खत्री, पी. और रैना, के. (2019)। भारतीय उच्च शिक्षा की गाथा: प्रतिमान बदलाव और आगे की राह। बत्र एट अल में। (एड.), उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता वृद्धि और रोजगार योग्यता: एक समग्र दृष्टिकोण।

(घ) कोई अन्य प्रकाशन

1. बत्रा, एम और तनेजा, यू (2018) "ग्राहक संबंध और ब्रांड इक्विटी: भारतीय अस्पतालों की एक बदलती रणनीति", प्रतिस्पर्धी वैश्वीकरण के युग में सेवाएं - 28वां अंतर्राष्ट्रीय आरईएसएआर सम्मेलन, गोथेनबर्ग, स्वीडन।
2. विरुला और तनेजा, यू (2019) "हेल्थकेयर मार्केटिंग की यात्रा: पारंपरिक से विघटन के युग की ओर", दिल्ली विद्यालय ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालयका व्यवसाय और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: व्यवसाय में व्यवधान, डिजिटलीकरण के युग को अपनाना, आईएसबीएन 978-93-88237-59-8, दिल्ली, भारत, पृष्ठ 114।

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

प्रो. शालिनी गर्ग

1. उद्यमिता और कौशल विकास केंद्र, मणिपुर विश्वविद्यालय, फरवरी 15-17,2019, मणिपुर, भारत।

2. (आईएमआई), भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत और ईजीएडीई बिजनेस विद्यालय, मैक्सिको सिटी, मैक्सिको, दिसंबर 07-08, 2018, भुवनेश्वर, भारत।
3. आरएमआईटी, विश्वविद्यालय, जून 26-29,2018, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया।

प्रोफेसर पूजा खत्री

1. विश्वविद्यालय में एसएसआरई-सम्मेलन 2018 "शिक्षा, राजनीति और राज्य" पर एसएसआरई सम्मेलनज्यूरिख (27-29) जून 2018।

प्रो. उदिता तनेजा

1. प्रतिस्पर्धी वैश्वीकरण के युग में सेवाएँ-28वाँ अंतर्राष्ट्रीय रिजर सम्मेलन, 20-22 सितंबर 2018, गोटेबोर्ग, स्वीडन.

प्रोफेसर मीनाक्षी हांडा

1. उभरते बाजार में युवा वयस्क 'कूल' को कैसे देखते हैं, आईआईएसईएस 8वां व्यवसाय और प्रबंधन सम्मेलन, वेनिस, इटली। 4-7-, सितंबर, 2018. आईएसबीएन 978-80-87927-74-8.

डॉ. दिव्या वर्मा:

1. स्टॉक मार्केट रिटर्न और निवेशकों की ट्विटर भावनाओं का विश्लेषण, प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान, आईएसीएसएस, 28-07-2018, प्राग, चेक गणराज्य.
2. भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का कार्यान्वयन: सतत विकास की ओर, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अर्थव्यवस्था, सतत विकास और ऊर्जा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, क्वीन मार्गरेट विश्वविद्यालय, 25-06-2018, एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड, यूके
3. चुनिंदा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन पर विनिवेश का प्रभाव, वित्त और लेखा विभाग द्वारा आयोजित व्यापार और वित्त पर 14वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-01-2019, आईबीएस हैदराबाद।
4. ट्विटर भावनाएं और स्टॉक मार्केट रिटर्न, डिजिटल अर्थव्यवस्था पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम, 8-9 फरवरी 2019, रायपुर।

5. विद्यालयों/विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	विवरण
1.	प्रबंधन सम्मेलन	25 अक्टूबर, 2018	300	वित्त विपणन, आईटी के क्षेत्र में उद्योग पैनल चर्चा
2.	मोहित साहनी और राहुल बजाज द्वारा सशक्त साक्षात्कार प्रस्तुत	8 सितंबर, 2018 26 सितंबर, 2018	150	मॉक साक्षात्कार सत्र
3.	बीसीजी के पुनीत शर्मा द्वारा दिया गया अतिथि व्याख्यान	13 सितंबर, 2018	300	व्यावसायिक निर्णय में रणनीति की भूमिका
4.	क्रिप्टोकरेंसी पर सेमिनार	13 सितंबर 2018	150	छात्र नेतृत्व सेमिनार
5.	उच्च आवृत्ति डेटा के अनुप्रयोगों के साथ समय पर निर्भर वितरण, गैर-रेखीय फोककर-प्लैंक-समीकरण और त्सैलिस एन्ट्रॉपी	3 अक्टूबर, 2018	30	शोध वार्ता

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	प्रो शालिनी गर्ग	भवन निर्माण में मानव संसाधन पहल और सुलभ कार्यस्थल	यूजीसी	3 वर्ष (2015-2018)	8,16,800
2.	प्रो विजिता सिंह अग्रवाल	आईजेवी की सफलता और संगठनात्मक कारकों के बीच संबंध को समझना: भारत में चयन का अध्ययन	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष 2018-2019	1.00

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1.	इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (सभी यूएसएमएस छात्र)	फ्लैश मॉब	2019 फरवरी	जीजीएसआईपीयू के छात्रों का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ
2.	हिमांशु शर्मा ने 18वीं रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया	स्केटिंग	2018-2019	प्रतियोगिता सियोल दक्षिण कोरिया में आयोजित किया गया,
3.	अभिषेक चावला, गौरी शौकीन, शिवम पुरी और यशी	बाजार एक्टिक्स	22 अक्टूबर 2018	छात्रों ने द्वितीय स्थान पुरस्कार प्राप्त किया, एनडीआईएम, दिल्ली
4.	अभिषेक चावला, दिलीप दत्ता, गौरी शौकीन और कुणाल नंदा	बी योजना प्रतियोगिता	2018-2019	आईआईएम त्रिची में फाइनलिस्ट

क्र.सं	छात्र कार्यक्रम का नाम: एमबीए/एमबीए एफएम	शोध पत्र का शीर्षक	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति
1.	दीपंकर तंवर	उपभोक्ताओं की भूमिका पर एक अनुभवजन्य अध्ययन में विपणन में उपयोग किए जाने वाले संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों की पसंद में पदानुक्रम की आवश्यकता होती है	ये पेपर रोम, इटली में 10-13 सितंबर, 2018 तक रोम विश्वविद्यालय में आयोजित 42वें अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए।
2.	अनिष्का चुघ	टीम लीडर की नेतृत्व शैली, टीम के सदस्यों की संघर्ष समाधान शैली और टीम प्रभावशीलता के अंतर्संबंध पर एक अध्ययन	
3.	दीपाक्षी चौधरी	उपभोक्ताओं को हरित उत्पाद खरीदने के लिए क्या प्रेरित करेगा: विपणन में लागू किए जाने वाले सुदृढीकरण कार्यक्रम का एक अध्ययन	
4.	दीपक गुप्ता	वित्तीय और सामान्य निर्णय लेने पर चुनिंदा संज्ञानात्मक पूर्वाग्रहों का प्रभाव	
5.	रिजुल जैन	क्या भारत डिजिटल सामग्री विपणन विज्ञापन के लिए तैयार है: भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उपभोक्ताओं का एक अध्ययन	
6.	अतुल शर्मा	पैसा प्रेरित करता है: भारत में पेशेवरों का एक अध्ययन	सिंगापुर में 25-27 जनवरी, 2019 तक आयोजित इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किए गए इन छात्रों के पेपर अब स्कोपस अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे हैं.

क्र.सं	छात्र कार्यक्रम का नाम: एमबीए/एमबीए एफएम	शोध पत्र का शीर्षक	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति
7.	भावना सोनी	सहयोगात्मक अधिभार, बर्नआउट और कर्मचारी जुड़ाव पर सोशल मीडिया के माध्यम से सहयोग का प्रभाव	
8.	मेघना कपरवान	सामाजिक और पारिस्थितिक रूप से जागरूक उपभोक्ता व्यवहार पर उपभोक्ता के नियंत्रण और भागीदारी के क्षेत्र का प्रभाव	
9.	आरुषि डालमिया	चुनिंदा वास्तविक मुद्रा और कमोडिटी ट्रेडिंग पर क्रिप्टो मुद्रा व्यापार का प्रभाव	
10.	नेहा वर्मा	लाभप्रदता पर गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का प्रभाव: भारत में कार्यरत चुनिंदा राष्ट्रीयकृत, निजी और विदेशी बैंकों का एक अध्ययन	
11.	तुहिना श्रीवास्तव	पारंपरिक फंडों और टिकाऊ फंडों का तुलनात्मक अध्ययन	कानून, अर्थशास्त्र और राजनीति पर वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 25 से 27 मार्च, 2019 तक बोस्टन, यूएसए में आयोजित हुआ

8. विद्यालयों/विभाग द्वारा अतिरिक्त सह पाठयक्रम त्यौहार/वार्षिक बैठकें जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

क्र.सं	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1.	यूएसएमएस ओरिएंटेशन कार्यक्रम अगस्त 2018 एमबीए और एमबीए (एफएम)	एक दिन	छात्रों के नए बैच का प्रवेश
2.	यूएसएमएस ओरिएंटेशन कार्यक्रम एमबीए (डब्ल्यूई)	एक दिन	छात्रों के नए बैच का प्रवेश
3.	स्मृति 2019 (जनवरी 2019)	एक दिन	यूएसएमएस की वार्षिक पूर्व छात्र बैठक
4.	2017-19 बैच के लिए यूएसएमएस विदाई	एक दिन	बिदाई
5.	विन्स्पायर	एक दिन (6 अक्टूबर 2018)	प्रबंधन खेल
6.	बिज बज (फरवरी 2019)	दो दिन	प्रबंधन उत्सव

9. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

निम्नलिखित कंपनियों ने प्लेसमेंट गतिविधियों के लिए विद्यालय का दौरा किया:

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1	99 एकड़.कॉम
2	एक्सेंचर
3	अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
4	एसोचौम
5	कारवाले.कॉम
6	कॉमर्सएक्स
7	क्रिसिल
8	क्रिसिल

क्र.सं.	कंपनी का नाम
9	डेटा ब्रिज मार्केट रिसर्च
10	एडलवाइज
11	मूल्यांकनसर्व
12	फ्लिपकार्ट
13	जीएमआरएयरपोर्ट्स लिमिटेड.(डायल)
14	ग्रेल अनुसंधान
15	महान लीमिंग
16	एचडीएफसी बैंक
17	आईसीआईसीआई बैंक
18	इंस्टाकार्ट सर्विसेज प्रा. लिमिटेड
19	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान
20	जारो
21	केपीएमजी
22	लाइमरोड
23	गृह मंत्रालय
24	मेरा ऑपरेटर
25	नागरो सॉफ्टवेयर्स प्राइवेट लिमिटेड
26	ओएलएक्स- समूह
27	ऑरेंज बिजनेस सर्विसेज
28	पीएनबी
29	क्यूए समाधान
30	शिक्षापीठ
31	सिक्स रेड मार्बल्स लर्निंग
32	टीसीएस
33	द हीव
34	नए के लिए
	31 मार्च 2019 तक प्लेसमेंट'
	* इस बैच के लिए प्लेसमेंट अभी भी जारी है

10. अनुसंधान शोध छात्र का विवरण:-

क) पीएचडी की कुल संख्या पूरी की गई /पुरस्कृत: 1

ख) शोध छात्र ने प्रवेश लिया: 06

ग) कुल संख्या चल रहे पीएचडी पंजीकृत अनुसंधान शोध छात्र की संख्या: 101

11. प्रकाशित किसी भी आधिकारिक जर्नल/पत्रिका का विवरण:

1. इंद्रप्रस्थ जौमल प्रबंधन का-यूएसएमएस का एक द्विवार्षिक जर्नल

12. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	विद्यार्थियों का नाराणे	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	पंकज गोयल	नेट (दिसंबर),2018)
2.	भावना सिंह	जेआरएफ-नेट (दिसंबर),2018)
3.	आरुषि डालमिया	नेट (दिसंबर),2018)
4,	आरुषि सिंह	नेट (दिसंबर, 2018)
5.	सृष्टि अरोड़ा	नेट (दिसंबर, 2018)
6.	गीता राऊत	नेट (दिसंबर, 2018)

13. रिपोर्ट अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे/शैक्षिक दौरे:

1. बैच 2018-20 की शैक्षिक यात्रा मार्च 2019 में गुवाहाटी और शिलांग गई। 72 छात्रों ने सिल्वरडूॉप फूड्स एंड बेवरेजेज और बिटकेम ग्रीन हाईवे का दौरा किया। छात्रों के साथ प्रोफेसर पूजा खत्री, डा. शिल्पा जैन, श्री अमित शर्मा और श्री गौरव तालान थे

4.11 जनसंचार के विद्यालय विश्वविद्यालय

1. विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन	कुल संख्या (सेमेस्टर वार)
1.	एमए(एमसी)	2 वर्ष	160	160

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख:

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. त्रिपाठी, डी. और सचदेवा, पी. (2019)। क्या फर्जी खबरें और सच्चाई आपस में जुड़ी हुई हैं? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन एंड डेवलपमेंट (जनवरी-जून, 2019), वॉल्यूम। 9(3), पृ. 68.

डॉ. एसडी त्रिपाठी

1. नागपाल, नमिता और त्रिपाठी सर्वेश दत्त, 2019, 'न्यू मीडिया, युवा और परिवार: भारतीय परिवारों में बदलती संचार प्रथाओं की एक उभरती हुई संस्कृति- दिल्ली और एनसीआर में एक अध्ययन', वर्ल्ड ऑफ मीडिया, जर्नल ऑफ रशियन मीडिया एंड जर्नलिज्म स्टडीज, लोमोनोसोव मॉस्को स्टेट विश्वविद्यालय, अंक 3, 2019,आईएसएसएन 2301-1605,पीपी5-40
2. नागपाल, नमिता और त्रिपाठी सर्वेश दत्तय 2018, 'वर्चुअल इन द डोमेस्टिक: सोशल चेंज एंडन्यू मीडिया का संरचनात्मक एकीकरण', नागपाल, नमिता और त्रिपाठी सर्वेश दत्तय कम्युनिकेटर, वॉल्यूमएल III (2), अप्रैल-जून, 2018, आईएसएसएन 0588-8093.पीपी 51-73

डॉ. कुलवीन त्रेहान

1. त्रेहान, के (2018) संबोधित करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से वर्जनाएँ: ऑनलाइन वकालत अभियान का विश्लेषण, कम्युनिकेटर खंड LIII (1), जनवरी-मार्च, 2018, पृष्ठ 27-37.
2. त्रेहन, के. (2018)। भारत में युवा मीडिया उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए विज्ञापन साक्षरता: विज्ञापित दिमाग का एक महत्वपूर्ण अन्वेषण, मीडिया एशिया, रूटलेज, पीपी 149-165।
3. त्रेहन, के. (2018) मीडिया एजुकेशन एट क्रॉसरोड्स, क्वालिटी कंट्रोल ऑफ इंडिया (अप्रैल)-जून, 2018) पीपी 66-67।

डॉ. श्वेता सिंह

1. स्वेता सिंह, 2018-19, पैनल्स या मैनल्स? भारतीय टीवी समाचार बहसों में महिलाओं की बेताबी से तलाश की जा रही है:एभारत में मीडिया में महिलाओं के नेटवर्क के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना www-nwmi-org

ख) पुस्तक अध्याय

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. त्रिपाठी, डी. और सिंह, एनवी (2019)। भारत में चुनावी राजनीति पर सोशल-नेटवर्किंग साइटों का प्रभाव (पृ. 97)। मीडिया, राजनीति, आप्रवासन, विज्ञापन और सामाजिक नेटवर्किंग पर वैश्विक परिप्रेक्ष्य में (वाईआर कमालीपुर (सं.)। यूनाइटेड किंगडम, यूके: कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग प्राइवेट। लिमिटेड

ग) कोई अन्य प्रकाशन:

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

एमओओसी कोर्स "सोसाइटी एंड मीडिया", यूजीसी-स्वयं, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के लिए विकसित शिक्षण-शिक्षण सामग्री:

1. त्रिपाठी, डी. और सचदेवा, पी. (2018)। मीडिया को समझना. https://onlinecourses-swayam 2 -ac-in/ugc 19-h s49/course?user_ema il=ugc 19-h s49@swayam2-ac-in से लिया गया

2. त्रिपाठी, डी. और सचदेवा, पी.(2018)। मीडिया साक्षरता और सामाजिक परिवर्तन। https://onlinecourses-swayam 2 - a c.in/ugc 19-h s49@course?user_ema il=ugc 19-h s49@swayam2.ac.in से लिया गया
3. त्रिपाठी, डी. और कोचर, एच. (2018)। मीडिया, हाशिए पर और वैकल्पिक आवाजें। https://onlinecourses-swayam 2 - ac.in/ugc 19-h s49@course?user_ema il=ugc 19-h s49@swayam2.ac.in से लिया गया
4. त्रिपाठी, डी. और पांडे, एस. (2018)। लिंग और लिंग. https://onlinecourses-swayam 2 - ac .in/ugc 19-h s49@course?user_ema il=ugc 19-h s49@swayam2.ac.in से लिया गया
5. त्रिपाठी, डी. और पांडे, एस. https://onlinecourses-swayam 2 - ac .in/ugc 19-h s49/course?user_ema il=ugc 19-h s49@swayam2.ac.in से लिया गया
6. त्रिपाठी, डी. और पांडे, एस. (2018)। एक सामाजिक निर्माण के रूप में युवा। https://onlinecourses-swayam 2 - ac.in/ugc 19-h s49/course?user_ema il=ugc 19-h s49@swayam2.ac.in से लिया गया
7. त्रिपाठी, डी. और कोचर, एच. (2018)। युवा और मीडिया: सामंजस्य बनाम विचलन। https://onlinecourses-swayam 2 - ac.in/ugc 19 h s49/course?user_ema il=ugc 19-h s49@swayam2.ac.in से लिया गया
8. त्रिपाठी, डी. और सिंह, एन.वी. (2018)। युवा, मीडिया और भागीदारी: सामाजिक और राजनीतिक https://onlinecourses-swayam 2 - ac.in/ugc 19 h s49/course?user_ema il=ugc 19-h s49@swayam2.ac.in से लिया गया त्रिपाठी, डी. और सचदेवा.पी (2018)। न्यू मीडिया, युवा और लोकतांत्रिक चुनौतियाँ। https://onlinecourses-swayam2.ac.in/ugc 19 h s49/course\user_ema il=ugc 19-h s49@swayam2-ac-in से लिया गया
9. त्रिपाठी, डी. और पांडे, एस.(2018). मीडिया, लिंग और संस्कृति। https://onlinecourses-swayam2 - ac.in/ugc 19 h s49/course?user_ema il=ugc 19-h s49@swayam2.ac.in से लिया गया

डॉ. श्वेता सिंह

1. वैश्वीकरण और टेलीविजन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के लिए ई-पीजी पाठशाला।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. कुआलालंपुर, मलेशिया में टेक्नोलोजी विश्वविद्यालय, मारा में विस्तार व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया दिसंबर, 2018,
2. इंटरनेशनल द्वारा आयोजित विश्व कांग्रेस में भाग लिया एवं शोध पत्र प्रस्तुत किया
टोरंटो, कनाडा में समाज शास्त्रीय संघ। (जुलाई 2018)
3. इंटरनेशनल कॉलेज, हैलीम विश्वविद्यालय, सियोल, दक्षिण कोरिया गणराज्य में आयोजित एक संगोष्ठी में विस्तार व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। (अक्टूबर 2018)

डॉ. एसडी त्रिपाठी

1. 25 से 26 अक्टूबर, 2018 के दौरान मॉस्को, रूस में पत्रकारिता संकाय, लोमोनोसोव मॉस्को विश्वविद्यालय, मॉस्को द्वारा आयोजित "मीडिया टूल्स के साथ किशोरों का जुड़ाव: संगवारी खबरिया (आदिवासी किशोर जनित टीवी समाचार) का एक केस स्टडी" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया गया।

डॉ. कुलवीन त्रेहान

1. भारत में भ्रामक प्रथाओं के खिलाफ एक हस्तक्षेप के रूप में विज्ञापन साक्षरता, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, लोमनोसोव पत्रकारिता विभाग मॉस्को स्टेट विश्वविद्यालय, रूस, 25 -26 अक्टूबर 2018.
2. बच्चों के समग्र विकास में कार्टून शो की भूमिका: दिल्ली-एनसीआर में बच्चों की टेलीविजन देखने की आदतों का एक अध्ययन, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस डिस्टर्बिंग एशियन मिलेनियल्स, एएमआईसी एट विद्यालय ऑफ कम्युनिकेशन, एमएएचई, कर्नाटक, भारत, 7-9 जून 2018.

3. 04 मार्च, 2018 को आईएडब्ल्यूआरटी द्वारा आईआईसी, दिल्ली में आयोजित मीटू पर राउंड टेबल में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया
4. 3 नवंबर, 2018 को चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एफडीपी में रिसर्च मेथडोलॉजी पर सत्र आयोजित किया गया
5. 22 सितंबर 2018 को एम/ओट्राइबल अफेयर, भारत सरकार द्वारा आयोजित 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में संचार अवधारणाओं पर विशेष सत्र के लिए आमंत्रित किया गया.
6. 22 नवंबर, 2018 को आईआईएमसी के सहयोग से बिजनेस वर्ल्ड और एक्सचेंज 4 मीडिया डॉट कॉम द्वारा आयोजित मीडिया एजुकेटर्स समिट के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया ।

डॉ. श्वेता सिंह

1. सामाजिक विकास परिषद, आईआईसी, नई दिल्ली
2. भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली में प्रोफेसर श्रीनिवास मेलकोटे द्वारा डेटा विश्लेषण कार्यशाला
3. आईएएमसीआर, मैड्रिड 2019 में भारत के दो निजी समाचार चौनलों द्वारा गद्दाफी की मौत की रीपैकेजिंग पर पेपर प्रस्तुत किया गया।

4. विद्यालय/विभाग द्वारा सेमिनार/कार्यशालाएँ/सम्मेलन/संगोष्ठी का आयोजन किया: गतिविधि का शीर्षक (अवधि, प्रतिभागियों की संख्या, अन्य विवरण):

यूएसएमसी में कार्यशाला

क्र.सं.	संसाधन व्यक्ति	विषय	दिन
1	नेहा दीक्षित	खोजी पत्रकारिता	01
2.	राहुल जलाली	विशिष्ट रिपोर्टिंग	02
3.	स्वाति अर्जुन	वेब के लिए लेखन	02
4.	यू के मिश्रा	सरकार. मीडिया संगठन	01
5.	प्रशांत टंडन	मीडिया में व्यवसाय एवं कैरियर	01
6.	योगेश वाजपेई	कॉपी संपादन	02
7.	नरेंद्र यादव	विकास एवं पत्रकारिता	01
8.	क्षितिज महाजन	वित्तीय संचार	01
9.	प्रो. जे. जेठवानी	राजनीतिक विज्ञापन	01
10.	प्रो बिक्रमजीत ऋषि	सामाजिक माध्यम बाजारीकरण	01
11।	डॉ. समीर कपूर	ब्रांड मूल्य और कृत्रिम रचनात्मकता	02
12.	श्री.पीवी नारायण मूर्ति	विज्ञापन अभियानों के लिए मीडिया योजना	02
13.	सुश्री अनिता बोस	मीडिया अनुसूची एवं योजना	01

अभिविन्यास व्याख्यान

क्र.सं.	व्यक्ति का नाम	विषय
1.	श्री संतोष देसाई, सीईओ फ्यूचर ब्रांड्स इंडिया	डिजिटल युग में ब्रांड संचार
2.	श्री प्रतीक सिन्हा, सह-संस्थापक, ऑल्ट न्यूज	पत्रकारिता नैतिकता में समसामयिक समय
3.	श्री राज के झा, सामरिक और ग्रामीण संचार, ओएंडएम	सामुदायिक आउटरीच में रणनीतिक संचार का महत्व

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

1. 18-22 दिसंबर 2019. के दौरान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीसीएसआर) द्वारा प्रायोजित गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के जनसंचार के विद्यालय विश्वविद्यालय में ओपन एजुकेशन रिसोर्स (ओईआर) पर पांच दिवसीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला का आयोजन और समन्वय किया गया।
2. आईसीएसएसआर, एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, एमओओसी पर 02 दिन संगोष्ठी (8-9 अप्रैल, 2019) समन्वयक: डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी और डॉ. सचिन भारती प्रतिभागियों की संख्या: 50

डॉ. सचिन भारती

1. जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित समन्वित 05 दिवसीय आरएम कार्यशाला (18 -22 फरवरी, 2019) समन्वयक: डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी और डॉ. सचिन भारती प्रतिभागियों की संख्या: 45
2. आईसीएसएसआर, एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एमओओसी पर 02 दिवसीय संगोष्ठी (8-9 अप्रैल,2019) समन्वयक: डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी और डॉ. सचिन भारती प्रतिभागियों की संख्या: 50

श्री शिशुपाल कुमार

1. जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित समन्वित 05 दिवसीय आरएम कार्यशाला, (18-22 फरवरी., 2019) समन्वयक: डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी और डॉ. सचिन भारती प्रतिभागियों की संख्या: 45

5. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली संस्था	राशि (लाख रूपये में)
1.	डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी	एमओओसी "समाज और मीडिया", यूजीसी-स्वयं।	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), नई दिल्ली	रुपये 13,50,000/-
2.	डॉ. सचिन भारती	उन्नीसवीं आईएसए विश्व कांग्रेस	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	रुपये 2,51,27/-
3.	डॉ. कुलवीन त्रेहान	लोमनोसोव जौमलिज्म विभाग मॉस्को स्टेट विश्वविद्यालय, रूस	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	रुपये.99,304/-
4.	डॉ. कुलवीन त्रेहान	आईसीएमसी 2018 माइका एंड एनेनबर्ग विद्यालय ऑफ कम्युनिकेशन, यूएसए, अहमदाबाद, भारत	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	रुपये 21,057/-
5.	डॉ. कुलवीन त्रेहान	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च (आईएएमसीआर) 2017 कार्टाजेना, कोलंबिया दक्षिण अमेरिका	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	रुपये 2,24,467/-

6. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1.	आहना भटनागर	पीएच.डी	2018	एएमआईसी 2018 के लिए यात्रा अनुदान प्रदान किया गया

7. अतिरिक्त विद्यालयों/विभागों द्वारा आयोजित सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ जैसे/त्योहार/वार्षिक बैठक:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1.	पूर्व छात्रों की बैठक	01	2018-19

8. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	वार्षिक औसत पैकेज की पेशकश की
1	जीबीएम, डेंटसु, द इकोनॉमिक टाइम्स, पीवीआर सिनेमाज, मास कॉम, नैस कॉम, मेडिसिन पीआर, जेडब्ल्यूटी, ओगिल्वी, ब्लूबीन्स आदि.	वर्ष-2018-19=47	3,00,000 रु/-

9. शोधार्थियों का विवरण:

क) शोधार्थी ने प्रवेश किया: 02

ख) चल रही पीएचडी पंजीकृत शोधार्थी की कुल संख्या: 03

10. जेआरएफ-नेट/गेट योग्य छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	श्री.राणा बेदी	यूजीसी नेट
2.	श्री मयंक सचदेवा	यूजीसी नेट
3.	सुश्री स्मृति गिरगोत्र	यूजीसी नेट
4.	सुश्री सुरभि टंडन	नेट-जेआरएफ

4.12 चिकित्सा और परा चिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय

विद्यालय का नेतृत्व अध्यक्ष के रूप में प्रो. टी पी. यादव. द्वारा किया जाता है. उच्चतम दार्शनिक और नैतिक मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित, मानव शरीर और मन की गहरी समझ, संवेदनशीलता और देखभाल को बढ़ावा देना, और चिकित्सा की सभी प्रणालियों में, चाहे वह पश्चिमी हो, या भारतीय, प्रोत्साहक, निवारक और उपचारात्मक स्वास्थ्य देखभाल को आगे बढ़ाना, आधुनिक या प्राचीन, - चिकित्सा और परा चिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय विविध पैथी, नर्सिंग विज्ञान और पैरामेडिकल विषयों का एक पवित्र संगम है। यह चिकित्सा और पैरामेडिकल विज्ञान में 70 से अधिक शैक्षणिक पाठ्यक्रमों चलाता है, 26 संबद्ध चिकित्सा संस्थानों के साथ एक सहक्रियात्मक सिनैप्स है, और डॉक्टरेट को बढ़ावा देता है और पोस्ट-डॉक्टोरल अनुसंधान शोध छात्र कई क्षेत्रों में अपनी वैज्ञानिक खोज को पूरा करने के लिए। जबकि यह पांच मेडिकल कॉलेजों का घर है जो एमबीबीएस कार्यक्रम चलाते हैं, इसमें एक डेंटल कॉलेज है जो बीडीएस के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करता है, एक आयुर्वेद कॉलेज है जो छात्रों को बीएएमएस की स्नातक डिग्री के लिए ले जाता है, एक राष्ट्रीय शीर्ष योग संस्थान है जो योग में बीएससी को बढ़ावा देता है, और एक होम्योपैथिक कॉलेज बीएचएमएस के माध्यम से युवा शोध छात्र को प्रशिक्षण देता है। इसके तीन प्रमुख संस्थान आधुनिक चिकित्सा के 24 विषयों में पोस्ट-एमबीबीएस डॉक्टरेट पाठ्यक्रमों (पीजी डिप्लोमा, एमडी और एमएस) चलाते हैं, जबकि पोस्टडॉक्टरल सुपर स्पेशलिटी पाठ्यक्रमों 11 उप-धाराओं में चलाए जाते हैं। इसके अलावा, विद्यालय पांच विविध आयुर्वेद धाराओं में पोस्ट-बीएएमएस एमडी आयुर्वेद पाठ्यक्रमों चलाता है। बी एससी और एम एससी नर्सिंग कार्यक्रम 5 नर्सिंग कॉलेजों में चलाए जाते हैं। पैरामेडिकल विज्ञान के क्षेत्र में, दिल्ली भर के 13 चिकित्सा संस्थानों में 9 स्नातक पाठ्यक्रमों, 1 स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों और 7 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों चलाए जा रहे हैं। विद्यालय क्लिनिकल मनोविज्ञान के साथ-साथ मनोरोग सामाजिक कार्य में मास्टर ऑफ फिलॉसफी कार्यक्रम भी चलाता है। और यह उन लोगों के लिए बड़ी संख्या में चिकित्सा संस्थानों के साथ साझेदारी करता है जो चिकित्सा और पैरामेडिकल विज्ञान में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की पढ़ाई करना चाहते हैं।

कार्यक्रम एवं सेवन

व्यापक क्षेत्र	पाठ्यक्रमों चलाए जा रहे हैं		संस्थानों की संख्या	प्रवेश
चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा विज्ञान	एमबीबीएस		5	400
	बीडीएस		1	50
	डॉक्टोरल पाठ्यक्रमों			
	एमडी	17 विशेषताएँ	3	332
	एमएस	5 विशेषताएँ	3	119
	पोस्ट-डॉक्टोरल पाठ्यक्रमों			
	डीएम	6 अति विशिष्टताएँ	3	19
	एमसीएच	5 अति विशिष्टताएँ	2	38
आयुष	बीएएमएस		1	100
	बीएचएमएस		1	50
	बी.एससी. योग		1	60
	डॉक्टोरल पाठ्यक्रमों			
	एमडीआयुर्वेद	5 विशेषताएँ	1	29
नर्सिंग विज्ञान	बी.एससी.	4	210	

व्यापक क्षेत्र	पाठ्यक्रमों चलाए जा रहे हैं	संस्थानों की संख्या	प्रवेश
पैरामेडिकल विज्ञान	स्नातक पाठ्यक्रमों		
	बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी)	8	45
	बीएससी (चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी)		60
	बैचलर ऑफ प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स (बीपीओ)		16
	बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी (बीपीटी)		110
	बी. अनुसूचित जाति. (चिकित्सा प्रौद्योगिकी, रेडियोथेरेपी)		4
	मानसिक रूप से मंद बच्चों के लिए बी.एड विशेष शिक्षा पाठ्यक्रमों		55
	श्रवण बाधित बच्चों के लिए बी.एड विशेष शिक्षा पाठ्यक्रमों		30
	ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों के लिए बी.एड विशेष शिक्षा पाठ्यक्रमों		30
	ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों के लिए बी.एड विशेष शिक्षा पाठ्यक्रमों		20
पैरामेडिकल विज्ञान	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों		
	फिजियोथेरेपी में परास्नातक (कार्डियोपुइमोनरी)	3	5
	फिजियोथेरेपी के परास्नातक (न्यूरोलॉजी)		8
	फिजियोथेरेपी के परास्नातक (मस्कुलोस्केलेटलऋ		8
	फिजियोथेरेपी में परास्नातक (खेल)		9
	व्यावसायिक चिकित्सा के परास्नातक (न्यूरोलॉजी)		6
	प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में मास्टर्स (एमपीओ)		16
	एम. एससी. (फोरेंसिक विज्ञान)		31
	स्नातकोत्तर डिप्लोमा		
	आपदा निवारण एवं पुनर्वास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीडीपीआर)	2	40
एमफिल	एम फिल क्लिनिकल साइकोलॉजी	1	8
	एम फिल मनोरोग सामाजिक कार्य	1	6

5 विश्वविद्यालय केंद्र

5.1 आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र

आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रोफेसर अमरजीत कौर इस केंद्र का नेतृत्व कर रही हैं। अधिकांश संकाय विभिन्न विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यालयों और आपदा प्रबंधन के एक विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले संस्थानों से लिए गए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), सफदरजंग अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर दिल्ली, दिल्ली अग्निशमन सेवा, फिक्की और रक्षा सेवा, गृह मंत्रालय आदि से अतिथि संकाय।

देश में आपदा प्रबंधन के महत्व को समझते हुए, आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान, पेशेवर शिक्षाविदों और विस्तार कार्यों को बढ़ावा देने और आपदा प्रबंधन और क्षमता निर्माण में लगे कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2005 में आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई थी। वर्तमान में, सीडीएमएस विशेष रूप से कामकाजी पेशेवरों, सरकारी कर्मचारियों और एनजीओ क्षेत्र के पेशेवरों के लिए दो साल का सप्ताहांत एमबीए (आपदा प्रबंधन) कार्यक्रम चलाता है और औद्योगिक सुरक्षा, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। 2005 के बाद से, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, अर्धसैनिक बलों (जैसे सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ), दानिक्स, सीबीआई, दिल्ली पुलिस, नागरिक सुरक्षा, रेलवे, ओएनजीसी जैसे प्रतिष्ठित संगठनों से आने वाले कई अधिकारी/कर्मचारी , दिल्ली फायर सर्विसेज, डीजेबी, एमसीडी, एनडीएमसी, कृषि मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, दिल्ली मेट्रो, यूएनडीपी, डब्ल्यूएचओ, एनडीएमए, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और कॉर्पोरेट क्षेत्र और अस्पतालों के कई पेशेवरों ने सप्ताहांत मोड में दो साल का एमबीए (आपदा प्रबंधन) कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है।

एमबीए (आपदा प्रबंधन) सप्ताहांत कार्यक्रम

एमबीए (आपदा प्रबंधन) पाठ्यक्रम बहु-विषयक है और इसमें पर्यावरण प्रबंधन, जियोमैटिक्स, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, कानून, जनसंचार और मीडिया और मानविकी आदि विषय हैं। पाठ्यक्रम को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में विशेष रूप से आपातकालीन योजना, जोखिम मूल्यांकन, पुनर्वास और सामुदायिक विकास, क्षमता निर्माण और अपनी पेशेवर योग्यता बढ़ाने और आपदा प्रबंधन में समकालीन मुद्दों की बेहतर समझ हासिल करने के इच्छुक संबंधित पेशेवरों के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति बनाने के लिए संरचित किया गया है। यह पाठ्यक्रम चिकित्सकों की चल रही व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं को समायोजित करने और उन्हें भविष्य के संकट, आपात स्थिति और आपदाओं से निपटने के लिए अनुसंधान कौशल, ज्ञान और प्रबंधन विशेषज्ञता से लैस करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस केंद्र को आपदा प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में शिक्षण प्रदान करने, अनुसंधान करने और परामर्श प्रदान करने वाले अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. पारंपरिक प्रतिक्रिया आधारित प्रबंधन से लेकर संरचित कौशल आधारित प्रबंधन और आपदा प्रबंधन के पूरे चक्र को समझने पर ध्यान देने के साथ पर्याप्त सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
2. रोकथाम, तैयारी, शमन, प्रतिक्रिया, राहत और पुनर्वास।
3. उपयुक्त क्षेत्रों में अनुभवी चिकित्सकों की आवश्यकताओं को पूरा करना और अकादमिक अध्ययन की अवधि के माध्यम से उनके करियर के अवसरों को बढ़ाना।
4. पेशेवरों को एक विशेष योग्यता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करें, जिसकी स्वास्थ्य, विकास और आपातकालीन प्रबंधन क्षेत्रें में काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के भीतर मान्यता और मुद्रा हो।
5. आपदा प्रबंधन में क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय और राज्य सरकारों के लिए एक संसाधन संस्थान के रूप में कार्य करें
6. आपदा प्रबंधन में काम करने वाले पेशेवरों के लिए जानकारी और अनुभव साझा करने के लिए एक सामान्य मंच प्रदान करके ज्ञान की कमी को पूरा करना
7. आपदा प्रबंधन के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास करना
8. आपदा शमन प्रयासों में तालमेल बिठाने के लिए सरकार, गैर सरकारी संगठनों, कॉर्पोरेट क्षेत्रों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ संपर्क विकसित करना

आधारभूत संरचना

बुनियादी ढांचे में शामिल हैं:

1. अत्याधुनिक रिमोट सेंसिंग और जीआईएस सुविधाएं- ईआरडीएएस कल्पना 9.0 (इमेज प्रोसेसिंग पैकेज), आर्कजीआईएस /आर्कईन्फो 10.6, जियोमीडिया पेशेवर, जीपीएस, स्कैनर, प्लॉटर
2. पर्यावरण प्रबंधन प्रयोगशाला: पानी, हवा और मिट्टी और से नमूनों की निगरानी और विश्लेषण के लिए सुविधाएं, रासायनिक खतरों के अध्ययन के लिए सुविधाएं
3. सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला: नेटवर्क सुरक्षा, कंप्यूटर मॉडलिंग उपकरण, सिमुलेशन और संचार के लिए सुविधाएं
4. कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय, प्रबंधन अध्ययन के विद्यालय और मानविकी के विद्यालय आदि।
5. इंटरनेट सुविधा
6. अत्याधुनिक प्रयोगशाला, क्लास रूम, सेमिनार हॉल,सम्मेलन हॉल, सूचना संसाधन केंद्र

सहयोग

विश्वविद्यालय पहले ही एलबीएसएनएए के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर चुका है (वर्ष 2005 में और वर्ष 2018 में एमओयू का नवीनीकरण) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, दिल्ली (वर्ष 2006 में; एमओयू का नवीनीकरण प्रक्रिया में है), आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग के लिए। इसमें आपदा प्रबंधन, संयुक्त अनुसंधान, पेशेवर कौशल विकसित करने, संयुक्त अनुसंधान आयोजित करने आदि से संबंधित चयनित मॉडयूल के लिए संकाय का आदान-प्रदान शामिल है। सहयोगी एजेंसियां इसके अलावा, सीडीएमएस कई राज्य, केंद्र सरकार, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

1. राज्य सरकार के मंत्रालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
2. भारत सरकार के मंत्रालय।
3. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारत सरकार।
4. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम), नई दिल्ली
5. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
6. गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान (जीआईडीएम), गुजरात राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी)
7. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), दिल्ली
8. फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)
9. भारतीय मेट्रोलॉजिकल विभाग (आईएमडी)
10. राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ)
11. आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल
12. इंडियन रेड क्रॉस, नई दिल्ली
13. दिल्ली अग्निशमन सेवा
14. दिल्ली जल बोर्ड
15. अर्धसैनिक बल आदि।

5.2 औषधि विज्ञान में उत्कृष्टता केंद्र

नवंबर, 2014 में विश्वविद्यालय में फार्मास्युटिकल साइंसेज केंद्र की स्थापना की गई थी.यह केंद्र गुणवत्तापूर्ण, नवीन अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करेगा क्योंकि यह उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह हमारे छात्रों को तेजी से बदलते फार्मास्युटिकल विज्ञान में अग्रणी पदों के लिए तैयार करेगा। सीईपीएस एक संसाधन है जो अकादमिक, औद्योगिक क्षेत्र की सेवा के लिए बनाया गया है। एसफार्मास्युटिकल विज्ञान के क्षेत्र में परीक्षण और सरकारी शोधकर्तादेश भर से. केंद्र नई दवाओं के विकास की भी पेशकश करता है। केंद्र का उद्देश्य अंतर-विश्वविद्यालय नेटवर्क सहित फार्मास्युटिकल अनुसंधान के लिए तकनीकी रूप से परिष्कृत जनशक्ति तैयार करना है,। अनुसंधान गतिविधियों के अलावा, सीईपीएस नई दवाओं के विकास में भी शामिल है जिनका उद्योगों द्वारा व्यावसायिक रूप से लाभ उठाया जा सकता है। सीईपीएस पांच रणनीतियों पर काम करता है: नई रासायनिक संस्थाओं (एनसीई) या नई आणविक इकाई (एनएमई) का डिजाइन और संश्लेषण और उनका जैविक मूल्यांकन। प्रक्रिया/सिंथेटिक पथ विकास. चिकित्सीय रूप से महत्वपूर्ण मचानों की संरचनात्मक विशेषता की खोज करना और उनमें बेहतर एडीएमईटी के लिए हेरफेर करना कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाइनिंग (सीएडीडी)। चिकित्सकीय रूप से किल अणु और औषधि पुर्नस्थापन की खोज।

1. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिकाओं में लेख

प्रो. एके नरूला

1. वत्सला सुगुमरन, हरिपद भुनिया, एके नरूला, 2018, आलू के छिलके पाउडर आधारित पॉलीओलेफिन बायोकंपोजिट्स की बायोडिग्रेडेबिलिटी का मूल्यांकन,जे. पॉलिमर एनवायरन, 26, 2049-2060.
2. श्रुति पेशोरिया, एके नरूला, 2018, टेम्प्लेट-असिस्टेड फैब्रिकेशन द्वारा उत्पादित पॉलीपाइरोल नैनोहाइब्रिड के संरचनात्मक, रूपात्मक और इलेक्ट्रोकेमिकल गुण, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस, 53(5), 3876-3888।
3. श्रुति पेहोरिया, एके नरूला, 2018, पोर्फिरिन का एक-पॉट संश्लेषण/पॉलीपाइरोले हाइब्रिड और इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर के रूप में इसका अनुप्रयोग,सामग्री विज्ञान एवं इंजीनियरिंग बी,229, 53-58.
4. सलमा खान, एके नरूला, 2018, बाईमेटेलिक कंडक्टिंग नैनो-हाइब्रिड कंपोजिट एयू पीटी का संश्लेषण/पेडोट प्रतिदीप्ति का प्रदर्शन, न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 42, 2537.
5. सलमा खान, एके नरूला, 2018, ZnO संवेदीकृत ग्रेफेम क्वांटम डॉट पर आधारित टर्नरी फोटोकैटलिस्ट का संश्लेषण, फोटोकैटलिटिका गतिविधि प्रदर्शित करने वाले पॉलिमर के संचालन के साथ प्रबलित, सामग्री विज्ञान जर्नल:इलेक्ट्रॉनिक्स में सामग्री, 29, 6337-6349.
6. प्रीति सहगा, एके नरूला, 2018, ग्रैफेम क्वांटम डॉट्स डेकोरेटेड ोटोएनोड्स, ऑप्टिकल मटेरियल, 79, 435-445 पर आधारित पोर्फिरिन सेंसिटाइज्ड सोलर सेल का उन्नत प्रदर्शन।
7. श्रुति पेशोरिया, एके नरूला, 2018, विषाक्त धातु आयन के इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसिंग के लिए बेयर इंडियम टिन ऑक्साइड इलेक्ट्रोड, जर्नल ऑफ मैटेरियल साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 29,13858-13863.
8. श्रुति पेशोरिया, एके नरूला, 2018, सोने के नैनोकणों की इन-सीटू तैयारी और गुण एंबेडेड पॉलीपाइरोल कंपोजिट, कोलाइड्स और सतहें ए, 555, 217-226।
9. वत्सला सुगुमरन, गुरप्रीत सिंह कपूर, एके नरूला, 2018, सस्टेनेबल पोटैटो पील पाउडर एलएलडीपीई बायोकंपोजिट तैयारी और उनके गुणों पर मैलिक एनहाइड्राइड-ग्राफ्टेड पॉलीफिन्स का प्रभाव, पॉलिमर बुलेटिन, 75(12),5513-5533.
10. ललित नैनवाल, सीएस आजाद, दीपा देसवाल, एके नरूला, 2018, एंटीफंगल क्षमता की खोज सीवाईपी 450 अवरोधकों के रूप में कार्बोहाइड्रेट-टेहर्ड ट्राईजोल्स, केमपबसोक यूरोप, 3(38), 10762-10767।
11. मंजू सेंगर, एके नरूला, 2018, एरोमैटिक शिफ बेस और एन,एन'-डोनर हेट्रोसाइक्लिक लिगैंड्स के साथ ईयू (III) कॉम्प्लेक्स का ल्यूमिनेसेंस सेंसिटाइजेशन: संश्लेषण, ल्यूमिनसेंट गुण और ऊर्जा हस्तांतरण, जर्नल ऑफ "लोरेसेंस, 29, 111-120।
12. अर्चना डागर, एके नरूला, 2018, दृश्यमान रोशनी ने कार्बनिक संदूषक के फोटो क्षरण को प्रेरित कियापानी में fe3o4 नैनो कणों का उपयोग करके संशोधित पॉलीपाइरोले/फ्लाईऐश-सेनोस्फीयर कंपोजिट, रशियन जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री-ए, 92, 2853-2860।

13. मंजू सेंगर, एके नरूला, 2019, एन- और 0- डोनर पाइरीडीन डेरिवेटिव के साथ मोनोन्यूक्लियर ईयू (III) कॉम्प्लेक्स का ल्यूमिनसेंस और आयन पहचान प्रदर्शन, सामग्री अनुसंधान बुलेटिन, 112, 242-250.
14. प्रीति सहगल, एके नरूला, 2019, उन्नत सौर ऊर्जा रूपांतरण के लिए कुशल फोटोसेंसिटाइजर के रूप में धातु प्रतिस्थापित मेटालोपोर्फिरिन, जर्नल ऑफ फोटोकैमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए: केमिस्ट्री, 375, 91-99।
15. सलमा खान,ए.के. नरूला, 2019, धातु ऑक्साइड के नैनोरोड्स से सजाए गए पॉलीमर डोप्ड कार्यात्मक मल्टीवॉल कार्बन नैनोटयूब के संचालन पर आधारित टर्नरी फोटोकैटलिस्ट, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग बी, 243, 86-95।
16. ललित नैनवाल, सीएस.आजाद, एके नरूला, 2019, मलेरिया पुनरुत्थान के खिलाफ मलेरिया-रोधी अनुसंधान के क्षेत्र में नए आयाम, यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, S0223-5234(19)30453-2, 1-156।

2. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

1. प्रो. एके. नरूला, इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम कंपंसएमजी पॉलीपाइरोले पर जांच/पॉरफाइरिन/गफ्रीम-डाई सेंसिटाइज्ड सोलर सेल और सेंसिंग के प्रति एक संभावित दृष्टिकोण, डीएसटी, 2016-2019, रु.31,85,600/-

सीईपीएस की शैक्षणिक उपलब्धियां

इस केंद्र ने 150 से अधिक शुद्ध रासायनिक यौगिकों का संश्लेषण किया है जो प्रकृति में नवीन हैं। केंद्र ने एंटीफंगल प्रभाव वाले संभावित फार्माकोफोर को सफलतापूर्वक संश्लेषित और स्थापित किया है। अपने लक्षित दृष्टिकोण के कारण केंद्र नवीन रासायनिक संस्थाओं के संश्लेषण के लिए नए रास्ते/दृष्टिकोण स्थापित करने में सफल रहा है. केंद्र उनकी रोगाणुरोधी क्षमता के लिए यौगिकों का संपूर्ण परीक्षण कर सकता है। केंद्र ने बिना खुली पहुंच के अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में पत्र प्रकाशित किए हैं। सभी पेपर एससीआई अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं.

सीईपीएस को डीएसटी, एमएनआरई आदि में से प्रत्येक के लिए 1 करोड़ रुपये की दो मंजूरी दी गई है।

5.3 कानूनी सहायता केंद्र

कानूनी सहायता केंद्र की स्थापना 2002 में हुई। इसे दिल्ली कानूनी सेवा प्राधिकरण से मंजूरी दी गई थी। इसका उद्देश्य न्याय, सामाजिक आउटरीच, सामुदायिक सेवा, मफ्त कानूनी सहायता, कानूनी जागरूकता तक पहुंच में सुधार करना है।

क्र.सं.	शीर्षक	अवधि
1	कानून और न्याय मंत्रालय को मानक संचालन प्रक्रिया प्रस्तुत की गई जिसका कानूनी सेवा सेल, न्यायालयों और लॉ स्कूलों द्वारा पालन किया जाना है।	मार्च 2019
2	कानूनी सहायता परियोजना (कानून और न्याय मंत्रालय) के हिस्से के रूप में 'कानूनी सहायता का अधिकार - समावेशिता को फिर से परिभाषित' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	23 नवंबर,2018
3	ककरोला गांव में कानूनी जागरूकता एवं आधार शिविर का आयोजन (80 आवेदकों ने अपनी आधार प्रक्रिया पूरी की)	18 और 19 मार्च, 2018
4	आरंभ फाउंडेशन के सहयोग से कानूनी अधिकारों की शिक्षा के लिए जागरूकता कार्यक्रम	नवंबर, 2018
5	नवंबर, 2018 में घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 से महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिलाओं की जागरूकता के लिए सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम।	नवंबर, 2018

चुनौतियां

1. प्लेसमेंट और कानूनी सहायता केंद्र की दृश्यता
2. आधारभूत संरचना
3. एसओपी का कार्यान्वयन-डिजिटलीकरण, भौतिक बुनियादी ढांचा, समर्पित फोन लाइन, कानूनी सहायता कोष का निर्माण
4. बजट, स्टाफ

दृष्टि

1. आईपी विश्वविद्यालय में मानक संचालन प्रक्रिया का कार्यान्वयन
2. जीजीएसआईपीयू कानूनी सहायता सेल को अन्य विश्वविद्यालयों के लिए मॉडल के रूप में बदलना
3. प्रभावी कानूनी सहायता सेल प्रदान करने के लिए वकील और न्यायाधीशों का प्रशिक्षण
4. प्रशिक्षण एवं पुनश्चर्या कार्यक्रम का संचालन करना वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के लिए.
5. कानूनी सामाजिक उत्तरदायित्व प्राप्त करने हेतु कानूनी सहायता के लिए कंपनियों के सीएसआर फंड का उपयोग।
6. फीडबैक के लिए ऑनलाइन पोर्टल, कानूनी सहायता मोबाइल ऐप

6. अंतर्राष्ट्रीय मामले

1. विवरण विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र:

क्र.सं.	छात्र का नाम	देश	कार्यक्रम	विश्वविद्यालय विद्यालय
1.	सौरव श्रीवास्तव	नेपाल	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
2.	सूरज साह	नेपाल	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
3.	कुणाल गोयनका	नेपाल	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
4.	अक्षत त्यागी	यूके	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
5.	उत्सव सिंघी	नेपाल	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
6.	तेनजिन त्सेचोक	तिब्बत	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
7.	रशीन्द्र यादव	नेपाल	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
8.	सृष्टि झा	नेपाल	बी.टेक (सीएसई)	यूएसआईसीटी
9.	शेषा पोखरेल	नेपाल	एमए (अंग्रेजी)	यूएसएचएसएस
10.	तेनजिंग जांगचुक	तिब्बत	एमसीए	यूएसआईसीटी
11.	रिनचेन निकसुम दोरजी	भूटान	बी ए एलएलबी	यूएसएलएलएस
12.	सोहेल ओहरी	यूके	बीबीएएलएलबी	यूएसएलएलएस
13.	भावेश कुमार	यूके	बीबीएएलएलबी	यूएसएलएलएस
14.	सनत भारती	नेपाल	एमबीए	यूएसएमएस
15.	अलीशा लिमिचाना	नेपाल	एमबीए	यूएसएमएस
16.	पवन कुमार ठाकुर	नेपाल	एमबीए	यूएसएमएस
17.	कशिश अग्रवाल	नेपाल	एमबीए	यूएसएमएस
18.	निर्मल प्रसाद पौडैल	नेपाल	एमबीए	यूएसएमएस
19.	प्रबिग्यान नेपाल	नेपाल	एमबीए	यूएसएमएस
20.	आशीष भट्टराई	नेपाल	बीसीए	अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान
21.	रचिता सुलभ	नेपाल	बी.आर्क	यूएसएपी
22.	आयुष चौरसिया	नेपाल	बी.टेक (आईटी)	यूएसआईसीटी
23.	विकास कुमार साह	नेपाल	बी.टेक (ईसीई)	यूएसआईसीटी
24.	मोहम्मद अल्ताफ बागवान	नेपाल	एमबीए	यूएसएमएस
25.	मटिल्डा-एन एडो	घाना	एमबीए	यूएसएमएस

7. विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र

विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र (यूआईआरसी) सितंबर 1999 में विश्वविद्यालय समुदाय की शैक्षणिक, संस्थागत और बौद्धिक आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए प्रिंट, गैर-मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को प्राप्त करने, संरक्षित करने और उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अस्तित्व में आया। यूआईआरसी विश्वविद्यालय के मिशन और विजन के अनुरूप अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहा है। यह अपने अत्याधुनिक केंद्रीकृत वातानुकूलित भवन में स्थित है। यूआईआरसी भवन दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए भी अनुकूल है। वर्ष 2018-19 में विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में यूआईआरसी संग्रह 56369 तक पहुंच गया है। अपनी बिरादरी के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए इसके पास विभिन्न प्रकार की भारतीय और विदेशी पत्रिकाएँ, लोकप्रिय पत्रिकाएँ और समाचार पत्र हैं। बुक बैंक सभी यूजी और पीजी छात्रों के लिए एक अतिरिक्त और विशेष सेवा है और उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसमें बड़ा संग्रह है।

आज इस आधुनिक युग में आईसीटी ने पुस्तकालयों में क्रांति ला दी है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में आईसीटी अनुप्रयोगों के महत्व और भूमिका को जानने के लिए, यूआईआरसी अपनी स्थापना के बाद से स्वचालित है और अपने नियमित कार्य के अलावा निम्नलिखित आईसीटी आधारित सेवाएं प्रदान कर रहा है:

1. यूआईआरसी "ट्रूडॉन 5.5" इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का उपयोग करके पूरी तरह से स्वचालित है।
2. कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय लाइब्रेरी भी एनआईसी के ई-ग्रंथालय इंटीग्रेटेड लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर का उपयोग करके स्वचालित है। दिल्ली सरकार ने इस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके सभी दिल्ली राज्य पुस्तकालयों को स्वचालित करने की नई पहल की है और यूआईआरसी ने पायलट अध्ययन के रूप में लॉ लाइब्रेरी के साथ इसकी शुरुआत की है।
3. इसमें वाई-फाई कनेक्टिविटी और सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है।
4. सभी पुस्तकें बार-कोडित हैं और लाइब्रेरी सह पहचान पत्र भी लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर का उपयोग करके तैयार किया गया है।
5. यूआईआरसी की अपनी कंप्यूटर लैब है और यह ई-संसाधनों और डिजिटल जानकारी तक पहुंच के लिए समर्पित है।
6. यूआईआरसी लगभग सभी 11 अध्ययन विद्यालयों के लिए ई-संसाधन/ऑनलाइन डेटाबेस/ई-पुस्तकें आदि की सदस्यता लेता है।
7. इसके अलावा, यूआईआरसी को ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम के माध्यम से टो-संसाधनों और इनफ्लिबनेट के माध्यम से मानार्थ पहुंच भी मिल रही है।
8. पीएच.डी. यूआरएल से जुड़ा थासिस डेटाबेस लाइब्रेरी वेबपेज के माध्यम से अपनी पूर्ण-पाठ सामग्री तक पूरी पहुंच के साथ भी उपलब्ध है।
9. एफओएपी सूची के साथ सब्सक्राइब की गई प्रिंट पत्रिकाओं की सूची (व्यापक और विद्यालयवार दोनों सूची) लाइब्रेरी वेबपेज के माध्यम से उपलब्ध है।
10. यूआईआरसी अपने उपयोगकर्ताओं को डेलनेट के माध्यम से इंटर लाइब्रेरी ऋण सुविधा प्रदान करता है।
11. यूआईआरसी ने विभिन्न विषयों में कई प्रसिद्ध और अग्रणी प्रकाशकों की ई-पुस्तकों की श्रृंखला का नया संग्रह जोड़ा है ये हैं:
    (i) विद्यालय सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के लिए कंप्यूटर विज्ञान (एलएनसीएस) पर कोंपल प्रकृति भाषण नोट्स
    (ii) शिक्षा, वास्तुकला और योजना, पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में ई-पुस्तकें की पियर्सन ऑनलाइन सदस्यता, रासायनिक प्रौद्योगिकी, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अध्ययन.
    (iii) स्प्रिंगर नेचर कानून और कानूनी अध्ययन के लिए लॉ ई-पुस्तकों की ऑनलाइन सदस्यता।
    (iv) वास्तुशिल्प और रचनाएँ विद्यालय के लिए ब्लूम्सबरी ऑनलाइन डिजाइन और वास्तुकार पुस्तकालय
    (v) कानून और कानूनी अध्ययन के लिए ब्लूम्सबरी हार्ट पब्लिशिंग लॉ-पुस्तक श्रृंखला।
    (vi) प्रबंधन अध्ययन के लिए उभरते बाजार ई मामले संग्रह की एमराल्ड ऑनलाइन सदस्यता
12. विद्यालय ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी और बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज की किताबों के लिए मैकग्रा हिल ऑनलाइन सदस्यता.

13. ओपेक और वेब-ओपीएसी का उपयोग करके संपूर्ण संग्रह खोजने योग्य है

14. यूआईआरसी की अपनी वेबसाइट है जिसे पुस्तकालय द्वारा बनाए रखा जा रहा है और नियमित आधार पर अद्यतन किया जा रहा है और इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए विभिन्न रूपों के साथ यूआईआरसी द्वारा पेश किए गए संसाधनों और सेवाओं को सूचीबद्ध करता है।

यूआईआरसी अन्य पुस्तकालयों और संघों के साथ सहयोग के महत्व को समझता है और विश्वविद्यालय बिरादरी के लाभ के लिए मौजूदा सहकारी संबंधों और नई पहल को बढ़ावा देने में निरंतरता रखता है। यूआईआरसी से संबंधित कुछ सांख्यिकीय जानकारी नीचे दी गई है:

क्र.सं.	विवरण	कुल संख्या
1.	(ए) शैक्षणिक सत्र 2018-2019 में खरीदी गई पुस्तकों की संख्या	1162
	(बी) शैक्षणिक सत्र 2018-2019 में खरीदी गई पत्रिकाओं की संख्या (भारतीय और विदेशी दोनों)	265
	(सी) शैक्षणिक सत्र 2018-2019 के लिए सब्सक्राइब किए गए ऑनलाइन डेटाबेस की संख्या	14
	(डी) विश्वविद्यालय पुस्तकालय वेब पृष्ठ के माध्यम से उपलब्ध ई-जर्नल्स की कुल संख्या	14995
	(ई) शैक्षणिक सत्र 2018-19 में खरीदे गए ई-पुस्तक डेटाबेस की संख्या	12121
2.	शैक्षणिक वर्ष 2017-18 और 2018-2019 में जारी सदस्यता की संख्या	1443
3.	(ए) शैक्षणिक सत्र 2018-2019 में छात्रों को जारी की गई पुस्तकों की संख्या	21457
	(बी) शैक्षणिक सत्र 2018-2019 में छात्रों द्वारा लौटाई गई पुस्तकों की संख्या	21644
	(सी) शैक्षणिक सत्र 2018-2019 में उपयोगकर्ताओं द्वारा किया गया कुल लेनदेन	43101
4.	शैक्षणिक सत्र 2018-2019 में सेमिनार/सम्मेलन का विवरण	3
5.	अगस्त 2019 के पहले सप्ताह में द्वारका परिसर में नव प्रवेशित छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया था	12

यूआईआरसी पुस्तकों और जौमलास के संदर्भ में पुस्तकालय के विकास के लिए ग्राफ के माध्यम से पुस्तकालय लेनदेन सहित अतिरिक्त जानकारी भी संलग्न कर रहा है। तब से इसकी शुरुआत

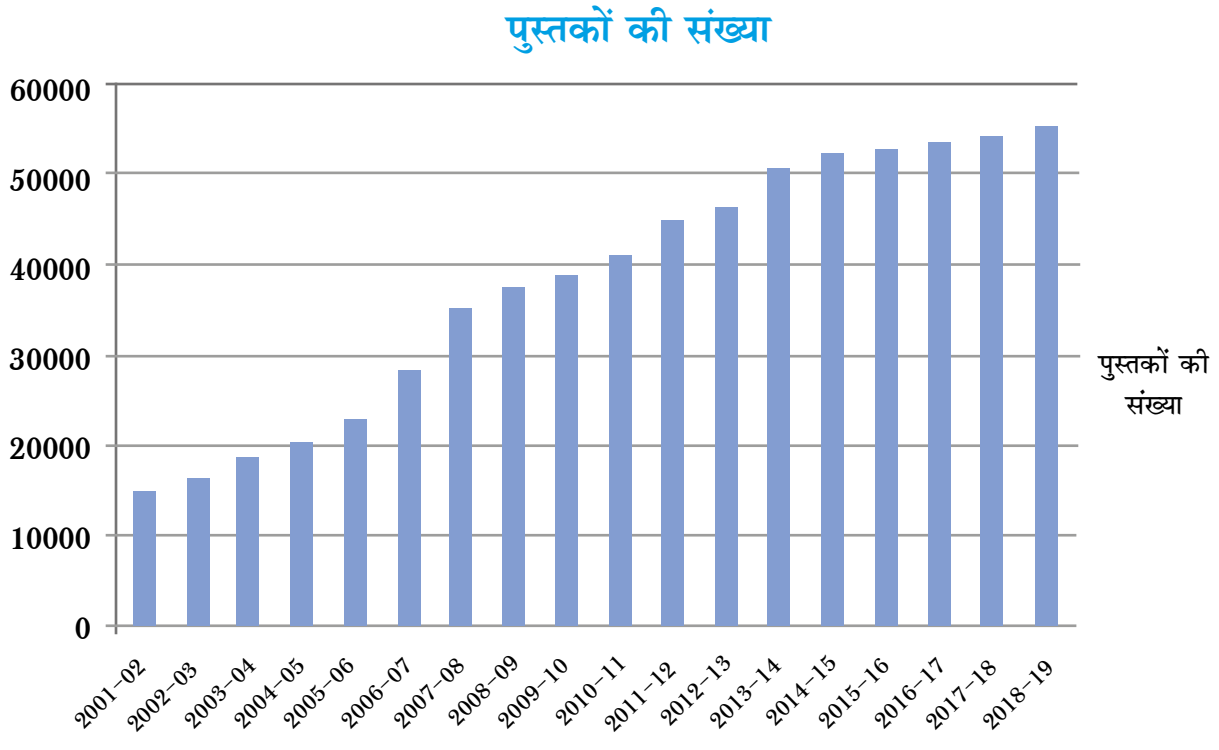

सदस्यता प्राप्त पत्रिकाओं की संख्या

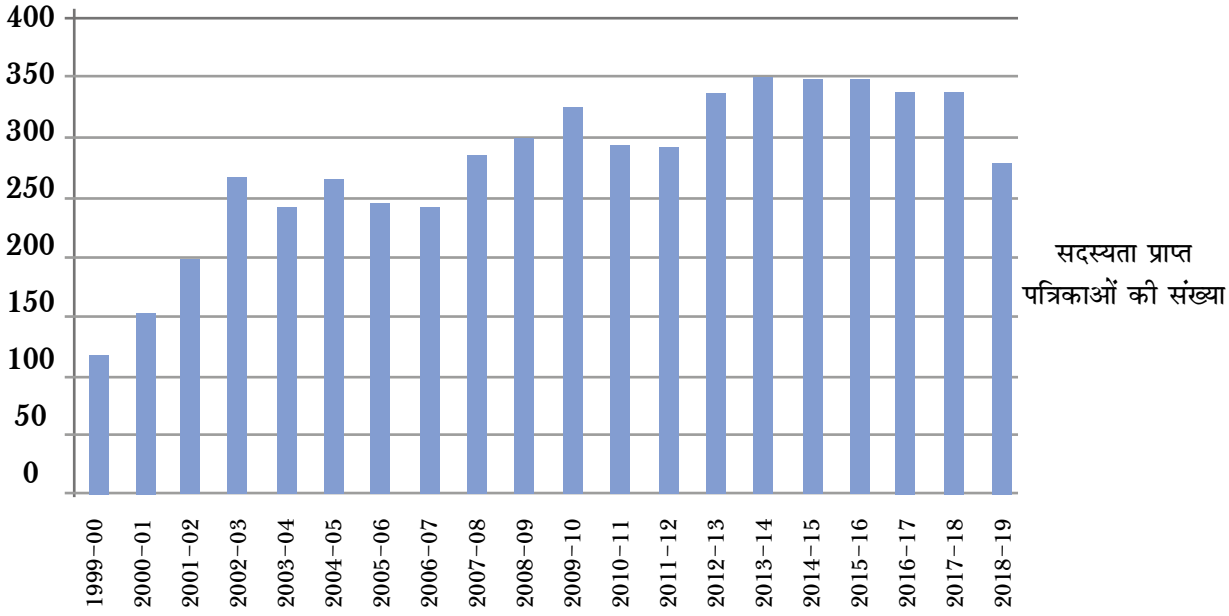

लेन-देन किए गए दस्तावेज

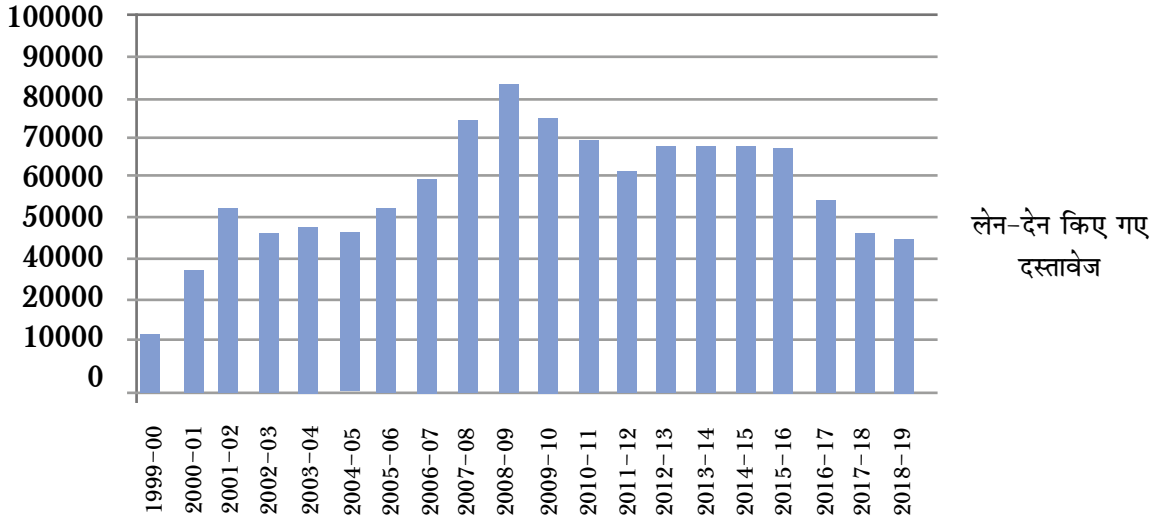

8. शैक्षणिक शाखा

1. विवरण विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेशित छात्रों की संख्या

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	स्वीकृत प्रवेश	भरा हुआ
यूजी कार्यक्रम			
1.	बी.एड	2300	2060
2.	बी.टेक (बायो-टेक)	45	45
3.	बीटेक	8200	6571
4.	लेटरल एंट्री-बी.टेक	665	619
5.	एलएलबी	2880	2494
6.	बीसीए	2415	2027
7.	बीए (पत्रकारिता एवं मास कॉम)	1620	1440
8.	बीए (अंग्रेजी) (एच)	150	145
9.	बीबीए	6840	6302
10.	बी.कॉम (एच)	1990	1443
11.	बीएएमएस	100	97
12.	बी.एच.एम. एस	50	40
13.	बी. वोक	900	471
14.	बीएससी (एच) नर्सिंग	210	210
15.	बी.एड (विशेष शिक्षा)	150	125
16.	बी.आर्क.	420	343
17.	बीपीटी/बी.एससी (एमएलटी)/बीएएसएलपी/बीपीओ/बीओटी	256	191
18.	बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी	121	121
19.	बीडीएस	50	49
20.	एमबीबीएस	400	361
21.	बीएससी (योग)	60	05
22.	बीए (एच) (अर्थशास्त्र)	285	183
पीजी कार्यक्रम			
23.	एम.एससी (जैव विविधता एवं संरक्षण)	20	19
24.	एमए (अंग्रेजी)	58	58
25.	एम.एड	50	50
26.	एम.एससी (पर्यावरण प्रबंधन)	25	19

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	स्वीकृत प्रवेश	भरा हुआ
27.	एमए (अपराध विज्ञान)	22	21
28.	प्रोस्थेटिक्स और ओरोथो के मास्टर।	16	06
29.	एलएलएम	100	94
30.	एमबीए (सप्ताहांत)	120	120
31.	एमए (जनसंचार)	61	61
32.	एमबीए (आईटी)	60	37
33.	एम.टेक.	420	196
34.	एमसीए	990	688
35.	एमबीए	2450	2070
36.	एम.एससी (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन)	25	14
37.	एम.एससी (नर्सिंग)	18	07
38.	एमए (विरासत प्रबंधन)	60	33
39.	एमसीए (पार्श्व प्रवेश)	146	135
40.	एम.एससी (फोरेंसिक साइंस)	31	31
41.	एमए (अर्थशास्त्र)	40	40
42.	एलएलएम (सप्ताहांत)	40	40
43.	एमओटी	10	02
44.	एमपीटी	30	27
45.	पीजीएसी	29	29
46.	स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों (केवल दिल्ली राज्य कोटा)	462	242

9. अनुसंधान और परामर्श

1. पीएच.डी. का विवरण नामांकित छात्र (विद्यालयवार) (2018-19):

क्र.सं.	स्कूल का नाम	प्रवेशित शोधार्थी की संख्या
1.	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	18
2.	प्रबंधन अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय	06
3.	रासायनिक प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	02
4.	जैव प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	09
5.	पर्यावरण प्रबंधन के विद्यालय विश्वविद्यालय	06
6.	चिकित्सा और परा चिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय	शून्य
7.	वास्तुकला और योजना के विद्यालय विश्वविद्यालय	शून्य
8.	बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय	09
9.	मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय	11
10.	कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय	14
11.	शिक्षा के विद्यालय विश्वविद्यालय	06
12.	जनसंचार के विद्यालय विश्वविद्यालय	02
13.	अम्बेडकर संस्था विकसित संचार प्रौद्योगिकियाँ और अनुसंधान	32
	प्रवेशित शोध छात्र की कुल संख्या	**115**

2. 01.04.2018 से 31.03.2019 की अवधि के दौरान कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

(i) गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय प्रत्येक विश्वविद्यालय विद्यालय से योग्यता के आधार पर पहले दो शोध छात्र (शीर्ष रैंक) को इंद्रप्रस्थ अनुसंधान फैलोशिप (आईपीआरएफ) प्रदान करता है। आईपीआरएफ की राशि वर्तमान में यूजीसी फेलोशिप के बराबर यानी रुपये है। 25,000/–पहले दो वर्षों के लिए 30% एचआरए के साथ पीएम और दो वर्ष पूरे होने के बाद भुगतान की गई राशि रु 28,000/ प्रतिमाह 30% एचआरए के साथ और सामाजिक विज्ञान विद्यालयों के मामलों में आकस्मिक राशि यूजीसी के बराबर होगी और विज्ञान विद्यालयों के मामलों में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार शिक्षावृत्ति के बराबर हो सकती है। 2018–19 में 64 शोधार्थियों को आईपीआरएफ से सम्मानित किया गया।

(ii) गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने प्रत्येक विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय में पूर्णकालिक (नियमित) अनुसंधान शोध छात्र के लिए अधिकतम दो वर्ष की अवधि के लिए 10,000/– अपराह्न (समेकित) बिना किसी आकस्मिक अनुदान के शॉर्ट टर्म रिसर्च फेलोशिप (एसटीआरएफ) भी शुरू की है। 2018–19 में 87 शोधार्थियों को एसटीआरएफ से सम्मानित किया गया।

(iii) विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अध्ययन के विश्वविद्यालय के विद्यालयज के सभी नियमित संकाय सदस्यों को एक वैज्ञानिक निकाय (भारतीय/विदेशी)/शैक्षणिक संघ (पंजीकृत) की वार्षिक सदस्यता शुल्क की प्रतिपूर्ति को मंजूरी दे दी है। वर्ष 2018– 19 में विभिन्न विद्यालयों के 31 संकाय सदस्यों ने वार्षिक सदस्यता शुल्क का लाभ उठाया है।

(iv) विश्वविद्यालय ने अध्ययन के विश्वविद्यालय के विद्यालय के सभी नियमित संकाय सदस्यों, विभिन्न विद्यालयों के संकाय सदस्यों द्वारा समकक्ष समीक्षा वाली प्रतिष्ठित पत्रिका में प्रति वित्तीय वर्ष एक शोध लेख के लिए प्रकाशन/प्रसंस्करण/पृष्ठ/रंगीन चित्र आदि शुल्क की प्रतिपूर्ति को भी मंजूरी दे दी है। वर्ष 2018–19 में विभिन्न विद्यालयों के 04 संकाय सदस्यों को प्रकाशन शुल्क की प्रतिपूर्ति प्राप्त हुई है।

(v) गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने अध्ययन के विश्वविद्यालय के विद्यालयज में अपनी अनुसंधान गतिविधियों को पूरा करने में नियमित संकाय की सहायता के लिए संकाय अनुसंधान अनुदान योजना (एफआरजीएस) का पुरस्कार शुरू किया है। पाठ्यक्रमों के अनुसार वार्षिक अनुसंधान अनुदान (एआरजी) रु. 2.00 लाख और रु. 1.00 लाख है। कुल संख्या विभिन्न विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय के 89 संकाय सदस्यों ने वर्ष 2018-19 में एफआरजीएस की सुविधा का लाभ उठाया है।

10. शैक्षणिक मामले

निदेशक शैक्षणिक मामलों के कार्यालय द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियाँ निम्नलिखित से संबंधित हैं:

1. यूनिवर्सिटी विद्यालय ऑफ स्टडी और विभिन्न संबद्ध संस्थानों में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की परीक्षा और पाठ्यक्रमों की योजना का रिकॉर्ड रखना। जब भी किसी विश्वविद्यालय विद्यालय ऑफ स्टडी या संबद्ध संस्थानों द्वारा कोई नया पाठ्यक्रमों शुरू किया जाना होता है, तो पहले विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी से इसकी अनुमति ली जाती है और एक बार अनुमति मिलने के बाद संबंधित विश्वविद्यालय विद्यालय या संबद्ध संस्थान उक्त कार्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमोंं के लिए पाठ्यक्रमों के साथ अध्ययन की योजना तैयार करते हैं। योजना और पाठ्यक्रमों को संबंधित यूनिवर्सिटी विद्यालय ऑफ स्टडी के बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) द्वारा अनुमोदित किया जाता है, फिर इसे अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित किया जाता है और उसी के लिए एजेंडा अंतत: कार्यालय द्वारा तैयार किया जाता है, और अनुमोदन के लिए अकादमिक परिषद को भेजा जाता है। एक बार जब योजना और पाठ्यक्रमों अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है और उसी की एक प्रति भविष्य के रिकॉर्ड के लिए इस कार्यालय में भी रखी जाती है।

   नये कार्यक्रम के अलावा, नए कार्यक्रम, योजनाओं और मौजूदा कार्यक्रम के पाठ्यक्रमों को भी विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यालयों द्वारा तीन वर्ष या उससे अधिक के अंतराल पर संशोधित किया जाता है और एक बार जब इसे अधिसूचित किया जाता है या संबंधित कार्यक्रम की योजना और पाठ्यक्रमों के साथ कोई नया पाठ्यक्रमों शुरू किया जाता है या सामग्री में परिवर्तन किया जाता है या कोई अन्य परिवर्तन किया जाता है तो उस परिवर्तन को भी संबंधित विश्वविद्यालय विद्यालय के बीओएस से पास होने के बाद अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित किया जाना होता है। निदेशक अकादमिक मामलों के कार्यालय द्वारा देखभाल की जाती है।

   कार्यक्रमों की सूची/पाठ्यक्रमों शुरू किये गये/2018-19 के लिए अद्यतन किया गया

कार्यक्रम/पाठ्यक्रमों प्रस्तुत किये गये	कार्यक्रम/पाठ्यक्रमों अद्यतन
पोस्ट बाएसआईसी नर्सिंग	बीएचएमसीटी
बीए (अंग्रेजी) (ऑनर्स)	एमबीए (आपदा प्रबंधन) (सप्ताहांत)
	बीपीटी
	एम.एससी.(फोरेंसिक साइंस)
	बीआर्क
	एम टेक बायोटेक्नोलॉजी
	एमए क्रिमिनोलॉजी
	बीए ऑनर्स अर्थशास्त्र
	बी वो मुद्रण प्रौद्योगिकी
	पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों के लिए कार्यवीउग्र पाठ्यक्रमों

2. समय-समय पर यूनिवर्सिटी विद्यालय ऑफ स्टडी के संकाय सदस्यों की पदोन्नति कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत की जाती है। यह कार्यालय विश्वविद्यालय विनियम, न्यूनतम शैक्षिक निष्पादन और सेवा आवश्यकता/अथवा यूजीसी रीगुलेशन 2010 के अंतर्गत यूजीसी की कैरियर एडवांस स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत अपने संकाय सदस्यों की सीएएस पदोन्नति के लिए अध्ययन के विभिन्न विश्वविद्यालय विद्यालयों के साथ समन्वय करता है और उसके बाद विभिन्न चरणों में पदोन्नति के लिए संशोधन करता है।
3. विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए सीएएस 31 जुलाई, 2016 तक पूरा हो चुका है। अगले पांच वर्षों में डीएए का दृष्टिकोण यह है कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट को अधिक जीवंत और पारदर्शी बनाया जाएगा जहां संकाय सदस्य अपनी संवेदनशीलता के साथ अपने कैरियर की प्रगति और पदोन्नति देख सकते हैं। यह विभिन्न अध्ययन विद्यालयों से संबंधित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के बीच उनकी गंभीरता के बारे में संघर्ष को कम करने में मदद करेगा।

4. यह कार्यालय विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए भी जिम्मेदार है और इस कार्यालय का प्रयास शैक्षणिक वर्ष के अंत में उक्त वार्षिक रिपोर्ट को संकलित करना है ताकि सभी हितधारक संबंधित वर्ष के 31 मार्च तक इस वार्षिक रिपोर्ट को ऑनलाइन देख सकें। 2016-17 की वार्षिक रिपोर्ट सभी हितधारकों को मुद्रित और वितरित करने के लिए तैयार की गई है। इसके अलावा कार्यालय द्वारा वार्षिक रिपोर्ट 2018-19, 2018-19 की तैयारी प्रक्रियाधीन है।

5. अकादमिक नेतृत्व को अंतिम रूप देने के लिए विश्वविद्यालय का शैक्षणिक कैलेंडर तैयार किया जाता है और सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने के बाद इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। अगले पांच वर्षों में अकादमिक मामलों का कार्यालय विश्वविद्यालय के अध्ययन विद्यालयों के सभी अध्यक्ष और संकायों से सुझाव लेने के बाद और यूजीसी दिशानिर्देशों की आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद विश्वविद्यालय का अकादमिक कैलेंडर तैयार करेगा। हम यह सब ऑनलाइन उपलब्ध कराने की योजना बना रहे हैं ताकि कार्यालय को प्रकृति में हरा-भरा बनाने के लिए पेपर वर्क कम हो।

6. कुछ बार कुछ यूनिवर्सिटी विद्यालयों ऑफ स्टडी तुल्यता प्रमाण पत्र या अन्य प्रासंगिक प्रमाण पत्र छात्र और अन्य हितधारकों को उनके अनुरोध पर जारी किए जाते हैं। हम इस आशय के लिए हितधारक के छात्र से आवेदन आमंत्रित करते हैं।

7. समय-समय पर कुछ अन्य विविध कार्य हैं जो निदेशक शैक्षणिक मामलों के कार्यालय को दिए जाते हैं जैसे कि सरकार की डीएचई योजना के अनुसार व्याख्याता के पुरस्कार के लिए अध्ययन के विश्वविद्यालय विद्यालयों का संकाय नामांकन। ओएफसीटी। यूजीसी, एआईसीटीई, आईसीएसएसआर, डीएसटी आदि जैसे विभिन्न सांविधिक निकायों द्वारा छात्रों या संकाय सदस्य के लिए विभिन्न अन्य छात्रवृत्ति योजनाएं भी अधिसूचित की जाती हैं, जिन्हें इस कार्यालय द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों के अध्ययन विद्यालयों को अधिसूचित किया जाता है।

   संक्षेप में, निदेशक अकादमिक मामलों का कार्यालय विभिन्न विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यालयों के संकाय सदस्य और छात्र और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों के बीच एक कड़ी है और एक सुविधा के रूप में कार्य करता है। इसका उद्देश्य प्रणाली को तेज, पारदर्शी और बहुत सारी ई-गवर्नेंस पहलों के साथ बनाना है।

11. विकास

वर्ष 2018-19 के लिए निदेशक-विकास कार्यालय और इंद्रप्रस्थ आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल द्वारा की गई गतिविधियों का सारांश इस प्रकार है:

1. एनआईआरएफ में भागीदारी

विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रलय द्वारा कार्यान्वित राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2019 में भाग लिया। इस वर्ष भी पिछले वर्षों की तरह, विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय श्रेणी के साथ-साथ चार विद्यालयों यानी प्रबंधन अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय, सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय, कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय और वास्तुकला और योजना के विद्यालय विश्वविद्यालय ने व्यक्तिगत विद्यालय/कॉलेज श्रेणी में भाग लिया

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय को समग्र विश्वविद्यालय रैंकिंग में 64वां (एनआईआरएफ 2019) स्थान दिया गया, जिससे 2018 के लिए 74वें और वर्ष 2017 में 82वें स्थान पर सुधार हुआ। वर्ष 2018 की रैंकिंग में सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग श्रेणी में 85वें स्थान के मुकाबले 73वां स्थान मिला, प्रबंधन अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय को प्रबंधन श्रेणी में पिछले वर्ष के रैंक बैंड 51-75 के मुकाबले 62वां स्थान दिया गया था, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और इसके सुधार की दिशा में लगातार काम करने की विश्वविद्यालय की क्षमता का प्रतिबिंब है।

2. अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई)

विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सरकार द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) में अपनी भागीदारी जारी रखी। भारत सर्वेक्षण में सभी को शामिल किया गया है देश में उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान.सर्वेक्षण में शिक्षकों, छात्रों के नामांकन, शैक्षणिक कार्यक्रम, परीक्षा परिणाम, शिक्षा के वित्तपोषण, बुनियादी ढांचे जैसे कई मापदंडों पर डेटा एकत्र करने का प्रयास किया गया है। शैक्षिक विकास के संकेतक जैसे संस्थान घनत्व, सकल नामांकन अनुपात, छात्र-शिक्षक अनुपात, लिंग समानता सूचकांक, प्रति छात्र व्यय, आदि। यह शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए सूचित नीतिगत निर्णय और अनुसंधान लेने में मदद करता है। विश्वविद्यालय और उससे संब) संस्थानों ने एमएचआरडी पोर्टल (http:) पर समय सीमा के भीतर डेटा अपलोड कर दिया है।//ऐशे.gov-in).

3. आईक्यूएसी की वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर)

विश्वविद्यालय ने शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए कार्य योजना का विवरण देते हुए आईआईक्यूएसी की वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर) भी तैयार और अपलोड की। यह रिपोर्ट निर्धारित समय अवधि में एनएएसी प्रक्रिया के लिए अनिवार्य आवश्यकता के रूप में राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) बैंगलोर को प्रस्तुत की गई है।

4. शैक्षणिक लेखा परीक्षा:

गुणवत्ता मानकों को स्थापित करने और उन्हें नियमित परामर्श के माध्यम से लागू करने के लिए विश्वविद्यालय पिछले कई वर्षों से अकादमिक ऑडिट आयोजित कर रहा है.

अकादमिक ऑडिट की इस प्रक्रिया को चालू वर्ष से विश्वविद्यालय अध्ययन के विद्यालय(यूएसएस) तक बढ़ा दिया गया था। डेटा कैप्चर करने के लिए एक व्यापक प्रोफार्मा डिजाइन और अनुमोदित किया गया है जो विभिन्न मूल्यांकन एजेंसियों के अनुरूप है। निष्कर्षों को मान्य करने और समय पर उचित सुधारात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए आंतरिक और बाहरी दोनों विशेषज्ञों की मदद से ऑडिट किया जाता है।

संबद्ध संस्थानों के लिए ऑडिट प्रक्रिया विश्वविद्यालय की संबद्धता शाखा द्वारा की गई थी, जबकि आईआईक्यूएसी ने इसे यूएसएस के लिए कियाथा।

5. एनएएसी जागरूकता कार्यक्रम (एनएपी)

विश्वविद्यालय अपने यूएसएस के अलावा उससे संबद्ध सभी संस्थानों की गुणवत्ता वृद्धि के बारे में समान रूप से चिंतित है। विविध धाराओं में 125 से अधिक संबद्ध संस्थान (सरकारी क्षेत्र और स्व-वित्तपोषण मोड दोनों में) हैं. विश्वविद्यालय ने एनएएसी, नई दिल्ली के सहयोग से 1 फरवरी, 2019 को जीजीएसआईपीयू परिसर में जीजीएसआईपीयू के तहत सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों (हिस) के लिए एनएएसी जागरूकता कार्यक्रम (NAP) का आयोजन किया। कार्यक्रम में जीजीएसआईपी

आईक्यूएसी के 125 से अधिक अधिकारियों और निदेशकों/प्रधानाध्यापकों सहित विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों के नामांकित व्यक्तियों ने भाग लिया। ये संस्थाएँ दोनों सरकारों का मिश्रण थीं। स्वामित्व वाले संस्थान और स्व-वित्तपोषित संस्थान स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर मेडिकल, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, जनसंचार, कानून, सामाजिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, पत्रकारिता, कंप्यूटर अनुप्रयोग, आदि जैसे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम पेश करते हैं। इनमें से कुछ संस्थान गैर-मान्यता प्राप्त हैं,कुछ अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में हैं, और कुछ मान्यता प्राप्त हैं और एनएएसी मान्यता के पहले या दूसरे चक्र में हैं।

6. छात्रों और संकाय द्वारा ई-संसाधनों के उपयोग का प्रसार करना

धीमी और मध्यम गति से सीखने वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में ई-संसाधनों के उपयोग का प्रसार करना एमओओसी, एनपीटीईएल और स्वयं, सभी के लिए संसाधनों तक आसान पहुंच के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एक वेब लिंक सक्रिय किया गया है।

7. सभी हितधारकों से प्रतिक्रिया.

हितधारकों से फीडबैक शुरू कर दिया गया है और अध्यक्ष से छात्रों और उनके माता-पिता के वर्तमान सत्र के लिए फीडबैक प्राप्त करने का अनुरोध किया गया है. फीडबैक फॉर्म ऑनलाइन कर दिए गए हैं।

एचटीटीपी://ipu-ac-in/ddcnaac/feedback250518parents-pdf

एचटीटीपी://ipu-ac-in/ddcnaac/feedback250518students-pdf

एचटीटीपी://ipu-ac-in/ddcnaac/feedback250518employers-pdf

एचटीटीपी://ipu-ac-in/ddcnaac/feedback2505 l8faculty-pdf

यूएसएस निरंतर सुधार के लिए शिक्षण प्रक्रिया के बारे में हितधारकों से एकत्रित फीडबैक का उपयोग करेगा/अपने स्तर पर विस्तृत विश्लेषण के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की प्रभावशीलता और पाठ्यक्रमों में बदलाव लाना।

8. अन्य पहल:

क) विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा शिक्षण को समृद्ध करने के लिए वातावरण बनाने की पहल की है विशेष शौचालय, प्रवेश की सुविधा, मार्गदर्शन और परामर्श और अन्य सामान्य जरूरतों आदि जैसी पहलों के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों के अनुभव। निदेशक समन्वय को उपरोक्त पहल के लिए समन्वयक होने की जिम्मेदारी दी गई है।

ख) आईआईक्यूएसी ने यूजीसी-केयर सूची में शामिल करने के लिए नई पत्रिकाओं की सिफारिश की प्रक्रिया को औपचारिक रूप दे दिया है। संकाय या संबद्ध संस्थानों से प्राप्त सिफारिशों के प्रस्तावों की गुणवत्ता मानकों के लिए जांच की जाती है और फिर अनुमोदित सूची में शामिल करने के लिए यूजीसी केयर को सिफारिश की जाती है।

12. योजना शाखा

यह संदर्भित मामले के संबंध में है। तदनुसार, विषय में उद्धृत अवधि के दौरान योजना शाखा द्वारा की गई गतिविधियों के संबंध में निम्नलिखित विवरण सामने रखे गए हैं:

योजना शाखा स्वीकार करती है कि उसके संचालन कार्यों का उन विभागों और एजेंसियों पर व्यापक प्रभाव पड़ता है जिनके लिए वह जानकारी या तथ्यात्मक स्थिति प्रदान करता है या किसी विशेष विषय के बारे में जानकारी सत्यापित करने का कार्य करता है, और इसलिए विश्वविद्यालय का हित में और यह एक जिम्मेदार तरीके से काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय के लिए रिपोर्ट और योजना प्रस्तुत करना, सरकारी और विधायिक संस्थाओं की मंजूरी और अनुमोदन के लिए और संगठन की क्षमता निर्माण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए योजना शाखा को एक मुख्य केंद्र बनाना, जिसमें विभिन्नता लाये गए उम्मीदवारों और उनके कल्याण को विशेष ध्यान दिया जाए।

छात्रवृत्ति/अध्येतावृत्ति और अन्य लाभकारी अवसरों के लिए मध्यस्थता करने के अलावा जागरूकता पैदा करना और प्रतियोगिताओं और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योजना शाखा द्वारा की जाने वाली मुख्य गतिविधियों में से एक है। इसके लिए न केवल विश्वविद्यालय के स्कूलों में बल्कि संबद्ध संस्थानों में भी विभिन्न श्रेणियों के छात्रों के लिए ऐसी योजनाओं के कार्यान्वयन में परामर्श, सहायता और पर्यवेक्षण की नियमित प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। आंकड़े बताते हैं कि ऐसे अवसरों का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या साल दर साल बढ़ रही है। अपने शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार और पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी को लेकर उनकी सामान्य चिंता बढ़ गई है जो बेहतरी का संकेत है।

योजना शाखा का एक अनुभाग आरटीआई के तहत जानकारी प्रदान करने और पीजीएमएस और सीपीजीआरएएमएस के तहत मुद्दों को संबोधित करने से भी संबंधित है।

13. विश्वविद्यालय कार्य प्रभाग

द्वारका परिसर (सुविधाएँ निर्मित)

- विश्वविद्यालय में खुले बरसाती पानी के नालों को ढकना
- शैक्षणिक विद्यालयों, ब्लॉक-ए, बी, सीडी और ई में खुली सीढ़ियों को कवर करना
- सुविधा केंद्र के बरामदे को ढकने के लिए शेड उपलब्ध कराना एवं ठीक करना
- जीएच -1 और जीएच -II के वार्डन हाउस की बालकनी में शेड उपलब्ध कराना और ठीक करना

पूर्वी दिल्ली परिसर (सूरजमल विहार परिसर)

- कार्य प्रगति पर है। 40 फीसदी काम पूरा।

14. संबद्धता शाखा

1. शैक्षणिक सत्र 2018 - 2019 के लिए स्ववित्तपोषित संस्थानों की सूची

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
1	आर्मी इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, प्लॉट नं. एम-1, ब्लॉक नंबर पी-5, सेक्टर - पॉकेट-5, ग्रेटर नोएडा - 201306	2004-2005	एमबीए	2 वर्ष	120
			बीबीए	3 वर्ष	60
2	आर्मी इंस्टीटयूट ऑफ एजुकेशन, प्लॉट नंबर एम-1, ब्लॉक, नंबर पी-5, ग्रेटर नोएडा - 201306	2003-2004	बी.एड	2 वर्ष	100
3	आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकलविज्ञान, आधार के निकट अस्पताल, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली	2008-2009	एमबीबीएस	5½	100
4	अष्टावक्र पुनर्वास विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, इंस्टीटयूशनल एरिया, सेक्टर-14, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली 110085	2013-2014	बी. एड (विशेष शिक्षा) (एमआर)	2 वर्ष	30
			बी. एड (विशेष शिक्षा) (एचआई)	2 वर्ष	30
			बीएएसएलपी	4 वर्ष	25
			बी. एड (विशेष शिक्षा) (एएसडी)	2 वर्ष	30
5	ऑटिज्म नेशनल के लिए कार्रवाई ऑटिज्म केंद्र भारत नेशनल सेंटर फॉर ऑटिज्म इंडिया, पॉकेट 7 और 8, जसोला विहार, नई दिल्ली 110025	2016-2017	बी. एड (विशेष शिक्षा) (ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार)	2 वर्ष	30
6	एक्मन बिजनेस विद्यालय, 46 ए/2, नॉलेज पार्क III, ग्रेटर नोएडा, यूपी 201308 (नया संस्थान)	2018-2019	एमबीए	2 वर्ष	120
7	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, चांदीवाला एस्टेट, मां आनंदमई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली-19	1999-2000	बीएचएमसीटी	4 वर्ष	120
8	बनारसीदास चांदीवाला सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, चाइवाला एस्टेट, मां आनंदमयी आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली - 19	1999-2000	एमसीए	3 वर्ष	60
9	बनारसीदास चांदीवाला संस्थान फिजियोथेरेपी के,चांदीवाला एस्टेट, मां आनंदमई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली - 19	2003-2004	बीपीटी	4½ वर्ष	60
			एमपीटी(मस्कुलोस्केलेटल)	2 वर्ष	कार्यक्रम बंद करें
			एमपीटी (न्यूरोलॉजी)	2 वर्ष	
			एमपीटी (खेल)	2 वर्ष	
			एमपीटी(कार्डियोपल्मोनरी)	2 वर्ष	

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
10	बनारसीदास चांदीवाला संस्थान व्यावसायिक अध्ययन विभाग, सेक्टर-11, (मेट्रो स्टेशन के सामने) द्वारका, नई दिल्ली - 110075	2008-2009	एमबीए	2 वर्ष	120
			बीबीए	3 वर्ष	60
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
11	भगवान परशुराम प्रौद्योगिकी संस्थान, पीएसपी - 4, सेक्टर - 17, रोहिणी, दिल्ली-110085	2007-2008	बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
			बीबीए	3 वर्ष	60
			एमबीए	2 वर्ष	60
12	भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, ए - 4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली - 110063	1999-2000	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (आईसीई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईसीई) दूसरी पाली	4 वर्ष	60
			बी.टेक (सीएसई) दूसरी पाली	4 वर्ष	60
			बी.टेक (आईटी) दूसरी पाली	4 वर्ष	60
13	भारती विद्यापीठ संस्थान कम्पुटर अनुप्रयोग एंड प्रबंधन, ए4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली - 110063	2002-2003	एमसीए	3 वर्ष	60
			एमसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
14	भगवान महावीर विद्यालय ऑफ वास्तुकला, जगदीशपुर, निकट ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा (अल्पसंख्यक संस्थान)	2015-2016	बी.आर्क	5 वर्ष	80
15	बी. एम. इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, पीछे फाजिलपुरपावर स्टेशन सोनीपत, बहालगढ़ रोड, गांव रायपुर, सोनीपत, हरियाणा	2016-2017	बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
			बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	90
			बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	30
			बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60
			बीबीए	3 वर्ष	60
			बीसीए	3 वर्ष	0
			एमबीए	2 वर्ष	30

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
16	भगवान महावीर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग प्रबंधन, जथेरी रोड, बरोटा चौकी, जगदीशपुर, सोनीपत	2016-2017	बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
17	चंद्रप्रभु जैन कॉलेज ऑफ हायर स्टडीज एंड विद्यालय ऑफ लॉ, प्लॉट नंबर ओसीएफ, सेक्टर - ए - 8, नरेला, दिल्ली	2007-2008	बीबीए	3 वर्ष	75
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	75
			बीसीए	3 वर्ष	30
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
			बीबीए (सीएएम)	3 वर्ष	30
			बीबीए (सीएएम) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
			बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	180
			बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	180
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	30
			बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
18	कॉम-आईटी, कैरियर अकादमी (अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान) एफसी-31, डीडीए का संस्थागत क्षेत्र (पुष्पावती सिंघानिया के पास) अस्पताल) प्रेस एन्क्लेव रोड, शेख सराय, पीएच-II,नई दिल्ली-17	2000-2001	बीसीए	3 वर्ष	60
19	डॉ. अखिलेश दास गुप्ता प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, एफसी-26, शास्त्री पार्क, नई दिल्ली 110053। (पुराना नाम नॉर्थेम इंडिया इंजीनियरिंग कॉलेज, एफसी-26, शास्त्री पार्क, दिल्ली -110053 है)	2003-2004	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (एमएई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (एमएई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (सिविल इंजी.)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (ईईई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (आईटी) दूसरी पाली	4 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
			बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60
			एमबीए	2 वर्ष	120
			बीबीए	3 वर्ष	60
20	दिल्ली व्यावसायिक अध्ययन और अनुसंधान विद्यालय, 9, इंस्टीटयूशनल एरिया, सेक्टर-25, रोहिणी, फेज-III, दिल्ली	1999-2000	बीबीए	3 वर्ष	140
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	110
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	70
			बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
21	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, प्लॉट नंबर 6, सेक्टर-25, रोहिणी, दिल्ली - 110085	1999-2000	बीबीए	3 वर्ष	60
			एमबीए	2 वर्ष	180
			बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
22	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ रूरल विकास, होलंबी खुर्द, दिल्ली-110082	2002-2003	बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	90
			बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
23	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ रूरल विकास, (डीआईआरडी की सहयोगी शाखा), जीटी कमल रोड, ग्राम नंगली पुना, दिल्ली - 110036।	2005-2006	बीबीए	3 वर्ष	90
			बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
			बी.एड	2 वर्ष	100
			बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	45
24	दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन (सनशाइन एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सोसाइटी) बी-12, सेक्टर-62, नोएडा (यूपी)	2012-2013	बीबीए	3 वर्ष	120
			बीजेएमसी	3 वर्ष	120
			बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीए एलएलबी(एकीकृत)	5 वर्ष	180
			बीबीए एलएलबी(एकीकृत)	5 वर्ष	120
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
25	दिल्ली तकनीकी परिसर, 28/1, नॉलेज पार्क - III, ग्रेटर नोएडा, यूपी	2013-2014	बीटेक (ईसीई)	4 वर्ष	60
			बीटेक (एमएई)	4 वर्ष	60
			बीटेक (ईईई)	4 वर्ष	0
			बीटेक. (सीई)	4 वर्ष	60
			बीटेक. (सीएसई)	4 वर्ष	120
			बी.आर्क	5 वर्ष	80
			एमबीए	2 वर्ष	60
			बीसीए	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
26	दिल्ली टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, 340, दीनपुर, बिजवासन रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली	2006-2007	बी.एड	2 वर्ष	100
27	दिल्ली प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, एनएच-1, गांव बार्नट, तहसील गन्नौर, सोनीपत, हरियाणा (नया संस्थान) (अल्पसंख्यक संस्थान)	2018-2019	बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	90
			बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	90
			बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	90
28	फेयरफील्ड इंस्टीटयूट ऑफप्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी, प्लॉट नंबर 1037/1, कापसहेड़ा, नई दिल्ली - 110037	2009-2010	बीबीए	3 वर्ष	120
			बीसीए	3 वर्ष	60
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बी जे एम सी	3 वर्ष	60
			बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
			बी..एड	2 वर्ष	100
			बी.कॉम. (ऑनर्स.)	3 वर्ष	60
			बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	240
			बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	240
			बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	60
			बीए अंग्रेजी (सम्मान)	3 वर्ष	30
29	गीतारतन इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज एंड ट्रेनिंग, डी-ब्लॉक, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली - 110085	1999-2000	बी.एड	2 वर्ष	100
30	गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस विद्यालय, रोहिणी एजुकेशनल सोसाइटी, पीएसपी, कॉम्प्लेक्स- II, मधुबन चौक, दिल्ली	2004-2005	एमबीए	2 वर्ष	180
			एमबीए (दूसरी पारी)	2 वर्ष	120
			एमबीए (आईबी)	2 वर्ष	60
			बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
			बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
			बीबीए	3 वर्ष	180
31	गुरु नानक कॉलेज ऑफ एजुकेशन, (अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान) रोड नंबर 75, पंजाबी बाग, नई दिल्ली 110026	2003-2004	बी.एड	2 वर्ष	100
32	गुरु नानक इंस्टीटयूट ऑफ प्रबंधन, रोड नंबर 75, पंजाबी बाग (पश्चिम) नई दिल्ली 110026 (अल्पसंख्यक संस्थान)	2000-2001	एमसीए	3 वर्ष	60
			बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
33	गुरु राम दास कॉलेज ऑफ एजुकेशन, वेस्ट ज्योति नगर, शाहदरा, दिल्ली	2007-2008	बी.एड	2 वर्ष	100
34	गुरु तेग बहादुर प्रौद्योगिकी संस्थान, (अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान) जी-8 एरिया, राजौरी गार्डन, सामने। स्वर्ग आश्रम मीर, दिल्ली - 110064	1999-2000	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (आईटी) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
35	ग्रेटर नोएडा प्रौद्योगिकी संस्थान, प्लॉट नंबर 6-सी, नॉलेज पार्क II, ग्रेटर नोएडा, जिला. गौतमबुद्धनगर, यूपी (नया संस्थान)	2018-2019	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईसीई)	4वर्ष	60
			बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60
36	एचएमआर प्रौद्योगिकी और प्रबंध संस्थान, हमीदपुर, दिल्ली - 110036	2003-2004	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (एमएई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईईई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
			एमबीए	2 वर्ष	60
37	आदर्श प्रबंधन संस्थान एवं प्रौद्योगिकी, 16-एक्स, कड़कड़डूमा, (टेलीफोन एक्सचेंज के पास), दिल्ली - 110092	2000-2001	बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	110 (अदालत के आदेश अनुसार)
			बीबीए	3 वर्ष	60
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीबीए (सीएएम)	3 वर्ष	45
			बीबीए (सीएएम) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	45
38	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान, सेक्टर - सी, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070	2004-2005	एमपीटी (न्यूरोलॉजी)	2 वर्ष	8
			एमपीटी(मस्कुलोस्केलेटल)	2 वर्ष	8

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
			एमओटी (न्यूरोलॉजी)	2 वर्ष	10
			एमपीटी (खेल)	2 वर्ष	9
			कृत्रिम अंग एवं ऑर्थोटिक्स में परास्नातक	2 वर्ष	16
			एमपीटी(कार्डियोपल्मोनरी)	2 वर्ष	5
			बीपीटी	4½ वर्ष	50
			बीओटी	4½ वर्ष	25
39	भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी1, रेड क्रॉस रोड, नई दिल्ली	2006-2007	पीजीडीडीपीआर	1 वर्ष	40
40	सूचना संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन, डी-29, इंस्टीटयूशनल एरिया,जनक पुरी, नई दिल्ली	1999-2000	एमसीए	3 वर्ष	60
			एमबीए	2 वर्ष	60
			बीसीए	3 वर्ष	60
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीबीए	3 वर्ष	120
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
			बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
41	इंस्टीटयूट ऑफ इनोवेशन इन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, डी 27 और 28, इंस्टीटयूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली	2009-2010	बीबीए	3 वर्ष	180
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
			बीसीए	3 वर्ष	120
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
			बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
42	संस्थाव्यावसायिक अध्ययन का (अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान), एफसी-31, डीडीए इंस्टीटयूशनल एरिया, प्रेस एन्क्लेव सड़क, शेख सराय, पीएच-II, नया दिल्ली -110017	2003-2004	बी.एड	2 वर्ष	100
43	जगन प्रबंधन संस्थान अध्ययन, 3, इंस्टीटयूशनल एरिया, सेक्टर 5, रोहिणी (राजीव गांधी कैंसर रिसर्च इंस्टीटयूट के पास), दिल्ली - 110085	1999-2000	एमसीए	3 वर्ष	60
			एमसीए(दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीबीए	3 वर्ष	60
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीसीए	3 वर्ष	60
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
44	जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट विद्यालय, ओसीएफ, पॉकेट - 9, सेक्टर बी, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070	2003-2004	बीजेएमसी	3 वर्ष	60
			बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीबीए	3 वर्ष	120
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
			बीसीए	3 वर्ष	60
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
45	जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट विद्यालय एमओआर पी.के. टी -105 कालकाजी (कालकाजी पुलिस स्टेशन के सामने), नई दिल्ली-110019	2009-2010	बीबीए	3 वर्ष	60
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
			बी.कॉम. (ऑनर्स) दूसरी पाली	3 वर्ष	60
46	जिम्स इंजीनियरिंग प्रबंधन तकनीकी परिसर, 48/4, नॉलेज पार्क - III, ग्रेटर नोएडा	2013-2014	बीटेक. (सीई)	4 वर्ष	60
			बीटेक. (एमई)	4 वर्ष	60
			बीटेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
			बीटेक (ईई)	4 वर्ष	60
			बीटेक. (ईसीई)	4 वर्ष	60
			बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
			बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
			बीबीए	3 वर्ष	120
			बी.एड	2 वर्ष	100
			बीसीए	3 वर्ष	60
			बी.कॉम (ऑनस)	3 वर्ष	60
47	कालका इंस्टीटयूट फॉर रिसर्च एंड एडवांस्ड स्टडीज, कालका पब्लिक विद्यालय परिसर, अलकना, नई दिल्ली - 110019	2000-2001	बी.एड	2 वर्ष	100
			बीसीए	3 वर्ष	60
48	कस्तूरी राम कॉलेज ऑफ हायर शिक्षा, आठवीं. कुरेनी नरेला, दिल्ली - 110040	2005-2006	बीजेएमसी	3 वर्ष	60
			बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीबीए	3 वर्ष	50
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	50
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	50
			बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	60
49	कमल इंस्टीटयूट ऑफ हायर शिक्षा एवं उन्नत प्रौद्योगिकी के-1 (ब्लॉक) मोहन गार्डन नई दिल्ली-59	2009-2010	बी.एड	2 वर्ष	100

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
			बीबीए	3 वर्ष	90
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
			बीसीए	3 वर्ष	30
50	केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन, 2बी-2सी, नॉलेज पार्क III, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर, यूपी (नया संस्थान)	2018-2019	बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	120
			बीबीए	3 वर्ष	120
			बीसीए	3 वर्ष	60
			बीजेएमसी	3 वर्ष	60
51	लाल बहादुर शास्त्री प्रबंधन संस्थान, प्लॉट नंबर 11/7, सेक्टर 11, द्वारका, नई दिल्ली - 110075	2001-2002	एमसीए	3 वर्ष	60
52	लिंगया का ललिता देवी इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस, 847 - 848, मंडी रोड, ग्राम। एम एंड आई, नई दिल्ली - 110047	2005-2006	बीबीए	3 वर्ष	180
			बीजेएमसी	3 वर्ष	120
			बी. एड	2 वर्ष	100
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
53	लक्ष्मी बाई बत्रा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, प्लॉट नं. 45,46, और 47, तुगलकाबाद, इंस्टीटयूशनल एरिया, महरौली बदरपुर रोड, नई दिल्ली - 62	2004-2005	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	60
54	लीलावती मुंशी शिक्षा महाविद्यालय,भारतीय विद्या भवन 01, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली 110001	2016-2017	बी.एड	2 वर्ष	100
55	महाराज अग्रसेन प्रबंधन अध्ययन संस्थान, सेक्टर-22, रोहिणी, दिल्ली-85	2003-2004	बीबीए	3 वर्ष	180
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
			बीजेएमसी	3 वर्ष	60
			बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	60
			बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
56	महाराजा अग्रसेन प्रौद्योगिकी संस्थान, सेक्टर - 22, रोहिणी, दिल्ली - 110085	1999-2000	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	180
			बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
			बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	180
			बी.टेक (एमएई)	4 वर्ष	180
			बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	180

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
			बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (एमएई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	0
			बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	0
			बी.टेक (आईटी) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	0
			बी.टेक (ईईई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	0
			एमबीए	2 वर्ष	180
			एमबीए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	0
57	महाराजा सूरजमल संस्थान, सी-4, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	1999-2000	बी.एड	2 वर्ष	100
			बीसीए	3 वर्ष	120
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीबीए	3 वर्ष	180
			बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60
			बीबीए (बी एंड आई) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
			बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
58	महाराजा सूरजमल इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सी-4, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	2001-2002	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
			बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
			बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
			बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	60
59	महावीर स्वामी प्रौद्योगिकी संस्थान, जगदीशपुर, पी जिंदल विश्वविद्यालय के पास, सोनीपत, हरियाणा 131030 (अल्पसंख्यक संस्थान)	2014-2015	बीटेक। (ईई)	4 वर्ष	60
			बीटेक। (मुझे)	4 वर्ष	120
			बीटेक। (सीई)	4 वर्ष	60
			बीटेक. (ईसीई)	4 वर्ष	60
			बीटेक। (सीएसई)	4 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
			बीबीए	3 वर्ष	60
			बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
60	प्रबंधन शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, 53-54, इंस्टीटयूशनल एरिया, जनक पुरी, नई दिल्ली - 110058	1999-2000	एमसीए	3 वर्ष	60
			एमसीए (पार्श्व प्रवेश)	2 वर्ष	60
			एमबीए	2 वर्ष	120
			एमबीए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	120
			बीबीए	3 वर्ष	60
61	एमबीएस विद्यालय ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, सेक्टर-09, द्वारका, नई दिल्ली-110075	2011-2012	बी.आर्क	5 वर्ष	120
62	नई दिल्ली प्रबंधन संस्थान, 60 और 61, तुगलकाबाद इंस्टीट्यशनल एरिया, नई दिल्ली - 62	2010-2011	बीबीए	3 वर्ष	180
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
63	राष्ट्रीय हृदय संस्थान, 49-50, सामुदायिक केंद्र, पूर्व कैलाश, नई दिल्ली 110065	2016-2017	एम. एससी (नर्सिंग) सीवीटीएन	2 वर्ष	10
64	प्रदीप मेमोरियल कॉम्प्रिहेंसिव शिक्षा कॉलेज, प्रताप विहार, किरारी एक्सटेंशन, नांगलोई, दिल्ली - 110041	2001-2002	बी.एड	2 वर्ष	100
65	पेरियार प्रबंधन एवं कंप्यूटर कॉलेज, 1 और 2 इंस्टीटयूशनल एरिया, नई दिल्ली - 110025	2013-2014	एमबीए	2 वर्ष	120
66	राजीव गांधी कैंसर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, सेक्टर-5, रोहिणी, नई दिल्ली-110085	2007-2008	बीएससी (चिकित्सा प्रौद्योगिकी, रेडियोथेरेपी)	3 वर्ष	-
67	आरसी इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी,गोपाल नगर, नजफगढ़, नई दिल्ली-110043	2000-2001	एमसीए	3 वर्ष	30
			बीसीए	3 वर्ष	60
			बी.एड	2 वर्ष	100
68	रुक्मिणी देवी उन्नत अध्ययन संस्थान, 2ए एवं 2बी, फेस-1, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली-110085	1999-2000	एमबीए	2 वर्ष	120
			एमबीए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	120
			बीबीए	3 वर्ष	180
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
69	राज कुमार गोयल इंजीनियरिंग कॉलेज, 40 किमी स्टोन, एनएच-24, दिल्ली हापुड रोड, पिलखुवा, हापुड, यूपी (नया संस्थान)	2018-2019	बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	120
			बीबीए	3 वर्ष	120
			बीसीए	3 वर्ष	120
70	संत हरि दास कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, (वायु सेना स्टेशन के सामने), बानी कैंप, नजफगढ़, नई दिल्ली -43	2009-2010	बी.एड	2 वर्ष	100
			बीबीए	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
71	सिरीफोर्ट इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, प्लॉट नंबर 8, सेक्टर-25, रोहिणी, नई दिल्ली	1999-2000	बीसीए	3 वर्ष	60
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
			बीबीए	3 वर्ष	120
			बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
72	श्री गुरु तेग बहादुर प्रबंधन एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान गुरुद्वारा नानक पियाओ, जीटी.के. रोड, दिल्ली - 110033	2009-2010	बीबीए	3 वर्ष	120
			बीसीए	3 वर्ष	120
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीबीए (बी एंड आई) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
73	श्री राम टीचर शिक्षा संस्थान ग्राम बामनोली, सेक्टर-28, द्वारका, नई दिल्ली -110045	2009-2010	बी. एड	2 वर्ष	100
74	श्री कृष्णा शिक्षा कॉलेज, कथानक/खसरा: 234, जॉनमानी, डौला, बागपत, उत्तर प्रदेश	2013-2014	बी. एड	2 वर्ष	100
			बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
			बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
75	सेंट लॉरेंस हायर शिक्षा कॉलेज, गीता कॉलोनी, सुविधा केंद्र, दिल्ली - 110030	2008-2009	बी.एड	2 वर्ष	100
76	सेंट स्टीफंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, तीस हजारी, दिल्ली (अल्पसंख्यक संस्थान)	2008-2009	बी. एससी (एच) नर्सिंग	4 साल	50
			एम.एससी (नर्सिंग)	2 वर्ष	8
			एम. एससी नर्सिंग (सामुदायिक स्वास्थ्य)	2 वर्ष	
			पोस्ट बेसिक नर्सिंग (सरकार से 2018-19. के लिए अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया)	2 वर्ष	20
77	एसजीआईटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, एनएच-24. जिंदल पाइप्स लिमिटेड के सामने, जिंदल नगर, गाजियाबाद -201302	2015-2016	बीबीए	3 वर्ष	120
			बीसीए	3 वर्ष	60
78	संत गोपीचंद शिक्षा एवं कल्याण सोसायटी, प्लॉट नं. 149, ग्राम-अहेड़ा, हार्चचंदपुर, बागपत, ऊपर (नया संस्थान)	2018-2019	बी.एड	2 वर्ष	100

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
79	टेक्निया इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली - 110085	1999-2000	बीबीए	3 वर्ष	120
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
			बी जे एम सी	3 वर्ष	120
			बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
			एमबीए	2 वर्ष	120
			एमबीए (दूसरी पाली)	2 वर्ष.	120
			एमसीए	3 वर्ष	60
			एमसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
80	ट्रिनिटी इंस्टीटयूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, सेक्टर - 9, द्वारका, (मेट्रो पिलर नंबर 1160 के निकट), नई दिल्ली - 110075	2007-2008	बीबीए	3 वर्ष	60
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीसीए	3 वर्ष	60
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बीजेएमसी	3 वर्ष	60
			बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	100
			बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	100
			बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
81	यूनाइटेड कॉलेज ऑफ एजुकेशन, प्लॉट नंबर 50, नॉलेज पार्क 3 ग्रेटर नोएडा, जीबी नगर, यूपी (नया संस्थान)	2018-2019	बीबीए	3 वर्ष	60
			बीसीए	3 वर्ष	60
			बीजेएमसी	3 वर्ष	60
82	वास्तु कला अकादमी, 9/1, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली - 110067	2013-2014	बी.आर्क	5 वर्ष	60
83	वीडी इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कृष्ण विहार, सुल्तान पुरी, दिल्ली - 41	1999-2000	बी.एड	2 वर्ष	100
84	विवेकानन्द व्यावसायिक अध्ययन संस्थान, एयू ब्लॉक(बाहरी रिंग रोड), पीतमपुरा, नई दिल्ली	2000-2001	बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	300
			बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	180
			बीजेएमसी	3 वर्ष	180
			बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
			बीसीए	3 वर्ष	180
			बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
			बीबीए	3 वर्ष	180
			बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
			बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	0

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
			बी.कॉम. (ऑनर्स.)	3 वर्ष	180
			एलएलएम (कॉर्पोरेट नियम)	1 वर्ष	40
			एमसीए	3 वर्ष	120
			बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	120
			एलएलएम (एडीआर)	1 वर्ष	20
			बी.ए अंग्रेजी (सम्मान)	3 वर्ष	120
85	संत विवेकानंद कॉलेज ऑफ लॉ एंड हायर स्टडीज, एनएच-24, दिल्ली हापुर रोड, जिंदल नगर, दिल्ली एनसीआर, गाजियाबाद,	2018-2019	बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
			बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
			बीबीएएलएलबी	5 वर्ष	60

2. शैक्षणिक सत्र 2018 - 2019 के लिए सरकारी संस्थानों की सूची

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
1	अली यावर जंग नेशनल इंस्टीटयूट फॉर द हियरिंग हैंडीकैप्ड, (उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, दिल्ली) सी-44ए, सेक्टर-40, गौतमबुद्धनगर, नाएडा, उ.प्र	2012-2013	बीएएसएलपी	4 वर्ष	20
2	अम्बेडकर इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज एंड रिसर्च, गीता कॉलोनी, दिल्ली-110092	1999-2000	बीटेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
			बीटेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
			एम. टेक. (डीसी)	2 वर्ष	18
			एम. टेक. (आईएस)	2 वर्ष	18
			एम. टेक. (एसपी)	2 वर्ष	18
			एम. टेक. (आरएफ एवं एमई)	2 वर्ष	18
3	अम्बेडकर इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, शकरपुर, ओपी। मधुबन, पटपड़गंज रोड, दिल्ली - 92 (इससे पहले अम्बेडकर एकीकृत इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी विभाग संस्थान के रूप में)	2015-2016	बीसीए	3 वर्ष	60
			बी. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	3 वर्ष	100
4	आर्यभट्ट प्रौद्योगिकी संस्थान, शक्ति नगर के पास, टेलीअदला-बदली, जीटी कमल रोड, नई दिल्ली	2015-2016	बी.वोक (निर्माण प्रौद्योगिकी)	3 वर्ष	100
5	भाई परमान एंड इंस्टीटयूट ऑफ बिजनेस स्टडीज, ऑप. मधुबन, शकरपुर (विस्तार), दिल्ली - 110092	2000-2001	एमसीए	3 वर्ष	60
			एमबीए	2 वर्ष	40
			बीबीए	3 वर्ष	40
			बी. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	3 वर्ष	50
6	कॉलेज ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, हिंदू राव अस्पताल, मल्कागंज, दिल्ली	2009-2010	बी.एससी. (एमएलटी)	3 वर्ष	30

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
7	सी-डैक, नोएडा (औपचारिक रूप से भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान एवं विकास केंद्र) सरकार। भारत, अनुसंधान भवन, सी-56/1, इंस्टीटयूशनल एरिया, सेक्टर - 62, नोएडा	2000-2001	एम.टेक. (सीएसई)	2 वर्ष	25
			एम.टेक. (आईटी)	2 वर्ष	25
			एम.टेक. (वीएलएसआई)	2 वर्ष	25
			एमसीए	3 वर्ष	60
			एमबीए (आईटी)	2 वर्ष	60
8	चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, खेड़ा डाबर, नजफगढ़, दिल्ली - 110073	2010-2011	बीएएमएस	4 ½ वर्ष	100
			एमडी (आयु)	3 वर्ष	29
9	नर्सिंग कॉलेज, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली - 110026	2008-2009	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	50
10	नर्सिंग कॉलेज, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली-110001	2008-2009	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	50
11	चौ. ब्रह्म प्रकाश सरकार अभियांत्रिकी कॉलेज, राव तुला राम अस्पताल के पीछे, जाफरपुर, नई दिल्ली - 110073	2007-2008	बीटेक। (सीई)	4 वर्ष	60
			बीटेक। (आईटी)	4 वर्ष	60
12	मानसिक स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र (सीईआईएमएच) (पूर्व में) मनोचिकित्सा विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, पीजीआईएमईआर पार्क स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001	2015-2016	एम. फिल (नैदानिक मनोविज्ञान)	2 वर्ष	8
13	दिल्ली हेरिटेज अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान, 18ए, सत्संग विहार मार्ग, विशेष संस्थान क्षेत्र, नई दिल्ली - 67	1999-2000	एमसीपीएचएम	2 वर्ष	30
			एमएएचएम	2 वर्ष	30
14	डॉ. बीआर सूर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, नानकपुरा, मोती बाग, नई दिल्ली - 110021	1999-2000	बीएचएमएस	5) वर्ष	50
15	डा बीएसए अस्पताल चिकित्सक कॉलेज सेक्टर 6, रोहिणी दिल्ली-110085	2016-2017	एमबीबीएस	5) वर्ष	100
16	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ टूल इंजीनियरिंग, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, चरण- II, दिल्ली-20, (वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में प्रधान कार्यालय, दिल्ली-110052)	2008-2009	बीटेक (औजार इंजीनियरिंग)	4 साल	60
			बीटेक (मेक्ट्रोनिक्स)	4 साल	60
			एम. टेक. (औजार इंजीनियरिंग)	2 वर्ष	18
17	मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग,मनोचिकित्सा विभाग पीजीआईएमईआर डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली-110001	2016-2017	एम. फिल (मनोचिकित्सा सामाजिक कार्य)	2 वर्ष	6
18	ईएसआईसी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, सेक्टर - 15, रोहिणी, नई दिल्ली - 110085	2010-2011	बीडीएस	5 वर्ष	50

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
19	जीबी पंत सरकार. अभियांत्रिकी कॉलेज, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, चरण - III, ओखला, नई दिल्ली -110020	2007-2008	बीटेक (ईसीई)	4 साल	60
			बीटेक (एमएई)	4 साल	60
			बीटेक.(सीएसई)	4 साल	60
20	गुरु नानक देव तकनीकी संस्थान, इंस्टीटयूशनल एरिया, सेक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली-110089	2015-2016	बी. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	3 वर्ष	50
21	जीबी पंत प्रौद्योगिकी संस्थान, ओखला, चरण-III, नई दिल्ली	2015-2016	बी. वोक (ऑटोमोबाइल)	3 वर्ष	50
			बी. वोक (निर्माण तकनीकी)	3 वर्ष	50
			बी. वोक (पावर वितरण प्रबंधन)	3 वर्ष	50
22	एकीकृत प्रौद्योगिकी संस्थान, सेक्टर - 9, एकीकृत प्रौद्योगिकी संस्थान, सेक्टर 9, द्वारका, नई दिल्ली - 110075	2014-2015	बीएससी (एमएलटी)	3 वर्ष	30
			बीसीए	3 वर्ष	45
			बी. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	3 वर्ष	50
23	कस्तूरबा प्रौद्योगिकी संस्थान, पीतमपुरा, मुनि माया राम मार्ग, नई दिल्ली - 110088	2015-2016	बी. वोक (सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट)	3 वर्ष	50
			बी. वोक (एप्लाइड आर्ट्स)	3 वर्ष	50
24	लोक नायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंस, सेक्टर 3, आउटर रिंग रोड, रोहिणी, दिल्ली	2004-2005	एम.ए. (अपराध विज्ञान)	2 वर्ष	22
			एम. एस. सी. (फोरेंसिक विज्ञान)	2 वर्ष	31
25	मीरा बाई प्रौद्योगिकी संस्थान, महारानी बाग, नई दिल्ली	2010-2011	बीबीए	3 वर्ष	60
			बी. वोक (एप्लाइड आर्ट्स)	3 वर्ष	50
			बी. वोक (आंतरिक सज्जा)	3 वर्ष	100
26	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, 68, अशोक रोड, नई दिल्ली	2012-2013	बीएससी (योग विज्ञान)	3 वर्ष	60
27	राष्ट्रीय सार्वजनिक सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, 5, सिरी इंस्टीटयूशनल एरिया, हौज खास, नई दिल्ली - 110016	2009-2010	बाल मार्गदर्शन एवं परामर्श में उन्नत डिप्लोमा	1 वर्ष	30
28	हिंदू राव अस्पताल, मलिका गंज, दिल्ली में एनडीएमसी मेडिकल कॉलेज	2014-2015	एमबीबीएस	5½ वर्ष	50
29	राष्ट्रीय श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान, नरेला, दिल्ली 110040 (यह संस्थान 2015-16 में मौजूदा संस्थान)	1999-2000	पीजीडीएचआरपीडी	1 वर्ष	35

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
30	दिव्यांगजनों अधिकारिता बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों (एनआईईपीआईडी) के लिए राष्ट्रीय संस्थान (पुराना नाम राष्ट्रीय मानसिक रूप विकलांग संस्थान एनआईएमएच, क्षेत्रीय केंद्र, सी-44ए, सेक्टर-40, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा, यूपी (यह संस्थान 2015-16 में मौजूदा संस्थान)	2012-2013	बी..एड विशेष. शिक्षा. (एमआर)	2 वर्ष	30
31	पूसा प्रौद्योगिकी संस्थान पूसा, नई दिल्ली - 110012 फोन: 011-25843065	2015-2016	बी. वोक (मुद्रण एवं प्रकाशन)	3 वर्ष	50
			बी. वोक. (विद्युत वितरण प्रबंधन)	3 वर्ष	50
			बी. वोक. (ऑटोमोबाइल)	3 वर्ष	50
32	शिक्षात्मक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण राज्य परिषद, वरुण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली	2003-2004	बी.एड	2 वर्ष	100
33	डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), नई दिल्ली	2008-2009	एमडी कीटाणु-विज्ञान	3 वर्ष	5
			एमडी विकृति विज्ञान	3 वर्ष	9
			एमडी एनेस्थिसियोलॉजी	3 वर्ष	34
			एमडी जनरल दवा	3 वर्ष	24
			एमडी बाल चिकित्सा	3 वर्ष	14
			एमडी त्वचा विज्ञान	3 वर्ष	5
			एमडी रेडियो निदान	3 वर्ष	15
			एमडी प्रसूति एवं स्त्री रोग	3 वर्ष	10
			एमडी	3 वर्ष	
			एमएस ईएनटी (कान, नाक और गला)	3 वर्ष	5
			एमएस जनरल शल्य चिकित्सा	3 वर्ष	16
			एमएस नेत्र विज्ञान	3 वर्ष	4
			एमएस हड्डी रोग	3 वर्ष	6
			एम.सीएच. (बाल चिकित्सा सर्जरी)	3 वर्ष	4
			एम.सीएच (प्लास्टिक शल्य चिकित्सा)	3 वर्ष	4
			एसएसएमसी (डीएम कार्डियोलॉजी)	3 वर्ष	4
			एसएसएमसी (एम.सी.एच. सीटीवीएस)	3 वर्ष	4
			एसएसएमसी (डीएम न्यूरोलॉजी)	3 वर्ष	4

क्र.सं.	संस्थान का नाम	स्थापना का वर्ष	कार्यक्रम	अवधि	2018-19 के लिए अंतिम प्रवेश
34	ईएसआई - पीजीआईएमएसआर, ईएसआई अस्पताल, बसैदरपुर, नई दिल्ली	2011-2012	एमडी एनेस्थिसियोलॉजी	3 वर्ष	6
			एमडी प्रसूति एवं स्त्री रोग	3 वर्ष	8
			एमडीडीवीएल	3 वर्ष	3
			एमडी (बाल चिकित्सा) (नया कार्यक्रम)	3 वर्ष	4
			एमएस हड्डी रोग	3 वर्ष	8
			एमएस नेत्र विज्ञान	3 वर्ष	1
			एमएस सर्जरी	3 वर्ष	4
			डीएम (फुफ्फुसीय चिकित्सा)	3 वर्ष	2
35	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली - 110026	2006-2007	एमडी जनरल दवा	3 वर्ष	24
			एमडी बाल चिकित्सा	3 वर्ष	16
			एमडी रेडियो निदान	3 वर्ष	18
			एमडी फिजिकल मेड. एवं पुनर्वास.	3 वर्ष	4
			एमडी त्वचा विज्ञान	3 वर्ष	5
			एमडी एनेस्थिसियोलॉजी	3 वर्ष	65
			एमडी शरीर रचना	3 वर्ष	8
			एमडी जीव रसायन	3 वर्ष	4
			एमडी सामुदायिक चिकित्सा	3 वर्ष	9
			एमडी कीटाणु-विज्ञान	3 वर्ष	5
			एमडी विकृति विज्ञान	3 वर्ष	10
			एमडी फार्माकोलॉजी	3 वर्ष	4
			एमडी शरीर क्रिया विज्ञान	3 वर्ष	7
			एमडी खेल चिकित्सा	3 वर्ष	5
			एमडी (रेडियो थेरेपी)	3 वर्ष	4
			एमडी (मनोचिकित्सा)	3 वर्ष	5
			एमएस सामान्य शल्य चिकित्सा	3 वर्ष	21
			एमएस ओटो-राइनो-स्वरयंत्र विज्ञान (ईएनटी)	3 वर्ष	6
			एमएस	3 वर्ष	15

15. परीक्षा शाखा

1. अंतिम वर्ष उत्तीर्ण 2017-18 का विवरण

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
337	एडीसीजी एवं सी	1	29	1	28	0	0	0
070	एलएलएम	1	97	40	57	89	36	53
261	एमफिल (अंग्रेजी)	1	17	3	14	17	3	14
911	पीएचडी (बीटी)	1	8	2	6	0	0	0
905	पीएचडी(सीएचई)	1	2	0	2	0	0	0
923	पीएचडी (सीएसई)	1	17	9	8	0	0	0
906	पीएचडी(सीटी)	1	2	2	0	0	0	0
933	पीएचडी (ईसीई)	1	14	7	7	0	0	0
907	पीएचडी (ईडीएन)	1	3	0	3	0	0	0
902	पीएचडी(अंग्रेजी)	1	3	0	3	0	0	0
910	पीएचडी (ईएनवीएससी)	1	6	3	3	0	0	0
901	पीएचडी (आईसीटी)	1	18	6	12	0	0	0
908	पीएचडी (एलएलएस)	1	14	6	8	0	0	0
945	पीएचडी(गणित)	1	1	0	1	0	0	0
944	पीएचडी(एमसी)	1	2	1	1	0	0	0
909	पीएचडी (प्रबंधन)	1	5	1	4	0	0	0
904	पीएचडी(भौतिकी)	1	4	2	2	0	0	0
021	बीएड	2	2182	162	2020	2130	154	1976
124	बीएड(एसई)(एएसडी)	2	17	5	12	16	5	11
122	बीएड(एसई)(एचआई)	2	8	0	8	7	0	7
121	बीएड(एसई)(एमआर)	2	43	4	39	40	4	36
012	डीसीएच	2	4	3	1	4	3	1
170	एलएलएम (डब्ल्यू)	2	42	24	18	33	18	15
088	एमए (एएचएम)	2	18	7	11	15	5	10
089	एमए (सीपीएचएम)	2	16	7	9	12	4	8
858	एमए (सीआरआईएम)	2	22	7	15	20	7	13
307	एमए (ईसीओ)	2	40	8	32	36	6	30
109	एमए (अंग्रेजी)	2	49	2	47	46	2	44
140	एमए(एमसी)	2	59	19	40	54	16	38

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
039	एमबीए	2	2057	1012	1045	1861	890	971
593	एमबीए (एफएम)	2	59	36	23	48	29	19
143	एमबीए (आईबी)	2	54	28	26	50	27	23
199	एमबीए (आईटी)	2	47	31	16	43	28	15
885	एमबीए (डब्ल्यू)	2	117	69	48	0	0	0
001	एमएड	2	40	1	39	39	1	38
072	एमओटी(एन)	2	1	0	1	1	0	1
262	एमफिल (सीपी)	2	7	0	7	0	0	0
263	एमफिल (पीएसडब्ल्यू)	2	1	0	1	0	0	0
090	एमपीओ	2	1	1	0	0	0	0
403	एमपीटी(सी)	2	4	0	4	0	0	0
069	एमपीटी(एम)	2	8	1	7	0	0	0
068	एमपीटी(एन)	2	8	1	7	0	0	0
075	एमपीटी(खेल)।	2	9	1	8	0	0	0
003	एमएससी (बायोकॉन)	2	21	4	17	19	3	16
047	एमएससी(ईएम)	2	25	3	22	24	3	21
059	एमएससी(एफएस)	2	28	8	20	26	7	19
264	एमएससी(एन)	2	6	0	6	0	0	0
247	एमएससी(एनआरएम)	2	20	4	16	19	4	15
204	एमटेक(बीसीई)(डीडी)	2	2	2	0	0	0	0
213	एमटेक(बीटी)(डीडी)	2	4	2	2	2	1	1
095	एमटेक(सीई)	2	2	1	1	1	1	0
214	एमटेक(सीई)(डीडी)	2	3	3	0	0	0	0
048	एमटेक (सीएसई)	2	38	20	18	33	16	17
232	एमटेक(सीएसई)(डीडी)	2	1	1	0	1	1	0
007	एमटेक(डीसी)	2	16	9	7	11	5	6
142	एमटेक (ईसीई)	2	13	4	9	8	1	7
228	एमटेक (ईसीई)(डीडी)	2	5	5	0	1	1	0
097	एमटेक (ईपी)	2	4	1	3	0	0	0
008	एमटेक (आईएस)	2	15	5	10	13	3	10
215	एमटेक (आईटी)(डीडी)	2	5	5	0	3	3	0
053	एमटेक (आईटीआर)	2	35	11	24	32	9	23

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
010	एमटेक (नैनो)	2	3	1	2	3	1	2
187	एमटेक (आरए)	2	11	9	2	10	9	1
006	एमटेक(आरएफ)	2	10	5	5	8	4	4
005	एमटेक (एसपी)	2	17	7	10	13	5	8
186	एमटेक (टीई)	2	12	12	0	11	11	0
052	एमटेक (वीएलएसआई)	2	24	11	13	21	9	12
383	एवी- पैन	3	6	3	3	0	0	0
386	एवी- पैन	3	5	3	2	0	0	0
384	एवी-आरएन	3	6	3	3	0	0	0
024	बीए (जेएमसी)	3	1308	670	638	1132	537	595
017	बीबीए(जी)	3	4758	3202	1556	4048	2626	1422
050	बीबीए (टीटीएम)	3	3	3	0	2	2	0
018	बीबीएबीआई	3	265	167	98	238	149	89
019	बीबीएकैम	3	148	95	53	122	72	50
020	बीसीए	3	1799	1344	455	1532	1102	430
888	बीकॉम (एच)	3	1210	846	364	1084	735	349
067	बीएससी (एमएलटी)	3	64	20	44	55	15	40
080	बीएससी (एमटीआर)	3	3	2	1	2	1	1
399	बीएससी(वाईएस)	3	20	5	15	19	5	14
183	बीवीओसी(एए)	3	40	0	40	37	0	37
178	बीवीओसी(एएम)	3	54	54	0	50	50	0
176	बीवीओसी (सीटी)	3	92	88	4	87	83	4
182	बीवीओसी (आईडी)	3	47	0	47	30	0	30
174	बीवीओसी (एमसी)	3	31	23	8	29	22	7
175	बीवीओसी (पीडीएम)	3	54	53	1	47	46	1
180	बीवीओसी (पीटी)	3	51	43	8	41	33	8
179	बीवीओसी (आरएसी)	3	35		1	19	18	1
181	बी वीओसी(एसडी)	3	255	164	91	230	148	82
378	कार्ड में डी.एम.	3	6	6	0	6	6	0
379	न्यूरो में डीएम	3	2	1	1	2	1	1
382	डीएम से पीसीसीएम	3	4	4	0	4	4	0
390	यूआरओ में एमसीएच	3	4	4	0	4	4	0

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
377	बीपीएस में एमसीएच	3	14	13	1	14	13	1
376	सीटीवीएस में एमसीएच	3	3	3	0	3	3	0
381	एन.एस. में एमसीएच	3	5	5	0	5	5	0
385	पीएस में एमसीएच	3	2	2	0	2	2	0
044	एमसीए	3	770	517	253	692	449	243
045	एमसीए(एसई)	3	52	36	16	46	32	14
351	एमडी (एएनईएस)	3	18	10	8	17	9	8
371	एमडी (एएनटी)	3	1	0	1	1	0	1
365	एमडी (बायोचे)	3	1	1	0	1	1	0
352	एमडी (डीवीएल)	3	10	5	5	8	4	4
355	एमडी(जीएम)	3	36	26	10	35	25	10
366	एमडी(माइक्रोबायो)	3	5	2	3	5	2	3
353	एमडी(पथ)	3	15	5	10	14	4	10
354	एमडी(पीईडी)	3	13	4	9	13	4	9
367	एमडी (फार्म)	3	2	2	0	1	1	0
372	एमडी (पीएचवाई)	3	2	1	1	2	1	1
362	एमडी (पीएमआर)	3	4	4	0	4	4	0
364	एमडी (पीएसएमसीएम)	3	8	5	3	4	3	1
368	एमडी (मनोरोग)	3	3	2	1	3	2	1
356	एमडी(आरडी)	3	14	9	5	14	9	5
374	एमडी(एसएम)	3	4	3	1	4	3	1
357	एमएस (ईएनटी)	3	11	5	6	8	3	5
359	एमएस(जीएस)	3	25	23	2	23	21	2
358	एमएस(ओबीजी)	3	19	0	19	18	0	18
360	एमएस(ओपीटीएच)	3	11	1	10	10	1	9
361	एमएस (ओर्थ)	3	21	21	0	19	19	0
248	एमटेक(सीएसई)(डब्ल्यू)	3	29	14	15	20	9	11
042	एमटेक (ईसीई)(डब्ल्यू)	3	7	4	3	7	4	3
065	एमटेक(आईटी)(डब्ल्यू)	3	7	2	5	4	1	3
096	बीएएसएलपी	4	49	12	37	35	8	27
022	बीएचएमसीटी	4	94	81	13	87	75	12
066	बीएससी(एन)	4	200	1	199	179	1	178

कार्यक्रम कोड	कार्यक्रम	अवधि	कुल छात्र (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला	कुल उत्तीर्ण (अंतिम वर्ष)	पुरुष	महिला
004	बीटेक(बीसीई)(यूएसएस)	4	31	21	10	27	17	10
013	बीटेक(बीटी)(यूएसएस)	4	41	18	23	34	15	19
014	बीटेक(सीई)(यूएसएस)	4	41	33	8	35	28	7
034	बीटेक (सिविल)	4	374	356	18	343	326	17
027	बीटेक (सीएसई)	4	1682	1382	300	1583	1288	295
032	बीटेक (सीएसई) (यूएसएस)	4	66	62	4	49	45	4
028	बीटेक (ईसीई)	4	1583	1262	321	1420	1115	305
128	बीटेक (ईसीई) (यूएसएस)	4	56	54	2	50	48	2
110	बीटेक (ईई)	4	39	35	4	30	27	3
049	बीटेक (ईईई)	4	692	598		634	543	91
056	बीटेक (ईएनई)	4	22	16	6	21	15	6
030	बीटेक (आईसीई)	4	100	79	21	88	67	21
031	बीटेक (आईटी)	4	1091	849	242	1022	788	234
015	बीटेक(आईटी) (यूएसएस)	4	56	47	9	45	37	8
036	बीटेक (एमएई)	4	659	647	12	581	569	12
111	बीटेक (एमई)	4	183	179	4	171	167	4
112	बीटेक (एमईटी)	4	77	72	5	69	64	5
037	बीटेक (पीई)	4	67	62	5	65	60	5
086	बीटेक (टूल्स)	4	72	69	3	66	63	3

2. स्वर्ण पदक विजेता छात्रों की अस्थायी सूची (उत्तीर्ण वर्ष 2018)*

क्र.सं	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	छात्र का नाम	संस्थान का नाम	सीजीपीए/ सीपीआई
1	एमएड	02269900116	नेहा शर्मा	शिक्षा का विद्यालय विश्वविद्यालय	8.84
2	एमएससी (बायोकॉन)	01116300316	ज्योति शर्मा	पर्यावरण प्रबंधन के विद्यालय विश्वविद्यालय	8.95
3	बीसीए	02314902015	ध्रुवी गोयल	महाराजा सूरजमल संस्थान	9.71
4	बी.एड	03897002116	सागरिका दत्ता	श्री राम इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन	9.6
5	बीए (जेएमसी)	00814202415	अंजलि सिन्हा	जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंटवी विद्यालय, वसंतकुंज	9.47
6	एमसीए	07917704415	सोनाली शर्मा	विवेकानन संस्थान व्यावसायिक अध्ययन	9.41
7	एमसीए(एसई)	40516404515	मोहित कथूरिया	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	8.92

क्र.सं	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	छात्र का नाम	संस्थान का नाम	सीजीपीए/ सीपीआई
8	एमएससी(ईएम)	02616304716	महिमा उत्तरेजा	पर्यावरण प्रबंधन के विद्यालय विश्वविद्यालय	9.2
9	एमएससी(एफएस)	01118505916	समीक्षा संजय जयसवाल	एलएनजेएन नेशनल इंस्टीटयट ऑफ अपराध विज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान	9.03
10	एलएलएम	01316507017	अलंकृता माथुर	कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय	8.82
11	एमए (एएचएम)	00540908816	नेहा मोहगांवकर	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ हेरिटेज अनुसंधान एवं प्रबंधन	8.71
12	एमए (सीपीएचएम)	00240908916	आस्था दुग्गल	दिल्ली इंस्टीटयूट ऑफ हेरिटेज अनुसंधान एवं प्रबंधन	8.48
13	बी.एड (एसई)(एमआर)	01735412116	प्रियंका जैन	अष्टावक्र इंस्टीटयूट ऑफ पुनर्वास विज्ञान एवं अनुसंधान	9.13
14	बी.एड (एसई)(एचआई)	00635412216	शशि पांचाल	अष्टावक्र इंस्टीटयूट ऑफ पुनर्वास विज्ञान एवं अनुसंधान	9
15	बी.एड (एसई)(एलडी)	01352112316	तान्या बत्र	विशेषशिक्षा के लिए शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान	9.18
16	बी.एड (एसई)(एएसडी)	00552312416	पूजा विश्कर्मा	अष्टावक्र इंस्टीटयूट ऑफ पुनर्वास विज्ञान एवं अनुसंधान	8.85
17	एमए(एमसी)	03320304016	शिवानी त्यागी	जनसंचार के विद्यालय विश्वविद्यालय	8.77
18	एलएलएम (डब्ल्यू)	00216517016	सोनम दत्त	कानून और कानूनी अध्ययन के विद्यालय विश्वविद्यालय	71.1
19	एमएससी(एनआरएम)	00316324716	स्किा सिंह	पर्यावरण प्रबंधन के विद्यालय विश्वविद्यालय	8.93
20	एमए (सीआरआईएम)	00818505816	निधि मरियम याकूब	एलएनजेएन नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ अपराध विज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान	8.02
21	बी.आर्क	05759301613	अभिषेक गुप्ता	एमबीएस विद्यालय ऑफ प्लानिंग एंड वास्तुकला	80.38
22	होस्पिटलिटी	03711002214	स्मृति सनेजा	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीटयूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी	89.23
23	आईएनटी(बीबीए-एलएलबी)	05617703513	नीलेश भारद्वाज	विवेकान एंड ए इंस्टीट्यूट ऑफ व्यावसायिक अध्ययन	81.7
24	आईएनटी(बीए-एलएलबी)	26317703813	भूमिका	विवेकान एंड ए इंस्टीट्यूट ऑव्यावसायिक अध्ययन	82.03
25	बीवीओसी (सीटी)	00626717615	ओजस कौशिक	आर्यभट्ट संस्थान तकनीकी	9.39
26	बीवीओसी(एएम)	01122017815	क्र.सं. दुबे	जीबी पंत संस्थान तकनीकी	8.79

क्र.सं	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	छात्र का नाम	संस्थान का नाम	सीजीपीए/ सीपीआई
27	बीवीओसी (एसडी)	01111418115	मानसी गर्ग	भाई परमान और बिजनेस स्टडीज संस्थान	9.68
28	बीवीओसी (आईडी)	00721918215	शैरी गुप्ता	मीरा बाई संस्थान तकनीकी	8.81
29	बीवीओसी(एए)	01321918315	अपूर्व उपाध्याय	मीरा बाई संस्थान तकनीकी	8.99
30	बीटेक (सीएसई)	01596202714	अंबिका अरोड़ा	डॉ. अखिलेश दास गुप्ता प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान	91.05
31	बीटेक (ईसीई)	03215602814	शिवानी सिंघल	डॉ.अखिलेश दास गुप्ता प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान	90.06
32	बीटेक (आईसीई)	04411503014	कान्हा जैन	भारती विद्यापीठ इंजीनियरिंग कॉलेज	81.67
33	बीटेक (आईटी)	02496303114	आकांक्षा सक्सेना	महाराजा सूरजमल प्रौद्योगिकी संस्थान	90.78
34	बीटेक (सिविल)	30118003414	हर्षित अग्रवाल	दिल्ली तकनीकी परिसर	88.18
35	बीटेक (एमएई)	30813303614	दीक्षा	एचएमआर प्रौद्योगिकी एवं प्रबंध संस्थान	87.72
36	बीटेक (पीई)	02015303714	रत्नेश अग्रहरि	राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान	81.45
37	बीटेक (ईईई)	01996204914	विनीता पांडे	डॉ. अखिलेश दास गुप्ता प्रौद्योगिकी एवं प्रबंध संस्थान	87.34
38	बीटेक(ईएनई)	04220705614	शुलभा सिंह	चौ. बीपी सरकार इंजीनियरिंग महाविद्यायलय	75.85
39	बीटेक (टूल्स)	01670208614	दमन पोपली	दिल्ली टूल अभियांत्रिकी संस्थान	82.15
40	बीटेक (ईई)	00625511014	रजनी तिवारी	जिम्स इंजीनियरिंग प्रबंधन तकनीकी परिसर	82.78
41	बीटेक (एमई)	00725511114	हर्षदीप सिंह	जिम्स इंजीनियरिंग प्रबंधन तकनीकी परिसर	86.19
42	बीटेक(एमईटी)	01570211214	मोहम्मद शाहिद	दिल्ली टूल अभियांत्रिकी संस्थान	83.13
43	बीबीए(जी)	14114701715	यश अग्रवाल	महाराजा अग्रसेन संस्थान मैनेजमेंट स्टडीज	9.36
44	बीबीएबीआई	01821201815	जोशिता दुआ	महाराजा सूरजमल संस्थान	9.41
45	बीबीएकैम	02421001915	शिवानी पांडा	प्रबंधन एवं तकनीकी आदर्श संस्थान	8.97
46	एमबीए	06812303916	पीयूष अग्रवाल	दिल्ली एडवांस्ड स्टडीज संस्थान	9.21
47	एमए (अंग्रेजी)	05521600916	श्रुति गौड़	मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय	7.68
48	एमबीए (आईबी)	02319114316	निशांत	गीतारतन इंटरनेशनल व्यवसायिक विद्यालय	8.86
49	एमबीए (आईटी)	00311819916	ईशा वर्मा	सी-डैक, नोएडा	9.18
50	एमफिल(इंग्लैंड)	00221626117	मनाली डोगरा	मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय विज्ञान	7.88

क्र.सं	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	छात्र का नाम	संस्थान का नाम	सीजीपीए/ सीपीआई
51	एमए (ईसीओ)	01621630716	पूर्वा अरोरा	मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विद्यालय विश्वविद्यालय विज्ञान	8.56
52	पीजीडीएचआरपीडी	00899809217	सहयोगी मोहम्मद	श्रम अर्थशास्त्र अनुसंधान एवं प्रबंधन राष्ट्रीय संस्थान	9
53	एमबीए(एफएम)	02216659316	हरित्ति छाबड़ा	विश्वविद्यालयविद्यालय ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज	9.17
54	एमबीए(डब्ल्यू)	01416688516	अमन माथुर	विश्वविद्यालयविद्यालय ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज	81.08
55	बीकॉम (एच)	01214988815	भव्या जैन	महाराजा सूरजमल संस्थान	9.48
56	बीएससी (एमएलटी)	00850106715	नंदनी शाक्य	एकीकृत तकनीकी संस्थान	9.38
57	एमपीटी (खेल)	00318707516	टीना एल्सा यूसुफ	इसिक पुनर्वास संस्थान विज्ञान	8.46
58	एमडी (आरडी)	00122135615	अर्चित सिंघल	पीजीआईएमईआर, डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल	80.125
59	एमएस (ओपीटीएच)	00750036015	प्रेमा सिन्हा	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	71.5
60	डीएम (पीसीसीएम)	00159038215	अग्रवाल सुमिता प्रवेश	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	69.38
61	एम.सीएच (यूरोलॉजी)	00322139015	दुष्यन्त शर्मा	पीजीआईएमईआर, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल	73.13
62	बीएससी (वाईएस)	00852239915	दिव्या मतलानी	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान	9.37
63	बी.एच. एम. एस	04812602312	जीवितेश मनचंदा	डॉ. बी. आर. सूर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र	69.31
64	बीपीटी	01511202613	शैली गुप्ता	बनारसीदास चांदीवाला फिजियोथेरेपी संस्थान	79.66
65	बीएससी (एन)	00261506614	स्वाति गोयल	सेंट स्टीफंस हॉस्पिटल नर्सिंग कॉलेज	80.88
66	बीएएसएलपी	03020209614	पूजा	अली यावर जंग नेशनल विकलांग श्रवण संस्थान	79.81
67	बीपीओ	00320019013	हिमांशु चौरसिया	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल	76.73
68	बीडीएस	01550759113	प्राची गढ़िया	ईएसआईसी डेंटल कॉलेज और अस्पताल	72.86
69	बीएएमएस	03250859212	अंकिता	चौधरी. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान	76.09
70	एमबीबीएस	15120059012	निकिता वाधवानी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल	73.59
71	एमटेक (एसपी)	00210100516	विपुल गुप्ता	अम्बेडकर उन्नत संचार प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान संस्थान	9.14

क्र.सं	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	छात्र का नाम	संस्थान का नाम	सीजीपीए/ सीपीआई
72	एमटेक(डीसी)	00810100716	इशिता अरोड़ा	अम्बेडकर उन्नत संचार प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान संस्थान	9.546
73	एमटेक (आईएस)	00610100816	कीर्ति शर्मा	अम्बेडकर उन्नत संचार प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान संस्थान	9.333
74	एमटेक(ईसीई)(डब्ल्यू)	00816404215	अविजीत सिंह	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	83.17
75	एमटेक (सीएसई)	00516404816	सैजल गुप्ता	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	8.926
76	एमटेक (वीएलएसआई)	00811805216	सुमन्यु पांडे	सी-डैक, नोएडा	9.231
77	एमटेक (आईटीआर)	01116405316	आरुषि गुप्ता	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	8.935
78	एमटेक(आईटी)(डब्ल्यू)	00216406515	नूपुर पसरीचा	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	84.91
79	एमटेक (ईसीई)	01016414216	अन्तरिक्ष शर्मा	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	9.435
80	एमटेक (टीई)	00770218616	शृजल गुप्ता	दिल्ली टूल अभियांत्रिकी संस्थान	8.904
81	एमटेक (आरए)	01316418716	वैशाली लोहचाब	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	8.574
82	एमटेक(सीएसई)(डब्ल्यू)	00416414815	शीतिका कपूर	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	86.97
83	बीटेक(बीसीई)(यूएसएस)	02116100414	रानू शर्मा	रासायनिक प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	76.56
84	बीटेक(बीटी)(यूएसएस)	03016001314	मानसी शर्मा	जैव प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	84.65
85	बीटेक(सीई)(यूएसएस)	01016101414	निकिता	रासायनिक प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	85.19
86	बीटेक(आईटी)(यूएसएस)	60116401514	प्राची गर्ग	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	87.21
87	बीटेक (सीएसई) (यूएसएस)	60016403214	सौरभ पाहवा	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	83.27
88	बीटेक (ईसीई) (यूएसएस)	08016412814	मोहित सहगल	सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी के विद्यालय विश्वविद्यालय	83.79

***विश्वविद्यालय के आगामी दीक्षांत समारोह में पुरस्कार प्रदान किये जाने के अधीन।**

16. विश्वविद्यालय में अन्य सुविधाएं

1. विश्वविद्यालय में निम्नलिखित सुविधाएं हैं:

इंडियन बैंक

पोस्ट ऑफिस

मदर डेयरी जैसी वाणिज्यिक सेवाएँ, केन्द्रीय भंडार, फोटोकॉपियर, स्वस्थ चूल्हा

2. कर्मचारी आवास और अतिथि गृह

विश्वविद्यालय में कर्मचारी आवास और अतिथि गृह हैं जिनका विवरण नीचे दिया गया है:-

क) कर्मचारी आवास

प्रकार	आवास की संख्या	अत्यावश्यक सेवाएं
टाइप-I	24	02
प्रकार-II	32	00
टाइप-III	12	01
प्रकार-IV	42	01
टाइप-V	09	03

ख) अतिथि गृह

प्रकार	कमरे की संख्या
अतिथि गृह -I टाइप-IV ब्लॉक A-101 और A-102	04 साधारण कमरे 02 डीलक्स कमरे
अतिथि गृह-II (पुराने वीसी निवास स्थान)	02 डीलक्स कमरे 02 सुपर डीलक्स कमरे

3. विश्वविद्यालय छात्रावास

विश्वविद्यालय 360 महिला और 364 पुरुष छात्रों की क्षमता के साथ एकल अधिभोग छात्रावास की सुविधा भी प्रदान करता है।

17. वित्तीय स्वास्थ्य

आय		2018-19
क्र.सं	**सामान**	
(I)	**से अनुदान प्राप्त हुआ**	
1	(i) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	0
2	(ii) दूरस्थ शिक्षा परिषद	
3	(iii) अन्य केंद्र सरकार विभाग	
4	राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त हुआ	
5	स्थानीय निकायों से प्राप्त अनुदान	
6	दान	
	कुल (I)	0
(II)	**आय**	
1	छात्रों से फीस	1264644630
2	आवेदन पत्रों की बिक्री	116975000
3	छात्रों से अन्य शुल्क	285091659
4	दिलचस्पी अर्जित	179814459
5	अन्य कमाई	6,12,18,300
6	पूर्व अवधि की आय	
	कुल (II)	1907744048

व्यय		2018-19
क्र.सं	**सामान**	**राशि (रु.)**
(I)	**वेतन, भत्ते और सेवानिवृत्ति फायदे**	800230712
(II)	**इमारतों (निर्माण और रखरखाव)**	
1	निर्माण - गैर आवर्ती	2249488
2	रखरखाव - आवर्ती	34302613
(III)	**पुस्तकालयएवं प्रयोगशाला**	
1	पुस्तकालय-गैर आवर्ती	7944026
2	प्रयोगशाला-गैर आवर्ती	7455643
3	प्रयोगशाला-पुनरावर्ती	11091001
(IV)	**अनुसंधान गतिविधियाँ**	39932856
(V)	**छात्रवृत्तिएवं शुल्क माफी (शुल्क रियायत)**	17016800
(VI)	**महाविद्यालयों को अनुदान**	

व्यय		2018-19
क्र.सं	सामान	राशि (रु.)
(VII)	**अन्य खर्च (*)**	
1	आवर्ती व्यय	707188472
2	गैर आवर्ती खर्च	5455177
3	पूर्व अवधि के व्यय	344632
4	खर्च पर छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू)	13793943
	कुल	1647005363
क्र.सं	**सामान**	**राशि (रु.)**
1	विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट	1712800000
2	बजटीय व्यय (वास्तविक व्यय)	1647005362
3	विश्वविद्यालय को यूजीसी से प्राप्त अनुदान (परियोजनाओं के अलावा)	
	अनुदान - यूजीसी (सामान्य विकास) सहायक योजना -बारहवीं योजना	0
	प्रकाशन अनुदान -XII योजना- यूजीसी	0
4	एकत्रि राजस्व सृजन	1907744048
5	कोर्पसनिधि	1623302850

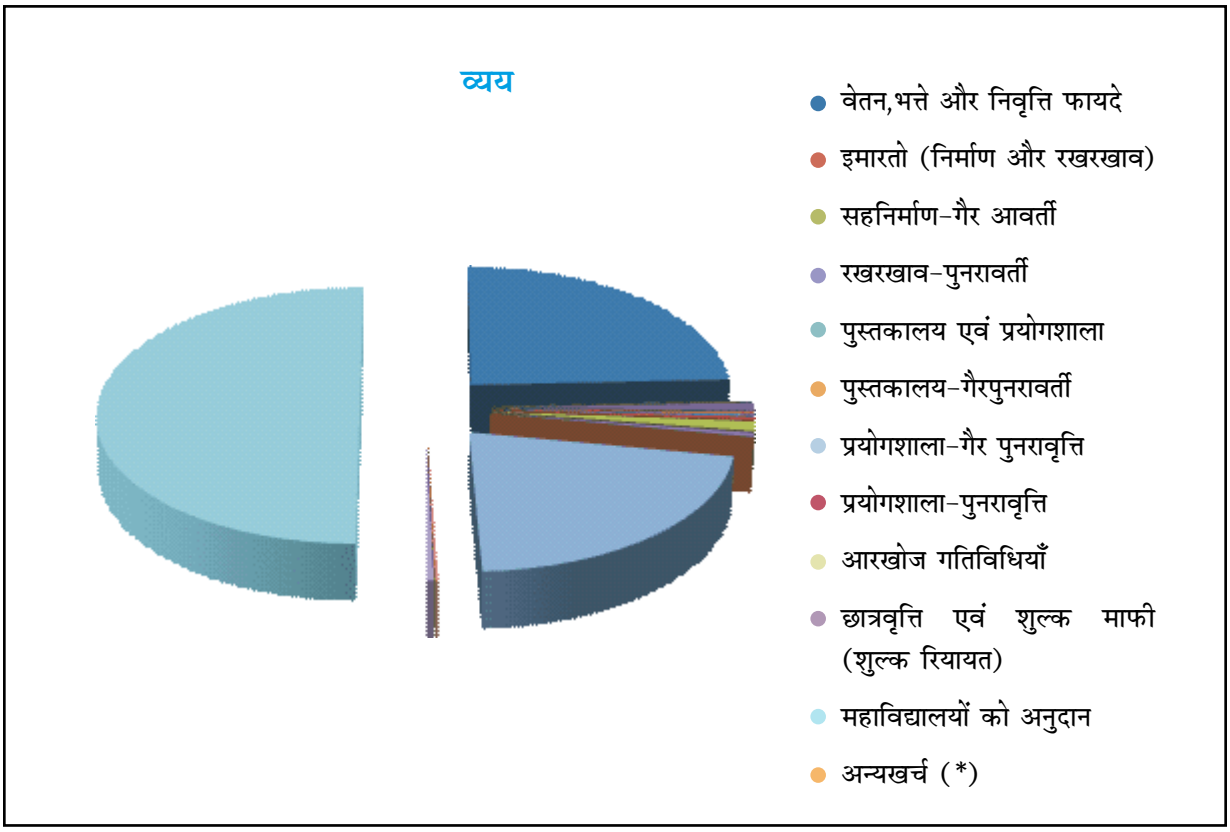

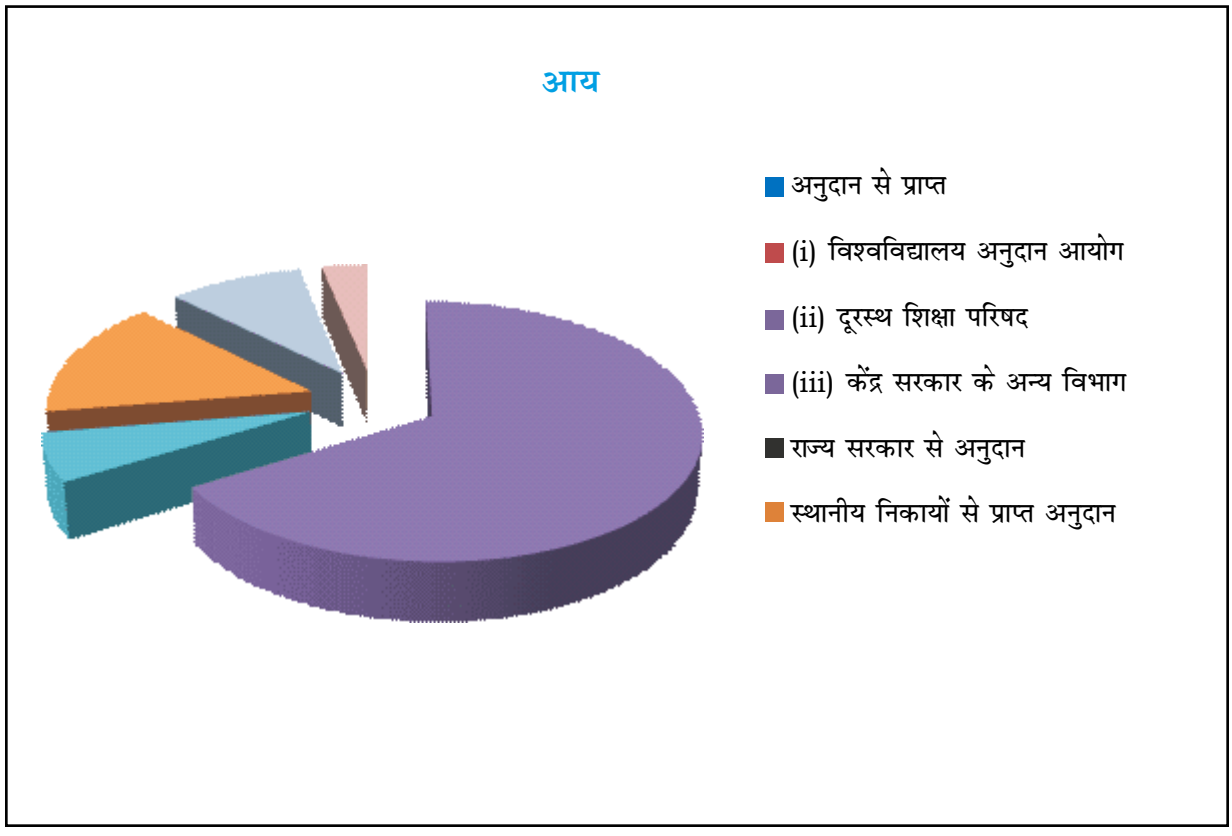
आय
अनुदान से प्राप्त
(i) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
(ii) दूरस्थ शिक्षा परिषद
(iii) केंद्र सरकार के अन्य विभाग
राज्य सरकार से अनुदान
स्थानीय निकायों से प्राप्त अनुदान

18. विश्वविद्यालय के वैधानिक निकायों की संरचना

कानून 29-उपखंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
(i)	कुलाधिपति, पदाधिकारी	उपराज्यपाल/कुलाधिपति
(ii)	कुलपति, पदाधिकारी	कुलपति
(iii)	सम कुलपति, पदाधिकारी	सम कुलपति
(iv)	स्कूल ऑफ स्टडीज के दो अध्यक्ष, कुलपति द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए नामित किए जाएंगे	1. प्रो अरिंजय कुमार, अध्यक्ष, यूएससीटी (13.09.2017 से 12.09.2018)
		2. प्रो कंवल डीपी सिंह, अध्यक्ष, यूएसएलएंडएलएस (21.06.2017 से 20.06.2018)
(v)	पूर्व छात्रों के एक सदस्य को न्यायालय द्वारा नामित किया जाएगा	-
(vi)	विश्वविद्यालय के एक पूर्व कुलपति को कुलाधिपति द्वारा नामित किया जाएगा	डॉ. दीपक नैय्यर, पूर्व-कुलपति,दिल्ली विश्वविद्यालय
(vii)	सरकारी प्रतिनिधि: प्रभारी सचिव, विभाग शिक्षा, दिल्ली सरकार, पदेन	सचिव (उच्च शिक्षा), दिल्ली सरकार के एनसीटी
(viii)	संबद्ध संस्थानों के प्रतिनिधि - प्रधान/अध्यक्ष/ सचिव संबद्ध कॉलेजों का ट्रस्ट, नहीं दो से अधिक, कुलपति द्वारा नामित किए जाने के लिए, बारी-बारी से एक वर्ष के लिए।	(i) डॉ. पायल पाहवा, निदेशक, भगवान परशुराम इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यू दिल्ली-110089 (ii) श्री. जे.सी. शर्मा, अध्यक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, जनकपुरी, नई दिल्ली 110058
(ix)	उद्योग/वाणिज्य/लोक सेवा का प्रतिनिधित्व करने वाले पांच प्रतिष्ठित व्यक्तियों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के परामर्श से कुलाधिपति द्वारा नामित किया जाएगा।	(i) डॉ एस फारूक, हिमालय ड्रग कंपनी, 321-डी, ओखला गांव, नई दिल्ली -110025 (ii) दीपक पेंटल, पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय (iii) सुधा भट्टाचार्य, पर्यावरण विज्ञान विद्यालय, जेएनयू, नई दिल्ली जे.एन.यू., नई दिल्ली (iv) प्रो. राजेंद्र प्रसाद, निदेशक, एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ इंटीग्रेटिव साइंस एंड हेल्थ और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी, एमिटी विश्वविद्यालय, हरियाणा, गुड़गांव (पूर्व प्रोफेसर स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली) (v) प्रो. जे.एम.के. खुराना, विभाग। रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
(x)	पांच प्रतिष्ठित शिक्षाविदों/पेशेवरों को कुलाधिपति के परामर्श से न्यायालय द्वारा सह-चुना जाएगा, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से परामर्श कर सकते हैं।.	(i) प्रो. सैयद एहतेशाम हसनैन, कुलपति, जामिया हमदर्द (हमदर्द विश्वविद्यालय), नई दिल्ली (ii) श्री अजय चौधरी, संस्थापक-हिंदुस्तान कंप्यूटर्स लिमिटेड (एच.सी.एल) (iii) श्री जसविंदर आहूजा, कॉर्पोरेट वीपी और प्रबंध निदेशक, कैडेंस डिजाइन सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट। लिमिटेड, पी प्लॉट 57 ए, बी एंड सी, नोएडा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एनएसईजेड), चरण 2, नोएडा, उत्तर प्रदेश 201305

कानून 29-उपखंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
		(iv) डॉ. अशोक जैन, पूर्व निदेशक, एनआईएसटीएडीएसय सूचना विज्ञान एवं संचार संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैंपस (v) श्री प्रवीण गोसाईं, क्षेत्रीय निदेशक, ऑस्ट्रेलिया-भारत, एस.ई. एशिया कॉर्निंग टेक्नोलॉजीज इंडिया प्रा. लिमिटेड

- विश्वविद्यालय अदालत की 8 वीं बैठक -25.05.2018

2. विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड का गठन

कानून 28-उपखंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
(i)	कुलपति	कुलपति
(ii)	वरिष्ठतम सम कुलपति	सम कुलपति
(iii)	दो अध्यक्ष (विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ स्टडीज) (अवधि एक वर्ष) बारी-बारी से वरिष्ठता के आधार पर	(i) प्रोफेसर संगीता चौहान, अध्यक्ष यूएसई (ii) प्रोफेसर आशुतोष मोहन, अध्यक्ष यूएसएचऔर एसएस प्रोफेसर आशुतोष मोहन, अध्यक्ष यूएसएचऔर एसएस
(iv)	संबद्ध संस्थानों के दो प्राचार्य (उनकी संबद्धता की तारीख के आधार पर कॉलेज की वरिष्ठता के अनुसार और जहां संबद्धता एक ही तारीख को है, ड्रॉ के बजाय) (अवधि एक वर्ष)	
(v)	वित्त विभाग, दिल्ली सरकार में प्रभारी सचिव	प्रमुख सचिव (वित्त), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
(vi)	शिक्षा विभाग में प्रभारी सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार	सचिव (उच्च शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
(vii)	तकनीकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार में प्रभारी सचिव	सचिव, तकनीकी प्रशिक्षण शिक्षा विभाग (टीटीई), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
(viii)	निम्नलिखित में से दो व्यक्ति: (क) एक इंजीनियरिंग संस्थान, मेडिकल कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज के प्रिंसिपल/निदेशक, गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय से संब) नहीं हैं। (ख) दिल्ली सरकार के अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक या मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष (ग) किसी भी सरकारी विभाग के मुख्य अभियंता या मुख्य वास्तुकार रैंक का व्यक्ति।	1. प्रो. जेपी सैनी, निदेशक, एनएसयूटी, सेक्टर-3, द्वारका, नई दिल्ली- 110078 (वर्तमान में कुलपति एनएसयूटी) 2. डॉ. पी. एस. नैय्यर, एमएस, संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल, ब्लॉक-एस, मंगोलपुरी, नई दिल्ली-110083
(ix)	उद्योग/औद्योगिक परिसंघों या परिसंघों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो व्यक्तियों को कुलाधिपति द्वारा नामित किया जाएगा। (अवधि तीन साल)	1. सुश्री आशु चड्ढा, सीईओ, ऑन डिमांड एंड एजिलिटी सॉल्यूशंस, एससीओ, 43, ओल्ड ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स, गुरुग्राम, सेक्टर-15, हरियाणा 122001 2. सुश्री अर्पिता पाल अग्रवाल, सीईओ, एम-सीआरआईएल, 542 मेगापोलिस, सोहना रोड, सेक्टर-48, गुरुग्राम - 122018।

कानून 28-उपखंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
(x)	पांच व्यक्ति जो प्रख्यात पेशेवर/शिक्षाविद/शिक्षाविद हैं, उन्हें कुलाधिपति द्वारा नामित किया जाएगा, बशर्ते वे विश्वविद्यालय के कर्मचारी या संबद्ध कॉलेजों के कर्मचारी/पदाधिकारी न हों। (अवधि तीन साल)	1. प्रो. अंबुज डी. सागर, विपुला एवं महेश चतुर्वेदी नीतिशास्त्र अध्ययन के प्रोफेसर एवं संस्थापक प्रमुख, स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, आईआईटी, हौज खास, नई दिल्ली-110016 2. डॉ. राज सेनानी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग प्रभाग, (पूर्व निदेशक एनएसआईटी), सेक्टर-03, द्वारका, नई दिल्ली -110078 3. डॉ. राजीव सराफ, सीईओ, लेप्टन सॉफ्टवेयर एंड रिसर्च प्राइवेट। लिमिटेड, 570, उद्योग विहार, फेज-टू, गुरुग्राम, हरियाणा-122016 (पीपल चौक, पोस्ट ऑफिस के पास) 4. प्रोफेसर. एनके गांगुली, वैश्विक स्वास्थ्य रणनीतियाँ, चौथी मंजिल, शहीद भवन, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-110067 5. श्री किरण कामिक, पूर्व अध्यक्ष, ई73, बेलेयर गोल्फ कोर्स रोड, डीएलएफ-5, सेक्टर 54, गुरुग्राम 122011

- बीओएम की 66वीं बैठक -06.08.2018
- बीओएम की 67वीं बैठक-12.01.2019

3. शैक्षणिक परिषद का गठन

कानून 28-उपखंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
(i)	कुलपति	कुलपति
(ii)	सम कुलपति(एस)	सम कुलपति
(iii)	अध्ययन के विद्यालय के अध्यक्ष	1.अध्यक्ष-यूएसबीएएस 2. अध्यक्ष-यूएसबीटी 3. अध्यक्ष-यूएससीटी 4. अध्यक्ष-यूएसईएम 5. अध्यक्ष-यूएसआईसीटी 6. अध्यक्ष-यूएसएचएसएस 7. अध्यक्ष-यूएसएमसी 8. अध्यक्ष-यूएसएलएलएस 9. अध्यक्ष-यूएसएम एवं पीएमएचएस 10. अध्यक्ष-यूएसएमएस 11. अध्यक्ष-यूएसएपी

कानून 28-उपखंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
(iv)	विश्वविद्यालय के चार प्राचार्यों ने कॉलेजों का रखरखाव किया और आठ प्रिंसिपल, जिनमें से प्रत्येक विश्वविद्यालय के अलावा कॉलेजों के निम्नलिखित समूहों से दो-दो थे, का संचालन करते हैं: - इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी और वास्तुकला कार्यक्रम प्रबंधन कार्यक्रम कंप्यूटर प्रोग्राम शिक्षा और अन्य विशेष कार्यक्रम इस शर्त के अधीन है कि:- संविधि 18(1) के अनुसार कॉलेज का प्राचार्य विश्वविद्यालय का मान्यता प्राप्त शिक्षक होना चाहिए। प्राचार्यों की नियुक्ति कुलपति द्वारा एक वर्ष के लिए कॉलेज की वरिष्ठता के अनुसार उसकी संबद्धता की तारीख के आधार पर बारी-बारी से की जाएगी और जहां संबद्धता उसी तारीख को है, नामांकन ड्रॉ द्वारा किया जाएगा।	1. प्रो. एम. एन. हुडा भारती विद्यापीठ कंप्यूटर अनुप्रयोग एवं प्रबंधन संस्थान, ए-4, पश्चिम विहार, रोहतक रोड, नई दिल्ली-110063 2. डॉ. सुरेंद्र कुमार, दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, होलंबी खुर्द, दिल्ली-110082 3. डॉ. महाराज कृष्ण भट, महाराजा अग्रसेन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज महाराजा अग्रसेन चौक, प्लॉट नंबर I, सेक्टर- 22, रोहिणी, दिल्ली-110086 4. डॉ. धीरेंद्र श्रीवास्तव, ईएसआईसी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल, सेक्टर-15, रोहिणी, नई दिल्ली-110085
(v)	निदेशक	1. निदेशक- अकादमिक काम 2. निदेशक- समन्वय 3. निदेशक-छात्र कल्याण 4. निदेशक- विकास 5. निदेशक- अंतर्राष्ट्रीय मामले 6. निदेशक- अनुसंधान एवं परामर्श 7. निदेशक- कानूनी सहायता 8. निदेशक- आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र(सीडीएमएस) 9. निदेशक- इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ (आईयूआईआईसी) 10. निदेशक- औषधि विज्ञान में उत्कृष्टता केंद्र (सीईपीएस)
(vi)	पुस्तकालय अध्यक्ष	पुस्तकालय अध्यक्ष
(vii)	मान्यता प्राप्त शिक्षकों और/या विश्वविद्यालय के शिक्षकों में से पांच से अधिक व्यक्तियों को कुलपति द्वारा नामित नहीं किया जाएगा।	1. प्रो. संजीव मित्तल, यूएसएमएस 2. प्रो. यूके मंडल, यूएससीटी 3. प्रो. उदयन घोष, यूएसआईसीटी 4. डॉ. निमिषा शर्मा, सह-प्रोफेसर, यूएसबीटी 5. डॉ. गुलशन धमीजा, सहायक प्रोफेसर, यूएसबीएएस

कानून 28-उपखंडरू	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
(viii)	दस से अधिक व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय, कॉलेजों या संस्थानों के कर्मचारी नहीं हैं, अपने विशेष ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सह-विकल्प नहीं हैं, जिसमें नियोक्ता संगठनों, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य, शैक्षणिक और व्यावसायिक संगठनों और संचार क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हैं।	1. प्रो. पीके जुल्का, (सेवानिवृत्त), क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली। मैक्स इंस्टीटयूट ऑफ कैंसर केयर, 26-ए, रिंग रोड, निर्मल पुरी, निर्मल कॉलोनी, ब्लॉक-2, लाजपत नगर-IV, नई दिल्ली- 110024 2. प्रो. एमसी शर्मा, (सेवानिवृत्त) स्कूल ऑफ एजुकेशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली.109, नव शक्ति सदन, सेक्टर13, रोहिणी, नई दिल्ली-110085 3. प्रो. कर्मेषु (सेवानिवृत्त), स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंसेज, जेएनयू, नई दिल्ली। 4. प्रो. अरविंद मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष, विधि संकाय, डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा,पूर्व निदेशक/ प्रमुख, स्नातकोत्तर विधि विभाग, आगरा कॉलेज, आगरा पूर्व ओएसडी (कानून), उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, लखनऊ। 5. श्री संदीप गुप्ता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एंबेडेड टेक्नोलॉजी अकादमी, दिल्ली। 100 यूबी जवाहर नगर, दिल्ली-110007 6. प्रो. राजीव भट्ट, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली। 7. प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष, स्कूल ऑफ लॉ, शारदा विश्वविद्यालय, प्लॉट नंबर 32 और 34, नॉलेज पार्क-III, ग्रेटर नोएडा-201306 (यूपी). 8. अर. रूपल एस रंधावा,204-ए, पॉकेट-बी,मयूर विहार, फेज-2,नई दिल्ली-110091. 9. प्रो. पी. एन वार्ष्णेय, इ-30, ग्रेटर कैलाश III, नई दिल्ली - 110 048। 10. डॉ. जगदेश लाल गुप्ता, सीपी-18, मौर्य एन्क्लेव, पीतम पुरा,दिल्ली - 110 034.

- शैक्षणिक परिषद की 44वीं बैठक-03.05.2018
- अकादमिक परिषद की 45वीं बैठक -19.03.2019

4. योजना बोर्ड का गठन

कानून 12-उपखंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
(1)	कुलपति, पदाधिकारी	कुलपति
(1)	प्रबंधन बोर्ड द्वारा नौ से अधिक सदस्यों को नामांकित नहीं किया जाएगा	1. प्रो. बी. पी. खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष,एनयूपीईए एवं सीबीएसई, नई दिल्ली 2. प्रो. जेडएच. जैदी, पूर्व कुलपति, बरेली विश्वविद्यालयय, सलाहकार, अल फलाह विश्वविद्यालयय, धोज, फरीदाबाद, हरियाणा। सलाहकार, इन्वर्टिस विश्वविद्यालय, बरेली (यूपी) 3. प्रो सुंदर लाल,पूर्व कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (यूपी) 4. प्रो. एसपी मिश्र,पूर्व कुलपति,देव संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार एवं श्रीधर विश्वविद्यालय, पिलानी 5. प्रो. जे.एस विरदी, माइक्रोबायोलॉजी के प्रोफेसर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस, 6. डॉ. अशोक अग्रवाल, पूर्व निदेशक, स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज, इग्नू 7. प्रो. एसएमके कादरी,कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली 8. प्रो. राकेश भटनागर, कुलपति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय 9. प्रो. सुजॉय कुमार दास गुप्ता, निदेशक (कार्यवाहक), बोस संस्थान, कोलकाता

5. संबद्धता बोर्ड का गठन

कानून 13-उपखंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
(1)	कुलपति, पदाधिकारी	कुलपति
(1)	प्रबंधन बोर्ड द्वारा सात से अधिक सदस्यों को नामांकित नहीं किया जाएगा	1. प्रो. ओम विकास, सी-15, तरंग अपार्टमेंट, 19, एल. पी. एक्सटेंशन, मदर डेयरी रोड, दिल्ली-110092। 2. प्रो. जेपी गुप्ता, डी-31, सेक्टर-51, शिव कला अपार्टमेंट के पास, नोएडा (यूपी) - 201301। 3. प्रो. एमएन डोजा, कंप्यूटर विभाग अभियांत्रिकी, फॉल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली-110025. 4. प्रो. अशोक डे, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय, दिल्ली 110042।

कानून 13-उपखंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
		5. डॉ. एस. के. त्यागी, चेयरमैन देव ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूशंस, आगरा (यूपी), 2/144(ए), रावली, एमजी रोड, आगरा-282001। 6. प्रो. एके अग्रवाल, प्रो. ऑफ एक्सीलेंस, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली-110002, एन-9, ग्रीन पार्क मेन, नई दिल्ली-110016 7. प्रो. सुधीर सोपोरी, पूर्व कुलपति, जेएनयू, नई दिल्ली-110067 मकान नंबर 584, सेक्टर-14 फरीदाबाद-121007

6. वित्त समिति का गठन

कानून 15-उपखंड:	तीन वर्ष/एक वर्ष के नामांकन कार्यकाल के लिए सदस्यों का आवश्यक गठन	2018-2019
(i)	कुलपति	कुलपति
(ii)	कुलपति द्वारा नामित एक सम कुलपति	सम कुलपति
(iii)	सरकार के वित्त विभाग में सचिव या उसका नामित व्यक्ति जो अतिरिक्त सचिव के पद से नीचे का न हो	प्रमुख सचिव (वित्त), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
(iv)	सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव या उनके नामांकित व्यक्ति जो अतिरिक्त सचिव के पद से नीचे नहीं	सचिव (उच्च शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
(v)	विश्वविद्यालय या संस्थान के कर्मचारी के अलावा इसके सदस्यों में से प्रबंधन बोर्ड का एक सदस्य नामित किया जाएगा (अवधि तीन वर्ष) प्रबंधन बोर्ड द्वारा नामित	डॉ. पीएस नैय्यर, एमएस, संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल, ब्लॉक-एस, मंगोलपुरी, नई दिल्ली-110083
(vi)	कुलाधिपति द्वारा दो व्यक्तियों को नामांकित किया जाएगा (अवधि तीन वर्ष) कुलाधिपति द्वारा नामांकन	1. श्री आनंद मोहन सहगल, पूर्व लेखा महानियंत्रक, भारत सरकार, नई दिल्ली. 2. डॉ. पद्माकर मिश्रा, पूर्व वित्त अधिकारी, दिल्ली विश्वविद्यालय, नालंदा विश्वविद्यालय और एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय